A.C. Joshi Library
P.U. Chandigarh

MSS No. 276 Subject Philosophy

Name of MSS अलंकार कालनिधि (Alankarakalanidhi).

Author लालकवि

Period ______ Folios 102

Script Sanskrit Source Prithipal Singh

Missing Folios ______

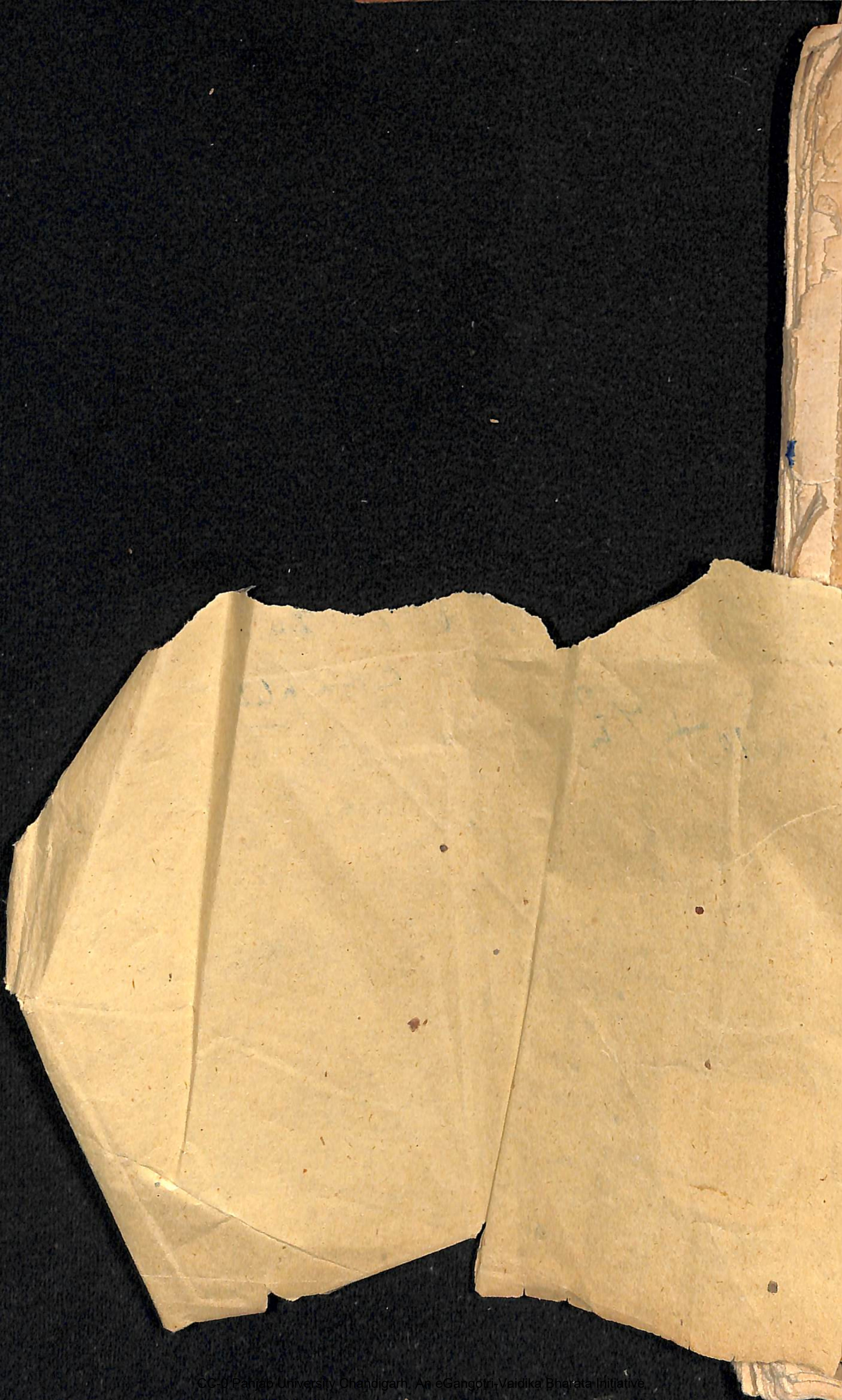
श्रीगणेशायनमः अथअलंकारकलानिधिलिष्यते
कुंडलमंडितकपोलतुमंड भुसुंड लियेअलिमंडलमंडन
मंडन तंडवसुंडिप्रचंडउहितुंड महामरकुंडउमंडना कुंडली
कोउपवीतअषंडसुधाकरषंडधरैंतमषंडन ध्यावो
वितुंडअषंडलघोरघुमंडिरहेअघषंड विहंडन १
बाजतसहानेनिसानजतसबेरघोषसाजतसकलसुष
मंगलविलासकौ गावतगुनीजेउमगावतउछाहसौं
जगावतमहलमांईमनुकरसालकौं आरतीउता
रियतहीरामोतीवारितरलिमलिडारियतहारहके
जालमैं राजारामचंद्रराजपाटअभिषेकसमैंसिहा
...हेतुकविलालकौं २ बानीकेरलिकौ
...भयें ...मा

1 ...

10 × 7¾

Complete

276



श्रीगणेशायनमः अथअलंकारकलानिधिलिष्यते
कुंडलमंडितपोलतुमंड भुसुंड लिये अलिमंडलमंडन
मंडल तंडवसुंडि प्रचंडहितुंड महामदकुंड गमंडन कुंडली
कोउपबीतअषंडसुधाकरषंडधरैंतमषंडन ध्यावो
वितुंड अषंडलघोरघुमंडिरहे अघपुंड विहंडन १
बाजत सहानेविश्राजतसबेर घोषसाजतसकलसुष
मंगलविसालकों गावतगुनीजेउमगावतउछाहसों
अगावतमहलमांईगुनकरसालकों आरतीउता
रियतहीरामोतीवारितरलिमलिउारियतदारिदके
जालकों राजारामचंदराजपाटअभिषेकसमैंसिंहा
सनवैठेसुभदेहुकविलालकों २ बानीकेरलिक
गनपतिकेप्रसन्नभयेंसकहूकैंमुषमुलकतिसुषभा
रती फुरततुरतछंदरूपानमयभानरुचिसरूदतातम
पारअंधकारतैंउधारती सरसतिसुधाकरसुधासिं
धुहूतैंवरबानधरनबलदूषनविदारती मानिक
विराजकैंसभाजनसिरताजतहांहिकीरतिकलानिकैंउता
रियतआरती ३ सकलकलानिकेनिधानजयसिंह
[illegible]रूपधरैंप्रभुताईमघवानसरछीनोंहैं कविताके
रसपर रीझनरसन्नबरसबकविलोकनिप्रमोदजिनि
दीनोंहै तिनकविलालकलानिधिसोंसनेहकरिकियो
लवकछुकहुकमरसभीनोंहै नवतिनभाषामेंअसेष
काविरीतिआनिअलंकारकलानिधिनामग्रंथकीनों
है ४ दोहा सुभवसंतकीपंचमीकरतअनेकविहार
हुकमपाइन्रपकौंतहांभयोग्रंथअवतार ५ अथव
संतसभावर्णनं उडतअवीरसोईकुसुमपरागपूरके
मरिचिचकमधु[illegible]ईलाजकी मरसिंगारीमारीन

क०

चैंनरवारी धरैं सोभा बहुरंग बन बेली के समाज की
1 बीना बैंन मुरज मृदंग डफ ताल धुनि होति सम ताई अ
लि कोकिल अवाज की जयसिंह भूप के भवन रसभीनी
मजलसि की जलूस कि जलूस रितुराज की ६ बीतत
सिसिर रितु सैंसव विकास जहें चारु सरसीरुह बदन द
रसाई हैं सरिसौं सरिस फूली फूलि रही सौंन जुही जाकी
यह अंगराग चिन्ह चिरसुहाई हैं फूल्यौ गुललाला छाई छि
ति पें छबीली छबि सुरही सारी पहरें सदाई मन भाई हैं सा
हिब सवाई जयसिंघ सुखदाई बनि आजु नव बाला ज्यों
बसंत रितु आई है ७ सीतल सुगंध मंद मारुत महामत
कोकिल तुरंग लैन जरि गुजरायो है हरी हरी डारें बहुमान भ
रे थान भरि फूले फल जंवाहर लाघन दिषायो है मौंर नि
सों जेली करैं बातें रसमेली अलबेली चलबेली ये सहेली सं
ग ल्यायो है राघव सुवाल तुम्हें देषत निहाल लियें बिजे की रसा
ल रितुराज आजु आयो है ८ सीतल समीर नि लै सौं चीरस ल
कूंद लिसौं बीथी कुंज मंदिरनि चंदन लिपाई सी नवदल तो
रन बिराजें ठौर ठौर अलिमाल रंग मानिक की झालरि सुहाई
सी गावत गलीन छिरे कोकिल अलीनगन फूली बन
बेली पुरबधू मिलि धाई सी रामचंद्र पीतम के आगम र
बांनी दुमहारें भरी फूलनि उ कूलनि सौं छाई सी ९
सोहत सघन दल हरित अपार जल रंग रंग फूलमनि भानि
कूकै भाउ है उडत पराग तेई उन्नत तरंग बहु सौरभ की धार
सौ नदीला बनि मिलाउ है चपैलो और भासव बडबानल पलासम
करंद सुधा मौंर विष आहरनि राउ है ह्वां बन चंद कोरि कु
लाउ है जमोरी आज रितुराज को समाज दरियाउ है १०
बागनि मौरे रसाल नहीं मैं बरागन रा[illegible] बीन ज्यौं बाजै
कोकिल कूक उठे हिय हूक बियो[illegible] कसमीर समाजे

कामविथारतु पांचहुं वा[illegible]न नि माननी मानकै मोचनका
मै नंदकिसोर विचाहि लहाइ वसंतसी एक वसंत विराजै ११
अथ वसंतके लिवर्णनं केसरिकै रसभरी छूटै पिचका
री भारी तेई बहु नीर धीर धुरवा निलै बिये वाजत मरदं
1 A गतेई गाजत गहर धुनि नूपुर मधुर मोरनाद नि वि सेवि
ये बैठे नंदलाल प्रभु खेलत सरस फागुन हो रसबरस २
तपावससी पेखिये ललितगुलालमई लाललाल वादमे
बालनकी देह दुति दामिनिसी देखिये १२ दोहा लिहिंमन
लसिकी नोहु कमयीज यासिह भुवाल बरनौं सो रहहाव
कविदही फागके ख्याल १३ कोऊ तेरह वरनही कोऊ सो
रहहाव सुकविकलानिधि वरनत सो है नौं मतके भाव
१४ कवित्त सौतिनकी हेला करै धरैं नेह लीला अतिल
लितसमद नरी विभ्रमसो सेनहै लजीलै विहृति वंत
सविलासछ येकिलकिंचितवि बोकस्रो कविछित्ति के
एनहै भावके दुरावन कौं मोटाइत मनोहर केलिके क
लहमधि कुट्टमित लैनहै राधेनंदलाल पिय प्रीतिरीति
बोधक ये तेरह अहावनके भौंन तेरे नैनहै १५ अथहे
लाहावलछनं मैंकनलाजै समाजकौ जहां नगाचियत
कांति हरत हियो पीतम पिया हेला हाव सुमानि १६
यथा केसरियासारी कसें चोरभीनी आंगी उरधमत
सोलहैं गाललित लाललाही कौ लियें एककर मैं गुलाल
भरि मूठी कर दूजें रंग घटी धरैं रूप चंचलाही कौ आ
गैं है री आई नंदलाल मन भाई बेली फागुन हां भ
यौ लाभ मदनकलाही कौ सौतिनकौ हेलाहेली राख्यौ
रसरेलारेली बुली लाजर यौ मुख ओट अंचलाही कौ
१६

अथलीलाहावलछनं पियप्यारीलीलाकरत अपनें
चितकेभाव बहुभांतिनअभिलाषसोबरन्यौंलीलाहाव
2 १६ कहूंदुहूंमठिनमैंउरतिगुलालभरिकहूंतकिमा
रतिहेपिचककीधारकौं कहूंआंखिआंजतिपकरिकौ
सोहावपाइकहूंहोहोराबोलैंकरतिविहारकौं कहूंपे
टगहिगहिफगुवाकौमांगतिहैकहूंअंगीराइअंसउरे
भुजभारकौं नेंदलालप्यारेवादीवालनेहलीलावेलि
ह विरकैवासरविताबेओंहीबारकौं १७ यथावा तुमैं
फागुखेलतसुनतनंदलालप्यारेप्यारेप्यारेकहतसु
तेंहीरूपक्कैरही फेंटमैंगुलालभरिहाथमेंपिचकध
रतकिछकिसषीतनछैलताईछ्वैरही रंगनिभरति
खेलकरतिपरतिरीझिविहरतिचोंपचाहचाउचित
ह्वैरही प्रेमकेतरंगरंगीललनाकीलीलालखिच
हूंओरचौंकिचकिसषीएकह्वैरही १८ अथललि
तहावलछनं बोलनिअवलोकनिचलनिविहरनि
सुंदरवानि कामकलितअतिरसवलितललितहाव
उरआनि १९ रागहीगुलालरूपकेसरिसुरंगओसिं
गारचोवानेहकौफुलेलले वलितई सीचीआनिनं
दलालप्यारेप्रीतिकुमकुमालोचनअनोखोचाह
चाइनवलितई सरसपरसदुहूंसरसपरसपरआ
नंदकेओघभरिकेलिनिकलितई सकलसमाजर
ह्यौछवीलीछबिनछकिआजुबनिआईफागुखेलकी
ललितई २० अथमदहावलछनं उपजतमद

अभिमानसौंपूरनप्रेमसमाज ताहीकौंमदहावकरिब
2A रनतसबकबिराज २१ यथा मबतनचाहिनैंनपिंक च
निभरिबोरीडारिबोसुरंगअनुरागहीगुलालको नेहचतु
राईचाहअंतरमैंबोरिबोरीडोरिबोसिंगारचोयेकवि
नकोंब्यालको वाहीतनचाहिचाहिनंदलालप्यारेकि
यो वारिवारिडारिबोगुलावदलमालको छवीलीछबि
निछकिजाइबोऊरेबिसालीहियोउमदानोंप्रेममहदही
सोंबालकौ २२ अथविभ्रमहावलछनं प्रियअव
लोकनिचाउसोंभूषनवसनवनाव करतऔरकेऔ
रठां सोभनिविभ्रमहाव २३ फलीवनवेलिनमैंनंदला
लप्यारेफागुविहरतसुनतसिंगारीबालअंगकों भूष
नबसनअंगरागऔरऔरठौररचिपचिरचीरुचिरुचि
रसुरंगकों संदुररंगीलेंपाइचलिआईदेबीदृगजावक
रंगीलेमुषपारसुषसंगकों बेलनजोलगैंतोगुलालसों
पैटभरी बिचकभरीकेसरिपतंगचारुरंगकों २५ अथाविहृत
हावलछनं जांहिनबोलतिदेतिहैलाजलपेदतिआर
बिहृतहावसोबरनयेंकबिराइनसिरनाइ २६ यथा
नेननकीमंडिअनुरागहीगुलालभरिभरीरुपकेसरिसुरं
गपिचकारीहै सरससनेहलैफुलेलऔसिंगारचोवाभी
तिकुमकुमाभावकुंभनिमेंडारीहै आजुफागुषेलिवेकों
साजसजिवानिकसौंआईबनिनागरीनवलरंगनारीहै
रतिरतिराजछाइलालकेसमानछाईरहीतकिथकित
चकितचौंपवारीहै २७ अथविलासहावलछनं

3

अतिचंचलषेलतहसतबोलतविबिधहुलास तिसदिन
पियप्यारीहूं करतअनेकबिलास २८ यथा प्रीति
कुमकुमाकौं छिरकिडारिअनुरागसुरंगगुलालम्दुह
सनिअबीरकौं सरसकटाछनिकी चारुपिचकारी भरि
छिरकैसुहागसुषकेसरीकेनीरकौं नंदलालपीतमबि
लासरससानेपियासंगरंगमानतहरतकामपीरकौं
अरसपरसदुहूं षेलतसरसफागुदेतफुनिफगुवाअमो
लमनिहीरकौं २९ अथकिलकिंचितहावलछनं स्र
मअभिलाषगर्वअरुविस्मयक्रोधहर्षभयभारी एक
हिवारहोततहँ बरनहुकिलकिंचितसुषकारी ३०
यथा लाषअभिलाषभरिषेलतिसरसफागुस्रमकरि
हारिहारिजातिहोतिथकीसी उरतिगुलालहिसरोसभो
हभंगभरी गरबीलीअबियनिसोतितनतकीसी नंद
लालपियसौंससंकचितचितबतिदृछिनताछलीहि
यहरषसोंछकीसी केलिकलाकलितअनूपरूपमा
धुरीकों चाहिचाहिअतिअचिरजचोंकिचकीसी ३०
अथविब्बोकहावलछनं रूपप्रेमअभिमानतेंकपटअ
नादरहोइ ताहीकौं बिब्बोककरिबरनतहैंकबिलोइ ३१
यथा गावतिहीगारिरूपप्रेमकेगुमानभरीनेहकेअनाद
रसोनैंनसरसांधाहे उततेंछबीलेनंदलालपियआये
फागुखेलसजिदेषिरेषिअनादरसौंनांधीहे भाउसोंछका
इकाहूहाउसोंपकरियाये कमलनिडारिफूलमालनसों
बांधीहै आंबिआंजिपेंटगाहिठाढीफगुवाकेमिसहेहे

3A

कहिकरतिअबीरनकीआंधीहै ३२ अथविछित्तिहाव
लछनं सहजअंगकीओपसौंरहैनभूषनचाउ
सोविछित्तिबषानियेपरमरसीलोहाउ ३३ यथा छ
बीलीसहजअंगओपसोंछकीयेरहैभूषनबसनकोन
आदरकरतिहै तापैनंदलालपियरतिरससोंभरीकों
नसखीवातनिसिंगारकोअरतिहै कोऊकप्रवीनअ
लिफागुखेलिवेकीसांजआगेधरिहरैहरैमानहिहरति
है केसरियासारीवानिचोयेकीदेटिपकारीधरिधीरज
हरतिहै ३४ अथमोट्टायितहावलछनं पियवतिय
नकेचलतहियउपजेरतिपतिआइ तियअंगिराइजंभा
इतवसोमोट्टायितआइ ३५ यथा नंदलालप्यारेआजु
खेलैरंगभीनीफागुकेसरिकेनीरकीझरीसीवरसातिहै मां
चतिगुलालऔअबीरकीअधेरीतामैंसबकेमनोरथकी
वेलिसरसातिहै योंसुनिसषीकेवैनऐंडतिजंभातिअं
गिराति अंगअमैठति अति अरसातिहै ज्योंआवेपलकैं
दृगनिनीरफलकैछबीलीछविछलकैछकीसीदरसाति
है ३६ अथकुट्टमितलछनं पियपरिरंभनकरततिय
करैहहाकहिनांहि हावकुट्टमितसोसरससबहावनके
मांहि ३७ यथा केसरिकेरसफागीआंगीलाबिएहैंषगीदे
षतगुलालरंगीछातीजोहधारैगी अतरअबीरचोवा
चंदनगुलालनकीलैलैबेसुवासमोपैबोलीवहुडारैं
गी नंदलालप्यारेफागुखेलनकीधमअंगमुसकिनि
हारैंगीओलरतनहारैंगी उरिउरिपायपरिहाहाक
रिजावोवलिछाडैसासुनंनदजिठानीमोहिमारैंगी धमधारैंगी
३८ अथबोधकहावलछनं कोऊबातजताइयेकरि
कैंकोऊभाव तासोंबोधकहावकहिभाषतहैंकविरा

आं०क०
५ 4
व ३९ यथा केसरियाचोलीचारुचोयेसोंविचित्रकरि
चंपककीदामसंगरंदीवरगूंदिकें मिलितकदंबनसों के
दलकुसमपाहिभूषनसजायेआनिचतुराईछंदिकें
मगामदलेपपीरेअंगरागसोंमिलाइनंदलालप्यारेजेज्यो
भाजनसोंमूंदिकें नैननिनचाइप्रीतिपुलककरचाइतिय
६ लीनीमुसकाइखेदबिरकौंखुंदिकें ४० दोहा मोग्ध
तपनविछेपअरुहावोवरनतहाव इहिंविधिऔरौचा
रियेकहिहौंकियेवनाव ४१ अथमोग्धलछनं मृदु
भावकौंजुनछुटेसरसततियासुभाव मोग्धहावसोव
रनियेकरिकरिचितमेंचाव ४२ यथा वलिवलितिन
सरिताकेपुलिननिअलिजहांकीधरनिहैअबीरऔगु
लालकी कैसीहैवेमहीआलीकेसरिजहांकीहूबरंगि
सावैसारीजोगिफागुनकेख्यालकी कैसीहैबसंतफू
लेगुललालालालीकैधौकाहूसुहागिलिकेदुकूलजाल
लालकी कैसेंपुनिविलिहैंगीप्यारेनंदलालसंगरंगभरी
होरीकिनदैतिसुखहालकी ४३ अथतपनहावलछनं
वियसमीपआवेनहींतातैंतियअकुलाइ नीदैंभूषन
भागनिजबहैतपनरसाइ ४४ यथा आलीआजिरूर
सीगुलालजागीलोचननिमहकीअवीरवीरापीरकरे
हियकों तीरसातरेरीधारकेसरिकेनीरकीनधीरैंअंगा
रेसेअरतजारैंजियकों आवैमनऐसीउड़ियाहीमलया
निलकेसंगजाइमिलौंप्यारेनंदलालपियकों ४५ अथ
विछेपहावलछनं सकलवातचलविचलअरुतनकी
सुरतिनहोइ जोवनगहलीरहतिसोकहिविछेपकविलो
इ ४६ यथा आछुंजामगुलाबअवीरकीमूंठिउडाव
तिअंबरंगति देतितकैंपिचकारीकीधारनिगारीकें
गावतिनाचतरंगति आवोबचावतिधावतिफेंटगहे
[illegible]

4A

मीरहेमनअैसेंउमंगति गोकुलचंदसोंफागुरच्योचहैनिं
दतिबालसखीहुकीसंगति ४७ अथहावलछनं उ
पजेअंकुरमदनकौंकछुक तियकेंदेह पियदेषतचोंके
उरेहाववषान्योएह ४८ यथा सखीसंग रंगकीसीवेलि
फागुखेलतिहीफूलेकेलिकुंजमधिरससगवगीहै तेंहीवी
चनंदलालपियनैंदिषाईदईतवतिहिंचषनिमैंचकाचौं
धीलगीहै पिचकारीभरिरंगकेसरिकोडारिफेंटगुलाल
कीभरिभगीधीरताऊडगीहै उरिउरिचौंकिचौंकिसखीन
केओटदुरीचंचलानिपाछैचंचलाज्योंजगमगीहै ४९
इतिहाव अथहोरीकीकेलिवर्नेनं काहूपिचकारीभरि
केसरिछिरकियतिकाहुंनिगुलालभरिमूठिनिवषेस्योहै
काहुनिअबीरकाहूचंदनकपूरचूर काहुंनिचितौनि वा
नउारिजियजेस्योहै होरीकेसमैंमेंभरिभामिनीनिनंद
लालकेलिकरैंनहांरम्योंरागरंगहेस्योहै दरषिदरषिदे
रैंप्यारेपरप्यारीमानोंतरषितरषितरितानिघनघेस्योहै
५० खेलेंअनुरागभरेफागुपियनंदलालसाजेंपटभूष
नछबीलीछविछलकैं वालनकेजालजहांडारतगुला
लएकैंसाघभुजनालअतिलोललेतललकैं तिनकेकर
निनषअंगुलीकहीरनकीफेलतकिरनलषिलागतन
पलकैं मांनोंसांझसमेकेअरुनघनमांझकहूंधावतसु
धाकरपेतारागनझलकैं ५१ मत्ततियकुंडनमैंखेलैं
फागुनंदलालरहसिरहसिरसकेलियोंनिहारीहै केसरि
केरंगभरिडारतगुलालतापैचलतिअबीरनकीमूठिअ
तिभारीहै धावतआलिंगनकौंआवतपियाहिदेषिच
लीकुंजमहलतेंसबैनवनारीहैं मानोंलालमुनैयोंये
षेलनकोंबिलवारपांतिनकीपांतिपिंजरांनतेंनिका
रीहै ५२ दोहा सालगिरहनृपकीवहै वहैफागुको
षेल दुहुंमिलसीजयसिंह घरबाढतिरंगकीरेल ५३

अथहोरीसालगिरहदुहूनिवर्नन्नं घोरीघोरीकेसभरीभो
रीभोरीभाइरंगवोरीएकठौरकीसी तोरीवनीजोरीकी
नाचैंगोरीगोरीवीजुजोरीसीकिसोरीबरजोरीकरेंचो
रीचितचंचलचकोरीकी भरिभरिझोरीझोरीरोरीरगु
लालचहुंओरीछिरकनिघोरीकेसरिकमोरीकी जय
सिंहभूपकेजनमरसरूपभरीभूपर अनूपमभईहैकेलि
होरीकी ५४ घुमड़िगुलालघनउमड़िमरंगघोषके
सरिकेनीरझरीलागीधमकीयैंही रमकिझमकिचा
रुचपलाचमकिरहीनांचतिजुपातुरिउछाहभरिहीयैं
ही कविकुलकेकीकोकिलनिकलकुहकायेंक्योंनम
घवानकीअछेहछविछीयैंही आजुभलेंजैसिंहभूप
कौजनमद्योसरंगभरीहोरीकोसमाजसंगलीयैंही ५५
हूनेंहूनेंगावैंहूनेंवाजननबजावैंहूनीकेलिउपजावैंहूनी
छबिवरसाईहै हूनीभीरमाईहूनीकीजतवधाईहूनी
हूनीमोजपाईहूनीप्रीतिपरसाईहै हूनौंहीसमाजबमो
होरीकेसमैंकोअरुहूनीयेजनमद्योससोभासरसाई
है हूनेभागभरेजयसिंहकेभवनआजुसादीसालगि
रहकीहूनीदरसाईहै ५६ गावतधमारिसंगगहरीव
धाईसोंसौदुनीनकेगुनीनकहंहूनीमोजदीनीहै वा
जतउफनिसाथसाजतसारानेसुखमहलनिमांझझां
ईझिनकसुनीनीहै सौंधैभरीकेसरिकेनीरकीझरीमैं
घरीघरीयोंगुलालघनघुमडनिलीनीहै भागभरेभ
लेजयभूपकेभवनआजुसारीसालगिरहदुहूनिरंग
कीनीहै ५७ हेमपिचकारिनतेंरंगभरीकेसरिकेनी
रकीतरंगउठैपरीलागपागसों ओल्हरिसेआवैला
लबाररगुलालकेगावैपुरवालनैकेजालअनुरागसों
आनंदविलासरसरंगकौनिवासजाम्योरावरोजनम
रतिराजकेसुहागसों यातेंसोहैरंगभरीफागसालगि

रहसों सोहै सालगिरह सौं रंगभरी फागसें। ५८ अथसुहसा
5A लगिरहवर्नंन सौं नेके सितनतिमें जीनतिजवाहरकी जा
हिरजगतजगमगजोति जो हियें मोतिनकीझालरीनि सा
येवांनतुंगतनेजरदोजीडोरिनकी सोभामनमोहियें चां
दिनीफरसपरजेबमसनंदकी पुतहां कोटि चंदसरदीह दु
तिदोहियें बैठे जयसिंह भूप वरमतनवोंनिधि औसी लगि ना० ६
रहकी सादी आजु सोहियें ५९ जैसी जेब साहियें झुलति
मसनंदपर तैसी कहासुरससिमंडलकमीने मैं केती औ
रतारायह जोतिवारिडारियत हीरामनिमोतीलाल न्यों
छावरिकीनेमें संपतिविसालकरिसादीसालथिरहकी
बैठेभूपजयसिंह वानिकनवीनेमें केतेकविजाचकनि
भालकीगिरहखुलें परें सालगिरहगनीमनकेसीनेमें ६०
इहिं होरीकी केलिमें सीजयसिंह भुवाल हुकमकलानि
धिकोदियो कीनेग्रंथरसाल ६१ काव्यभेद रसभेद अरु
अलंकारगुनभेद एकग्रंथमें आनियें करि करि अमित उ
मेद ६२ केसरि कपूर औसी सौंनजाइ जाइ जैसी केसू कुं
दकलीकेसी भांतिहिं भजतसी पावकसुधानिधिसी तार
कासुधाकरसी दामिनी सुधा घनसी सोभहिं सजतसी
मंगली औ चंदनुसी चंपक औ सेवतीसी केतकी औ केत
कसी छवि सौं [illegible] जतसी जयसिंह भूपतिकों सदा सुभ
रूपरहो मूरति किसोर ए कैकुंचनरजतसी ६३ इतिश्रीम
महाराजाधिराजश्रीजयसिंहभूपालवचनात्सप्तकवि
कुलचूडामणिश्रीहंसभट्टकविकलानिधिविरचितेअ
लंकारकलानिधौ प्रथमा निर्देशकला समाप्ता १

6

अथभारतीवर्ननं सवैया धारतिहैविधिकोनहिनैमनु
एकअखंड अनंदमईहै नाहिनैंओरकेनैंकअधीनन्वौं
रसकीनिधिकैउनईहै नीकीलगैंचितकौंबितसीहित
कीकरनीनितहीजुनईहै तेसीधरैंरचनाकविकेमुख
भारतीजोतिप्रकासभईहै १ अथकाव्यकेप्रयोजन
दोहा कीरतिधननृपजोगिगुन असुभनासरसरासि
तियज्योंमतउपदेसकौंकविताहेतिहुलासि २ अथका
व्यकेकारन डुमिला कविताकहंबीजसकतिप्राचीन
जुसंसकारमनमाहिधरै अरुलोकवेदकाव्यादिकके
अवलोकतनिपुनताजुउधरै गुनिकवितहिकरिविचा
रिजेजानततिनउपदेसअभ्यासवरै इनकारनसौंक
विताहिकरैकविताहिबहुरिउल्लासकरै ३ अथका
व्यलछनं दोषरहितगुनकैंसहितसरसअलंकृतिजुक्त
सबदारथकौजुगलसोकवितालछनउक्त ४ रसकी
जहांप्रधानताप्रकटअलंकृतिनांहि कछुनकवितकी
हांनितहंयोंकविभाषतआंहि ५ यथा प्रथमकुमार
पनहत्योजिनसोंईवररसिकसिरोमनिश्रीनंदलाल
पियहै तेईयोंनपूरेफूलीमालतीकेसौरभसोंतेई
चैतनिसारेबिचलीकुलतियहै होंहूपुनिवहेतऊवे
हीरतिहेतआवागमनविनोदलीलाविधिहीमेंजियहै
वेहीसरिताकेकूलवेहीकुंजतरुमूलचित्तबाहचाहकें
हिडोरैंपरयौहियहै ६ लटपटीलालपगियांकेअनु
रागभालजावकसुहागकेसमूहसरसानेहो तेसीयेप्र
भातचंडभांनकीमयूखैंमिलिमोरचंद्रिकानिपरैं

6A

गवरसानेहै सोभासुधासिंधुकोरि किरनैंपातभल
मलजलभारनिमैंनैंनअरसानेहै भामिनीकेभौंन
जागिभारीमद—लभरेभोरेभाइकांन्ह भलेभोरहर
सानेहै ६ अथकाव्यभेद उत्तममध्यमअधमइमिसो
पुनित्रिविधभनंत धुनिउत्तमजहँ व्यंग्यचमत्कृति वंत
७ गुनीभूतजहँव्यंग्यसोमध्यमवाच्यसमान सवदअ
रथचित्रसुअधमभनिअव्यंग्यसुजान ८ ध्वनिका
व्ययथा प्रथमपियाकेकरकंजमकरंदभईबदन
तियाकेंअलिभ्रमीजानिभरमैं एकछिनथिरमीविन
भिबरुनीनपरवहुरितरेरीकरी ताडनअधरमैं उरज
निऊपरियरीतेचरिचरिगईहूरिहूरिगई त्रिवलीनके
निकरमैं तरनितनूजातीर बारिकेविहारबीचनीठि
नीठिकूंहैंतियरानीनाभिसरमैं ९ यथावा स्वमज
लसीकरसीसोहतसरीरपर सुरभिसुमनमकरंदकन
सरसी किंसुककलीनकीलसतिउरमालकैधौंकंटक
कलितकेतकीकेबनपरसी कुंजकीगलीनफूलवी
नतविहारवीचभुली·भलकनपरहूनीदुतिदरसी
आजुरितुराजहीकौंदेषनॅगईहीसठकान्हयेनगईक
तआईहरवरसी १० गुनीभूतव्यंग्ययथा पहरबिती
तभयेंअैहौंकैधौंदुपहरतीसरेपहरकिधौंजानीनय
रतिहै कैरिनबितायेंहीवियोगरबितायेंतनमयाकीर
तेहैंमतिधीरनधरतिहै इहिविधिद्यौसमतहूरिकें
विरहसजातवालपियसंगनिसिबातनिकरतिहै

ग्रं०क०
७

नैनजलजातजात आंसुनकै पात तातें सासनकें घात प्रातगौं नहीं हरतिहै १२
यथावा कुसुमपरागरंगरंजितसुरंगरंगअंगपहरै विसाल मालसुंदरसुमनकी लाषअभिलाषछायेप्यारेकरलियें आयेकोऊ एककली वैही गहवरवनकी चंदमुषीचाहिचाहि चाहिनसकतितारि कहैयह वातकाहिघातनुअतनकी ताइधरयौसोंनो जैसोहोतसियरानसमैं लागी पियरानरुचिवालकेवदनकी ११ शब्दचित्र यथा भलैभाइभासमान भासमोन भोंनजाके धानतभिषारिनकेभरिभयजालहे भोगनकौंभोगी भोगिराजकेसी भांतिभुजा भारीभूमिभारकेउभारनकोष्यालहै भावनोंसभानि भूमि भामिनी कोभरतार भूषनभरत षंड भरतभुवालहे विभौकौ भंडार औभलाईकोभवनभासे भागभरे भालजयसिंह भुवपालहैं १२ यथा वा करनकेदानाभए करनसमान मुष करनजहांन चेइकरनतुलागहे सरनकेजोरवि सेंवीसरनजीतिजाकी ताकतसरनकोंविपछतजिरागहे उजलवरनजसवरनउचारैंचास्यौंबरनयों आननरवरनसभाग है कीरतिकवित्तरतजयसिंहवितरतकविनुरतनिवितुरतनसुहागहे १३ अथचित्रयथा कमलकुमोदकाविकोविदविकासलहेदारिदतिमिरजगनैंकुनरहतहे विप्रवरचक्रवाकजाचकचकोरचित आनंदअमितजाके उदयलहतहैं जयसिंह भूपतीप्रतापजसअगेंदोऊस

7A

रससिरथाजनाबिधियोंचहतहैं पोथीके प्रमुक्छ्गांककी
सीनोंईबेकैतवैमंडलहैवैटेतिन्हें योजनकहततहे १४
इतिश्रीमन्महाराजश्रीजयसिंहनृपालवचनात्प्र
कविकुलचूडामणिश्रीलालभट्टकविकलानिधिवि
रचिते अलंकारकलानिधौ द्वितीयाकाव्योद्देशकला २
अथशब्दार्थनिरूपणं वाचकलक्षकव्यंजकौ सबरती
त्रिबिधिजानि वाच्यलक्ष्यअरुव्यंग्यपुनितिनकेअर्थ
वषानि १ तासपोंजोहृतिसौंसवहीसबदकहंतनाम
पोंपजानियें अन्वयरूपलहंत २ सबहीअर्थनकौ
धरमव्यंजकताअवधारि वक्तादिककेजोगतें जुदीजु
दीनिरधारि ३ वाच्यकीव्यंजकतायथा दोहा घरवाह
रसरमनरहे अबयागोकुलगांउ पोसोआमोचाहि
यैंतातेंजमुनाजांउ ४ यथावा माजुकुटिहौरिस
ननरज़िहोंनीकरैलोकनाउधरैतहांकछुनबसातहे
आनुतैंनजाउजमुनाजलकौंलेनसषीनाजुकसरीर
सवमेरोअकुलातहे कुंजपथजातअलिपुंनचहुंओ
रगातघेरिकैंकरतघातदासैंजउरातहे नतनइलनि
जनिलीनेआनिकोकिलानिअधरमुवानिकौसमूह
मिडरातहे ५ लक्ष्यकीव्यंजकतायथा सवैया
सांचभरेसतभारसरूपसुधाईकेसौंधसनेहकेसा
गर औरकहाकहियेकछुयेअरुलिहैंसबहीब्रजकेन
वनागर बावरीतूहितला[illegible]गीरतेपरमेरेहीभागम
हागुनआगर कुंजनिडोलतहेरतहीअभिलाषभरी

दिनरैं निउजागर ६ अंगकी बंजकताययी जाके
आसपास रितुपावस बिकासी बनकंटकनिकेतके
तकनको सुहायो है तामधि अतूलफूलफलदलभा
रभरी ललितलतानि लेकैं मंदपवनायो है मदछके
छापजिमि छपे छपदनि छबि छानति छवीली मंजु
गुंजारवगायो है ऐसो हम आजु एक कुंजलखिपायो
जहां बैठो निहिचिंत खगकुलसुखपायो है ७ अथ
वाचक लछनं साक्षातजु संकेतसों करै अर्थ अभि
धान सोई बाचकु शब्द है जानो सुकबि सुजान ८
सो पुनि चारिप्रकारको जानि जाति गुनहोइ बहुरि क्रि
या अरु द्रव्य है यों भाषत कबिलोइ यथा प्रथम पुहमि
पय पावक पवन नभ पेखियत परनअनेक ठौर तुही
है देखियत रातोपीत हरितअसित सित भांति भांति
रंग तेरी कांति [redacted] हुतुही है करै धरै हरै
भरै फूलै फरै रूरै परे तुही कामधेनु सब कामनको
तुही है तोसों ब्रह्मरूप कहि गावत पुरानेजन तेरे गद
गुनन की माला हम गुही है ९ अथ लछक शब्द निरू
पनं कहे लछना हुतिसों सोलछक कबि लोग मुख्या
रथ के बाध में अरु मुख्यारथ जोग १० रूढि प्रयोजन
पाइकैं लखियत अन्य जु अर्थ वहै लछना जानिये
भाषे सुकबि समर्थ ११ करमकुसल कबिता सुघर
यहै निरूढा नांउ लखो प्रयोजन लछना ज्यों गंगा में
गांउ १२ अथ प्रयोजनवती लछना के भेद उपा
दान इक होइ जंह निजसिधिको पर लेइ दूजो लछन

8A

लछनापरकों आपुहिदेइ १३ मानो पानीजीजहां बि
षयीबिषयकहंत चौथीसाध्यवसानजेहैं बिषयी
हिबिषयगिलंत १४ येदु भेद साद्रूप अरु अन्यसं
बंधहिपाइ तातें षटविधलछना वरनतहैं कबि
राइ १५ छहौंलछनायथा सवैया येरजनीरतिरं
गअचानक आयेहैं पायचलाय अंधेरैं कोवह
कुंजललानिकोमंदपभोबिरहाजहँआजुसवेरैं
कौनके नैंनचकोर पियेंगे पियूषहि पूरनचंद उ
जेरैं फूछिले चित्तकी चातुरीजैलगुनादेहैं आनंद
आंगनमेरैं १६ दोहा व्यंग्यरहितयहरूढिमैंसहितप्रयोज
नमांहि सोपुनिगूढअगूढयोंत्रिविधिलछनाआंहि १७
गूढव्यंग्यपाएकलछनाएकअगूढव्यंग्या तातैंयाकेतीनि
भेदहैंजातेंइकअव्यंग्या १८ गूढव्यंग्यायथा वदनसुधा
समदुहासकेविकासअवलोकनिविलासवसिकीनीकु
टिलाईहे उछलितविभ्रमविराजेगतिमंदमराददगरा
येंमतिहियेंसरसाईहे मुकलितमंजुलउरोजउरदेबियत
उद्धतजघनजोतिजाहरताईहे नंदलालपीतमप्रवीन
मनभाईम्रगनैंनीतनमौरतिमधुरतरुनाईहे १९ यथा
वा अरुनोदयऔसरकेनवनीलसरोजकीलछिहिलूटत
हें अतिसुंदरतारसरंगतरंगतनैंननिषंगतेछूटतहैं सु
तिसौंपरसीसरलीरनपैंनीअनीनसोंलाजहिछूटतहैं
तरुनीतुवतीषेकटाछअनंदतसौतिनकेमरदूटतहैं
२० अगूढव्यंग्यायथा कुलकेपुलके अंगअंगनसों

9 निसबासरमाधुरीमारझरै उकस्यौउर उच्चरु रोजनसों
रुचिग्राकरपूरनताईकरै अतितीछनईछनकी
गतिसोंसिसुताईकेसोषनभावभरै नुवजोवनजोतिज
वाहरसीपरवाहरजाहरजानियरै २१ यथावा कछु
वोलैनिजाननवातनकोंपरबेपसुपंछिनहूतैंपरैं
ननतेजडहूलहिलछिप्रसादप्रवीनविचित्रचरित्रध
रैं मदुहासविलासकटाछकलागतिविभ्रमभावनि
जेनभरैं तिनमूढनवोढनिजोवनकेमदहीतिनकों
उपदेसकरैं २२ दोहा नितउपासियतलछना जिहिं
प्रतीतिकेंचाइ सोफलकहियतसदसोंव्यंजनपाइस
हाइ २३ याभांतिलछनामूलव्यंजनाबताइ अभिधा
मूलव्यंजनाकहतहैं जहांशब्दवहुअर्थकीअभिधा
नियमीआइ संयोगादिककरितहां अन्यअर्थजुल
षाइ २४ सोअवाच्यहीजानियेतिहिंप्रतीतिकेंहेत
इकव्यंजनव्यापारहीसुकविनकोंसुखदेत २५ अ
भिधानियामकसंयोगादिगनावतहैं इकसंजोगवि
योगअरुसाहचर्यसविरोध अर्थरुप्रकरणलिंगपु
निअन्यशब्दअनुरोध २६ हैसामर्थ्यरुऔचितीदेस
कालदरसाइ व्यक्तिस्वरादिकजानियेशब्दहिहोतसहा
इ २७ संयोगयथा मंगलकारीसंतकोंहारीभारीमो
हु संषचक्रधारीसुहरिअंतरचारीहोहु २८ विप्रयो
गयथा संषचक्रआयुधविनाहैहरिरूपरसाल सं
तनकोंप्रतिपालनितसीरघुवीरभुवाल २९ साह

9A

चर्थयथा धरनिभारहरधन्यतरधनुषबानधरधीर
राजतदुहुंराजीवद्दगरामलषनरघुवीर ३० विरो
धयथा हरसावनिलीलारसनि सरसावनसुभधाम
मनरंजनभंजनवरनरांवनगंजनराम ३१ अर्थ
कहैंप्रयोजनसोयथा चरनउपासतकमलभव
भक्तभवनसुषरेत भवकौंभजिलैमूढमनभवदुष
भंजनहेत ३२ प्रकरणयथा धरतअंगतुवरसतैं
पुलकमंजरीमाल ज्यौंआगमरितुराजकें राजतसर
सरसाल ३३ लिंगकहैंचिन्ह सोयथा मारकमक
रध्वजकुपितजारकजोन्हप्रकास पियतुवविरहप्र
संगमेंआतपतपतउसास ३४ अन्यशब्दकोजोग
यथा हाउभलौयहजीतिकौ भाउनधनसौंनेहु ध्या
उदेवत्रिपुरारिकौंआउसफलकरिलेह ३५ सामर्थ्य
यथा कोकिलमधुसोंमत्तमनकूजतकुंजनिकुंज
सलिलछिनवतरूलतनिप्रतिडोलतअलीसगुंज ३६
औचितीयथा जोभवतीछनतापतैंधारतखेदहिचि
त्त तौभजिलैहरिचरनजुगपरमसयानेमित्त ३७
देशयथा जौलौंछीरसमुद्रमैंहैंहरित्रिभुवनपाल
तौलौंचिरजीवीरहौश्रीरघुवीरभुवाल ३८ कालय
था चित्रभानकोतेजज्योंभासतभए प्रभात सोंरन
दुज्जनतिमिरहरतुवमुखरूचिदरसात ३९ व्यक्तिकहैं
स्त्रीलिंगपुल्लिंगसोयथा पटभूषनअंगरागनुतसे
जनिपरमरसाल रुचिरचंदसेवदनसोंराजति है

10

पदवाल ४० खरकाकुकोंआदिसोयथा ^१५ केतोकरि
हारीसखीमानीनहीसुजान अबलालनिदीनोदरस
तोहुनतजिहैमान ४१ आदिपदसोंचेष्टादिकसोय
था ^१५ सवैया मरुओरपराग्हिुतेइतेरूपबराबरीका
मगिलोलनकी पुतिलूटेकलासरसीरहकोरकमंद
समीरअडोलनकी इतनेसेबिराजतएसोंअलीभली
जोरीबनीकुचगोलनकी पुहलोंपुनिहोनेंकितेक
कछूगतिजानीपरैनउलोलनकी ४२ यथावादो
हा इततेंउनिकेतोलह्यो सुषप्रसादहितवाइ सोनतो
रिवेंउचितअलिमोंतरुआपुलगाइ ४३ अभिधामू
लव्यंजनायथा कवित्तश्लेषको दीरघदुराधिरोहअं
गअब्धउत्तमंगमंगलनिधानकेदरसदीजियतहै
जाकोंप्रतिउन्नतप्रसंसितबिसालबंसगुंजतसिलीमु
खनिजीतिलीजियतहै बीरनकोधुरंधरधीरगतिधर
नीमेंनामपरवारनप्रसिद्धकीजियतहै भोगीभोगभा
वनकोरामचंद्रजाकोकरदानजलसेकसोंमदाहीभीजि
यतहै ४४ दोहा अभिधासंयोगादिकरिनियतकरीइ
कठोर हेतुबितानहिलछनामांनतकबिसिरमोर
४[illegible] तातेंएकव्यंजनाहीसोंअंगपअर्थकोंलहियेहो
इव्यंजनाजुक्तसब्दजोसोईव्यंजनाकहिये ४६ वाम
अंगसुकऊउउलहंसनिग्रीवमंदकेसीकाइहेराहुमई
मालाधरेंसोहेंव्रषकेतसंभनवग्रहरूपीनेंइलालकों
सहाइहें अरिनपेकोहकरिरातेभोरभांनसमचंदसे

10A

विसदनैंन मंगलसुभाइहै जाके दृष्टिबुध सो हरितहोतउ
हउहोसकोऊ विपनतरूमालरिरहाइहै ० वहत्रिभु
वनकें अकार निराकार वह वहगुनरूप वहनिर
गुनरूपहै वहमनबचनविलासकी निवासयहुवै
नमन वचनविलासवा अनूपहै वहनामधामवहनिपट
अनामवहकाम नांकीवेलि वहकामतमथरूपहै वहसबजग
तकी मायापरब्रह्मवह दोऊवरदाईहोहु रामचंद्रभूपहै ०
इतिश्रीमन्महाराजाधिराजश्रीजयसिंहजीवचनात्
न्नपतकविकुलचूडामणिश्रीकृष्णभट्ट कविकलानिधि
विरचिते अलंकारकलानिधौ शब्दत्रयनिरूपणंनाम
तृतीयाकला ३ अवअर्थकी व्यंजकता वतावतहैं
दोहा वक्तावर्ण्यरुकाकुधुनि वाक्यवाच्यपरजोग देश
कालप्रस्ताव दै आदि कहत कविलोग १ इनकेवसतें
प्रतिभावंतनि और अर्थजोभासै सोव्यंजनव्यापारअ
र्थकी व्यंजकताहि प्रकासै २ वक्ताकेजोगतें व्यंगयथा
कुंजनमैं रितुराजविराजत ताहिविलोकन आजुगईही
फूलेपलास असोकलताबन लालीचहूं दिस आइछईही
कंचनकेतकी काननकें रजकंजपरागनिधूमरईही
आनिपरे अखियांनिभरे अजहूं नम्हरे किती वेरभईही ३
वर्ण्यकेजोगतें व्यंग्ययथा कवित्त देहदुवराईसुरभंगसं
गवैंननकेनैंकहूं ननैंननकेनींदसमुहातिहै चाहचौंप
चिंताचितचौगुनीचढीयै आनि वानि अलसानि रससा
नियेसुहातिहै आननउसाससहिय आननविलासखान

पाननउदासकहिकैसीभईजातिहै दिनदिनदूनीहूनी
मेरेंहितलागीतातेंमेरीबीरमेरीदसा तेरियौदिषातिहै
४ काकुकेजोगतेंव्यंग्ययथा वेबनवेलिमनोभवके ॥
हथफूलकेफलनिफूलिदिषेहैं कुंजकुटीविहलाहलकी
गुटिकाउडिकाहूकोंचैंननदेहैं कोकिलकूककुहूकमि
लीमलयानिललूकनिहूकउठेहैं पांनीमेंपावककी
लपटैलखिप्रांनपतीअजहूनहिएहैं ५ वाक्यकेजोग
तैंव्यंग्ययथा काहूअपराबमंगलचारसबैपरिवारमिल्यो
इकठांई ईछिबसीछिननीछिसिंगारीसुहागिलनारि
कियैमुखनांही मंजनअंजनरंजनदैकरआरसीलैम
नमोंहउछांही सौंउनदीनकियोमनलीनमलीनकरी
मुखचंदकीछांही ७ यथावा जबपाससखीवहबै
ठीहुतीतबतामुखकोप्रतिबिंबपरैं इनलोलकपो
लनिकढिरहीं अंखियांनहिकैसेंहूटारीटरैं अबवेही
वियाहमवेहीकपोललसैंचमकाहटिकोटिकरैं ६
गुलालनकैंनदसालछिपैवहचाहतचंचलताहिध
रैं ८ वाच्यकेजोगतैंव्यंग्ययथा दोहा अतिसुंदरऊं
ऊंचोपुलिनसरसकेलिबनछांहजहंअलिसिषवति
कोकिलामदनमंत्रमनमोंह ९ अन्यकेजोगतेंव्यंग्य
यथा सासुहितीजकेपूजनकोंनितनेंमुजहांलगुहोइवि
हांनो मोसोंकहीतिहिंकारनहीबनजाइकैंफूलफ
लद्दलआंनौं कंजकीमालबनावनकौं बरहीमुहिमां
नसरोवरजांनों खेलुरह्योतुमआलीनयोसुतोआ

नुसरैनवुरौजिनिमांनौं (विसुरयौ तुमआलीनयोसुतौ
आजु) १० देशकेजोगतेंब्यंगपयथा ग्रीषमकी रितुमां
गकठोरदिवाकरकेकरदेहदहैंगे तातैंबजावनदैसुर
ली अबसकेलतावनहूंउलहैंगे गोपसबैजमुनाज
लपानकेगोधनसंगहरैंनिवहैंगे सीतलछांहकदं
बनकीमधुमंगलस्यौं घटीएकरहैंगे ११ यथावा
औरहिकुंजसखीतुमफूलनि बीनिबनावहुमालबि
सालनि ह्यौंहमबीनहिंगीढिगही अतिफूलिरहेइन
मालतीजालनि डारिनडोलिसकौंइहिकाननहोंइन
पाइगुलालसेलालनि कीजेप्रसादकरौंइहिअंजलि
जाहुउतैसंगलैसबवालनि १२ कालकेजोगतेंब्यं
ग्यपयथा गुरुजनकेउपदेसतुमपीतमचलहुविदे
स कहिहैंकौंसंदेसअबदेखिजाहुकछुसेस १३
प्रस्तावकेजोगतेंब्यंगपयथा अंजनसौ बरसैनभ
तैंतमपुंजरह्यौ घरआंगनघेरी कैसीचहूंदिस
छाइरही अलिआजुकीचारिघरीकीअंधेरी
फेरिमनोंभवकीरतिसीछितिछावैगीचंदकीजोंह
उजेरी प्राचीदिसातनराची सबैसुचकोरिनकैंचि
तचाहघनेरी १४ आदितैंचेष्टालीजैसोयथा डा
टेभुजउरपरकियेंदेषिलालकौंबाल भालचिकुर
केजालसौंढांकिलियोतिहिंहाल १५ इनमेंएकदो
यकेजोगतेंब्यंगपयथा सासुरहांसोवैसासउसास
निनीरभरीसोसोवतिइहांहौसुधिबुधिकेबिचारिहौ

वासरप्रकासहीमैंदेखिसावकासरहो आवतरजनिजगह
सीजिनिउगरिहो पतिपरदेसतासौं आसौंअधिकारउर
बोलोनहींतामैंधामठामनविसारिहो सुनतिरत्यौंधों
तुम्हैं तातेंहौंकहतिबातपंथीजिनिपालिकपरिधिया
इथालिहो १६ यथावा कुंजगृहमंगलरसालमंजरी
कौमित्रवनकौंसुहागबनवेलिनकौकंतहै कोकिला
कौमौंनहरभौंरनिकौंकेलिकरमंदमत्तैमारुतकोबं
धुविलसंतहै मैंनकौसहाइकसुनंदलालनाइकसं
जोगीसुखदाइकवियोगीजनअंतहै चाँदिनीकौसोध
कबिरोधकमुनीनिमनरोधकबिसेसफल्योबागनिब
संतहै १७ दोहा अर्थजुशब्दप्रमानकौसोईव्यंजक
आइ व्यंजकतामैंअर्थकीशब्दैहोतसहाइ १८ गंगा
जकीतरलतरंगनिसोंसीचियतिफनीफनपल्लवनि
झालरीरहतिहै तिनहीकेसीसमनिसुमनकलीनिए
कफल्योफलचंदकलातगकहैवहतिहै आनंदकेअ
सुउठेधमदगपावकसोंतिहीरीहदोहदमहागुनग
हतिहै लौंबीजटासिवसुरतरुकीकलपलताजयसिं
हभरिफलफल्योईचहतिहै १८ इतिश्रीमन्महारा
जश्रीजयसिंहनृपालवचनाज्ञप्तकबिकोविदचडा
मनिश्रीरूपकबिकलानिधिकृतेअलंकारकलानि
धौअर्थव्यंजकतानिरूपणंनामचतुर्थीकला ४
अथध्वनिनिरूपणं दोहा धुनिअविबक्षितवाच्य
जोतहांवाच्ययोंमानि अर्थांतरसंक्रमितअरुनि

12A

पटतिरस्कृतजानि १ इहांलछनामूलजोगूढव्यंग्पद
रसाइ सोप्रधानअरुवाच्यकीनहिंप्रधानताआई २
अर्थांतरसंक्रमितबच्यध्वनि यथा होंतुमसोंजुकहों
यहबातइहांगुरुलोगनिकोवसिबोहै चित्तकीचातुरी
चांपिचलैंचषचालिचुराइडुरैंहंसिबोहै आपनेईम
नकीमतिलैचलिहोबलितोरसकौरासिबोहै नातरु
देषियोनंदकेनंदननेहकीधारनिकोधसिबोहै अस
ततिरस्कृतवाच्यध्वनियथा कोलोकहैइनकेउपगार
हमेसुखदेतनबोधतमूंधि कुंजनिगुंजिरहेअलिपुं
जयहैजसुगाइकरैंमतिरूठी सोचसकोचसनेहकेगे
हमनाइलदीजिननैननिरूठी बादिकैजीतिहैजानदे
बावरीयेअतिसांचुसबैहमरूठी ४ अथविवछित॰
वाच्यपुनिकरतब्यंग्यकी ध्वनिनिरूप्यते जहांविव॰
छितवाच्यपुनिकरतब्यंग्यकीगोर ध्वनिअलछअक्र
मव्यंग्यसोलछ्यब्यंग्यक्रमअौर ५ रसअरुभावरसा
भासादिकअक्रमब्यंग्यबषानो भिन्नरसादिअलं
कारनतेअलंकार्यहैमानो ६ रसअरुभावरसाभा॰
सरुतहंभावाभासहिजानो भावशांतिअरुउदयसं
धिअरुभावशबलताआनो ७ अबरसकोस्वरूपक
हतहैंकारनकारिजअरुसहकारीरसादिकयाईके
आंहि तेबिभावअनुभेवअौरब्यभिचारीनाट्यकाव्य
केमांहि ८ तिनबिभावअनुभावअौरब्यभिचारि॰
नप्रकटकियोहियअौक थापीभावेरसपहिंचानौ

अ०क० भाषतहे कबिसहृदयलोक ए ब्याघ्रादिबिभावभ
१३ यानकमेंबीराद्भुतरोद्रनिदेषि अरुअश्रुआदिअ
नुभावसिंगारहिकरुएभयानकतिमिवेषे पुनिचिं
13 तादिकसिंगारब्यभिचारीबीरकरुएभयहूलेष इमि
जुदेरकंततरहतसुपातेसत्रमिलितहीअवरेषे १०
कहुबिभावअनुभावकहुकहुंब्यभिचारीआहि तत्रु
असाधारनजुपेबर्नतेहैरसमाहि ११ तातेओरोदुहुं
नकोंलेआवहिंनिजजोर नियमनंगयातेनहीरहिल
छनकीओर १२ बिभावहीयथा छप्पे नवपल्लवकर
सिकवचसुनटबररसरसालनि सुरभिसुमनसर
चापचारुचंपकतरुजालनि मलयानिलमातंगमधु
पहयसंगहआरनि करलिपंननीसानमत्तपिकगा
नहुंकारनि मधुरितुसहायबिरहीनपरचढिमनोज
रहिंबिधिबने भासतपलासबनतासुअतिअरुनभा
सतबूलने १३ यथावा कवित्तम् बाजतसादानेघन
साजतसुषनिमनबूंदनिसुमनगनबरषाबिसेषिये
केकीबरबंदीजनबोलतबिरदबानीकोकिलापपीहा
छिजनादअवरेषिये गावैंकुजमहलनिमातअलिपुं
जहरेअंकुरबिछोनाछबिछाईछितिपेषिये पावसस
मयसुनबेल्योराजतिलकेलेआनुरतिराजएकराजअ
गदेषिये १४ अनुभावहीयथा सवैया भीजिगईनवभं
सुमएालीओढेंकुंभिलानीसीअंगकीछांहीं कोरिसर
वीजनकीबिनतीगिनतीसीउमैंधरियेंगहमांहीं काम

कीकित्तिछुपेसभयेअकलंकससीकीहंसीकहैंऔंही
रतनकुंजरकेरदसेअतिऊजरेहूनेंकपोलदिषांहीं॰
१५ व्यभिचारीही यथा कवित्तम् हरितेअमितचौप॰
चाहचाउचिंतामरेनीचेभयेआयेफूलेबोलतप्रमानहैं
लेतपरिरंभनअरुनरुचिअचलकेगहैंऐंचीभौंहमनो
कामकीकमानहैं पाइनपरतपुनिप्रेमबसऔंसुनकी
धारनिधरतऊनेजलदसमानहैं केतेपरपंचनिचतुर
चषमानिनीकेपियअपराधसमैंदेषेआनआनहैं १६
अबरसनकेभेदकहतहैं दुपदी कहिसिंगारहास्यअरु
करुनाहिरोदुरुबीरभयानकजानौं बीभछुरुअद्भुतये
आठुरससुषरूपनायमैंमानौं १७ दोहा तहँद्वैभेद॰
सिंगारकेइकसंभोगबषानि बिप्रलंभइओप्रथमअने
तभेदपहिचानि संभोगश्रृंगारलछनं दुपदी जहँअनु
कूलबिलासीदोनौंभजतपरसपरदरसपरसमुष सु
संभोगसिंगारबषान्योपरमानंदविधानहरहतदुष १८
अथविप्रलंभश्रृंगारलछनं दुपदी जबरतिभावगहत
अधिकाईलहतआपनेइष्टहिनांहीं बिप्रलंभसिंगार
कहतसोमहतअसेषसरनकैमांहीं अथसंभोगश्रृंगा
रकेभेद दुपदी अवलोकनआलिंगनचुंबनकुसुमाव
चयऔरजलकेली सर्पोत्तमयबहुरिचंद्रोदयषटरितु
आदिरीतिरसमेली २१ क्रमहीसोंउदाहरणतहांअव
लोकनयथा कवित्तम् बैठेएकपलिकायेंआलिका
हूछबिछकेसुंदरतासागरकेसारसरसतहैं पियमुषचा

स्र०क०
२५

14

हिप्यारी प्यारी मुषचाहि पियनैंन निपियूषरस पूरपरस
तहैं आजु चित चातक औ लोचन के चकोरन की लाष अ
भिलाष फलीतो हू तरस तहैं एक औ गोरी घटा एक औ
स्याम घन एकै संग ऊनि रंग बरसत हैं २२ यथा वा
कवित्त दोऊ रस जेरे बरपरे जेरे गुरुजन घेरे ष्याल षेल
त अनोषी रीति रंग मैं प्यारी तन हूपरस ऊपर कुके री पि
रे पीतम के नैंन लगे लाल च के अंग में घूंघट सको रितिय
तिर छी कटाछन सों बार २ बरजति नौंहनि के संग मैं बिन
ती सी होति इत गत बेस मुझि जात फेरि परि जात नवनेह
के तरंग मैं २३ यथा ठा पहरें किनारी दार सारी लाल चु
हचुही दाबै कुच जाली दार कंचुकी की जाली मैं उतबे छ
बीली चटकीली रंग गिया के पेच नि सवारैं सांऊ औ स
रकी लाली मैं बरसैं गुराई सों रई की रसमह घटा सरसैं
सकल बरसावनि रसाली मैं कोरि २ दामिनी की दीप
ति लिये अगसंग ठाटे नव स्याम घन आली हरियाली मैं
२५ यथा वा छाजति छबीलि छबि छूटि रही अलकनि
नासा बेह बीच मति मन की मुरैं २ सादे ही बदन पर को
रिक सुधाकर की राजै रुचि के सरि के रंग नि हुरैं २ अं
जन बिना हू नैंन मंजन सों मोहैं लेत कोर निक स्याल छ
बि कानन निछुरैं २ क्रांति मग नैंनी सुषदेनी जमुना कै नी
र उतैं प्रानप्यारे दुति देषत दुरैं २ २५ यथा वा आवत क
दंब कुसुमन कै पराग पूरसी री पौंन लहलही ललित
लतान की घोर घन घेर घन पावस अ घेर पिक के कि

निकटेरगतिऔरेहोतिप्रानकी ऐसेसमैंकुंजनौंनआ
नेंदउछाहबाटेठाटेटिगललितामनोरथनिधानकी
सौंहनिसचाइबातैंकरतएचाइदोऊछबिसौंबचाइछौ
टैंऔटछतनानकी २६ आलिंगनयथा सवैया एकस-
मैंहरिपोटिरहेतनऊपरतानिकेंपीतपिछौरी प्यारीहूरं-
आइतहांमधुरैंमुषचुंबतिचोरीहीचोरी रेषिकपोलन-
मैंपुलकवलिलाजसौंभीजिगईगुनगोरी आननचंद-
नवाइरहीसुगरीभुजभेटिकैंभामिनिभोरी २७ चुंबनय
था दोहा तुवमुषबागलगेकुसुममधुरिमलावनिरूप
तिनमैंइकमुहिदेहअलिचुंबनकपटअनूप २८ कुसु
मावचययथा फूलिरहेनवमालतीकुंजमैंबीनतफू
लबनीदुहूंजोरी ऊंचीलतनिबितानैंभुजाछबिपुजअ
पारबटैंदुहूंओरी पीतमकैंमुसक्यावतहीनिजनील-
निचोलपसारतिगोरी प्यारीजबैमुसक्यातितबैपियऔ
लिकेंओडतपीतपिछौरी २९ जलकेलियथा पाइपा
निनैंनसुखलूटीलछिकंजनकीअलकलतानिरूपअ
लिनकौंआयोहै भुजनिमणालगतिजीतेराजहंसरो-
मराजीरुचिसोहिबासिवारनकोटायोहै त्रिबलीसो
तरलतरंगनिकीसोभहरीउछ्चकुचकुंभनिसोंकोक
कुलचायोहै जलकेबिहारब्रजसुंदरपियानिसबै-
सोभाहरिलीनीयातेकेलिसरकांप्योहै ३० करिकें
रजेत्रनिमेलतहैंजलचंचलचारुदगंचलमैं ललना
कछुदेषतिनाहितबैभुजकौंभरिभैंटितहैंपलमैं रिसि

श्रं०कं०

१५

देषितिपानिकीडूबकलेपरपंकजआइछुवैंछलमैं नर
लालसबैब्रजबालनमैं जलकेलिकेंजमुनाजलमैं ३१
सर्वास्तमयपष्या फूलीसांझजुहीबनबीथिनबिथुरि
हीअरुनअसोकलताफूलीचहुंओरतें दसोंदिसमांझ
तैसीफूलिरहीसांझरसकेसरिकीबीचीनमिसीबीठौरठौ
रतें एसेसमैंप्यारेकेंसरसअनुरागफूलीखुलीजेबस
हीसारीअंगओरछोरतें ओगेकामकेलीबीचमंगाकी
सीबेलीबलीपाछेतेंसहेलीलषिपाइलकीघोरतें ३२
पष्यावा कवित्त केधौंइहिंओसरसुघररंगरेजेरंगिरं
जनिबिलासनिके।बसनसुकायेहैं केधौंललनजनम
नोरथकलपलताताहीकेअरुनरंगफूलफूलिआयेहैं
केधौंतुंगअस्ताचलसंगनतेंगेरिकादिधातुरजरबिरथ
चक्रनितठायेहैं केधौंबिप्रधुनिसुनिफूलीसांझसांनुरा
गकैंधौंकामनृपकेबितननिजछायेहैं ३३ चंद्रोदयपषा
ष्या सवैया मनिनिकेउरपैंकुचनधरदुर्गमहागढको
टसमाज मोंनअजौंरहिहैं छतहूहमकामनरिंदचमूअ
तिताजी यौंकहिफूलतकेरवकोरककोसनेतैंकटती
अलिराजी सोईबडीकिरवानहिकाटतबाटतकोहक
लानिधिगाजी ३४ अबषटरितुबसंत कुंजगलीनाइका
निनाइकमलयपौंनलागतहीजग्पानवअंकुरअनंगहे
पल्लवअधरचैंमिकिंसुकनषछतहैहोतपिककूकरा
निकंठधुनिरंगहै गुंजैंषअलिपुंजतेईकिंकिनीनपुरधु
निपंकजपरागपटबासोहरिअंगहै स्रमजलमकरंदपै

15

15A

लेफूलअआभूषनहोइनबसंतपहरतिकोप्रसंगहै ३५ अ
थग्रीषम आरीतपीआसमानआसजिनिजानैयहफैली
चारुचंदकीसुचंदिनीहैगहरी सीतलसुगंधमंदताईवा
रिङारियतिज्यौंज्यौंअतिचलतिप्रचंडपौनलहरी नीर
नरिसोएसबभीतरकेभौननमैंकौंनकाहिपूछतघेराई
कामकहरी आगेकतजातघनस्यामसुनैंबातइहिंद
सअधरातिहोतिजेठकीदुपहरी ३६ अथबरषा गौंने
आईकामिनज्योंदामिनीमिलीहैनवघनमनभावनसों
सुरतसुहायोहैं अंबरपलंगपरप्यहरि२पौंरतोरीमोती
मालबगजालदरसायोहै बूंदैंस्वेदबिंदुमोरसोरचहुं
ओरजोरआभूषनझनकारझलायोहै आठौंदिस
आलीजबझुकनलांगीतबसकुचिदिनेसदुतिदीप
कदुरायोहै ३७ अथसरद मालिनिज्यौंकरमैंकमल
लीयैंआगैंखरीचौंसरचंवेलीकेरुचिररचिल्याईहै जौं
हरीकीजुवतीज्यौंतेजभरेतारागनहीरनकीहारावलि
बिबिधानदिषाईहै पछिमकेओरकीप्रवीनमगनैंनी
अंगओटैंचारुचांदिनीपेंचादरिसुहाईहैं लाललषि
लीजेंपहरावरेरिझावनकोंसरदषवासिचंदआरसी
लैंआईहै ३८ यथावा चंदनिसललनाबदनलषि
धाईकिधौंपारदकीषांनिफेलिआईआसमानहै कैं
धौंसुरुकैंप्रबोधसुषितसकलसुरलोकनिकैंकलहा
सभासमासमानहै मेरैंजानिमदनमहीपसबजीति
छितिनुरधचढाईकितिकरिकासमानहै केधौंताराग

नमुकताहलयेमैं मिकनिचौंदिनीनेहाइचारुताहीकोवि
तानहैं ३९ अथहेमंत दोषमगजीकोंअतिआनंद बा
ढाईभांतिहे बहुतनीकीरहीबंदनलगाइहे अतिसुषा
कारीगरसीकेंगुनगननितपारकरिपराषीअंगअंग
16 नसोंलाइहे रंगचटकीलीछबिछाजतिछबिलीताकी
तूलहैमलाइमहीमरीमेलभाइहे रहियेनिचिंतयादि
मंतहीमेंपाइबनीसोंहनीसरसमेरेंअंगनकबाइहे
४० अथशिशिर चालोंओरबातचलेकछुनबसात
अतिकांपतहेगातगुरुलोकघनगरजी धेंवानरीसा
सुननरीकेपासबासकोतुबेठिबेकिआसनरवोरोईका
मतरजी आलीमहिओसीअतिदुखदपरोसीघरली
बरनजोगेसबभांतिनसोंलरजी दुतहीकरीनानही
कुलहीनपाईलालरावरीरजाईकोंवहाथजोरिअर
जी ४१ षटरितुवर्णनंसमाप्तं ओरप्रकारसोंसंभोग
प्यारीतुम्हेंबिनकंचुकीहीछबिआछीलगेकतअंग
बंधेबों योंकहिप्यारेनेंनीबीगहीतबआपुसमेंचित
ईअबजैबो जांहितोबालकहेंजिनिजाहुनजांहितो
पीतमनेंनरिसेबो काहूंकसोबिरीबांधिबोकाहूक
सोमुहिसवहिनेजनरैबो ४२ मंडनपथा कंतइकां
तमेंआपुहीप्यारीकोंमंजतरंजतचातुरीऐना बेंनीगु
हीगजमोतिनसोंपहरावतमांगबनावतबेना अंग
निअंगसिंगारसिंगारतअंजनपारतखंजननैंनापा
इपसीजतकपतहाथकेंआलीमहावरदेतबनेंना ४३

अथबिप्रलंभशृंगारनिरूपणं कहिअभिलाषबि
रहईर्ष्यापुनिप्रवासअरुश्रापहेतुकरि बिप्रलंभ
शृंगारपंचबिधबरनोंअपनेचित्तचेतुकरि ४४ अभि
लाषहेतुकबिप्रलंभयथा कंचनमहीसीकबहूंहैचि
त्तषंजनकोलोचनचकोरकबपाइहैजुन्हाईसी फू
लीनलिनीसीकबलैहैंअभिलाषआलिलाषलाभो
तिनकेसोरनसुहाईसी चहचहेचाहचाउचातकसि
षीनिकबहूंहैसुषमेहबरषाकीअधिकाईसी रूपप्र
भुताईसबसोभाकीसमाईकबदेहैदरसाईतिहुंलो
ककीनिकाईसी ४५ यथावा बीजनाकीजतअगनि
अंगरवरीसमकीजलधारकटीहै केतोउसासअरे
निसबासरदेषिबिथामनमेरेंमटीहै तुंचोमनोर
थमंदिरताकीसिढीनितकोरिकबारचढीहै मैंकेतो
धीरजकोधरिहैअतिपातरेगातनिहारिबढीहै ४६
बिरहहेतुकयथा कहूंअटकेहैंकिधौंकाहूंअटकाये
हरिअजहूंनआयेघरीघरीपोंटरतिहै पूछिनसक
तिसरवीजनसोंसकोचभरीसोचभरीआषपांतोधी
रनधरतिहै दीरघउसासनीरीहोतिनअधरबीरी
पीरीकांईतुजरेकपोलनिभरतिहै मंदिरतेपोरितक
पोरितेलैमंदिरलौहेरतहीजातनैकनींदनपरतिहै
४७ यथावा कोटिकेकोटिकामरूपवारिवारिडारौंजा
पैदेषिदेषिऐसीछबिमोहिमोहिजातनैन भांतिभां
तिलोगनिसोंटापिटांपिजीजियतकांपिकांपिउठैचित्त

अ.क. चांपिचांपिचूरिचैंन टेरिटेरि आरतिसों फेरिफेरि जा
१७ चतिहोंहेरिहेरि मेरे प्रानघेरिघेरि रहौमैंन एकएक
रातिजातिलाषलाषरातिसमआउआउप्यारेपीउ
17 नाषिनाषिहारेबैन ४८ यथावा लोरही अजुमैंदर
सनेंजावकभालनुकीपगीयासों हालैहराधरकेछति
पबिद्युरीमतियानुतरीबतियासौं ताछिनतेवहलाल
नफलसेझारतिहेहियरोसदियासों पाससखीजन
आवनदेतिनलोचननीरनकीनदियासों ४९ यथावा
धारतपुलकमंजरीनकोरसालअंगआठोजामदेषि
पतितपतिउजागरी आंसूजलमोचननिलोचनि
लागीझरनेहनदीबिमलमिलानीगुनसागरी लाज
कुलकानिजोरकुहरदवानीअतिरैनिदिनकंपतर
हतिनवनागरी नंदलालप्रानपतिरावरेबिरहमधि
छिनछिनछाईरहैछहोरितुआगरी ४९ यथावा की
नीअरठौरकामकेलिनकीहोरयहबातहूवनैंनइहि
रोसप्रेमपोषमें नाहीपुनिइनकेंअनैंसोएसोमित्रको
ईमोहिनचहतजोरहततदीहदोषमें मेरेनैनआयन
हिनंदलालप्यारेतहांहोइकोंनकारनधोंयाविधिअ
नोषमें हियकेमझारयहेबिरहकीझारधरैबारबार
दुकिदुकिझांकतिझरोषमें ५० ईर्ष्याहेतुयथा सोपि
यकेपहलेअपराधबिनाअलिकेउपदेसअमोलनि
सीखीनबिभ्रमसोंअंगमोरिनजानतिबोलिकेबं
कसेबोलनि झूलेसफूलेगुलाबसेलालरंगेरिससों

उननैंनअलोलनि बालबहावतिआंसूकीधारलुलैं
अलकावलिअछकपोलनि ५१ यथावा मोरहीआ
जुमलेंदरसे मैंजावकमालकुकीपगियासें होलेह
राधरकेछतियाबिछुरीमतियातुतरीबतियासें ता
छिनतेचहलालनफूलसेझारतिहैहियरासहियासें
पाससखीजनआवनदेतिनलोचननीरनकीनदि
पासें ५२ प्रवासहेतुकयथा जलधरदूरिदेसलौतें
मुरझानीअतिछवरीलसतिइकलतासुबरनकी सो
नेकेसरोजपरसोवतसरदचंदआसपासाधरैंमासतिमि
रकेगनकी परसिपरसितिलकुसुमसमीरधीरचंचल
ताहोतिबंधुजीवकेसुमनकी खंजनजुगलसुरसरिजा
लबिंदुजिमिउगलतअवलिनवलमुक्तनकी ५३ य
था रैनिदिनैंनसरिताकेनीरन्हाइन्हाइकोनब्रजनारी
उहींध्यानमनपागेगी कान्हअतिमानीकुबिजासेंरति
मानीयहैजगतकहानीपंचपावकसीलागेगी रसनरसा
लाहरिगुननकीमाला बालाजपतजपतचितअति
अनुरागेगी सिषावतकाहाऊधोसूधोयहपंथअबआ
पुहींतेजोगकीजुगतिजियजागेगी ५४ यथावा काली
बिषजालकैकेंछाईजमुनाकेंनीरछिनछिनमरछाकी
लहरिचलाइये फूलेफूलेफूलहू पलासनिमेंलागिर
हीआगिरहीजोन्हहूकेजीवनजराइये पंकजपरागहू
केंआईमंदपोनसंगएकोनउपाइजलजासेंसितलाइ
ये सोईआगिगोपिकालतानिलपटायेलेतलीजेराधि

अ०क० प्यारेलालबिलमुनलाइये ५५ शापहेतुकबिप्रलंभय
१८ था एकसमैइनअांषिनरीबिधिनाहिंआराधिमहाबर
18 पाये ताहिनतेअलिनंदकुमारबिलोकततहीइनकोम
नभाये मानभरीअतिभलिपरीउनसापदियोतनताप
नितापे लाजदईअनदेषनकोंअरुदेषनसंगनिमेष
लगाये ५६ हास्यादिरसनकेक्रमहीसोंउदाहरण हास्य
रसयथा अंगललामजेसालिगरामसेचौंरनसेरदकी
छबिपाये हाथकियेंकरिहांपरहीहसैंकसाथहीचाइ
भरेउठिधाये बेदपेटबिधिकोलिगहेरसबातनकेअ
२१० रिरूपसुहाये मुछउचातिआसिषदेनकोंदेषियोराज
पेबाम्हनआये ५७ कंचनकीदुडुगेंदमनोहरकंचुकी
मांझछिपाइधरीहे तेअबरीजियेकीजियेकोलिमोंबोल
हेरेदिगआइहरीहे बालबिनाइबटाइहसीतबआवनि
रतउजासभरीहे मानोंनएदुमपल्लवऊपरकुंदकली
षिलकेंबिषरीहे ५८ यहहास्यरसकोउदाहरणांतरजा
नैनो करुणरसयथा हाइदईयहकोनभईबिधियोंक
हिकेदुदसोंदिसदोरै हाइचलीकिहिओरअलीकहि
कोईकरोंसेंउहींबिधिबोरै कोईगिरैधरमूरछाकोगहि
कोईहियोअसुवानिसोंधोरै भारतबीचकटेतिनकी
तियरोवतिओंपुरुवावतिओरै ५८ यथावा बिषेरस
बाहकेंग्राहग्रसेगजकीगतिदेषिकहाटरिहोगे फैल
तकालकरालअघासुरकेंमुखदेषिदयाधरिहोगे चे
तनताबिनुजानिपषानकहामतिसुडनउद्धरिहोगे म

देहीतारनकारनयों अरिबारनबारकहाकरिहोगे ५९ य
थैवा कालकरालमहाबिषब्यालबिहालकियें कुजुपा
लिनलेहो पापपहारसघारनहारबिहारनहीजुनधार
नकेहो तोकबिलालकेहालगुपालकृपालनहीपह-
क्रित्तिकहेहो बारकबारनतारनतेंबढिगोबिरदेहिर-
देतनिरदेहो ६० दोद्र यथा जानैमरजादकोंउलंघिरो-
सोकामकीनोदीनोसुखबासरमैरांतदुषजालकों ता
कोपछरछतजेरछकुलकेकुलछनछकपितनहिचम
कांऊकरवालकों लंकानगरीमेंएककंकालहीबाकी
रहैरोसोमसुरुकाहीचलाऊंकहिकालकों एकैबार
काटिकेंकठोरदसकंठकरलीलकंठजंकेकंठचंडमुंड
मालकों ६१ बीरयथा छोटेछोटेअंगनिछकेसछुद्र-
छीनबलछलनरकपिछुडोत्रासतुम्हेंकादहो जंनरि
पुकुंजरकेकुंभजुगघाइकयेसाइकतुमाहितानिमान-
तबिषादहो रहिरसोमित्रितुहमेरेक्रोधकीनठोरदौर
कीदरेरनसोंआपोदेतसादहो नेकमोहमंगहीमेंबांधे
जिनसिंधुतिहिंरामसोंचहतजुद्धमानीमेघनादहों ६२
दानबीरयथा मांगतजुकोईजिहिंएकसेपदारथकों
ताकोंसोईदेतहमएतकगुमानसों मांगेंबिनमांगेहू
अमितयहदेतकहोकोनमांतिजीतेरहिदानिपनिधा
नसों नंदलालदानिकेउदारगुनपांनिजगछीनैलेत
जानिजेहमारेजसदानदसों डारडारडांवाडोलपांच
हूकलपतरुबारबारपारतपुकारमघवासों ६३ यथा

अ०क० वा पारथ्यकरनअरुनरथ्थ नगीरथ्यसेकाननिसुनत
१८ गुनतेहीछिनछटिगो छोरेंपाइ धोरेमदमोकलमतं
19 गमदबीचिनकीकीचनकेबीचडूरपटिगो रामचंद्र
नृपकरदेषतितिहारेंउरमोतीमनिमानिककीलाग
तहीलटिगो दिनदिनदानदरियाउकेलहरिबहिहा
रिद्कोबंसछितितलसोंउछटिगो ६४ दयावीरयथा
उरतेउतारीइंदिरासीप्रानप्यारीउठिआगेंआनिधा
रीपाइपादुकाहूडारीहैं पीतपटिवारीकटिफेंटहू
बिसारिदेषिमहलकीनारीकानाकानीकरिहारीहैं
बिनुहीपलानेखगराजअसवरीकरिधायेबनवारी
करचारुचक्रधारीहैं जगकीगुहारीकिहिंओरकान
पारीतुंडग्राहकीबिदारीदीनआरतिनिवारीहैं ६५
राजपयानिधिमेंखलानृमिकोनांतिअनेकबिनतिबि
राजै जोवनरूपाबिभूषितअंगबधुसुतभ्रातसमूहसु
भ्राजै औरजुलोकमैंमेरेअधीनहियेंमुहिआनदऔघ
समाजै ससबहीअबहीकिनजाहु रहोतोरहोइकध
र्मकेकाजै ६६ यहधर्मबीरजानिये नृपानकरसपथा
बांकीग्रीवकीयेंअतिनीकालगेबारबारआगेंआगेंपरत
तुरीसोंडीठिजोरेंही पीछिलेसरीरसों प्रचंडसरपात
नयपैठोअंगआगिलेमैंप्रानत्रानमोरेंही खेदसोंउबा
दरसोमुखहिबेघरेंमगआधकचबायेघासग्रासआ
सतोरेंहीं रामचंद्रनृपकेसिकारमगउछंकूदिब्योम
मेंघनेरेजातभूमिपरथोरेंहीं ६७ बीभछरसयथा पा

19A

रपकेसाइकनिभारथकेंबीचहनीकोरवपतीकीचतु
रंगिनीप्रबलहै मातेगजकुंभनकेटेंपललकरारेपटेब
लल२सोंनससितानबलेहै तिनकेंभफारमुकत्तह
लचुगतगाढेगाढेमदगदनकेकरतकवलहैं बंदनमें
लेंटेसेमरालबालजालमनुचंदनलपेटेतनुबाइस
धवलहैं ६८ अर्थेनुतपथा अरमुतकोऊयहबडो
अवतारकहांमाधुरीकोसारजगऐसोइरसायोहैक
हांयहकांतिकछूनतनहीभांतिदेषिनेंनरहैंमांतिसुधा
पूरपरसायोहै अहोपरमाउयहलोकमेंनधीरजहैको
ऊएकैसुंदरसरूपसरसायोहै नयोईप्रपंचयहरूपरू
चिरंगनकोआंजुब्रजऊपरसुहागबरसायोहै ६९
इनकेस्थायीभावकहतहैं कहिरतिहाससोकअरुक्रो
धहिऔरउछाहबहुरिभयजानों होइजुगुप्साअरुबि
स्मयये थाईभावरसनकेमानों ७० थाईभावकोलछन
सोजातीयअरुबिजातीयबहुभावनिजाकौंबाधिनस
किये भावबासनारूपचित्तकीबृत्तिकहीजाकोंलहिछ
किये ७१ उपजतमिटतसिंधुमैंजेसेंबहुतरंगवहअच
लरूपहै त्योंसंचरतविविधसचारीथाईमेंवहथिर
अनूपहैं ७२ अबथाईभावनकेजुदेजुदेलछनकह
तहै जोमनकोंअनुकूलअर्थतहंमनकीउनमुखता
जोहोईसोरतिभावबषान्योसुकबिनिरसनाइकासिंगा
रकोथाई ७३ बिकृतहिदेषिबिकासउचितकोसोई
हासबषान्यो होईइष्टनाशादिकसोंचितब्याकुलशोक

सुजान्यो ७४ कारिजकें अरंभलषा अतिसो उछाह का-
रिमान्यो प्रतिकूलनिमें तीछनताकों कें बो क्रोधविना
स्यो ७५ बस्तुभयानक शक्तिसोंजुचितब्याकुलसोभ
यहोई दोषदरसनादिकसोंनिंदाआइजुगुप्सासोई-
७६ देषिपदारथबिबिध अलौकिकचितबिस्तारजु
पावै सोईबिस्मयभावकहावै अद्भुतरसहिसुहावै ७७
सोकादिकजहंप्रछत्तिसुकेंसेंकरुनादिकरसहोई ति
हिंप्रधानकबितासामाजिकजनप्रवृत्तसबाकोई ७८
तातेंसोरसनाहियहोपुनिबचननहीकहिसकिये क
होज्ञानसुखरूपसोकहूसोनग्रंथकछुतकिये ७९ दु
षकारिजजुअश्रुपातादिकसोंकेंसैंकरिहोई कहिय
ततहांकरुनरसजद्यपिसुखदुषसंजुतसोई ८० तद
पिशोकअवछिन्नचेतनिसुआनंदअंससप्रकासे भा-
वावरणकरुणरससोईआनदअंसजुभासे ८१ ताहि
चहतसबसोकअंसमेंचलीहूषनहिआई तातेंसामा
जिकजनकीतहिंहोतप्रवृत्तिलषाई ८२ बर्णनीयसों
तनमयताकरिसोकप्रकटपुनिहोई तातेंहोतअश्रुपा
तादिकसबरसमेंगतिसोई ८३ अबथाईभावकेउदा
हरनकहततहै लालचकेलागेलाललोचनकिसान
कलवचनरचनघुरिसुधाघनबरसैं मोहनकीसैंनर
षवारीतहांथापीजाहांबिपुलपुलकैपेमअंकुरसेस
रसे मंदहसदोहदप्रयोगपुनिलाएहोइसफलजवा-
हिरानप्यारेआइपरसैं कोमलसनेहतरुसो अबहे

नश्रालीदुसहविरहदावपावककेपरसें ८४ श्रावत
हीपुरकेउपकंठमिलेबहुबालनिधरिनिहारे मूपर
त्तिमैंनकेनीतरदासीनिश्रायकहेइककोतिगनारे
नीषदईबलिराजबधूंपटमोजनवातनुजोगिविचारे
राजाबुलायेहरैहीहरेंहसिबामनजबडडीडगधारे
८५ बिरहाजुरदाहसोंमरछुनागहिनतलमैंमुरका
इपरी पुनिचेतिउठैबहुलेतिउसासहुतासनहेतिसों
जोरजरी बिललातिखरीबहुबारबिहालदिसानिल
षैतमनरजरी रतिकीगतिदेषतईसहियेकरुनारस
कीकलिकानिकरी ८६ कंसमहातमपुजबिनस्वर
कंजबिकस्वरसाधुसमाजे बीततमोहमईरजनीरवि
रूपबिबेकमहाछबिछाजे दुष्टकुमारमुदेरतितहिका
लमिलेसुरकोकनकोगनगाजे रंगमहीमधिपेठवही
हरिनैननमेंश्ररुनोदयराजे ८७ श्रजुश्रसेषचराचर
मालिमचानरकौभुजबिक्रमभांनो कंसहुकोजुपरा
क्रमवैनवसोछिनएकमेंश्रंतहिश्रानों योंचितरंचउ
छाहधरैंब्रजतेश्रतिश्रादरसोदररानों श्रंगकियेंपुल
कावलिमंडितकीनोहेकान्हपुरीहिपयानो ८८ गोप
सबैकरकीलकुटीनसोदेवकीदेतमहाबलबांटे जा
नतश्रापुनिसाथसहाइगहाइलियोहमगोधनगाटें
टीलोकरेंकरसंचककान्हगिह्योसोपरैगिरिगोरवका
टें ह्वै तिहिंत्रासमेंब्याकुलगोकुलकंपतहेडिगईसके
ठाटें ८९ यथावा बानिश्रचगरीसोंसमीपमधुनगरी

अ०क० केंसगरीगुवालिनकीलूटीदधिमगरी रानीजसुमति
२१ नंदराइपैपुकारनाईताउनसोंमीतकाहूआनीसंकअ
21 गरी जुरहिजताइअंगपुलकहिरचावतदिषावतबेप
थुअसेषबपुबगरी नैंननिकपावतकरतमुषसीसीधु
निसांऊतमामांऊघरआइडुलोठगरी ए० नकरतभू
षिपानजरतनपानकवाआन आनदरीसोपैंनधाए
निकटतहै नासानैंनलवनकुहरकूपऊपरिनिफेलत
लहिरमूरअंगनिमटतहै टूटेपरैंकोटिबनमछिकापट
लकाकआकुलितकायककुनदनिरदतहै बिकटब
कीकिजरकीडतकपटसिसुरंचनघिनातचाइबोगुनोच
दतहै ए१ रकपाइसोंपाटिलईपुहमीबिपेपाइसैंअंब
रपूरिलियौ पुनितीजिकोठेररहीनकहूबलितासोंपता
लपठाइदियौ लषिकैंतबबामनरूपचरित्ररसौचकिकैं
तिहुलोकहियै ब्रह्मंडकेरारिनकेप्रभुनैंबिधिजान्यौ
कछूनअचंभौकियौ ए२ अबतेतीससंचारीभावकह
तहैं कवित्वम् निरबेदग्लानिकहिसंकाओअसयाम
रस्रमकहिअलस्यहरीनताबषानियै चिंतामोहस्म
तिधतिलजाओचपलताईहरषआवेगअरुजडताऊ
मानियै गरबबिषादअरुउतकंठानिद्रापुनिअपस्मा
रसुपनबिबोधउरआनियै अमरषअबहित्थउग्रता
रुमतिब्याधिउनमादमरनयेसंचारीकेआनियै ए३दो
हा त्रासबितर्कसमेतयेसंचारीतेतीस सबरसनिमेंसं
चरैंनौंनौंबिसबेबीस ए४ अबइनकेजुरेजुदेलछन

21A

कहतहैं चौपई असुभरूपनिर्बेजुपहलेंकसोसुथाई
भावजतायो तातेंथाईजहंनिर्बेदसुइनेतनवमशांतर
सगायो ९५ तत्वज्ञानअपत्तिईरषाइनहिआदिहेतुन
सोंहोई असुपातचिंतखेदादिककारिजजुतनिर्बेदक
होई ९६ यथा शांत रसकोउदाहरन जैसोअहितैसो
हारमोतीमनिमानिककोजैसीफूलसेजतैसोसिलात
लपायोहै जैसोधनतैसीधूरिजैसोरिपुतैसोमीतजैसोत
नैतैसीतियभेदनहिंभायोहै इहिबिधिसमतासदाईदृष्टि
लायेमेरेबासरबितीतहोउआरनसुहायोहै काहुपुन्य
तीरथपुलिनबनमांझसिवसिवयहनामधुनिहियकों
हितायोहै ९७ रसांतरसंचारीनिर्बेदयथा ज्योंअहि
सोंहियहारबिराजतपंकजसेसजासिलातलभावै ज्योंर
बिसोंरजनीकरकेकरज्योंघरसोंबनमांहसुहावै ज्योंरि
नसोंनिसज्योंसुखसोंदुषज्योंअरिसोंहितएकसुभावै
वाकेबियोगमेंजोगलियोपियसंजमसाधिसमाधिसी
लावै ९८ यथावा बेनीनहोइबिसालजटाकसतूरी
नकंठधरयोबिषभारी सोहतसीसनकेतककोदलहै
यहचंदकलाउजियारी होंहिनरंगबियोगसोंऊजरेअं
गनिअंगबिभूतिनिहारी मारबिडारनकारनआजुस
बेसिवभेषसज्योब्रजनारी ९९ अथग्लानिलछन
रतिआयासछुधातिससंभवचिंतादिकभावनकीक
रन निर्वलतानिसहताकेधौंहोइग्लानिकरउरव
धारन १०० यथा बिबिधकलानिकेलिकीनीरसनी

नीअतिरंगरुचिसनीसबरजनीबितैरही अरसोंहैंगा
तहरिप्रातउठिजातलषितियकीबदनदुतिजोनैंको
कितैरही फिरिमिलिबेकोंकलोचाहतिकलोनजात
बालपरिरंभनकीचावकोंरितैरही तरुनतपनतापता
पितकुरंगरुचिलोचननिलालमुखचंदहिचितैरही
१०१ मनोरथमहलकीसीढिनचढीसीअतिस्रमित
सकलतनस्वेदजलधारोहै मदनकेंबानतनककदन।
केडारीबहुमंडिपवनारहूकोहोतउनिहारोहै अति
अरसोंहेंगातडगहूनभरीजातकहतिनबातसखी।
जनपूछिहारोहै हरिनईभूषनबसनअंगरागरुचिर
तिकोसोअंतकंतबिरहतिहारोहै १०२ अथशोकाल
दुर्नयपरक्रूरतादिसंभवकपक्रियागोपनादिकारन
संकाअधिकअनिष्टजानिबोकिधोइष्टकीहानिबिचा
रन १०३ यथा बोलैलषिमनहीकेलोचननिगुरुज।
नदोषहीकीपाटीपढीसोतिउरसालको सासुओनन
दसिगरीयेअनषीलीपुरबासीलोगहांसीकेबजावै।
करतालकों मदनमहीपनिजसदनकेराषीतनबन
तनमिलेंबिनपगेरेनंदलालकों पांवकुबिचारिबाल
उन्नतउरोजपरराषतिबिसाललालकिंसुककीमाल
को १०४ यथावा रातेकरिलोचनउचारतबचनपिक
मातेअलिपुंजकुंजमहलनिघेरेई छाउरलोगगनक
नकेकेतकीकोरजमदनमहीपदलपातेअतिनेरई
सिंधुतेउदितबडवनलहलाहलकीज्वालनिसमेत

22A

बिधुकीरनकेरेरेई मांनोंकामिनीकेमनधीरजकेमो
रिबेंकोमहीतलमांझबिषबिसिषबषेरेई १०५ अथ
असयपालक्षण क्रोधदुष्टतादिकतेउपजीहासदोष
प्रकटनादिकारन परउतकंपनसिहनअसयाकेधों
परअनिष्टसंचारन १०६ सेजपेआवतालालनकों
लषिप्रातरहीललनमुखमोरें पाइछिपाइरहीपट
अंतरयोनकहूंदृगसोंदृगजोरें नीबीकेऊपरलाल
कियाकरबालछुटाइदियोझकझोरें बाजितठीकरकी
बलयामनुबालतबोलकियेरिसरोरें १०७ यथावा
आजुतोबनेहोलाललालमालछबिकाहूपरबस
ताकीधुअलेचटाईहै औरेदुतिलोचनकमलकीबि
लोकियतिपेमकेअमलकीअधिकअरुनाईहै रति
रसरंगकीतरंगनिसेसोंअंगअंगप्रतिअलसानिग
तिऔरेलषिपाईहै स्वदसगबगीमरगजामांजीमुर
झानीमालतीकीमाललषिबालअकुलाईहै १०८ य
थावा जगेअनतेसिगरीनिसिललपगेदृगवाअनु
रागकेंबंदु रहेअतिआदरसेंाजुकिझूंमिमनोसुमि
रेंउहिंआननचंदु लषीअबहीइहबातउहींमनभाव
तीकेदृगहेअरबिंद लपेमधुराधरवासुसहीइहअं
जनकेंमिसमत्तमिलिंद १०९ यथावा उन्नतउरोजनि
केषाजउरकेसरिमेंकंठकलकंकनकेअंकदरसातेहैं
ठारठारचीन्हनषदंतनिकेदेषियतजावकसुरंगअंग
अंगसरसातेहैं सोहैकहूंपीककहूंअंजनकीलीकक

अ०क० हूँसैंदुरकीसींकसोभाबरनीनजातिहैं जोगरतिरंगरा
२३ तिआयेअरसातप्रातदेषिरंगगातरंगचूनरीलजाति
हैं ११० अथमदलछनं इंद्रियसंमोहहषषघूमन॥
निद्राहासरुदनप्रतिकारन पानादिकसंभवजुहर
23 षकीअधिकाईसोमदनिरधारिन १११ यथा झूमिझू
मि झुकिझुकिरुपिरुपिजातअतिरातेमदमातेलषि
पतगतिआनहै हँसतलसतबिकसतसरहतानित॥
बिबसह्वैजातबिनुलाजबिनुज्ञानहैं चकितह्वैउठ॥
तचलतगतिजिततिततबरजीनमानैमदगजकेसमा
नहैं प्यारेपियपेममतवारेहगतारेइनराबरोदरस
केधोमदरसपानहै १२ अथप्रमलछनं सुरतपंथ
गमनादिकसंभवअहस्वेदादिभावकोकारन अति॥
आयासुप्रभवजुपरानवसोईस्तमकीजेअवधारन
१३ यथा एकठोइपेंडपरकेलिकेसरोजतजितीनिच
रिपेंडपरडारीफूलमालकों पांचछकपेंडपरछाडी
मनिमोतीमालअंगनिबिहालधरैंबादलाबिसाल॥
कों पैमदमातीअरसातीअतिबेगिचलिदेष्योईचह
तिप्रानप्यारेनंदलालकों उरजउतंगताईनितंबनि
गुरुताईकटिलघुताईदुषदुदाईताईबालको १४ य॥
थावा ऊमैभानरातेकिरननिकुंजभौनछायोतऊह
गपंकजनजाननबिहानहै सरससुरतसुधासिंधुपै
रिनीकसीत्यौंअमितउसासनधरतिगतिआनहै ला
लनपेसंगमहाबालइहिहालकीनस्वेदकनसनीत

23A

नसिथिलसमानहैं जोरकेचढावतनवावतञ्रमंरहु
करंदकनसनीम्पनोकामकीकमानहे १५ यथावाबि
थुरीसुथरीसटकारीलटकछुमंदचलेमुषसासलुबा
सी पीककपोलकहूँरदचीन्हकहूँश्रमबिंदफबेसुषरा
सी टीलेहुंञ्रंगछबीलरहेहैंसुचचलताचितेतेंसबना
सी यौंरतिञ्रंतरहीतकिकेतहिमोहनेमेरिसिनेंननि
हासी १६ ञ्रथञ्रालस्यलछन गर्वश्रमादिश्रमतक
र्कमेंमेकातरतादिमाबकीकारन उत्थानादिञ्रशक्ति
जुहोईसोञ्रालस्यकरोनिधारिने १७ यथा रातिरचीर
तिरंगपियासंगञ्रंगलसेञ्रतिहीञ्रलसानो सोहतञ्रा
ननयोंश्रमबिंदुज्योंइंदुञ्रमीकनसोंसरसानो लालक
छूकखुलीञ्रंषियानमेंतारेनकीछबिकेसेंबषानो सां
झसमेंकेसमीपसरोजकेमांझरहेथिरह्वेञ्रलिमानो
१८ यथावा ञ्राजुकेलिकुंजमधिमाधोकेंमिलिनबि
धिपाईरससिथिलषीलाइइकतारीहों मरगजीसारी
कुचकंचुकीसवांरीउलटीहूमोरबारीछबिछाजति
निहारीहों टीलेञ्रंगञ्रंगनिमेंछबिकीतरंगनिपेंलकु
टीञ्रंगनिपेंबानिकविचारीहों स्वेदजलधारनपेंछु
टेमुषबारनपैं ऐंडिऐंडिडारनिपैंवारिवारिडारीहों १९
यथवा बदनसरोजमेंजम्हांईछबिछलकतिमदकेसु
गंधकीलपटउमगतिहै रैनिकेउनींदेंञ्रतिञ्ररुनब
रननैंनकहूँमिंकहूँमिंजुकिजुकि पलनलगतिहै ञ्रतिञ्र
रसोंहैंरतिरंगपरसोंहेंञ्रंगकंचुकीसुरंगश्रमजलसों

र०क० पगतिहे निरषितिहारीछबिहोतोबलिहारीअलिता
२५ पैबलिहारिजाकेसंगतजगतिहे ३० पथावा अतिऊं
२५ चोमनोरथमदिरताकीसिद्धीनकियेकररीछतिया।
कितीबारचेढउतरेतनमडितस्वेदनबूदनकीततिा।
या दिनद्वैकतेदेषिअनोषीदसारतिनाइकसाइककी
घतियां अलिपूछतिआइतिहूमुखमोनहीबोलतिमो
हनकीबतिया ३१ पुनर्यथावा कचनिकेभारदुहूकु
चनिकेभारतहालललितनितबनिकेभारनबिचारहे
सेरनकेभारबकुहारनिकेभारकलकिंकिनीकेभारत
हांअतिबिसतारहे सोभासीलसुषमाओलाजकुल
कानिदईयेहीतनएतोभारदयाकरतारहे तापरति
होरइहिबिरहमहीधरकेभारअलसानीबारबारबे
सभारहे पथावा २२ मोरपियसंगप्यारीमरगजीसे
जपरराजेअंगअंगरतिरंगनिसोंरंगियाहेतिछबि
मसनमहीपतिकेनेजासीउलहिरहीसीसपरमोति
नकीमंगियां आरसकेभारलसैअतिबेसभारसोत्यो
ऐंठनिअमैठनिकरतितनतगियाभोयेभरिलालना।
लुभोऐंतिरछीचितोनिपायेसुषलेतिउठीबोयेंकरअ
गियार३ अथदैन्यलछनं दारिदबिरहआदिसोंसंन
वकायकलेसकुधारिककारन दुखकीदसाकिधोंदु
खआधिकसोईदैन्यकरेनिधरिन २४ पथा बिथुरी
चिकुरावलिअसनपेदृगनीरनदीकुचऊपरआईम
तमनोजमतंगजकेरदछोरसोमननागिमहाईपि।

24A

पनंदकिसोरतिहारेवियोगरसालीतिपातनतेजतचाई
छुतिहे नितफेननिकोंदरसीजुकपोलनिमेंउजराइ २५
यथावा देषोलालञबपुबालकेबिरहबिथासोईपरि
नामईहैं बिलोकनिबंकको बोलिसीदवानलकेंज्वाल
लपटांनीलषिकानकोमनोहोतहेदयाअंतकसंकको
मदनकीबिदनबरनअैसोदेषियतजैसोपंकजातअ
तिसकेसरपंकको मोचेहू औरचंद्रमानकेंकिरनिता
चिमलिनमपूषमानोमंडलमपंकको २६ पुनर्यथावा
कमलनअमलबदनहगकरपदकोकनउजरगरज
लगिछुतिया नहिसिवारकचनारनसरवरतलफति
तलपबिरहतनततिय पत्तननीलनिचोलपरंगनमें
गोरिपरुचिबेदनउजरतिपचदबिरचिघत्तियकिमिहो
बलिपुरवनिहोउैंनहोंउंजुवत्तिय २७ अथचिंताल
छन दुःषमलानआदिसनवबहुतापभ्वासवैवर्ण
अप्नुकर चितएकाग्रताहिकहिध्यानसुचिंताभाव
बषानिबिबुधनर २८ यथा नंदराइलाडिलेललन
तुम्हें ध्यावतहीतिहारेसरूपमईसुंदरीसुहानीहै लो
चनअचेतमोरचंद्रसेचितैातअनिमिषस्यामरंगमो
हमरछानिआनीहैं अंबरसेपियरेदिषातअंगअंग
मंदहासजिमिऊजरेकपोलनिमैंजानीहैं नामधुनि
मुरलीजोंमुखसोंलगीयेंरहेललिततृभंगीतनतोरि
जमुहानीहैं २९ यथावा अवलोकतहीरहियेनिस
बासरकोंअवलोकनहोइघरी अवलोकेविनेनहिलो

अ०क० कमैंजीवनज्यौंमई तौविरहागिजरी वृजचंचलचाइ
२५ चवाइतिकेचरचाचहूंओरनितंपसरी छिनकेबिछु
25 रैंजिपजापिपरीसुबुरीइननैननबांनिपरि ३० यथावा
दीपचितचाहमोहसलिलअथाहसोचनदीपरवाह
अतिविषमवहावसी लाजबडवागिदिनरैंनरहीजा
गिरतिराजरहोलागिज्योंमगरकियेदावसी कोरिका
विचारिलहरीनिविसतारिकेसंपरैनिसतारिनितहो
तअधिकावसी देषतहोलालनुसैंदोषिवृजवालव
हयैरीफिरेविरहपयोनिधिमेंघेरीफिरेनावसी ३१
अथमोहलछनं थंभपातघूमिबोअदरसनविस्मर
णाद्दिनावकोकारन अनुचितकरननीतिआवेगज
चितमोहिबोमोहनिर्धारन ३२ यथा चहूंओरछाइर
हीअलकैंनिवारिमुखचंदहिनिहारिगहिठोटीनाठि
ठाटोके चौंसुनकोंपोछिकरिअधरसुधाकोपानकैसो
हमुरझायोजातहियराहूगाटोके सोहओधिदानआ
दिजतननिवेगिमिलिबोऊठहराइमुजमेंटिउरटाटो
के चलतबिदेसपियआननदरससेकटूकहोतछा
तीलईराषिमोहमाटोके ३३ यथावा ठाटीहेषकीसी
चषचाहतिचकीसीकछुसुधिनछकीसीगाटहाला
रसपानकी षाईठगमूरीसीदबाईमोहमंत्रकीसीछा
ईवाईबौरईसीमईबिनुज्ञानकी छूटेबारभारटूटे
हारकीसमारहैंनधारतिहैंमलमुखअंचलकेदाने
की नेहचित्रकारीलिपिकाटीसीलषातिलागेचित

25A

वनिनंदलालपीतमसुजानकी ३४ यथावा एकोउग
उगीनलगीहै इकउगनिहू जोतिजगमगी नूली सौंग
और बिहानकौं माधुरी भजागरमैं सौनासुधासागरमैं
रूपजरजोरपरी नली आनआनकौं कौनकरैं मानकै
नवाकेनैनवानतानें भौंहकेकमानलई चित्रकेबिधा
नकौं नैनी गोपिकानकेहियानकेंरवियानतरौंका
न्हसुखदानजलदानज्यौं लतानकौ ३५ अथस्मृति ल
छन समअदृष्टचिंतादिकसनवभूतननमनआदिकौ
कारन संसकारजनवज्ञानसुसुमिरतिप्रत्यभिज्ञानजे
अवधारन ३६ प्रत्यभिज्ञायथा जमुनाजलधारसरोव
रतेंकटिकेलिकरैंनजमांझमिलानी कंचनकेचकवाजु
गखेलतगंगतरंगनिमेंसुखदानी चंदमनोनवचापन
चावतसोछबि चाहचकोरनिआनी इतौकहिकैनंदला
ललखेंतौंवहैललनारतिकीरजधानी ३७ स्मृतियथा
सुंदरसुरंगबांकेपेचनकेपागकीलुकनिथिरकनिकछु
बरनीनजातिहै छूटीछबिदेतिअतिरीरघअलकतै
सीखिदकनमोतिनकीपांतिसरसातिहै हिससीजना
ईदाबिदसनअधरदलकामपुरिषारथकीदुतिदरसा
तिहै सुमिरिमिरिमुखचंदचारुतरुनीकोबरुनीनला
गेदिनरैनिपींबिरातिहै ३८ यथावा मोरनिहिलाव
तखिलावतसुकनिमगसावककिलावतपरमस
रसातहै चंदहिबुलावतउलावतअलनीअकुलाव
तजचारुमोंह अगानिधिरातहै भेटतअंचननसोंलन

केथं मनिललताकोपरिरंजनके अतिहीसिहातहे आजु
कालिबालमोहजालनकेहालइन ख्योलनहीलालन
केबासरबिहातहैं ३९ यथावा जिनिजमुनाकेकलकी
नीरसमलकेलिजिनिद्रुमम्लनिअतलसुषधरती
जिनिद्रुमवेलिनिसेंहेलिनिकेसंगजिमिमषनकेचारु
फूलबीनतचिहरति जिनिब्रजकुंजनकीबीथिनिन
सीथिनमेंपीतमकेंअंगरतिरंगरसधरती तेईठोरनें
ननिसोजातनबिलोकीजिनिठोरनकेचाइघरआग
नबिसरती ४० यथावा फूलेपफूलेपंकजकिपाइक
हूहरि धरिपल्लवकंठानअलिअंषिनकेआगेतें अं
बरतेआनुपूर्णोचंदहिउतारिलेहिइनोदुषहोतचेत
चांदिनीकेलागेतें वाबिनुबसतकेबिहारनबिदाईक
रिचूकेलोजातचितपिकपंचमकेरागेतें नैननीरषोइ
रहीऐसीगतिहोयरहीसबैसुधिसोईरहीऐकेसुधि
जागेतें ४१ अथघ्रतिलछन ज्ञानशक्तिआदिकेतसं
भवभोगअप्रयत्नादिकीकारन घ्रतिसंतोषकिथौंदुष
हूमैंअदुषबुद्धिकोजेनिर्धारन ४२ यथा गाजतुहैघ
नगाजिरहौभयसाजिरहोइहिंलोगयहेगति तबिजु
रीअबलाजनकोदुषजानिमहाइतराति कहाअति पी
तमकीसुधिमाहिंभयेंबिरहानलकीरुलअंगनिऊप
ति आइअटानिछटानिचपेटिलिपटिनुहीकिनदेह
रहेरति ४३ यथावा कोंनकेसिषायेआयेधीरजद
लनऊधोऐसोधोंबिरहकबच्यावाब्रजजनमैं नैननि

26A

बिलोकियतिलालकीललितलीलाजमुनाकेपुलिन
बिराजैंबनघनमैं गायनचरावतहैंलोचनचलावत
हैंतियनिलुभावतहैंभावतहैंमनमैं दुतिदरसावत
हैंरसबरसावतहैं अतिसरसावतहैंतापभरीतनमैं
४४ यथावा कहूंएककोऊकबिकामिनिकहतिकं
तकितेदिनआवनकीअधिलषिपाइहौं प्यारीजिनि
सोचकरौकछूजियधीरधरौमोरदानिरामचंद्रन्नपति
पैजाइहौं ल्याइहौंजरावजरीजीननकेघोराजोराज
बपटिहैंकजसकबितरिझाइहौं दीननिकोदावादार
दारिददररदौरिदरबरहूरिकरिहरबारआइहौं ४५
अथलज्जालक्षणं दुपई ससनमनदृगमुद्रनअोमु
षगोपनाविकरकरिआलोचन होतिदुराचारादिहेतु
सौंलाजसुकछुदरक्रियासंकोचन ४६ यथा सवैयागो
नेकीजामिनिसोनेकीबेलिसीसोहनीमैंतिसुहागसो
सौंनी सौंहनिसैंकसषीनिबिसासदैनंदकिसोरपि
याढिगआनी बाँहगहैंगडीलाजमैंअंगसकोरिकैंमो
हमरोरिकैंतान नैनचुराइदुराइकैंआननइंदुबधू
ज्योंबधूसकुचानी ४७ यथावा सुनिबोलतचाउम
रेकलहंसनिनंदकिसोरपियानवनागर पूछतपें
मसौंप्यारीकहूंइकअैसोसुन्योतुमनादउजागर ता
किनहींतियनैंनचुराइदुरइरहीमुषरूपसौंआगर
सौंहमरोरिसकोरिसबैअंगबूडिरहीबडेलाजकैसा
गर ४८ यथावा नवलानवलालकेसगमकोसुषपा

अ०क०
२७
27

इमहामनमोदकरी दुरहीदुरवादिबितैसिगरेदिनजा
निगईचिततैंहींघरी लागिपाइनिजसमुझावतिहीं
रिससौंसषितेषिझईसगरी तिनसौंअबबोलतिनां
हिनघूंघटषोलतिनाहिनलाजभरी ४९ अथचप
लतालक्षणं दुपईछंद: मछररागद्वेषादिजनितअ
विदरसकुबालप्रहारादिककर औरऔरकर्ममहिकरि
बौकेकर्मलराचापलकहिकबिनर ५० यथा लंका
पुरजारीसिंधुषातसेतुकारीरनरंगकेलिकारीकपि
वमकेप्रचारीहैं प्रौटहूअानंदनबचनउचारीरा
मआगेंचापगुनहिकैंपावतजैमारीहैं सोसौंदसा
ननकेबिसालभुजथंभभएपुलकितफूलसमरगन
बिहारीहै बीसौंअंगदनिकेकुनितहींसौंजानीजात
बिसषचलनक्रियाबेगीयौंबिचारीहैं ५१ यथावा
वृंदाबनचंदफागुषेलैंमधिवंदावनचकितथकितसु
रसिद्धचउंकोदके आपुसमैंडारैं पिचकारिनकीधारैं
गोपमंडलफुहारनिउछारैं मनमेदके षेलकेप्रसंग
सबैराचेरूपरंगरसबारिधितरंगबढ़ुबाढतबिनोदके
लालमुषलावनगुलालनियोंदौरैं बालदामिनीजैौंपा
छैंछैंपाछैंपावसपयोदके यथावा कबहूककंदुकलै
करधउछालैंकबहूकबीनिबनावतिफूलनकीमालि
का कबहूकआपुसमैंरूपहिनिहारिरहैंजानिरहैं ष्या
लसमपरीमोहजालिका हेरेलैंहगानिअंगओटिनी
सुरंगनिबिराजैअलिगोरि २ होरकसीज्वालिकादोरी

27A

जातिदोरी आवै मनके मनोरथ सी लाल लषिली जैन
ई गोकुल की बालिका ५३ यथावा केलि कौं चावतन
चावत चपल चित नैकु नबचावत समाज लाज मारैकैं चा
ह उपजावत सजावत अनेक चाउ बाजन बजावत मनोभ
व विहार के मिलन सिषावत लिषावत बिचित्र गुन हि
य मैं दिषावत जु लोचन अधार के दुरैं उरुकावत रुकाव
त अचान कही केतन चरित नये न हरि रिझवार के ५४ ह
र्ष लक्षणं पिय दरसन सुत जनम आदि नव पुलक विरसु
रंग अश्रुकर चित्त प्रसाद हरष तुम जान हुरस ग्रंथनि
मै परम सुज्ञ नर ५५ यथा आजु ब्रजस्याम घन आगम
जनायो सुनसौंन पुरवाई पौंन सुधा ढरकति है बई दृग
मौं हनु जाफरकति लागि बिरहागि चरकति हीसुतन ठ
रकति है उमगि पुलक नव अंकुरनि रति तरु साषसह
चरीकठ लागि लरकति है पत्र सरकत गुच्छ बेली केल
पात सो हीउरजल पातउर अंगी दरकति है यथावा छ
तियो रही हौं छेकैं बतियें सुनाति हो नरतियें सुआई यों
सुमिरि सरसाति हो मली नई नली वह बिरह की बिरन
सु फलीअति आनंदन अंगन संमाति हो आजु कछू नैं
ननि सौं रीझि रीझि परति हो अमल कपोलनि मैं नी केल
षी जानि हैं आली मिस ही मिस प्रचरित ने रेषि रेषि फे
रिफिरि घूंघट कैं ओट मुसकाति हो ५७ यथावा जागैरी
पजोति होति जोति अंग अंगनि की अधिक अनंग रंग
संगम सो सरसैं ते सी पैरुन करुनी पायल की पाइनि मैं

ग्रं०कं० पियकेमहलमाऊचलेबेकैंचरसैं साळसमैंसहींसरीप
२८ हिंलसतिप्यारीघूघटकीओटनेंनालालमुषदरसें
मानोसरसुतीकेंप्रवाहलीनमीनजुगऊरधउछलिफ
28 लेपंकजहिपरसें ५८ यथावा सुखमुलकतिमुखकु
लकतिअगअंगनिपुलकतिपुनिकुचकुंभतटी पिय
नरलालदरसरसकारनचलीजातिछुबिबिजुछटी
तियभषनबसनफूलमालाजुतजगमगजोवनजो
तिजटी नहिगिनतिनितंबभारगुरुताभयभजतिन
कहूंनंजइजुकटी ५९ यथावा महलमभहलहोतच
हलपहलधुनिकिंन्नरीनरीनिसुरकंचेकंठगायोहे
सादियानोबाजतअवाजचहुओरसुनिलैलेकरहब
नरनारीगनधायोहे कीजतउछाहकरिदेवद्विजपूजा
तहांकंचनकेढेरनिसुमेरबनिआयोहे भागिबेलीद
सरथनृपकेभवनआजहरिपुत्रजन्मकोयोसंभ्रम
सुहायोहै ६० यथावा पियदरसनअभिलाषआतु
रीधरतिहियेआकुलब्रजनारी करिअभिसारसघन
पावसनिसवहसंकेतनिकेतसिधारी अंगमयूषभं
जरीमंजुलतिमिरपटलमधिप्रकटपसारी बिरहउ
तासनताचताइमनुयैमहैंमकसिपतबमवारी ६१ अ
ल पआबेगैंछुनं औरदरसनप्रियसवनकहूंइकउत्पाता
दिजनितअवधारन त्वराअंगप्रसखलनविपर्ययपआ
दिअनेकभावकोकारन ६२ होतअचानकइष्टअनिष्ट
जुडुहुंनिपरततिनकोपरिनामैं किधोहोइसंभ्रमआ

वेगसुनाषतर सिकनावकबितामें ६३ यथा पियाव
रजैंगरजैंगुरुलोगहियैलरजैंतरजैंबहुबार सबैबि
धिपेलिचंलीसुषबेलिहप्येलिससोचसकोचसंभार
कहूकुचहारकहूकचभारकहूतजिसोरहसाररसिंगा
र उहींमधुरीमुरलीधुनिमैंमनमोहनीमिलियनंदकु
मार ६४ यथावा एककुलकानिकीपरीयेअकुला
निइतेहूजैंलोकलाजघेरिनिंननिलईलई दीजैंकोरि
कोरिमैंनमाधुरीतिहारैंरूपहियोहरैंलेतहरिजाजत
दईदई इतैब्रजबीथिनबिथारीइनबिथापियसगछ
बिछाकीरहेछतियाछुईछुई एंगभरीबासुरीअनेका
गुनगांसुरीनिपांसुरीपुरानीपारपारतिनईनई ६५य
थावा एककररहोहेसिथिलसुरवअंचलमेंहूजोसखी
कंधधरैंचलतिउतावरी एकदगगुरुजनआगमसस
कपाछेहूजीपियबसतिबिलोकनकेंदावरीरोकेपाए
कचरनभुजगलपटाइहूजोचल्योईचहतधरैंनारीचि
तचावरी मदनमतंगजौंतेमनोरथरथपरबैठीजाति
बावरीसीअंधेरीबिभावरी६६ अथजडतालछन
अननाषनअनिमिषअबलोकनसबबिस्मतिरूअ
निश्चयादिकर इष्टानिष्टदरसनादिजसबव्यवहारा
छमभतिजडताबर ६७ यथा अतिबिकरारअंलेपा
रनअकारजाहिकरिकैंअगारदुष्टजंतुकोटिस्वैरहै
ऐसोपारावारपूरपारकरिआयोहेनमानलषिपहा
लैंजेहासरछेरहे बिक्रमकेंघरिघरिकेलाहलक

करिकरि कूरत कुतूहल सों चित्त मरत्यो रहे रामसैंन अ
मेसर तुंग तोय ताको तकि नैई चित्र लिषे से हीं रंदसबहू
रे है ६८ यथा वा नैंन निमीर निमेष नहीं नित ही कहुले
सी लगाई हरई है अंगनि नेकहू लैन चलै गिसो अचलहू
नसमारि लई है देषति हौं दिन चारि कैतें अलि आनिर
हीय हवा निनई है मित्रहि देषत हौ है कहा अवचित्रहि
देषत चित्र नई है ६९ अथ गर्व लछन प्रभुता धनकु
दुंब बल बिद्या लावन्या हदिहे तुस अवबर परअपमा
न मोह हद कबि भ्रम हास रुपै रुष प्रकासा दिकर ७० आ
पु मोहि सर्वाधिक बुद्धि जु के धौ सब मैं अधम बुद्धि बर।
ताकौं कहत गर्व संचारी रस भावनि मैं अति सयानन
र ७१ यथा मुनि कुंभज नै इक अंजुलि मैं धरि पीयो प
यो निधि धारत जौ महिं गंगत बे हर नैंन कुतासन मैं ध
सि जैाल गुअंगुन हौं महिं तौ लगु मैं जु कियो नयनाग
री लोचन नीरन रीनद तौ महिं तातैं रचे कि तैसिंधुन।
एउपजावत जे नगु की रति सौं महिं ७२ यथा वा काज
रसी कारी निसकर ति उआरी स्यामसारी हू नदुरत जुन्हा
ई जाल भरे हैं चुहल मचावत न चावत चकोर हंस चट
कनि चुहचुहावत खरे खरे हैं ठोरठोर भौंरन के भौंर।
निजगावत सि सौं सौं पैंड पैंड कलकोलाहल करे हैं के
सैं रंगमहल ज्यौं सखी संग पकुं चौगमि रे अंग आली आ
जु मेरें बैर परे हैं ७३ यथा वा मोतिन फेरौं गी आछें बैंन
उचरौं गी कबिताहि आचरौंगी सिंधु आनद के नरौंगी ना

29A

वनिदरौंगीरसऔघउघरौंगीनीकीताननिधरौंगीजा-
बसुधारसभरौंगी यौंअनिसरौंगीप्यारेलालमनहरौं
गीलैसंगबिहरौंगी आलीआजुहौंनटरौंगी भावेहौं
अरौंगीभावेपाइनपरौंगीसौंतिप्राननिछरौंगीजोई
जानौंगीसोकरौंगी ७४ अथबिषादलछनं धावन
गमनऔरअपराधहिआदिहेतुतेंहोतप्रकास॥ सो-
बिषादनिजइष्टहिसंसयकेधोंकछुअनिष्टजिज्ञासा
७५ कहुँसहायहेरिबोउपायहिंचिंतादिककहुँबिम
नहोंनिकर कहूंध्यानधावनछुखसोषननिद्रानिश्वा
सादिहेतुबर ७६ यथा जौमैंमोमआपनेंहीजौंउफि
रिबीजचहीतैतौनकछूरहतबचनसौंचमेरोरि जो-
जियधिराइजैयेउहींकेलिकुंजतनतौपुनिकहाधौंबनि
जाइघरीघेरोरी रहौंईकहूंजुदुरिघनबनतरुतलतौफ
लकहाधौंइतनेंतहियहेरोरी मधिहीसंकेतमगकला
निधिउग्योअबकीजेकहाएकोनहिहोतहेनिबेरोरी
७७ यथावा घोरघटाघुमडीचहुँओरनिदीरघदामि
निदेतिदिषाई मादवकीअतिकारीनिसामयनारील
गैंअंधियारीसौंछाई बालगईउहिंकेलिकेकुंजतहां-
नलषेब्रजराजकन्हाई तासमैंपावसपावकमैंरतिरा
जचमहूसमहूनिधाई ७८ अथऔत्सुकलछनं प्रि
यसुमिरनादिकारणसंभवतंप्रीतनगोरवादिकारन
कालअसहताउत्सुकताकेसबतनइकबरक्रियासं
चारन ७९ यथा केयुकरइकंतकेलिकौतिगमनोरथ

निकरतप्रथमजामजिपकौं जितायोहै दूजौपुनिकेत
कीकमलचारुचंपकश्रोमलिकासुमनमालगूंद तहि
तायोहै तीजोजाममनिमयमेखलाकुंडलहारहेमब
लेअंगनिवनावतबितायोहै नंदलालपीतमके मि
लनमैं श्राडेश्रालीचोथोजामबासरकोजातनरिता
योहै ८० यथावा डोलिकटिकाछनिमैंनाजीसरङ्गा
इयेरीत्रिबलीतरंगनिमैंश्रतिसरसाइहै रोमावलिरू
षतरनैंकबिरमाइयेरीराचीउरकेसरिकेरंगनिरचा
इये बाकीबनमालसौंलपटिउरझाइयेरीश्रंगकेत्रि
मंगपरवारिवारिजाइये तेहींछिनतनमनतापबि
सराइयेजुप्यारेब्रजचंदकोदरसनैंकुपाइये ८१ अ
थनिद्रालछनं समस्वभावचिंताश्रालस्पहिश्रादि
देतुलहिउपजतउरपर करवटकरनैंनैनमूंचलन
रुबिभ्रमबचनरुस्वप्नादिककर ८२ श्रोरश्रौरइंद्रि
यतजिमनजबरहतत्वचामबितबजोहोइ निद्रानाम
भावसंचारीकहैसकलकबिराजनिसोई ८३ यथा
ऊगैंहूदिनेसनैनकंजनिउघारिबोनअधरकपोलनु
गउरजनिगोइबो श्रंगनिकोंश्रैडिश्रैडि डारिबोतल
पपरकेपोबांईदाहिनीकरौंटनिकोहोइबो प्रानपति
नंदलालसंगरतिरंगभएकुएश्रंगश्रंगतासुहागसौं
जुनोइबो सोईकहैदेतश्रालीप्रातहीहैंनोतिनषसिष
पटतानितानितेरैसुषसोइबो ८४ यथावा नंदलाल
संगभईश्रंगनाश्रनंगबसश्रंगश्रंगरातिरातिरंगनसैं

अव० क०
३१
31

31A

छाईहै आतपटतानिकैं गुलाबदलसेजपरसोवतिस
हेलिनिछबीलीलषिपाईहै बैनीपीठिपीछेतेउलटि
कैंकपोलकंठकुचजनुपरसतपाइनिलौंआईहै नी-
दनैंअमंदमुषचंदजीसोजानिजनुजोरागहिफोजचं-
धियारनकीधाईहै ८५ यथावा सीसमोरचंदनमैंमाधु
रीअमंदनमैंकोरिछबिकुंदनमैंदीयैंमोदमनमैं आम-
षनरंगनमैंअंगरागरंगमैंपीतपटरांनमैंधरैंजोतितन
मैं लोंनेदृगलालनमैंबैनबनमालनमैंबसेग्वालबा
लनमैंबिहरतबनमैं नींदनरैनैननमैंनीकीचितचैंन
नमैंदेषेआजुसपनेमैंअपनेललनमैं ८६ अथअप
स्मारलछनो धातुबिषमतासनैंरहिबोअतिनपदुष
अपवित्रतादिकृत कंपफेननिश्वासनपतनबिपर्या
सरसनालुलानमत ८७ होइग्रहादिककेआवेसजु
अपस्मारसोकविजनभाष्यो औरमूरछानाम नावसो
याहीमधिबिचारकरिराष्यो ८८ यथा नवपल्लवआ-
धररहतनितकंपतसाषानुजसुठिउद्धपसारे बकुको
रकफेनबिंदुपटलीफुनिफैलिरहियेबसुधिबपुमारैं
भ्रमरावलिचिकुरनिकरबगरायैंफुलियपुहपघोरह
गफेरैं ब्रजबालनिबिषमबिरहबेदनिलषिबनतरु
अपस्मारमनुधारैं ८९ मूर्छनायथा हूबरीदेहनईदु
लहीदिनतेबिरहागनितापतईजू कैरिसखीनिकरी
बिनतीतबनैंकुबजावनबीनलईजू गइवेईगुनगा-
वतरावेरातिनईनईलेतभईजू जानतितारहीकेभ्रम

ग्र०क० वातनमेंछनाबकुबारछुईज ५० यथावा परमसुजा-
३२ ग्यानआनंदनिधानकान्हबिछुरनदानअनयपयोवि
32 येसटाक मोहसिंधुगहेरैंमोंमरछकीलहैंपरेईप्रान
यहरैंनपावैंपियपानपीक गतिमतिघटिगईआनानं
गअटिगईप्रकृतिपलिटिगईलटिगईलोकलीक चि
त्तगतिबिटिगईमषप्यासउटिगईनीदहूउछुटिगईज
टिगईहूकहीक ५१ अथसुसलछनं निद्रासंनवनेत्र
निमीलनप्रलयस्वास उछ्वासादिककर लचहिछाडि
मनरहतिपुरीततिनाडीमधितबसुप्तिहोतिबर ५२
यथा धीरेसासउसासनिहालतअधरदलमीलित
केलोचनकमलअभिरामकैं कालिंदीकेंकूलकेलि
कुंजकुटीमध्यहरिसोवतहैं तानिपीतवसनललाम
कैंहरेंहरें आइमुखमंदमुसकाइकोऊकामिनिहरति
कानकुंडलउरमकैं कोऊबांकुकंचनबलयहरिले
तिकोऊमोतिनकोहारकोऊअछकटिदामको ५३
यथावा खेदषीनपरीतलपतिहीतलपपरीपाइसु
मघरीनैनःनीरहिधरतिहै तबहीनिहारेअगहप
उजियारेनंदलालप्रानप्यारेतिनसंगबिहरतिहैक
रिपरिरंनमरदननखदानदसमसैंदेहकसमसीजा
गिउपरतिहै बचोंकिचकिचाहतिचहूंघाचितजान
तिसंजोगकिबियोगसपनोकिसांपरतिहै ५४ अथ
बिबोधलछनं अगआकर्षनमोटवजंनाद्दगमर्दना
दिभावनिकारन निद्राभंगजबिबोधइंद्रियपूण्यमप्र

32A

प्रकासकरै निर्धारनै ९५ यथा नयनकटाछछबिछु
टनिअछेहअलिपुंडरीकडंबरसो अंबरमचायोहै अं
गरूपमाधुरीतरंगनिसांतेहैठौरचंपकतमालफूलब
रषारचायेहै कंठकलनादकुहकांयेकुंजकोकिलनि
मोहमंगभारीकामचापसेनचायेहै जागिउठेमोरही
संकेतकेनिकेतदेखदामिनीसुधाघनसमूहसेसचा
येहैं ९६ यथावा जाग्योचंद्रमंडलनचावतमनोजचा
पजागचंचरीकछटाअतिअभिरामिनि जागेकीरको
किलकलापीकलहंसकोकचटकचकोरकोरअहि
रूकामिनी जागीरूपबेलितामेंजागीउडुमालजाग्यो
पंकजबिपिनमोरजागीज्योतिदामिनी जागिउठीठौ
रठौरचंपककीडारैंजबमावतेललनसंगजागभोर
भामिनी ९७ अथअमर्षलछनं अधिछेपअपमा
मानादिकनवपरअहंकारबिनाससमीहा दगआ
रुन्यस्वेदसिरकंपहिआदिहेतुअमरषमानिजीहा
९८ यथा आजुहमैंप्रभुकोहुकमनहिहोतनतोपुछ
सेलपेटितुछत्रीभुवनसलछीही जायासुतसोदरसु
हृदबंधुसेनासाथरावनेभवेसातोंसाइरकेकूलही
नितप्रतिपंथअवलोकतचपलनैनीसीताजुतहर
ईसीफूलतलतलही दीहलंकपुरीकोउषारिआइ
भेंटधरैंरघुपतिचरनसरोरुहकेमूलही ९९ दोहा
केयोबैरगईमईअधरअसितलषिलाल जारतिपा
वकज्वालमोंजावककीदुतिमाल २०० अथअवहि

अ०क० स्याल छनं दीठ्यालाजकुटिलताप्रेरव आदिहेतुकहि
३३ सुकबिअचारिज औरभांतिकीबाहदेषिबोकहिबोइ
नहिं आदिजिहिकारिज २०१ जोआकारभक्तिसंगोपन
33 सोअवहित्याभावसंचारी रसभावनिकेग्रंथनिपद्धत
रपंडितइमिलछनअबधारी २०२ यथा तजिगहबि
भीषनजाइमिल्योमधिबारिधिबारिकेसेतुबँधायो
रोसकरैंसुकसारनिहूतजिदेहुसियासबहीयहभायो
योसुनिबंधुनिकेबहुबैनकछुदसआननसौंमुसका
यो रावनकीरुकंठसमीपमहामनिमालहिलैंपह
रायो २०३ यथावा रुषतिनबालमुकताहलकीमा
लगरकोमलगुलाबरुलहाप्पनलगावई रतिपूछी
बातनकोकतरसखीनमुरव अंगनिकेरंगअगराग
निछिपावई केतेबहुत्रासहनकाढतिकसासघरसा
सुनरीनउरहियहीबितावई बालमबिरेसबसबा
लमरनेसबसबालबसबिरहसुनेकुनजतावई २०४
अथउग्रतालछनं कहिअपराधरुदोषनिकहिबो
चोरीदुष्टतादिहतभूपर तर्जनताडआदिभावकर
निर्दयतासुउग्रताकबिनर २०५ यथा करिकोदंड
समरभुवखंडितभूपतिभुजादंडपरचंडनि तहप
निचधरीप्रतिपक्षराजबररमनीजनबैंनीगुनदंड
नि अतिक्रूराकारकुठारपातकरिदलितदुष्टगज
दंतडदंडनि मधिधमसनबानधरितापरताकततिहिंबैंगानबषंडनि २०६ यथावा लागतमुलाइमग

38A

इ अरुकरुणारसमैंसुनोभाषतजेकबिलोइ ६० मोह
दैन्यनिर्बेदजाड्यस्रमअपस्मारउन्मादबिषाद सुमिरति
आलसव्याधिकंपस्वरभंगथंभत्रासमरजाद ६१ रौद्र
छाहस्वेदआवेगरुसुमिरतिअमरषपुलकचपलपन उ
ग्रताहस्वरभंगकंपहूयेसंचारीभाषतकबिजन ६२ बीर
उछाहगर्वआवेगरुअमरषधृतिमतित्रासपुलकक
हि नयमेंथंभस्वेदगद्गदतापुलकबिबर्णभावशंकाल
हि ६३ मोहदैन्यआवेगचलताअपस्मारअरुत्रासप्रल
यपुनि औरमरछायेसंचारीसोंहीअबबीभछरसहिसु
नि ६४ अपस्मारमतिमोहअरुवैवर्णपरुआवेग फेरिसु
नोकबिराजजेअद्भुतरसकेंनेग ६५ थंभस्वेदगद्गदता
अश्रुरुबिभ्रमपुलकनलैंहीजानि औररसानुकूलसं
चारीअपनिमतिसोंलीजोमानि ६६ थायीहूव्यभिचा
रिताकहूंलहततयोंजानि हाससिंगारहिशांतरतिकरुणा
हास्यप्रमानि ६७ रिसबीरहिमकरुणसिंगारहिऔरजुगु
सारहतिभयानक उछाहरुबिस्मयसबरसमाहिरोद्रह
सउछाहसुथानक ६८ अथबिभावनिरूपणं रसकेका
रनहेंहिजेतेबिभावपहिचानि इक आलंबनउहोततेहेबि
यउद्दीपनजानि ६९ उपजतजिहिआलंबिरससोआ
लंबनमानि रसकोंउद्दीपितकरैंउद्दीपनसुबषानि
७० संगाररसकोआलंबनबिभावयथा सवैया सब
लोकनिप्रानहैप्यारोषरोतिहिंप्रानवहूकीप्रतिमूरति
सोई हेमसरोजकलीसेउरोजरहीफलिपुन्यलताय

श्र०र० हकोई भावभरेइनवैनननिकीअधिदेवतागूढबिलोका
३९ गोई रूपसुधारसकीलहरीलषीकुंजनिजाततियारसमो
39 ई ७१ श्रृंगारकोउद्दीपनविभाव षट्रितुसोमपुहपकी
मालाअलंकारप्रियजनगुनसाला अरुसंगीतकवित
रससेवाउपबनगमनकेलिवहुनेवा ७२ चंद्रकचंदन
चंदरुचिइनहिआदिबहुहोत उद्दीपनसिंगाररसजि
नसोंलहतउदोत ७३ यथा संध्यालालबसनकरिओ
टपियापियप्रेमनाटनटिबेकहैं मंगलपाठअमरगा
नगुंजितओसरसुघरठाटठटिबेकहैं तारपुहपंजलि
हिबषेरतमनमथउघरसुघटघटिबेकहैं चंदपउही
यसूत्रधारजिमिरंगप्रसंगप्रथमऊटिबेकहैं ७४ हा
स्यरसविभाव अलंकारबिपरीतबिकृतअंगबिकृत
भेषआचारउचार इनहिआदिबहुबिकृतअर्थकरि
हंसतसुहोइहास्यनिरधार ७५ यथा घरघरडोलक
रतकेपूरनिछुद्रघंटिकानादघुरावत बारबारबहिंया
निनचावतसीसहिपुनिइकसारघुमावत चरनकिंकि
नीजालबजावतचहुंदिसचंचलचषनिचलावत दे
षिदेषिअपनीतनछायामायासिसुकायाहिनचावत
७६ करुणरसकेविभाव इष्टविनाससापदुषवधन
बिसनबंधुबधदारिद्रजानि इनहिआदिबहुअर्थबिसे
षनिहोतकरनरसऐसैमानि ७७ यथा देषततुवअंग
निअतितीछननागपासद्रिढबंधनघेरे हलततनचल
तनचेतधरतलषिअजहुंनकढतकठिनअसुमेरे र

लावनकमलदलसिरिसकुसुमनैं छावरिकंरिडारि
ये ऐसीसुकुमारतानदेषीसुनीकहूकाहूचंद्रकीक
लासीदृगदूरिहीनिहारिये ऐसीकामिनीसौंऐसी॥
कीजतकठिनकेलिमदनअधीनह्वैकैंचातुरीबिसा॥
रिये ऐतोपरिरंजनदेदीजेतनबिथाएतीतारपवना
रहूकैंएतोभारधारिये २०७ अपमतिलछन अप्र
नकरचलनचतुरीसिषिउपदेस्रादिककीकारन स्रा
स्त्रचिंतनादिक्ऊउपथारपज्ञानसुमतिकरियैअव
धारन २०८ नयहबिनयअनुनयउपदेसरुआलंमन
याहीमैंहोहीं न्यारेन्यारेलछनलछितसवसोहतअप
अपनीगोंहीं २०९ नयसुनीतिअरुविनयपनम्रताअ॥
नुनयविनतीकरिबोहोई उपदेससुसिषदानउरह
नोउपालंभरिसप्रणयजसोई २१० प्रथममतिकोउ॥
दाहरन लाटीकारनाटीकरहाटीतियनेंनपुटीपयोध
रघटीपरिरंभलंपटनिके वीततदिवसकेलिकुंजकु
टीजुजतटीलिपटतपटीरसध्यानसुमटनिके सुद्ध
परमारथविचारचारुचातुरीनिकेतनिकेघोसपुनि॥
पातकघटनिके गोविंदजनारदनजोगेसुरजगनाथ
हृषबिष्णुके आवरमापतिरटनिके ११ नयपथामा॥
नअपमानअरुलाजकुलकानिआनदेआकीचलनि
ताहिकबहूनगहिये हिलनिमिलनिहियहिलउसादु
लसनिहोंसकीपुजनिहितहेरतउमहिये रूपउजिया
रेप्यारेनंदलालभांवतेसेजीवनधनहिकोभिजतनवै

ग्रं०क० लहिये नेहकेंनगरकामन्रपतिकेंराजबसिआलीय
३४ हनीतिनितसेवतहीरहिये १२ बिनयपथा बडेबडे
34 नैननकेजोरबडेअनंदमैंहोतिबडबोलीकततैऐसैंकी
जिपतहैं रूपबनआपनेमैं बिहरैंसदाईअलिखंज
नचकोरकहींकोकिलीजिपतहैं बंदाबनचंदमुखचंद
लषिजीजिपतनातोब्रजचंदनकपूरनीजिपतहैं मो
हनहजारबानलीयैंपंचबानपेहीइनअगैंमानकेंदि
षाउदीजिपतहैं १३ अनुनयपथा आउइहिंकुंजत
नकीजेअभिसारप्यारीपाँउउपेलकपाउपीरहूनग
हैंगे पूरिहैंललितअभिलाषलाषलालनिकीसाध
कबसंतकेसकलधनिकहैंगे बानीपिकलैंहैंअति
सेरमंरसालहूंहैंमत्तहूहेमधुपकमलसुपलहैंगे पा
इहैंअपंडचारुचांदिनीउजासचंदकोरिचिदसाहसां
चकोरचाहिरहैंगे १४ उपदेसयथा जोपेहोअधार
रिकुलोककीनिकाइनिकेमाधुरीअपारमारकेरिपंच
बानहो जोपेहोजऐननैननतारकानहूकेतोरआनद
केदानमनमोहनिनीदानहो जोपेहोसुजानबहुजा
नबडेजानमनिप्राननकेप्रानतियमानहूकेमानहो
प्रीति॰रीतिबेदनकेभेदसीषिलहुतऊआननपेआ
नआननआननयेआनहो १५ यथावा दृगकाननकें
नियरानलगेहियरानलगेनितनेहनये मकुटीकटिसी
कटिगीघटिसीछुटिसीछबिमेंकुचतुंगठये अंगअंग
निकेमुलकेपुलकेंअभिलाषनकेघनयोंउनये तियः ३४

34A

बेंानचैहैपियप्यौंत्रजहूंलरिकापुनआपनकेनगये
ई कोपसेंउपालंभयथा आगिहूकौंआगिताकोने
हयहनांउपारिहमहूसेजोरेजनकोंमुराइयतहे निप
टबिसासीताकेहाथपैंबिचाइप्रानलोकबेदनीतिनैं
मसेंतुराइयतहे चाउपेचढाइलाजकानितेकटाइअ
तिहिलगुबाटाइजियपेंभुराइयतहे बधिकबिधाता
ताहिबेदनिनआईहाइहाइतिहिंमीतहूसेंबिकुराइ
यतहे १७ प्रणपेतेउपालंभयथा पूरनचंदचकोरनि
ज्यांइहिंभाँतिहीनैननिचैंनधरोगे कैदलकेतकभंग
निज्यांइनअंगनिआँनदकेलिकरोगे कैकहूंनांहोके
बारिदज्यांबनमोरनिअंतरतापहरोगे काहूकबेति
यकेहियकीअभिलाषनिलाषनिभाँतिभरोगे १८ ना
इकाकोउपालंभनाइकप्रति बूडतगभीरनाभीरोमा
वलीगुनलैकेंत्रिबलीकेंप्रबलंबबेष्णाउठिनीठिकें
घेलोकुबिजालनिबिसालबनमालचपिकछुकबा
चावगसेआेाठनिबसीठिकें मंदमदुहाससुधारसके
प्रवाहबहिबचिगोकपोलतलकुंडलडलनिडीठिकें
कुंजनिकेबिहारीकुबिदेषततिहारीफेरिबेध्योमन
भारीअनियारीअगडीठिकैं १९ नाइककोउपालंभ
नायकाप्रति चरनजघनकटिउदरत्रिबलिरोमराजी
उरजनिरूपराजतमहानीको कंबुसमकंठतहांको
किलकुहकतापेंईसचंद्रमंडलसहंसरजधानीको न
घेतैलेसिंखलोंरसीलीरसरासिमईतामधिहिरानो

श्रं०कृ० हालकाधौंपागुमानीको मेरोमनुमोपैंनांहिहेरनहोंग
३५ योतहिजहांगयोतहांनयोहौंहूंलोंनपानीको २० य॰
35 पाया ईंगुरसुरंगएडीतरवानितरमिंडिचूरह्वैचरन
नखचंदरुचिमिलिगो चटकिटकोंननिखटकिगोरी
पीडुरिनलटकिमटकिकरुकेलिथंनकिलिगो नाभी
सरबूडिरोमराजीसोंअरुत्रिबलीनसोंबलितगाढ
ठाढेकुचठिलिगो मगमदलेपतमकोहूतारिचंदउजि
यारैंमनुमरकतनैनननसोंमिलिगो २१ दोहा तुवअंग
अंगनिपधिककै फिरेलोललजुगनैन कुचगिरिमगम
दलेपतमजालपरेनिकसेंन २२ चंद्रसोंउपालंभय
था कैधौंकहूंबिरहीजनऊपरकोपिमहाकरवाललि
योहै कैअबलाजनतापकेसापसोंपापसमूहसरीर
छिपोहै कैबिधिमरछामोहमईनबनागिनितेरहीहा
यदियोहै सांचीकहैनसरदसुधाकरअंकमैंकोरोक
हाधौंकियोहै २३ यथावा कोरतकरेजाकरपत्रसेक
रैकरकरतकहरोकामनैंकुनसकातोहै सिंधुको॰
मरूरवसिल्पावतजहरघसिकैधौलैकहरअंसिद
नअतिघातोहै सीरोकोनकहैसखीसारदसुधाकर॰
हिबाडवअगनिज्वालजामाधिसमातोहै यहूदिसबि
पुरतनारागनेनेजकनतनमनतापनतपनहूतेतातोहै
२४ चंद्रोपालंभ यथावा एकैरुकिजातपरेसोपुहुको॰
संपुटमैंएकैमुरझातउरिआधौअंगबारिये एकैपुनि
पाहतहूपानीहोयजातएकेअकुलातसरितासरोबरकी

35A

पारिये ऐके चिक्क गड़ात ऐके दाग निरगात कहा भयो जो पें
प्रीतिपारी पंजर की सारिपै चांदिनी के चारु चंदा मींडे ज
गमा रत है कैसे के उठाई जाय नारि वैसी नारि पें २५ नेत्रो
पालंभ यथा वे तो बिसवासी है बधिक नेह फासी डारि
रत उदासी ये हूं उहीं मृग गैन हैं देषत ही नीकी अंग रूप
माधुरी की बावरी दै सब जी की सुधि बुधि हरि लैन हैं आ
पु बस आनि बंक बिलोकनि बान तानि करै हित हांनि दे
त बिरह कुचैन हैं कहा कहों आली अति मोर इन नैननि
कों नैकु समुझै न हैं ये मैंन हीं कि ऐन हैं २६ आसोपालं
भ यथा प्रथम पयानो कीनो कर बलयानि पुनि पीतम
के मीत अंसुवांनि गोन ठान्यो है धीरज अधीर ए कछिन
हून रहि सक्यो चित्त नैं अगाऊ हीं चलन मन मान्यो है का
रि सुष सन्यो नेंन पीतम बिदेस गोंन करत सबनि चलि
बो ई उर आन्यो है तांहू चलिबे हीं तो चतुर मेरे प्रान प्रान
नाथ साथ तजि कि हिलाल चलु मान्यो है २७ कामोपालं
भ यथा तो तन भसम भई मन मथ निरदई ताही लोनि बे
रोर ई जारकन रनि कों सुतो बिरहीन मद होत नहि क्यों हूं
तों लों त हू उह दैन पूछि लेत न घरनि कों ऐरे हर नैंन कृता
सन के जरा पे जिय जानत न नेह के जे रैन की जरनि कों ता
हीतें निसंक निस बासर यों जारयो करै रुलायो करै तन नीर
के पांच हू सरनि कों २८ अथ ब्याधि लछनं कुपित धात
भय काम क्लेशादिक भव देह उपद्रवादि कर होत ज्वरा
दि बिकार जु ब्याधि सु कहीं भाव रस ग्रंथनि पडु नर २९ ।

ग्रं०क० यथा देषिगतिनारीकीकुटिलयौंबिचारीजियतापमेसो
३६ तेरेतनमैंअतनअरहे ताहिदूरिकीबैमतमेरैंउपबास
तोहिहोयगोपरमसुषबालतोआतुरहे दीजेरसआप
नेतुरतहरिलीजेपीरजानतहैतुहीएसबबेदनकैंगु
रहे तेरकहेलघनकौंनांहिसमरथहमतेसोकौंनचि
त्तचाहजानिबेचतुरहे ३० यथावा चंदनगुलाबघन
सारधारसीजियतकजियतसेजजलजातनकेपातकी
सीरउपचारनमैंबारबाररापियतिसौंसौंअतिहेरत
नतापअधिकातकी रंगभरीरावरेकीबांसुरीकीनाद
सुनितेंहीछिनप्यारेसुधिभलीसुषसातकी देष्यापरआ
तकीपरीहैबडेतातकीनसुधिगोरेगातकीनबातकीन
घातकी ३१ यथावा ऐंचतकहूंकौंउठिधावतकहूंसों
गुनगावतअनेकऐसीचित्तगतिअटकी बिरहकेमार
मधिअंगनिसमारहैनछूटीलटटूटीमोतीलरेंहूसुक
टकीनैंकुंबंकनैंननिबिलोकीजबहीतेंआतितांकेंउ
रबेदननिपरचटपटकी एरीपनिघटकीबिसारीसु
धिघटकीनसुधिपीतकीपटकीनतटकीनबटकी
३२ यथावा बिरहबिथाबाढीबहुबालहिपीतमरू
पहियेंअहटानो कसकिउठेमुखआलबालबकि
घटत२सबअंगघटानो उरजउतंगसीचिआसज
लछूटीलटऊपरउपयमेंमानहुसंभुअन्हातगंगज
लतासिरकालब्यालललपटानौ ३३ अथउन्मादल
छनं पियविपोगधननासादिक नवऋथालापहस
३६

रोदनादिकर बिनबिचारश्राचरनजुकोईसोउन्मादब
षान्योकबिमर ३४ यथा हैयहकंचनबिलिनकोईबैहे
मनमोहनीराधिकागोरी पूछीनकोंबातरातितबैतनम
रह्योहूहैबढीबरांजोरी योबहुबारबिचारकैसीचतलो
चननीरनसोंचहुंश्रोरी टारतपोनजुजाजुगमैंटिकैब
लतहैबतियारसबोरी ३५ अथमरणलछनं कहतप्रान
उतक्रमनमरणतहंसबबिभावश्रनुभावप्रकटहे बर
नतताकीप्रथमश्रवस्थाजेरसभावकलानिसुभटहें ३६
यथा दुहुंपाइरपसारिजुजानिउसारिपरैंरनश्रंगनलैर
कपत्ती नहितासुसमीरकुवेकचपासफिरैपुनिपास
हीमंदगती सबितानप्रचंडकिरैकिरनावलिश्रानन
पैश्रतीभीतमतीसुरसकिसबैश्रपनेश्रपनेघरबैठकरै
चरचानरती ३७ अथत्रासलछनं घोरसबनकछुघ
रसबकोदरसनश्रादिबिभावबषानहु पंभस्वेदतन
पुलकंसिथिलताश्नहिश्रादिश्रनुभावनिजानहु ३८
प्रीतिचिचारजमनबिछोभहुश्राकलिकसोत्रासकहा
वेएकेमनबिछोभकहेतेहूनोकोसंग्रहमनभावे ३९
यथा सुनिहरिनामरामकेमुखतेंबहुतइंद्रप्रागमकी
संकहि मिगिरिमैंनाकहोतश्रतिकातरधारतश्रसनि
पातश्रातंकहि पंखसकोरिसकुचिश्रंगश्रंगनिरंचन
उचेस्रवनजुगबंकहिरहिमुखमोंनजातधसकोश्र
धतलगंभीरनीरनिधिपंकहि ४० यथावा कारेपीरे
धोरेधोरेधूमरेधुरैटेधूरिभरिधूमधारसरिताजिबोक

रतहै धुरवानधूरीधूरीबिधूरीलदूरीलसैंजींगनाअं
गारीडारैंगाजिबोकरतहै चंचलाचुरैलैचहूंओरचार
चाचरतिघोरघोरघूघहूसबाजिबोकरतहैं जोररतिई
सताषईसकेनुताहघनसंनैमोनंनारीनयसाजिबोक
रतहैं ४१ पप्पावा दावादारदादुरररैरौदकेंनादकरैंदा
हैंदेहदमकनिदामिनीनकीमहा घोरीघोरीघाराधेरैंधा
येधमधाराधरधौसाकीधुकारधमाधमीकीकहौकहा
केकीकूकपारैंत्यौंमरोरिमोरमारैंधरैंहरीहरीडारैंद्रुम
बेलीबनउलहा नारीपरीगाटकामबानचढ़ाबाटआ
लीआवतअसाटलाग्योडाटदैंनबिरहा ४२ पप्पावा
आजुकाल्हिआवनकहेतेमनभावनदयेहोबिछुराव
नकोजानतकपटहै रावरैंतौंष्यालइहांबीतैकैंनहाल
तिहूंबूझतनलालचितपरीचटपटहै पागतबिरहजग
लागतअनेसोकहूनगतवैनेनचहुंओरतैंरुपटहै व्योम
धूमधोरनीहैतारागनचिनगीहैचंद्रबिंबपावकहैचौरि
नीलपटहै ४३ अथवितकालछनं कहिसंदेहबिभाव
जभ्रूसिरअंगुलिनस्पआदिकोकारन कछुकबिचारबि
तर्कबषानहुसोपुनिचारिभांतिअवधारन ४४ इकबि
चारबिपसंज्ञापतीओअनध्यवसायचउथविप्रति इहिं
बिधिबारिभांतिकोबर्णतकबिबितर्कसंचारीकीगति ।
४५ क्रमहीसौंउदाहरनहैं कालिंदीकिनीएमधिलुठत
कठोरतरकमठकिपीठहूसोगिरीसचापक्रूरहै रामबा
लकमलमणालकमनीयवपुबंसअवतंसमहिसबउ

37A

नपूरहै परमपरुषबोलबोलनकौं लोलषलराजनिकी
बातपुनिधारत्तिगहूरहै तातैंत्रिभुवनमैंमहाईमहती
यमहमेरैंएकसबिलाईमंगलकोमूरहै ४६ यथावाग्रा
नहीहोत्रुतौप्रानहूतेकहोयहप्रेमकीसंपतिकैसें॰
प्राननतैंजुहोन्यारीतौप्रानअभेदकेजाननकौंनितअ॰
सैं नन्यारीनएकसरूपतौप्यारीकहोतिसरीजगकोतुम
तैसैं हेतुमहीतुममोत्तनऔमनफूलसुबासरहीरमि
जैसैं ४७ यथावा सुदरतागनिबेकीलकीरकिधौंयह
एकैमनोजबनाई तीनिहूलोकबिलोकनकौंकिधौंला
वनिनैंयहग्रीवउठाई नैननिआनरकेद्रुमकीकिधौं
कंदलीहैयहअंकुरिआई केधौंसुवनीतेरीरूमावली
सीनंदलालपियामनभाई ४८ पुनः कहिकहियहकों
नमत्तमनरंजनखंजनजुगलरिवलावनवारी बिहर
तिअतिजमुननीरकेअंतरकंचनबेलिललितलहका
री यहउदितकोनसारदसासिमंभउलमदनचापनट
वतहचिकारी तिहिंऊपरतेंामतरलतिमिरनकोयह
रचनाकतहूननिहारी ४९ पुनः यहनहिअतिचंच
लचदकला॰धिकराधिव्रजमंडलउजियारी नतर
कतिहिंदेहकिरनमालीकीकिरनहिकतछिनसहत
निहारी नहियहकनकमंजरीधरतिजुखंजरीटजुग
परमबिहारी तिहिंकारनअलसमदनमदसौंकहिके
हयजगमगातिभुवभारी ५० अभिलाषहगुनकथन
प्रलापजुसुनियतदसहसानिकेमांही उद्धकतासुमर

श्रृं० क० तिउन्माद सुइनतें जु रहै होत कहूं नांही ५१ इनतेंन्यारो छ
३८ ल है एक संचारी भाव जानिये बक्रोकति दुरि मुसकानि
38 रसनि प्रवृत्ति क्रिपाउ आदि कौं छल है अरि कुचेष्टा
अपमानादि जगुप्त क्रिया संपादन छल है ५२ शृंगार मैं
छल यथा हूतिनके हित बैन गैन न सखीजन की मनुहा
रि न मानी मानिनि मान ही सों मन मानि मनोज हू की क
छु कानि न आनी ताछिन केलि निकुंज मैं आइ के लाल
न बोले हैं कोकिल बानी सो सुनि बाल अचान कही अ
कुलाइ उठी अतिसार हि ठानी ५३ संग्राम मैं छल यथा
रविरथ चंचल चक्र संघटन उचित कूट गिरि बहि वहि
घाम कपिकुल नीठि जीवाइ उठाये हनें जु रकसनि मधि
संग्राम सातहूं के रेक पटके सागर लंक समीप लषत पु
निराम कंचुक सखेद हरिदं बदन तन लाइ रहे लोचन
अभिराम ५४ सर्बरसन मैं ये संचारी बिस्तर नपन उदा
हत कीने जहां जिते परिमान रहत ये सो पुनि ग्रंथनि मैं
कहि दीने ५५ आलस्य हि अरु उग्रत हि और जुगुप्सा हि
छांडि कहत कित्त संजोग मैं सब ब्यभिचारी मांडि ५६ म
बही संचारिन लषौ मब ही हैं संजोग कहत अचारिज
ग्रमिध नेक रिकरि निजमति जोग ५७ बिप्रलंभ मैं आर
सत्रा निरुलम संका निर्बेद हि जानो निद्रा अपस्मार उ
तंठा सुप्तबिबोध असंय हि आनो ५८ जडता अरु उनमा
द ये संचारी गनि राषि हास्यरस हि अवहित्थ अरु आल
स निद्रा नाषि ५९ सुप्तप्रबोध बषानियै और असंयाहे

39A

हियमें दिनैंनननिनहिऊतरदेतयोंकहिबचनघनेरे
देषतनहिमोमुषरूषसोयहउचितेबातलषनहमहेरे
७८ रौद्ररसकेबिभाव आयुधघषङ्कप्रहारपराजयबिरु
तबिदारनछेदभेदलहि सत्रुदरसतजेनरनसभवअ
र्थनिहोतरौद्ररसयोंकहि ७७ यथा तिमिरसमानस्या
मदुतिरसरसावतिहेसदाई दुवनचक्रदीहदुतिहाईहे र
घुबरकरकिरवानधारघोरनिसाप्रथमरुहिरपूरसं
ध्याछबिछाईहे फेरिरनरंगरोसभरेरिपुकुंजरकेकुंभ
मुकताहलतरैंपावरसाईहे क्रमहीसोंकित्तिमयीपूर
नसुधाकरकीचंद्रिकाप्रकासचहूंओरदरसाईहे ८०
बीररसकेबिभाव कहिउछाहनिहचेरुबिनयबलमो
हबिषादबिस्मयनचहिये ऐसेबहुबिधअर्थबिसेषनि
होतबीररसनीकेलहिये ८१ यथा जुद्धबीरकोबिभाव
यथा लंकाधिपसमरसाकिबीजिहिभुजबीसहुअरलु
तबलतीने जिनभंजियभलजंभारिनरिबलसहितज
यंतजित्तिलीने इहिंबिधिहनुमंतकरतआलापहिकर
पिनिदेषिसंभ्रमकीने तिहिमुषतनचाहिबररघुनाथ
कमंदहंसतउत्तरदीने ८२ दानबीरकोबिभावयथा के
युकबपुकरिबिनयबहतकरजोरिनवाइसीसरुरकेलि
केयुकबचननिहरतहियेकहंकरतभरिसंभ्रमकीकेलि
दसरथनंदनप्रतुमइकलषिजाचकसबकारिजअबहे
लि पुलकरिपल्लवितरूखरीकरतबिपुलपूजासुपबे
लि ८३ दयाबीरकोबिभावयथा मेरीभक्तिकरतअप्रा

र०क० नीलवनकीरतनबंदनवारे तेनिसमैंकिहिंभांतिदेषिबीवा
४० टतजहांघोरअंधियारे इहींहेतनवदीपनिदीपतदी
पसिषादीपतिउजियारे परमकोसलतुमरतनप्रनमुरा
40 रिकहाअपनेउरधारे ८४ भयानकबिभाव बिकृतस
बदरसनरूबिकृतरवरनबनबिजनसदनगमनहिल
हि गुरुनपकेअपराधादिकतैंछुतिमहोतभयानकरस
कहिं ८५ यथा कररीसीभांतिउदेहोतजिहिंकांतिअसी
जटानकीपंतिघनसंघटरटतहैं दपटिझपटिकेगिरा
ईतडितानिजोतिजगमगजगकेमहीधरमटतहैं कंध
रघोषदरकतिमवबरसरकतछिजदेववीहआसिषरट
तहैं तिनकेचटतचितआनरबटतअसैंपंनाहिबिदारि
नरकेसरीकटतहैं ८६ बीभछकेबिभाव वकुअनिष्टके
दरसगंधरसपरसदोषउदबेगहिकारन इनहिआदिअ
मनोहरअर्थरनिरसबीभछलहतनिधरनि ८७ यथा
जोघनकेमधरअसोककेकुसुमहगपुंडरीकदतकुंद
कोरकडहडहे पाइपानिआननकोजाअरबिंदनसो
उरिपुहपंजलीहिगावतबहबहे अतनकेपगारवाल
लोहूभरीझगानीझिल्लीउपरैंनोअंगरंगसोंगहगहेप्र
तनकेबटुकबिकरबकुबागेंवनेचौंगैंत्रिपुरारिजकैंन
चतलहलहे ८८ अद्भुतरसकेबिभाव वाकासिलपअ
रूकर्मरूपकछुजोअतिचमत्कारकेकारन मापाइंद्रजा
लदेआरिजुतिनतेंअद्भुतरसनिर्धारन ८९ यथा अति
उदमउघाननिपीपीमदनिमत्तअरिमिटदलिउरन प

र०क०
८४ हौंप्रवत्त तहँरसभावाभासकरिभाषतसुकबिसुचित्त
८ रसभासयथा कहिकहिकामिनिकिहिंनरहिप्रसं
45 सहिंजिहिंबिनरतिछिनएकनरी किनरननखमुखनि
जप्रानहनेजिहिंहेरतफिरतिउमंगभरी कहिकोजन
म्योसुनलगनचंदमुखिजिहिंपारिरंजनकरतिघरीक
हिसुफलितयहकिहिंकीतपसपतिमदननगरिजिहिंआ
नधरी ९ भावाभासयथा सरदसमयराकाससिबद
नीअमलकमलदलचपललोचनी जोवहजोवनउ
मगतरंगितबिभ्रमजुतरुचिरुचिररोचनी तोकाकरौं
घरौंतहंकिहिंबिधिमधुरमित्रताबिरहमोचनी सोचि
तरीजइकिहिंउपाइकरिमईसुनिसहिनमोहिसोचनी
१० अथभावशांत्यादिलक्षनं भावप्रशमअरुसंधि
जहँउदयशबलताहोइ तहतेईध्वनिबरनिकैभाषत
हैंकबिलोइ ११ तहांभावशांतियथा तिहितरुनीकेनी
केअंगरागरंगरंगेकुचनकीप्रगटहीधरतनिसानीहै
ऐसोउरआपनेसुचरनप्रनामभिसकैसैकेदुरायैले
तगतिपहिचानीहै यहउनिकहेसुनिकहांकहांकहि
मैंहमेटनकोंअंकभेंटिनुजाचअकआनीहै तेहीपरिरंभ
नप्रमादभरिअंगअंगपहलोप्रसंगभोरीभामिनिभुला
नीहै १२ भावोदययथा दंपतिएकहीसेजलेसेंतहसो
तिकेनांउसुनेलललनानै रोससोंफेरिहीमुखताकहं
कंतकितीमनुहारिनिठानैं तऊअवहेलितकीनाऊटाक
दैनाइरसोसिरमौनहिआनै सोएनहोहिकहूबलियो

नीलवनकीरतनबंदनवारे तेनिसमैंकिहिंभांतिदेषिबीबा
ढतजहांघोरअंधिरोंयारे इहींहेतनवदीपनिदीपतदी॰
पसिषादीपतिउजियारे परमकोसतुमरतनप्रनमुरा
रिकहाअपनेउरधारे ८४ भयानकबिभाव बिकृतस
बदरसनरूबिकृतरवरनबनबिजनसदनगमनहिल
हि गुरुनपकेअपराधादिकतेंकृत्तिमहोतभयानकरस
कहिं ८५ यथा कररीसीभांतिउदैहोतजिहिंकांतिअसी
अटानकीपांतिघनसंघटरटतेहैं दपटिझपटिकेगिरां
ईतडितानिजोतिजगमगजगकेमहीधरमटतेहैं कंघ
रघोषदरकतिमबवरसरकतछिजदेववीहआसिषरट
तेहैं तिनकेंचटतचितचानरबटतअसैंपंत्रहिबिदारि
नरकेसरीकटतेहैं ८६ बीभछकेबिभाव बकुअनिष्टके
दरसगंधरसपरसदोषउदबेगहिकारन इनहिआदिअ
मेनोहरअर्थरनिरसवीभछलहतनिधरनि ८७ यथा॰
जोघनकेअधरअसोककेकुसुमहगपुंडरीकदतकुंद
कोरकडहडहे पाइपानिआननकेजाअरबिंदनसों॰
उरिपुहपंजलीहिगावतबहबहे अतनकेपगारवाल
लोहूभरीझगानीझिल्लीउपरेंनोअंगरंगसोंगहगहे प्र
तनकेबटुकबिकरबहुबागेंवनेयोंगेंत्रिपुरारिजकेंन
चतलहलहे ८८ अद्भुतरसकेबिभाव वाक्यसिलपअ
रूकर्मरूपकछुजोअतिचमत्कारकेकारन मायाइंद्रजा॰
लदैआदिजुतिनतेंअद्भुतरसनिर्धारन ८९ यथा अति
उदमउघाननिपीपीमदनिमत्तअरिभटदलिउरन प

43A

परोऽअबतियहिचितदुषततजिजाह परतअरहिहगबा
रिकनयहेकहनकीचाह ३२ यथा प्रीतिकेपसाउतब
बोलियतलालतुमअतुरीलेचातुरीसोंरहतफरकफर
क मेनकीकहाहेकरेमहकीसकताकीबाहगहोतोरे
तनीअंगीकीतरकतरक येयेगलागिलनिमेरावरेकीसे
लकेरेतबहीतेछेलवाकीछतियाधरकधरक छाडीजो
नकोनमोनसुमनकदबकेसटारतिहेंआषिनेतचासु
वाटरकटरक ३३ यथावा कुंजकेंधामआचानकस्या
मगहीमनोकमकीवलिनिहारे पीरीपरीपिडूनीथह
रीऊगुरीनिनिवारतलोचनधरैं बारिकीबूंदबनीवर
नीनिबिलोकितिझें उपमानबिचारें आवनहरपियाज
एमेंरिवारवधीमनोंवदनवोरैं ३४ प्रलय यथा आन
दसदनऐसोबदनन वापोनहीसीसधैनधुनायोधैरेमो
तीमनिदांवरी जोवनकेरंगमेयाअंगनहिफेसाटीला
घूंघटबसननसेवाहोतिहिंनावरी बोलननिषधेवेन
कीनेनअरुननैननप्यारीकरिप्रीतिलतापुलकनिधांवरी
केलिकलाकातरहियाहीनंदनंदनकेआननसरोजपे
नरतनएरिनांवरी ३५ यथावा कंचनकीबेलिपरकमा
लसनालतहांदरदजरदसोपोसएदमयंकहे ताकेआ
सपासतमरासिकोबिलासरसोधंजनजुगलाथिरहे
केतिहिंअंकहें तिनहूकीचाहूचेवमोतीबरसतिबहे
तिलकेकुसुमचंडपवननिसंकहे तासोंमिलिहलत
ललितबंधुजीवदलचंचलाअचलमईअतनअतंक

है ३६ जंमाहून वमसात्विकमारहै सोयथा राधिकमन
मैमान नरिवैठी जाइ रकंत लषि जंभातकरस्रौ ज्ञुरिभि
धुनिकीनी हैंसिकंत ३७ इहिंबिधि रसधुनि सकलय
हकसो अनेकप्रकार भावादिकधुनिभेद अबकहिहों
करिबिसतारि ३८ अथन पकौ आशीबाद कबितसु
लफकपोलपरजुलफ घुंघरवारीकुलहीसयनकगार
गकासमीरके कुंडलस्रवनलोलबाजूबंद बाहनि मैंज
रबघनषाहारहेममनिहीरके पनहीअनपपगनपुर
रणतकरधरैयासुंगंगधनुही औ छहेतीरके जयसिंहन
पतिकंपनके पलैयाहों बलैयालै उचारोंमैपाछैयाएधु
वीरके ३९ इतिश्रीमन्महाराजश्रीजयसिंहबचना
ज्ञाप्रवृत्त कविकोविदचूडामणिश्रीकुलकविकला
निधिविरचितअलंकारकलानिधौरसध्वनिनिरूपणं
नामपंचमीकला ५ अथभावध्वनिनिरूपणं दो
हा रतिदेवादिकविषय अरुसंचारीजुप्रधान ताहिभा
वध्वनिकहतहैंकोबिदसुकबिसुजान १ देवताविषै
रति यथा जहांआइतुवपदविछेदसुकोरिसुरगसुषन
रंकविनाछूत सिवपुरपाइपाइसुषआइजुतानहिधर
कनरकहूमंगल लषाईसतुवकंठकोनमधिकालकूट
हूमोहिअमतनल लियाअमतहूंजोतुववपुतंजुदोआ
इतोमुहिनरुचैपल २ मुनिविषैरति यथा तक्षिनपात
कपटलहरनकोसमरथहोनहारसुभद्दारपूरबपुन्यपुं
जसैापावतपरमपियूषपापनासार अरसपरसतुव

44A

दरससरससुषबरसनेकोपावसघनाभार तिहूंकालतनु
धारिनकीगुनमहिमाप्रकटकरतनिरधार ३ श्रीछबिवि
षपरतियथा नीकीव्रजललनागुलावैरंगपलनामैंसोहै
कोरिचंदसमसीसमोरपंषिया राजैरंगरूलीसीजरूली॰
अलकनिअंगरूनाकीफमूलीतामेंपीरोरंगनषिया रुचि
रचषौडुगमालअंजनदृगनिउरहेममनिहीरहारमिलीब
घनषिया तातताततेबनवुतरातजातमातकरषातजात॰
माषनसिरातजातअंषिया ४ यथावा कबहूंषिकतजा
तमोषनकोषातटेटीमौंहनिअरूनैनमनकेलुटरूवौ
कबहूंघूघुरूकाटिफनुकुनुबोलैंडोलतघुटरूवानिब
लसैंजुटरूवौ कबहूंबोलततताततोतरैबैननिकुकिक
बहूंषैंचतअलकैंकरछुटरूवौं बालकेलिकरतनुवाल
कबिलालघरकीजियेअनंदकोटिनंदकैंदुटसवौ ५
यथावा पालनेमैंफुलाइकैंमोदभरीफुलराइकेंलेतिबलै
या अंचलओटिबिरचिसैंमांगजियामेरमोवछरानिष
लेपा चूंबतिचाइसौं चंदसोआननमानतिहेफलकोरिफ
लेपा सीजयसिंहकोंकामदखेलैंजसोमतिअंकमैंकाहू
लैलेया ६ संचारीभावप्रधानयथा आनोकिरोससोंफे
रिरहीमुखप्रानपियासपनेमैंनिहारी मोहिनहाथ्यलगा
वहुजकहिऐसैंचलीदृगनीरनिडारी जौलगुहौंपरिरंभ
नकेंचटुबैननिताहिकरोंमनुहारी तौलगुआलीबिरंचि
महासठनीदकरीअंषिपानतैंन्यारी ७ अथरसाभास॰
भावाभासलछनं रसअरुभावबिलोकियतअनुचितज

र०क०
८५
45

हांप्रवत्त तहँरसभावाभासकरिभाषतसुकबिसुचित्त।

८ रसभासयथा कहिकहिकामिनिकिहिँनरहिप्रसं

सहिँजिहिँबिनरतिछिनएकनरी किनरनमखमुखनि

जप्रानहनेजिहिँहेरतफिरतिउमंगभरी कहिकोजन

म्योसुमलगनचंदमुखिजिहिँपरिरंभनकरतिधरी क

हिसुफलितयहकिहिँकीतपसपतिमदननगरिजिहिँध्या

नधरी ९ भावाभासयथा सरदसमयराकाससिबद

नीअमलकमलदलचपललोचनी जोवहजोवनउ

मगतरंगितबिभ्रमजुतरुचिरुचिररोचनी तोकाकरौं

धरौंतहंकिहिँबिधिमधुरमित्रताबिरहमोचनी सोचि

तरीझइकिहिँउपाइकरिमईसुनिसदिनमोहिसोचनी

१० अथभावशांत्यादिलक्षनं भावप्रशमअरुसंधि

जहँउदयशबलताहोइ तहँतेईध्वनिबरनिकेभाषत

हैंकबिलोइ ११ तहांभावशांतियथा तिहितरुनीकेनी

केअंगरागरंगरंगेकुचनकीप्रगटहीधरतनिसानीहै

ऐसोउरआपनोसुचरनप्रनामभिसकैसैंकैदुरायैंले

तगतिपहिचानीहै यहउनिकहोसुनिकहांकहांकहि

मैंहमेटनकोअंकभेंटिभुजाअंकआनीहै तेहीपरिरंभ

नप्रमोदभरिअंगअंगपहलोप्रसंगभोरीभामिनिभुला

नीहै १२ भावोदययथा दंपतिएकहीसेजलसैंतहँसो

तिकोनांउसुनोललनानैं रोससोंफेरिरहीमुखताकहं

कंतकितीमनुहारिनिठानैं तऊअवहेलितकीनाऊटाव

देनाइरसोसिरमोंनहिआनैं सोएनहोहिकहूबलियों

रसप्रभाव श्रवननरहरि सुखकारन होड़ सकल जगता
रन जिहिं प्रताप उदभट अति बिकट जटा कोटिन फाटे
घन मारन वाहिर कटी अत्र मन मोहैं जो हैं तड़ित कप
ट को धारन ॥० इंद्रजाल यथा विपुल ब्योम अगन म
धि सुंदर संध्या राग बसन बिसतरियो सघन तिमिर जु
र की हिंडारि के त्रिभुवनन मनमोहनी धरियो ताराह
पसी पिमुकताहल उगालि वदनतें वाहिर करियो पंचा
सुग प्रवीन बाजीगर खरा कुलधुनि कीनो कंकरियो ॥१
अथ अनुभाव निरूपणं आतरथाई भाव रस जापक
बिना न ज्ञान ताहि ज्ञान गोचर करैं ते अनुभाव प्रमान
॥२ बिषय होत उद्दीपन सु करन होत अनुभाव ते पुनि
चारि प्रकार के कायिक मानस भाव ॥३ ऐक्छिक सात्वि
क जानियै कायक भुज क्षेपादि मानस हर्षादिक कहे
ऐक्छिक लहौ सवादि ॥४ नाघ चतुर्भुज तादिको नट
भुज तावत आह सात्विक पुलकादिक कहे सबै कबि
नको राइ ॥५ तहां श्रृंगार के आनुभाव आनन नयन
प्रसाद बिलोकनि मुसकनि मधुर बचन धृति मोद अंग
बिकार बिबिध करि कीजत रससिंगार अभिनय चतुर को
द ॥६ यथा मुकताहल हार डरो जनि ऊपर कानन कंच
न हीर तरोना चंपक माल गरैं रति संगर टूटत हैं इहि भांति
धरोना नंदकुमार पिया निरषैं तु हिएं कही मषन संभ्रम
भौंना प्रात समीर अधीर सरोरुह हारी कटाछ छके नामई
होना ॥७ हास्य रस के अनुभाव बिहसनि नेष आकार वे

वचनअरुअंगबिकारबिबिधजेजाने हास्यरसहिअनु
भावहोइतेअभिनयग्रंथनिमांझबषाने ए८ यथा भाज
नकरिकपालमंडलतहंमधुरमपंककलाधरिबाती फ
निपतिफाएफनामनितापरसुनगसेंजोइसिषासरसा
ती सोऊसमैंसिसुदीपजगावतसेलराजतनयादरसा
ती कछुइककुटिलकटाछनगजुतडीठिकरीतिहिंतन
मुसकाती ए९ करुणरसकेअनुभाव सासउसासरु
दितमोहगमवहुबिलापसुखसोषप्रलापनवैवरणा
दिबिबिधअनुभावनिकरुनजतावहुकाहैरिकैयाप
न ३०० यथा त्रिदिवहिजाततातमोरेकबिबुधमनि
लषनसोकबसहियरो अजहुनदीनबाकबानीकेकं
कनसिथिलहोतकरनियरो अजहुनसरसहोतउर
जनपरचरनरसकेसरिसैंगपियारो अजहूलगथिरहे
तनअंजननैननिनिकरतनीअडियरो १ रौद्रकेअनु
भाव बहुबिधअत्रप्रहारनिसंकुलसिरकंपनिकरपीस
नीहोइ घोरअनेकअर्थजेतिनसोंअभिनयरौद्ररसहि
कबिजोई २ यथा सगरभीमबाँधिभ्रुकुटीकहैंकोरिध
नसहअधरररचक्कि भोममांझबगराइबारननिबिध्य
समानरहेयुनगक्कि तिनइनकेजुकपोलतलनतेजमरा
वलिउडियअतिभाषि होइकलंकरेषनहिसोईरहियअ
भिपकरबिबहिरदाघि ४ बीरकेअनुभाव धतिप्रभावउ
छाहपराक्रमसरबीरताउद्धतबोल बिबिधबिनयदाना
दिकसोंरसबीरजलबहुकरतकलोल ५ तहांजुद्धबीरके

41A

जथा अग्रइंद्रजित आइसमयसमरब्यापारकलाबहुजा
न भासमानतिहिंपासदसाननसऊदमनधारतधनुबा
न इहिंबिधिकरतलोकसबवाहरजाहरजगतकुलाहल
आन संध्यासुमिरतरामचंद्रकेहुहियनहिकुनकपवमा
न ६ दानबीरकौअनुभावयथा उरउदासजिनिहोहुमा
हुतजिघरजिनिजाहुदेषिमदभाजन जाचतहोपुनितु
महियहैसबकुमियेइकाक्षिनदीननिवाजन दासहिमु
हिजानततौसबहीबसुमतिलेहुसंग्रहीराजन गुरुदक्षि
नाकनकहीहैतौकरतधनदतेवहोउपजन ७ दयाबी
रकौअनुभावयथा छहरहीघनघोरअंधेरीमैंदामिनी
जोतिडरावतडोंभत मसरधारपरैतहव्याकुलगोवषबा
छनकेकुलरोंभत दीनदयाबसनंदकुमारगिरेजिनिसे
प लैहैमैपलोंमत बैनछुटीकरतेनधरैंनखिस्पातनते
पियरोपटपोंमत ८ भयानककौअनुभाव करपगहग
मस्तकसबअंगनिकंपपुलककेवेवर्णभंगसुर औठताहु
बाकंठसोषयेज्ञापकबहैभयानकरसधुर ९ यथा आ
घकचबायघासग्रासनिबषेरैंमुखफेलेफेनपटलनि
लेतिफुरकेयाहैं ब्याकुलसकाकुकंठघोरघरघरघोष
औषैकढीआवैंबिषतेजतापतेयाहैं सकुचतकाइउग
मगतसकंपपाइसासनिसौंहलतअधरहरवैयाहैं बि
धुरेअघासुरकेअननकुहरमधिइहिंबिधिभीतरहीका
हूजकीगेयाहैं १० बीभक्षकेअनुभाव मुखदृगघूमन
लोचननासामुखदांपनिसबअंगसकोरनि अबिकत

चरननिपातश्रादियेबीभत्सानुभावचहुंश्रोरनि ११ यथा
बिकटकपटहरिबदनकुहरमधिहिनकरदेषिइंदिरा
कांपी हेनेदनुजतनुपललकवलकैंभ्रमकरिमुखहिये
सुकनिटांपी १२ अद्भुतकेअनुभाव गद्गदबचनकंपसु
रभंगनिअनिमिषदेषनिसाधुबादकरि परसअहन
उल्लासपुलककअरुहाहाकारनिअद्भुतरसभरि १३ य
था बाहुदंडखंडितअरिमंडलपंडवबलहिचकितसे
जोए अजहूलगदेवनकैनैननिमिमिषनलगतलषत
रसभोए १४ अथअष्टौसात्विकभावाः तत्रस्तंभादीनां
लक्षणानि जिपतसरीरसत्वतिहिंधर्मसुसात्विकभाव
कहतकबिलोक हर्षरागभयदुषबिषादरसबिस्मय
कृतथंभसुगतिरोक १५ मनसंतापरिसहर्षलाजभय
लमपीडाआघातमरछनि बपुमैंहोइबारिकोंउद्गमसो
ईसात्विकभावस्वेदभनि १६ शीतआलिंगनहर्षक्रोधभ
यइनबिकारकरिरोमउमंग सोहसंचभयहर्षक्रोधम
दस्वरस्वभावपलटनिस्वरभंग १७ हर्षभीतिआलिंग
नतेबपुचलनिभावबेपथुपहिंचानें श्रमआतापशी
तभयक्रोधरुमोहजपुनिबेवर्णबषानें १८ हर्षअम
र्षधूमभयजंभाशोकभीतिअनिमिषअवलोकनि अ
श्रुविकारजनैंनसलिलअरुप्रलयसुतनुकीचेष्टारोक
नि १९ तत्रस्तंभोयथा पीननितंबनिपातरीगातनिबार
केभारहिटोवतिसी निजभौंनहिकेसंगहेअतिभारीउरो
नकेंभारसोवतिसी पहुंचीघलिनीठिकदंबकेकुंजबसी

42A

छिकै आननजोवतिसी मनमोहनसों करि मोहप्यकी तहं
आपने पैन हिंगोवतिसी २० यथा वा पेरि पगारे गसारे
गरीनि अटारी निवारी करोषनिझांकी औंषैं कियें अनि
मेषचितैं रही लाज औ कानि तुहूं गहिहौं की पियानबनी
तपियातुमपें तन औ मन कीनैं मुछावरि वाकी पेमकीपा
टीसी चित्रनिकाटी मी जो जहां ठाटी नई सुतहांकी २१ स्वे
दयथा तुवतरजनि ऊपर अलीलसम जलबिंदुललाम
कुसुमनिकी बरषनि मनो करी हरषसों काम २२ यथा
केकह गुलाबजलभीजी मालचंपककी सोनकहीजाइ
जाते अलि मन नाई है आली सुधा आली पून्यो चेतचंद
आली सोनजाते आसपासके सतमकुल छाई है केधों
कांमतेजतई कुंदनकी बालिसोनजाते तये कुंदनकी जो
तिन पिराई है देषैं मनभावनके तरुनतिया को तनतुरत
तरलस्तमतापकरि छाई है २३ रोमांचयथा एकहीसा
थबकुलमुकुलनतेरोसमेर कढि कढिनिनटोलनि बा
टिबाटिसुरगुंजत अलिचटि २ नवनवनूतमंजरी दोलनि
सो धुनि सुनि सुनि केलिकुंज मधि बसत कान्हबनतजि
डोलनि कुलकि २ तनमुलकि २ मुखपुलकि २ कतउ
ठतकपोलनि २४ यथा वा केधों प्रानपीतमके पूरे प्रेम
पावसमैं फूलि रही आनंदनि कुंजकी कदंबमाल हेमअ
वनीमैं नव अंकुर सुनैं हूं रहे उनैं उनै बरषत नेहघनेम ह
जाल मैंनफुरमानके कनकपत्रमांझ लिषे केधों येबर
नरसराज मासिके रसाल जोबन बसंत मोरी मंजरीम

अ०क० नोजेबेलिबालकेकपोलपुलकावलिबिलोकिलाल २५
४३ खरनंगयथा प्रगटहोइसुरनंगजोकहेहेकछूरिसम्रानि
रहतिराधिकामोनहीपियसमीपयहजानि २६ यथा स
४३ वेया बियोगहिकेलिप्रेमाइहिपलिइयात्रवेहेलिसने
हकेमांही मांगतमेपरदेसकीप्रानहितारिकेम्रागरखा
गरबांही कातरम्रातुरनेन।लनिलाइरहीलषिमामुख
म्रसुनिमांही ऊतरबेनफिरेरहकिप्राननिकंठहिछेहि
यमांहिसमाही २७ बेपथुयथा कंतचुनिपतचंपककु
सुमनरजनिमडनकाज लम्पोकंपकरमेरियेसुरति
सेतिमुहिम्राजु २८ यथा फूलिफलिफूलिरहीकुंज
तरुडारनकीम्रोटहूगचोटचितधीरजषनतिहे म्रंक
केबषेरिफलपांवडेकरतजातबेलिनितेबीनिकरकलि
नगनतिहे ईछिडीछिबेचेडीठिपियसांबसीछिलागीम्रो
हीमुजातुंगतरुसाषनितनतिहे ऊंपतसेहाथपरेकप
तसेगातनरूम्राजुफलबीनिबेकीबिघिनबनतिहे
२९ मुखमुखसांमिलिकेरह्योलालसिखाचुनिलेत
दिनकरकरनिकरनिरबेहिमकरकीदुतिदेत ३० य
था जगमगीजोबनजेवांहरकीजोतिम्रंगगामगीरंग
रसमुदगुनगसीहे गुरुजनबीचबालबेठीछिपेनेह
हालतेहीछिनम्रायेतहांनदलालरसीहे ताएकनक
सीकामतेजतनकसीबहिगईसनकसीतनकसीपेम
म्रसीहे बिरहसोत्रेसीरुचिम्राननकीनसीहिमऊऐस
रसीरहससीकीहोतिहेसीहे ३१ म्रम्रुयथा जोपिपनि

45A

कहिंश्रीवहिंफेरिलिषरिसमानें १३ पषावा जीरनअंबर
ज्योंअपनीतजीवारिधिबूंदज्योंबांधिकेलीनो बूंदकपो
तज्योंबानकेअग्रहन्योंदससीसअनुजाबलमीनोलंकपु
रीमनिकंचनकीमुदरीज्योंबिभीषनकेकरदीनो यांसु
निधीरघुनंदनकेगुनकोननअंगहमंचितकीनो १४ भा
वसंधिपषा इतठाटेमनभावतेउतगुरुजननसकैनें है
घोरैंअसवारज्योंभएवालकेनैंन १५ भावशबलताय
षा परगटहोंजहिंपैदीठसंगलागेहगदेषिहोंगीकहूंआ
डीलालकुलकानिहै वहरूपमाधुरीकोसारयहमेरोनह
केऊजिनिजानोअरुजानिहेंतोजानिहै धिकतनजोव
नकुटुंबबिनदेषैंलालकरिहोंजतनजोपेमाहिमनआ
निहै हायमुरलीतोषरीछातीछेकपारैंजारैघोरैप्रनधार
जनरसोकंठआनिहै १६ दोहा होतमुख्यहूरसतहांइन
हिमुख्यताजानु सेवकराजबिवाहमधिजेसेहोतप्रधा
न १७ अपलसक्रमध्वनिनिरूपते ज्योंगिरिमेंइकस
बदकीगौंईबहुबिधिहोत सोंजहलषियतअंगपक्रमसो
धुनित्रिविधउदोत १८ शब्दशक्तिसनवबहुरिअर्थश
क्तिसंभव उभयशक्तिसंभवधुनितीनभेदअरभव १९
अलंकारअरुवस्तुजहंअंगपशब्दसोंहोय शब्दशक्तिसंभ
वसुधुनिभेदबषानेदोई २० शब्दतेअलंकारध्वनिर्य
षा देष्योएकआसहीमैंलसतउदयजाकोपदमिनीचक्र
निसोसदाबंधुताकैरे मंडलअखंडअहअधिकअनंदका
रीमित्रआगेपूरनप्रकासमाधुरीभरे राधापरिअनसो

ग्र०क० कबहुंनरसालसोंरातेरातेचरननिसंततप्रमाधरै रंग
४६ बनचंदरुचिरूपसुधापूरनसोंप्रेममतवारेनकीजिय
46 जड़ताहरै २१ यथावा नोरगठीपलकेंनहिलागतयाग
तप्रेमसुलेषैंनलेष्यो कोंपिउठपुलकेंनरिअंगनिसा
रसुधारसपानविसेष्यो मूढमईगुरुज्ञानसबैबितयाचि
तैतैंउचितैयहपेष्यो रंगभरीसबरैनिकहूंरनेनैंननिआ
लिकलानिधिदेष्यो २२ यथावा बातनसुनततनलाग
तस्रुतनजुरदेषिपतलोचहीकैसेकैपतीजियै अंगन
त्रिभंगनकीदेषीगतिआनदहैसोंतिनसमानहूमएसे
सुषदीजियै ब्रजमैंविदितजसुदाईकेसपूतयहीजमु
नाकेंआवतमगजैरोकिलीजियै पूरनहैऔगुनकहां
लगुबषनियतजानियतजियमेंसकलकहाकीजियै २३
प्रथमकबितअतिरेकबियउपमातीजमांहि व्याजस्तु
तिधुनिसोंलहतकहतशाब्दसोंनाहि २४ जदपिअलंका
रिजकसोंअलंकारधुनिनाहि तोहूबाम्हनस्रमनज्यों अ
लंकारधुनिमांहि २५ वस्तुध्वनियथा सोरजसारसदाम
करंदपरागधरैरुचिरूपकीसाला सोहतिसोनाकेंसंप
तिनारमहासुकुमारसुरंगरसाला भावगरूपभरीगुन
गुफितमादकमोदकमाधुरीआला लालकेंलालचेहैचि
तमेंनितभषितकंठतुहीवनमाला २६ यथावा ब्रजनष
नआपेलष्योनषनमषितअंग रंगभरीरैनीयहैजिनि
तहोहबिरंग २७ अनुकूलरुस्वाधीनपतिकादिप्रथम
ध्वनिआइ दूजेरतिरसरंगिबोध्वनिपरगटदरसाइ २८

पथ्यावा पंथियसरपरहैनइहिंपथ्थरथ्थलकेंग्राम उन्नत
उठपयोधरनिलषिलीजेविसराम २७ हैतुमजोउपभोग
छमतोघंरहोवनाइ यहेवस्तुधुनिपतइहांअलंकारसुन
श्राइ ३० अथअर्थशक्तिसंभवोध्वनिर्निरूप्यते अर्थश
क्तिसंभवस्तुधुनिअर्थहिव्यंजकपाइ अर्थसुतीनिप्राका
रकोवरनतहैंकबिराइ ३१ स्वतःसंभावीएकअरुकविप्रोढे
क्तिजाप कबिनिबद्धप्रोढोक्तिजुतीतैंजातदिषात ३२
वस्तुअलंकृतिभेदकरितीन्योछबिधजानि तातेंकहतछ
भेदयहव्यंजकअर्थबषानि ३३ छहूनांतिकेअर्थमेंवस्तु
अलंकृतिव्यंगि तातेबारहभेदकरिअर्थशक्तिनवरंगि
३४ स्वतःसंभवीवस्तुसोंवस्तुव्यंगपथ्था सनेघरनप्रवेस
करूब्रजनरिंदकेनंद आजुगेहपतिदूरबनबहुगोधनसुष
कंद ३५ पथ्यावा आवतसांझनबेरलगावतजातसबेरअ
बेरलगावें मैानरहैंगुरुलोगनमैांहनसैनेमैंगोंहनकैानछु
डावैं पूरनपैंमपियूषपयानिधिसेंाचुकेसंगीसुनाइसुहावे
पितमकीयहरीतिसुनेंब्रजकीबनितामनमोदबढावै ३६
पुनः अलससिरोमनिघ्रतधुतारनिबहुतपुत्रधनसंपति
पूर पियपरसंसबचनपेअलिमुषतियहगहरषहुलास
हिमर ३७ स्वयंदूततात्र्यंग्य अरुयहपियहमरेजोग इनहु
हूं अर्थानिध्वनिलषेजेकविसहृदयलोग ३८ वस्तुतेंअ
लंकारध्वनियथ्था धनिआइतुहूंजुनेरेपियसंगमआनंद
सिंधुकेसोतसनी मुखबोलतिचंचलरीचहुंवैनानिसैन
निर्दंतनिसंकबनी पीयप्यारलनीवियकेंफुंदनाकरकेधो

अ०क० छुवैअगियाकीतनी हमआपनीयेतबसैंहनिखातु
४७ होतिकछूसुधिहैसजनी २९ तत्रअधम्यहैंधम्ययहअ
47 तिरेकालंकार इहांबस्तुतेंव्यंग्यहैजानौंसुकबिउदर ३०
अलंकारतेंवस्तुयथा प्रातबिकासलहैसबपंकजकोर
ककीदुतिदीहलहेहैं आनंदकेमकरंदनरेरुचिरूपय
रागनिपूरिरहेहैं माधुरीसारपधारिधरेरतिनाइकसार
कयेहीकहेहैं नंदकुमाररसीकेबिलोचनजानतिहोउ
रतेरबहेहैं ३१ कामबानरूपककियेंमानधीरहरनादि
सकलप्रयोजनव्यंग्यहैबस्तुरूपतेस्वारि ३२ यथावागुरु
गंजनतेंडरतिनहिखंजननैनीनारि पाइनजावकदेचली
स्यावनजमुनाबारि ३३ इहांहेतुअलंकारतेंहैगाढअनु
राग तातेंकाहूवदतिनहियहधुनिरतिसुहाग ३४ अलं
कारतेंअलंकारव्यंग्ययथा इककुंजरहिंकुंजमेंखंजन।
पुंजसमान कंजमालदलनंजिबीतकंतकरतपयान।
३५ लखनकुंजरहैंखरेइहांअपुहुतिमल पदमिनिकी
उपमातियहिव्यंग्यलखोअनुकूल ३६ येचारोंस्वतः।
संनवीअर्थहैं कबिप्रौढोक्तिनिर्मितबस्तुतेंवस्तुव्यंग्य।
यथा चारुकपलासकेअनपसिषरनिपरआनिमुख।
बैननीकोताननिकोंब्वानिकैं रामचंद्ररावरेसुजससु
रसिहबधूगावतिमुदितमनकोतिगसोंसानिकें सुनिसु
नितेईदिगवारनबिसालसुरमंजुलमणालजालपाये
जियजानिकें कैरीकैरीआँषेंकरिकाननिकेंआसपास
फेरिफेरिसुंडनिडुलावेंमोदमानिकें ३७ इहांबस्तुकरि

47A

जिनहूंकोंअर्थजानकछुनांहिं चमत्कारकरतिनहूंकों
तुवजसयहध्वनिमांहिं ३८ अलंकारतेंबस्तुध्वनियथा
आठहूककुभकामिनीनकेंकुचकलसचंदनसरसचं
दनसअंगरागहै आठहूंदिगीसनकेकंठउरसीसमुक
ताहलचंबेली चारुचोसरतुलागहैं आठहूंअडिग्गदि
गाजनकेबिहारहै तछीरनिधिनीरलहरीनकोसुहा
गहै दसरथनंदरघुबीरकोसुजसहै सुलालकबिमार
तंकिमालनसोभागहै ३९ रूपकतेंजानियेंबस्तुबं
ग्ययहहोत सीतलतारुसुगंधताउज्वलताउदोत ४०
वस्तुतेंअलंकारयथा पारावारपारजातहूपैकेपहारप
रइंद्रकेंअगारदेवनारिनिबषान्येहैं तैहींछिनछलक
तछितिपरछीरनिधिअंबरअनपजोन्हअंबरबितामें
है दसरथनंदमहाभागबलीरामचंद्ररावरेंसुजसरस
लोकबसआन्योहैं काहूंजान्योहीरकरिहारकरिजान्यौ
काहूंकाहूजान्योहरकाहूंहराकरिजान्योहे ४१ अलंका
रतेंअलंकारजथा बेदअभ्यासकरतजउमतिउहिबिर
चयबिरतवूंटेहिहैंसतसी सरससुधासरवरकबिबरमु
खकमलआसनहपाइबसंतसी दरसावतिसबभुवन
मंडलहिंओरसोउचहूंओरलसततसी सुखअनेकमु
खप्रगटबपुषसोजयतिगिरानिसदिनहुलसततसी ४२
प्रथमवस्तुकरिबिंग्यहैउहेसालंकार बिपउतप्रेछा
बंग्यहैंबिधिब्यतिरेकप्रकार ४३ यथावा दानजलबा
हेठाहेगाढेगरजतजिन्हेंदिग्गजदिसानिमदमुछितकं

पोलहै उद्दत उदंड सुंडादंडनि प्रचंड अरि मंडलके खं
डनमें मंडतकपोलहै सरससि छत्र सेन छत्रनि चिरा
जैसीस चहुंओर चोंर चलै चंचरी कलोलहैं ऐसे रघु
वीर नपराजै दरबार हार बारनहजार हीरहारन अमो
लहैं ४४ यथावा रूपके पहार पर हीरन के धोरहर सु
धासों सुधारि कीनी चांदिनी फरस है बैठत हां राजै अ
तिपार ब० ती प्रानपति गंगाकी तरंगसी ससोहति सर
सहै तिनमें लसति अकलंक कलाचंदकी सुबरसत
जामधिपि पूषघनर ससैहै ऐसे समै रघुबीरगावतति
होरे जस ताहूते निहारे अतिसुंदर दरस है ४५ छत्रचों
र उपमाध्वनिते औ रगजनि व्यतिरेक बिपै सु जस व्यतिरे
कधुनि सार लषो सबिवेक ४६ येचास्यों कबिप्रोढोकति
सिद्ध अर्थ हैं अबं कबिनिबद्धवक्ता की प्रोढोक्तिमें वस्तुते
वस्तुध्वनि यथा सवैया छंद चंदनगंधकै लालच जे मल
याचल दीह दरीनमें हारे केरितहोंर त्तिंगप्रसंगभुजंग
निके बहु पान संघारे इहीबिधि कीनहूबाकी बचे सुबके
बनबीथिन बीच बिचारे तेईबसंतके पौन अबै बिरही ज
नसासनसों बलधारे ४७ मलयानिल चहुंओर कहांक
हां नहि करत हैं इन सासनके ओरधुनत बस्तुसों वस्तुयहै
४८ वस्तुते अलंकारध्वनि यथा सवैया बहु ह्वै तिनके मधु
रै हितबैननि नैंकुन आली चलाइनयो तिहिमो चितकाम
तधीर जनैं नहिजानति कों न सुनाव लयो उहिबापुरैमान
हि देकैं बिसासहि यौं निजपास ही बासदयो पिपनंदकुमा

एत्रिलोकनकैंछुनमानहुतेपहलैंसुमयो ४९ इहांवस्तुक
रिबितामनापैंमनीयंपयहबिभवनाकहि कैउतप्रेछापि
यररसनकौंनहिसुहागबलधीजसवैसहि ५० अलंकार
सौंवस्तुयथा तुवआलेनषरहकुइनिमोयेंषियनकैंनाग
अहनदुकूलप्रसारदियपहभेरासकैराग ५१ कैंहिगकु
पितकरेइहिंउहारअलंकारतेंवस्तुभंगधुनि आलेनषठ
तकहाहुरैपतइनप्रसादमैंलहैंआजुसुनि ६२ अलंकार
तेअलंकारध्वनियथा मगलोचनीनारिहजारनहीजहैंहा
वनिभावनिभरिजरी तिहिंस्त्रीनंदलालपियाहियरावैंरवा
हिनहोतप्रवेसधरी इहिंहेतषेरतिनाइकसाइकनालि
नकेसंगछोतिधरी निसबासरऔरनकाजकछुतनुतेतनु
आपुनेअंगकरी ६३ इहांविसेषोक्तिध्वनितकरतहेतुअ
अलंकारा तनुतेतनुहतनुकियैभावतिनहियमझारा ६४
शब्दअर्थइनउभयकीशक्तिसौंजुसंभूत सेधुनिएकप्रका
रहीजानिलेहुअदभुत ६५ यथा सदाबलाकामददरसा
रसरूपअंगसकलसंतापहरजाकीछांहजीजियेजीव
नेकदानकेंउदारजगदेषियतकारननकेंसुषदमधुरधु
निकीजिये लोकबरहीकैंकुलकावतरचातकीनहरष
कोआगमप्रगटलषिलीजिये चंचलाविलासभरेपूरत
नदीनआसआलीसामघनतननैंकहगदीजिये ६६ ऐ
सें इहिंध्वनिकेसकलभेदअठारहहोत अनंतरसादिक
सबनिमिलिएकेभेदउदोत ६७ नवरसतहांसिंगाररसहि
द्वैभेदबषानहुसंभोगरु बिप्रलंभप्रथमअनगिनतप्रमा

श्र०क०
४९
५१

नकु होतपरसपरदरसपरसचुंबनकुसुमोच्चयजलके-
लीरितुकेलिअस्तरबिकोचंद्रोदयअभिलाषआदिबिप्रल
म्भपुनिभेदबहुतग्रंथनिकहे तेपुनिबिभावअनुभावभा-
निव्यारिनसोबहुतागहे ६८ तहंपुनिनाइकनाइकउत्तमा
दिबहुरीति तहैंउदेसकालरुरसाभेदबहुतपरतीति ६९
रहिंबिधिएकसिंगारही अनतकह्योपुनिऔर असंलक्ष्य
क्रमधर्मलेइककहिकबिसिरमोर ७० भेदअठारहबाक्य
मैंनीकेहीदरसात एकरहितपुनिसकलयेपदहूमांकल
षात ७१ परहिव्यंग्यधुनिजोगसोंबाक्यहिव्यंग्यप्रसंग
एकनासिकानरनज्योंसोहतसबतियअंग ७२ परव्यंग्य
ध्वनिकेउदाहरन सेवकसेवकजासुहैकमलाकमला-
आहि अवतारसुअवतारही छपाछपाभजितताहि ७३
निःकपटनिकटवर्त्तीभेषजन्मभावकरिरहितपुनि नि
रुपाधिरूपअर्थांतरनिइजेपदसंक्रमितसुनि ७४ याही
परप्रकाशपअर्थांतरसंक्रमितध्वनिकोउदाहरनयथावा
सवैयाछंद तरुबेलिनकेफलसोफलहीरुसितासुसितारु
सुधासुसुधाई दाषसुदाषईऔमधुसोमधुईषसुईषलषी
मधुराई सीतलताअरुसौरभसंजुतमाधुरीसागरनीकी-
लुनाई राजतीवामगलोचनीकेअधरामृतकीनकहूस
मताई ७५ यथावा न्यारोहूजोरहैप्रेमसौंएकसोसाईतो
चितयौंचित्तकहावै हैसिगरीहीदसानिनमैंपायोसाईतो
प्रेमयौंप्रेमसुहावै जोनंदनंदननैनअनंदनसोईतोजो
बनजोबनभावै औनसहैउनकोबिरहानलसोईतोभाव

49A

सुञ्रावलषावै ७६ असंलक्षतिरस्कृतवाच्यध्वनिपदप्रका
शपयथा षलअवहारजदपिञतिरदारुनदरसतजग
ततदपिनरधीरनि हियवयस्यवहुमतव्यवसाय नलह
तविमोहकहूमरसीरनि ७७ सोंअचेतनव्यवसायकौं
नहिविमोहकछुहोइ तातेऊपिबोलसबकारिजपटुध्वा
निसोइ ७८ अलक्षक्रमधुधानिपदप्रकाशपयथा ७९ स
वैया वहरीतिमनोहरबैननिकवहनैननिकीगतिसैन
भरी वहरंगनसोपरिरंभनअंगनिवअंगवपुलकैकप
सरी वहमाधुरीसारसोंअधरामृतवैनकेलिअनंदभरी
तववैससुधारसभोतनपअबहोतमएविषकारवारी
७९ वहवेदनरपरध्वनितअनुभवगोचरअर्थ बिप्रलं
भसिंगारकौंपोषनवहैसमर्थ ७९ संजोगमैयथा गूढ
गुनग्रंथनकेपंथनचलोगीकवमदनावकोउरतिईस
सीसधुनैंगो आनतियमानहीकेंमानपरमानलहैंमान
चिनकोलोंनेहगुनगनगुनैगो योंकहिसिषाईसबसखि
नसुजानराधेसाधेहितकैसैंचित्तनईचोंपचुनैगो सम
पमुखछिचोंकिबोलिहेलीहरैकहिअंतरहीबैष्णकहूं
कंतयहसुनैगो ८० नयकरिनेहबिनाकियोसंजोगहि
अनुकूल सोईइहांप्रधानसोसनयमुषीपदमूल पदप्र
काशप्रभावादिजोतहैंबिचित्रतानाँहि तातेध्वनिसंलक्ष्य
क्रम कहिंयतपदकेमाँहि ८२ रुहिरपूरगहिरोकरिरंजि
तअतिकरालकरवालतुजाध्रुव झटकिकुटिलभ्रुकुटी
तटजुहियनललिपहतुवमीमसमरनुव ८३ इहांमयनिक

अ०क० बीरकौंभीसमेसनउपमान ताहिप्रकासकभीमपदयहलषि
५० लेहुसुजान ८४ बहुभोगनिदानकैदुषमोचनसोचनकौ
नहिंअौसरदेष्यो होतइकंतमनोरथकोफलस्वारथअौ
50 परमारथपेष्यौ भावनेरइकएकअलापसंतापमिटाव
नकैंअवरेष्यो भागनसौंसतआगमकौलहिकाहिंअनंद
अलेषनलेष्यो ८५ बियोअर्थपियमिलनजोतबहीहोत
प्रकास शब्दशक्तिभवबस्तुध्वनिलषिपतबुद्धिबिलास ८६
अर्थशक्तिसंभवद्वादशभेदपदप्रकाशपयथा सांझअरु
रगुलाबनसौंमलयागरअंगबिलेपनलाई चांपयोस
रजहूरहिंअंतरआईइहांपुनिचाइचलाई हेलीकछूरव
तोसुकुमारताहेअतिहीअदमतलषाई जासोंभईअबही
सिहमीसीनलाइसकेअंखियांअकुलाई ८७ अबहीप
रकेबस्तुसोकरिपरपुरुषप्रसंग सिहिमिगईयहबस्तुध्व
निहोतप्रकासअनंग ८८ तिहिंकेंबिनदेषेंमहादुषमो
गबिलीनभरासबपापखरे तिहिंचिंततआनंदसारसु
धालहिपुन्यसमूहटरेसगरे जगकारनचापरब्रह्महिध्या
वत आपोनतासुउसासगरे तिहिंअंतरहीइकगोपसुता
गईमुक्तिऊचारिहरेहीहरे ८९ छिनमैंभेअघसुकृतफ
लजनमसहससजिनभोग सबसमूहपरब्रह्मपहअतिश
योक्तिकबिलोगकरीकुंभतुलातऊनकरीहेकुंभतुलाकु
चबिनुहारमनोहारीकहियतहै बेलासीलसतिपेनबा
लीसीसलसतिअपछूराहोनएकपातिछूराचहियतहै
नपकीहैछबितऊपकीहैनिरषिछबिअंगनकेरूपमैंत्र

50A

नंगगहियतहै खसीलरिकाईतऊनखसीरहाईपियहिं
तियसबहीअनोषोलहियतहै ९० ग्राहग्राक्तिसंनतबिरो
धजुतिहिंअंगजुअर्थतिरन्यास ताकरिविधिहूहिंअनु
वर्त्ततबस्तुसर्बपरक्रियोप्रकास ९१ आजुप्राततुवपिय
अधरमलिनकमलदलमाह पहसुनिआलिमुषनवबध
रहीबरननिठुराइ ९२ सारूपककरितैंपियहिंचुंबनकि
यबहुबार तासेंअधरमलीनयहकाव्यहेतुअलंकार य
हआसैठोरस्वतःसंभवीअर्थव्यंजकहै ९३ कुटिलबियो
गिनकेप्रानतनताकिताकिरापिपिरजीवापहरावतक
वानहैं फूलीमधुमाधवीमधुरमधुमत्तमधुकरसुरसो
रसोईसुनियतकानहैं पूरननछत्रपातिधरेंसिरछत्रयह
चांदिनीनहोइयाकोकीरतिबितानहै रजनितुराजरजनी
निमाफसजनीरीराजत्रिभुवनकोकरतपंचबानहै ९४
चंदधवलरजनीनिमैंधुनतललितनिजचाप भुवनरा
जइकछत्रकरतमनमथधरतप्रताप ९५ जिनकामिर
नेकोमदननपतिननरनारिनमाहि तिहिंसासनसोबिमु
खाछिनकोऊइहिंजगनाहि ९६ जागतउपनोगहिकरत
तिनकीरैनिबिताई भुवनराजपरसोंयहैबस्तुप्रकासत
आई ९७ चंदमुखीतुवईछनतीछनसाइकअनिमनो
नवघाती रापतहैसबहीअपनोबलआवतहीयहबेस
सुहाती ईछनतेरपरेंजिहिंओरतिहीदिसअपसमेंमि
लिमाती आरदसासिगरीउघरैंससिसीतलऔरबिते
उसीताती ९८ बिरोधिनीहूपरसपरसबेदसाइकबार

प्रगटतमिलिपरबस्तुसेंासुबिरोधालंकार ९९ बिरहता
पअतिभीतहियराकरिबरज्ञिपतहू नचलतकुचभर
मीतबिमलज्ञातिपाकोहरा १०० सुहजातिइहिंहेतुअ
लंकारकरिहारनित कंपतसोथितिलतनचलतिपद
कोअंगपयह १०१ वहमुग्धमधुरस्यामलबपुबिलसत
तुवधम्मिल्लमल्लिकामंडित कलितललितआकारका
मजअखंडपरसुरगचंडबिहंडित तिहिंचंदमुखीकेचा
रुकधेतेंबलहिपाइतनुमंडिअमंडित जयतिसुरतसंग
रमैंलंगरजंगरजोरजंगकेंपंडित १०२ पथ्यावा सोर
ठा बहतियचिकुरकलापस्यामधुरबपुकामहे सुरतस
मरजयछापधरतपाइतिहिंकधबल १०३ घांरूपककरि
वहुआकारधनकेसपाससेंाकंधनिआश्य औंरतिबिर
तिरुचाहघरीनहिधरतकंधपरबिभावनाइय १०४ पचा
ल्याकविप्रौढोक्तिनिर्मितअर्थहै नवपूम्यासससिकेरसिक
कोतुमकहोबनाइ पुनिसुहागपूरीतुम्हैंकोप्रदोषनिसआ
इ १०५ इहांवस्तुकरिमेरीनांइहैतुमप्रथमअोरठोरागी।
फेरिनपहनवप्रदोषादिपरभ्रमगवस्तुलहियोबडभागी।
१०६ सखिनवनिधुवनसमररंगमैंसखीसमानसुडिटअै
कवारी हारहस्योहूतिनफिरिसाध्यौतबकिहिबिधिकहि
तैंरतिधारी १०७ इहांहारकेछेदअनंतरअौरेंरतिनिहचैक
रिभासिय सोकहिकैसीपहब्यतिरेकाकिहिंबिधिपदकें
वस्तुप्रकासिय १०८ पठतगहहारहिबदनमोरिदेषिपथ
अोर अंसधरीगगरीगिरीअरीकरीकतसोर १०९ इहांहे

51A

तुंहीं अलंकार सो लखि संकेत जात निज पीय औंत गयो च
हति तो लै जाअे आरघट हि कत पद धुनि कीय १०।१० चपला
लोचनी तुहि निरषि बिहबल जल भरपूर छार परस मिस
गगरियें निज मुनु किय चकचूर ११ नदी जल कूल लता
बन मांऊ संकेत कियो ह तहां न हि आयो गेह प्रवेस के औ
सर आयो लष्यो तब पैरि नरी मन भायो छार मिराइ हुतो
मिस ही घट तो कत की जैन आपु सुहायो हैं तुव सासु समी
पस बै बिधि साधि हो काहू न है लषायो १२ इहिं वसुहिं वं
जित कै लषियो सुक बिसमर्थ छापर सा मिस इहिं पद ज्ञु
प्रगट अपहुति अर्थ १३ मधुरस जो न्हु बसंत मिलि रिय
तरु नई सुहाग पिय न वो ढजि मि बूटियो परतिय तुव हि
य लाग १४ काम्य हेतु करि वक्र रु परतिय हम हि छोडि अ
भिलषत जुरह ई तो आचारन न क यो जात इहिं मो छु पहि
परतिय परक हई १५ पेचा सैं। कबि निबद्ध बक्ता की प्रोटो
क्ति सिद्ध अर्थ है दोहा सत्रह चो अठार हैं सब पेती समा
नाहि अर्थ शक्ति नव व्यंग्य को लषि प्रबंध हू मांहि १६ यथा
बिष्णुपद नंद घर जाइ बिनवति धाइ न दति य के पास पठ
ई गोप बनित न नित गाइ धुवं आजु होति न बस हमारे तुही
जाति न गाई कहू भाजन कहू नेती कहूं बछुरा जाइ अपच
पनी सासु नि पास बैस बजाइ कहति रिसाइ हम सैं ये तुही
जाति नौं ही आपुल कुडुहाइ बैंन सुनि ये नंद घरनी दिये कुं
वर बताइ छल प्रजुति न जतन ए सो दियो प्रेम सिषाइ १७
कामातुर कान्ह हि चहति ता हित सकल उपाइ बस्तु रूप य

हअर्थधुनिप्रगटप्रबंधलषाई १८ यथा वा गध्रगोमायु
संवादादिकमैं गीधअरुगोमायुसमाकुलइतउतबहुकं
कालनिटेर सबजीवनिकोंपरमभयानकइहिमसानकी
जैनहिंगेर नपुनिइहांजीवतजनकोऊकालधर्मलहिपु
तअवेर प्रियकेधोंहूषीसबप्रानिनिगतिअसियेहोति
इहिबेर १९ यहदिनसमरथगीधमुषपुरुषविदाकहैबै
न पुनिनिससमरथस्यारमुषतिनबिरमावनअैन २०
यथा हेअबहीतामदइतोरबिनेहघरीककरुइहिंबार
हैबहुविघनमुहूरतयह कहुंजीवैहूसबजीवअधार कं
चनबरनअंगयहबालक नहिपायोजोबनसुकुमार गी
धबचनसोंकेसैंतजिहौतुमनिसंकयाकहैंनिरधार २१
तेजेग्रंथविस्तारभयअरुइग्यारहभेउ लछोदेषिलषि
लीजियोनिजमतिसोंकबिदेउ २२ ब्यंजकपदकोअस
सौंरचतावर्णहुजानि असलछ्रक्रमतीनिबिघितातैंक
सोबषानि २३ अरुप्रबधमहिहोतवतबभेदएकपंचास
नीकीभांतिबतइयैहियमैंहोतउलास २४ अबपदको
असगनावेहैं प्रकृतिरुप्रत्ययकालअरुबचनपुरुषसंबं
ध उलटनितद्धितउपसरगसर्वनामपदगंध २५ अरुनि
पातबषानियेकर्मभूतअधिकरनु औरअप्रयोगभवकहि
पूर्वनिपातहिबरनु २६ रचनातीनिप्रकारकीतीनिसमा
सवताइ बरनसुमधुरकठोरमदुउतनेब्यंजकगाइ २७त
हांप्रकृतिकीब्यंजकतायथा रतिकेलिकलनिपटुअरु
नटीकरिअगपटीहरिलीहरज तबकोमलकरकिसम

52A

यकरिकैंपियनयनजुगलसुंदरतरजं तिहिंतीजनयनल
षिरमकिरुमकिगिरिजाधरिबदनसुधाकरजं परिचंचि
तजयति २ पहरैं नवचंद्रहनरदनकुदअबरजं २८ जयति
नपुनिसोहत्तइहांकंपनजरपिसमान तदपिअलोकि
करीतिसोसाईजयहिनिदान २९ यथावा सोहनिखात
हियेंसरसातमनावनकौंबहुबुद्धिबिसेषी पाइपरेहरिहा
हाकरेतऊतउनसौंनकहूंअलिपेषी नेंकचलेंउठिदोइ
कपेडहीधाइगहेगिरीनीबीनलेषी मेंहिनुजानिमनाव
तिआपुहीप्रीतिकीरीतिअनोषियेदेषी ३० गहेदोइइक
पेडुहीनीपुनिदोइइक हार संचारीसंजोगमेंयहउत्तकंठासा
र ३१ पहलेंआख्यातप्रकृतिजिधातुकीव्यंजकताकहीइहां
सुबंतकीप्रकृतिपेडयहशब्दताकीव्यंजकताहेयहबिसे
षजानिये तिङसुर्पप्रत्ययकीव्यंजकतायथा बनबनपेंड
पेंडकुलसेसुकचंचुचारुचमचमुतकरलीनिवेंकर दिस
दिसपवनलतानिनचावतअरुबाजतकोकिलसुरतर
नरनर नारिनारिप्रतिबिथुरतवुलसाइकनिकामकरु
र पुरपुरनईनिरत्तमानिनीमननिमानचरचारिसमर
३२ बिथुरनिसाध्यनिरचितिसिद्धतिङसुपव्यंगपबिराजे।
कप्रत्ययकरिपुनिअलीततात्रातिसयहेतसमाजे ३३ य
थावा लिषतआइकछुनुवहिप्रानपतिनाइसीसरहेषा
इठगोरी निराहारसबसखीनिरंतरओंसनीरनिनेंनक
कोरी पंजरसुकनिसबैंहंसिबोपढिबोदियछांडितुहंय
कुओरी दुसहदसाधारतितततातेतजिअबमानकठिने

अ०क०
५३
53

मनगोरी ३४ लिषतआइनतुलिंषतकछूतहैंतुवप्रसादप
एजेंनआइपिय बैठनहीतुवहिंनतुजुवमैंलिषतनबुधि॰
सांविरमावतहिय ३५ बेलनिकोचढिबोबसिबोपुनिगां
वकोसंगीसदाव्रषगोहै जानतिहैंपुरवासकीरीतिनमान
तिहैंमनरानियोकोहैं माननरपतिनीगरियानकेलतिहैंमा
लचितेमनमोहैं सोनेसंआगमैंपैन्हतिरांगअलीहमजो
हैंसोहैंअतिसोहै ३६ षष्टनागरियानकेयहसुअनादरमां
हि तिनदेषतअबहेलिहरिलैंहिसुंपेध्वनिआहि ३७य
हसंबंधकीव्यंजकताहैं पथावा पियपनउचितगोपीनि
कोपियअधरामतपान मुरलीनिजपरनेदनहिछिद्रधर
निकेजीउ ३८ इहांगोपिनहीकोधत्वपहव्यंग्य कालभत
भविष्यवर्त्तमानत्रिविधतहांभतकालकीव्यंजकता पथा
लोचनलालतुमाइहीदेषियेंपंकजकेंरंगलूटिसौलीयो
संततबेनबजावतहीरदनछदरसछूतहेरतहीयो रैनिहू
काननकेलिमचावतगातनिकंटकओसमबीयो काहेको
नंदकेनंदनअंकितआपुनपोअपराधसोकीयो ३९ की
योपाकूअरूपकौव्यंग्यजोतुमुपहैंलैंहीअपराधीहै ता
पीछेसामेंहैंआपयहअतिशयोक्तिअलंकारताकौव्यंग्यतु
मोहिप्रतिभयकीअधिकाईवाहिप्रतिप्रेमकीयहवस्तु
कालकीव्यंजकतापथावा ईसचापभजनप्रगटदसरथ
नपतिअगार अहोमनोहरहैभयोपहछत्रियाकुमार।
४० वर्त्तमानकौंभतकहियहरघुपतिकीउक्तिपरमरोस
आटोपकोंप्रगटकरतिपहउक्ति ४१ बचनकहैंएकबच

53A

नद्विवचनादितिनकीव्यंजकतायथा उहिचितउनगुन
गाहकिनउनहिनिउहिपेम उनबोलनिकोरसिकबरय
हपरिनामहनेम ४२ वेगुनवेअभिलाषमनवेबरतिनि
वेनेन वहहितबउहिभांतिअबउहिविधिजोसुषरैन
४३ यांपेमकोहितकौंएकवअरुअनेकौबहुवताकरिअरु
अनेकहहोहुपरिप्रेमएकरूपनिरुपाधिहेयहव्यंग्य पुरुष
कहेंप्रथमपुरुषमध्यमपुरुषउत्तमपुरुषताकेउलटनिकी
व्यंजकतायथा रबिअथयेघामसुमिटीबननजीवबहु
फल चलौउनहिबीननसेबैसिवहिकरेंअनुकूल ४४
इहांचलेंयोकहनचहियेतहांचलौकहतहमतुमनेरनही
यहप्रेमकीअधिकाईव्यंग्य तद्धितकीव्यंजकतायथा स
वेयाछेरसा बारहीबरसमोपडुवापुरबोपिनडोलतहैर
सिकाई देषिहीरेषिमनोभवरूपधरैरतिज्योंअतिहीच
तुराई राधिकआपुनीरंगअटाकेरुरोषैछदासेकटाछन
टाई घरीअभिलाषलुलेअंगगरानिपसीजतिरीझतिभीज
तिमाई ४५ इहांरयावनेअंगअंगककहियेतद्धिततशाष्ट
हेसोभाषामेंजेबनोहीतातेयहलेकेंअंगरानियोकहेउप
सर्गकीव्यंजकतायथा सवेया भोसबिलोकिनईअसुवा
निसेबेपुलकीपुलकावलिरेषै मंदहसेसबमेंदहसीसुम
लीननईवेमलीनहिपेषै चंदमुखीअपनेकरआरसलेमु
खकीसुषमाअवरेषै ताहीतेआलिनकेमुखकीगतिजा
नीपरैंबहुभांतिबिसेषे ४६ सुयाउपसर्गकोव्यंग्यजोस
खीनकौयाकेप्रेमअधिकहै सर्वनामकीव्यंजकतायथा

54

बाचीस नामतिवंतसखीनकी कंतसखीमयमरतिठांनी
बांहगही जुफुलेललगावनसोउनिकेपरसैंपहिंचानी बा
वरीजाहतुनांहिप्रवीनअहोउंगी आजुनयोंसतरानी।
नांकसकोरिसखीनिबिदाकरीसोछबिवोंहूनहीं बिस
रानी ४७ सोयासर्वनामकोब्यंगपजोवहबस्तुअनुभवगो
चरहै निपातकोब्यंजकतायथा देषतमुखनंदनदको
हियोहरायनैंन औरलसोउनिकोहियोपहईअचिरजु
ऐंन ४८ इहांहियोहरयोरु हियोलसोइहांरुयाचकारलपी
निपातकेअर्थसोतुल्ययोगिताब्यंगपजबहीउनिकोहियो
हरयोतबहीउनिपियकोहियोलसोतोतेंहियशन्यनभई
तातेउनिकोहियोरुउनिकोएकहीहैयहबस्तुब्यंगपजानि
यो वहतुम्हरोहियअधिबसततुमवाकेहियमांहि तुम
हीहैपूरनहृदयलहोंपैठिवोंनहि ४७ अधिकेजोगमैंआ
धारकोकर्मत्वहोतहै ताकोब्यंगपजुआपिकेतुम्हारेहृदय
मेंरहतिहैंचहूहमहिअवकाशनहीं अव्ययीभावकोब्यं
जकतायथा चेतकआवतकेतकजातकितेरहैंमरतिवं
तसनेले पूरनआनंदमंगलचार इहांपुरद्वारकामांऊस
केले बामसिरोमनिसगममैंप्रतिमंदिरमुरिमनोरथमे
ले खेलतएसंबितेदिनयेजिनहींदिनवाब्रजबीथिनखे
ले ५० इहांप्रतिमंदिरयअव्ययीभावकोब्यंगपजुएकहूमं
दिरबचनहीयांमांतिमरतिप्रगटकीनी पूर्वनिपातको।
ब्यंगपयथा आनंदकेअतिभारनेरैंमनमलिगईअगिली
पिछिलीजे चित्तमहाचतुराईनरेसुकसारोसबेसुधिघा

54A

रईजे श्रीवृषभानसुधाहरिसंगकुतूहलकेलिकथामधु
रीवि भोरसखीनकेनैननिमांझगई निसकोरंगछायोअ
लीघ ५१ वृषभानसुताकोप्राधान्यकरिपूर्वनिपातहैता
कोव्यंग्यविपरीतरतादिकजानियो दोहा गुनप्रसंगरचना
बरनधुनिकहिहैंदरसाइ अरुप्रबंधकोव्यंग्यलषिलेहुप्र
बंधहिंजाइ ५२ गुनियेइकपंचाससोंभेदजुइकपंचास
हेहजारषटसतरुइकबिलसतभेदबिकास ५३ एकना
तिससाषुअरुसंकरतीनिप्रकार तिनहिंचौगुनेकीजियैं
अलंकारमतसार ५४ भेदइतेतबहोतहैंदसहजारसत
चारि ऊपरिचारिचारिबताइयैभेदनिलेहुबिचारि ५५
सुद्धभेदइक्यावनेतिनसोंसंजुतलेषि सबपंचावनचारिस
तदससहसअवरेषि ५६ जहँनिरपेषीपरसपरउभैरह
तइकठौर सोसंसृष्टिबताबईकबिकुलकेसिरमौर ५७
जहांहोइसंदेहअरुअंगीअंगबिचार अरुव्यंजकजहँए
कहैसंकरत्रिबिधउचार ५८ संसृष्टियथा रूपकीबारी
बईगुनबेलिमनोमनवसोकतदेषनपाइयै भागनिआई
तिकेतनमैंछिनएककीपाहुनीलाउलडाइये ताहितिहा
रीबधूकछुनाष्योकिबारलगीहगआंसुनिछाइये काहे
पोंकाकूरूठाइयैसोबलिजाइयैआपुमनाइयेलाइये ५९
यथावा आजुभयोघनस्यामउरैसबआनदअंकुरयोउ
लहैंगे पोंनचलेजलसीकरसीतलकुंजकेपुंजबिकास
लहैंगे नभिमरीडुबचारहरीतनतापमिटेअबयोनस
हैंगे पूरनदीनदगांवरवानोबगोधनहीकीटरीनरहैंगे १

ग्र०क० इहांगुरुजनसमीपगोवर्धननिकटनगरनागरीप्रतिगिरि
५५ कंदरासंकेतमेंवैठश्रीकृष्णकोंविनवेहैसखीदेवागतम
घेकछलसेंसोवाच्यार्थप्रकटहीहै तहांउद्दीपनविभा
55 वतुल्ययोग्यताव्यंग्यहीहै कृष्णसंकेतबैठेमेहऊनेअरु
मेघसोउपमाव्यंग्यहीहै अरुवरषाऊमेघवताएतातेंवा
गिअभिसारकरोयहव्यंग्यअरुठनमिहरीयाकहेसोपाइन
कोंखेदऊनहोइगोयहव्यंग्यअरुनइगांवरवानीयाकहि
वेसोंठोरठोरनरनारीजीरहेयहवस्तुव्यंग्यपूरनदीकहे
सोंजमुनातटहूसंकेतनहीयहव्यंग्यतातेंगिरिकंदराही
अभिसारकीजौयहव्यंग्यइनसबनकीसंसृष्टिहै यथावा
हरीहरीहारहराहरिकुंजधनीकरलीनिहलावतथारें
चंदनगंधकेंलालचसोंमलयाचलदीहदरीनिकोरें
चाइनेरेचटिऊचेमचाननिजकरसाजनधानपिछौरें
येमधुपोंननकीलहरीतिनकेतनकीलमबूंदनिचोरें
५७॥ इहांअनुशयानाकोंप्रमोदनअरुविरहीनकोंमधु
पोंनसोंत्रसपा इनदोनोव्यंग्यकीसंसृष्टिहै संकरयथा
होपदमिनियहकुमुदिनीतुममधुसूदनमत्त वाहिवां
मलोचनसुषदहक्किनहमहिउमत्त ६० इहांहमप्रतितु
म्हारोअनुरागवहुतहै जातेंहमहिदक्किनकहेउदारलो
चनदेषिवोअरुसुषदहोवाहिप्रतिअनुरागऐसोनही
जातेवामकहेंअपूर्णऐसदोषवेसोंवाहिसुषदेहोकहै
सुषहत्तीहो इहांहेतुअलंकारव्यंग्यहेजातेंहोपदमिनीव
हकुमुदिनीवासोंवहघटिहीहै अपवाहमनाउहीसोप

55A

द्मिनी है अर्थसों नांही नही तातुम अनुरक्त होत ई अरु वहना
मही सो मुकुमुदिनी है अर्थसों नांही अन्य पो आसक्त न हो
ते इन दूनो व्यंग्यन को संदेह है अरु रूपकसों हेतु व्यंग्य है अ
रु मधुसूदन भ्रमर हू है ताकी दूनो ठोर प्रीति है तातें काको दो
ष नाही पद्मिनी ही को दोष है जु प्रात फूलि मिले है पह मधुसू
दन पर व्यंग्य बस्तु ताको व्यंग्य रूपक तिनको अंगागि भाव सं
कर है ऐसें मधुसूदन मत्त नही है के हंसरात नही है पा स्वभावो
क्ति को दृष्छिन दृगपद्मिनी प्रबोधक सूर्य धाम कुमुदिनी प्र
बोधक चंद्र है या व्यंग्य को दृढ़ाए कमधुसूदन पद ही व्यंजक
है अरु दृष्छिनके हैं सरल अवलोकनि सों हम सों अनुराग न
ही बामके हैं कुटिलता सों उहां अनुराग है या वस्तु सों मधु
सूदन स्वभावोक्ति व्यंग्य है तातें तुममैं विवेक नही तातें तुम
सों कछु न कहिये यह आक्षेप व्यंग्य है इन दूनोनकी संसृष्टि
पुनि है अरु गर्व धैर्य ग्लानि दैन्य निर्वेद अवहित्थादि सारि
व शावल्य है इहिं बिधि यधुनि काबिके सिगरे भेद बताई
गुनीभूत व्यंग्यनि कहत सुनहु सबै कबिराइ ६१ इति श्री
महाराज श्री जयसिंह भूपाल वचनाज्ञप्त कबि कलानिधि
श्री कृष्ण भट्ट विरचिते अलंकारकलानिधौ ध्वनिभेद नि
रूपणं नाम षष्टी कला ६ अथ गुणीभूत व्यंग्य निरूपणं
प्रगट अपर को अंग अरु वाच्य हि पोषक होइ कष्टगम्य संदि
ग्ध अरु व्यंग्य वाच्य सम कोई १ काकुगम्य अमनोज्ञ अरु आ
ठहों हियै भेद उदाहरन अब बरनियैं सुनत जात मन खेद २
प्रगट यथा ग्रीषम भान षियोग रहोत पिपैलत आतप अं

अ०क०
५६
56

गनिमांही काहूकलानिधिकेबिनदेषेंचकोरी ज्योंघास॰
नितापतचौंही ब्योमधुंवाबिधुबिंबहुतासनज्वालजुझा
ईफुलिंगहूज्योंही तामधिआलीअबेलपरीचकईज्योंति
सासबजीवतनाही ३ इहांजीवतकोजीवनाभावबाधित
तातेंकष्टजीवनलक्षसंतापकोआधिक्यब्यंग्ययहअर्था
नरसंक्रमितबाच्यध्वनिअगूढजानियो अत्यंततिरस्कृ
तवाच्यध्वनिप्रगटयथा तुलसीतजिनीरहिकोकनदा
वलितामधुबारिपरागनिगोरे गावतहैंअलिमंजुलबान
सेमोनकीबापिनमांकनथोरे औरप्रकासतहेरबिमंडल
मानौमयूषमहावरघोरे चुबिरसोउदयाचलयोंसमैजा
गोकहीकरिकैतनिहोरे ४ इहांचुंबनबाधिततबसंयो॰
गमात्रलक्ष्यप्रातकीअधिकाईब्यंग्यसोप्रगटहीहै इहा
मईफनिपासबधबिधितुबेस्वराहिंसैहषीलगो सोंआ
निपहनुमानद्रोनगिरिमहाबीरबलपूरलमगो इहांलषन
केसरनिपठाइयसमरइंद्रजितजंजिसुरगो किहीइहांपु
निरकसपतिकीसीसमालकरियरिसजगो ५ किहूंया
कोअर्थशक्तिमूलवस्तुब्यंग्यमैंयहअर्थताकोब्यंग्यपुनि
नाइककीधीरोदात्तताई अपररसादिकब्याबवारणता
कोअंगरसादिलक्ष्यक्रम अपरअंग्यकबिताहिकहतहैं
राहरनसुनिजाइसबैभ्रम ६ अतिसुंदरकोपमैंजैसोल
सैमुखसौनप्रभाबिनकोपलसी दिनकोपहीकोपकरो
किनकामिनिरेषोचहैंनंदनंदरसी उदयाचलऊपरपू
रनइंदुकीइंदिरालटिलईसीबसी इहिंभांतिसखीमुख

56A

बैननिकैसुनिबालबिनोदबढाइहसी ७ इहांबिप्रलंभरा
सकोअंगहैमुग्धपेरिहरमानमनमानहुपियजनबैन अं
बुजदलजलबिंदुसमजोवनजानहुऐन ८ इहांशांतबि
प्रलंभकोअंगहै यहसोईमनोनवबानतेआगेरोमेषला
केगुनतोरनवारो पीनउरोजनिऊपरगाढनखछतरा
नकोरछनिहारो नाभिहियोदुहूऊरुनिछेजघनस्थल
कैरसैलतसुखारो नीबियेपुरनायसुकुवेषारहैरंगम
हेवाकरतपकेभारो ९ इहांशृंगारकरुणरसकोअंगहै
सगरमैबिजयीकबआइकेंसंगरमेयहध्यानबितेगो
आधिबिहनोनिछोछोबिछोहदेदारुनदुषवरबानलदे
गो मेरीकहीकछुमानीनहीअभिमानीसहीतनतापनि
नेगो कामकोबानलग्योईरह्योपियरामकोबानसुतोअ
सुलैगो १० यथावा रंगिपतलोनितसरसलपटाइरतिरव
रजलभीजिअंगरागजोलपटतो जोहीजोंतरफरातता
रैचितधीरजकोअतिहीचपलजेसैंनीबीकेंफेपटतो दे
बोयहकोनबिधिहीकीबिपरीतताअनुतापहिबढावतजो
तापतनमेटतो परस्परजोपाभुजमेटेभुवआजुमनम
स्पसरलेवोजोहमारोउरमेटतो ११ यथावा सगरैरोनि
रमेतुवसंगरसमेअतितोरजरंजितनारी तोहितसाहिब
आजुतजीहमसोवततोहिअलिंगनकारी तरएनईबर
अंगनकाहूकीनाहकनाहकोसीसउतारी जातिसबेह
मसाथसतीभईदैअबतोकिनसैगतिहमाही १२ इहांऊ
शृंगारकरुणाकोअंगहै अतुलईसकेभाबनयनकोरुचि

सेंमनुजावकरसटारी गिरिजाकेजुगचरननखनकी॥
जोतिहोहुनितमंगलकारी अकसाअकसबटाइबटी
जिननैननिचटीकांतिरिसबारी प्रातकोकनकमध्यनु
लाकहंसरसएकछिनमोंऊभसारी १३ इहांमहादेवपार्व
तीबिषयभावकोअंगरसहै ऊंचेऊंचेअचलअनेकचहुं
ओरपरेसोहीसातोसागरसरितसरसोनहैं तिनरतनैन
कोंधरतनहीहारतिसुतोहिनमानमोकेरहतनहिकोंनहैं
ऐसेंअचिरजकरिबारबारअवनीकोजालगुप्रसंसहिं
जेकबिताकेमौनहैं तोलौंरघुबरयाहिघरैंधीरावरे
ईसुजसुमिरतनईबानीसबमौनहै १४ इहांनबिषयर
तिभावराजबिषयरतिभावकोअंगहै बेरिनकीबनिता
निबेदिकरिपेषततिनकपतिनिबावरे तुवभटतिनप
रिंभनतचुंबतप्रणमतपूछतगहतधावरे मेअरितुमहिं
प्रसंसहिंरघुबरहमरेसुहृतनिलपियरावरे बिपति
गईसबअबकीजियेउचितहोइसोमहाभावरे १५ चा॥
मकतचहुंदिसअतिकरालकरवालदामिनीकंपनिसों
बिकटललाटपहंजुदिपतिहिंकुटिलभ्रुकुटिलकंप
निसों सुभटठट्टतरजनिगरजनिअतिदीहप्रबलदल
चंपनिसों तुवसत्रुनिमदकलगइपदिषियनहितुवह
यखुरपुटमपनिसों १६ चंदमुखीमृगलोचनीनारिनसा
यप्रमोदप्रवाहनिधैठे तोअरिज्योंहीकरैंमधुपानहिसा
तएखंडमेंचांदिनीबैठे औरप्रसंगहुकेतुवनामतहांकि
हूंलीनातबेअतिऐठे कीनीदसाबिषसीबिषमेंसबराघ

57A

वरावैरंतेजअमेंहै १७ इहांराजबिषयरतिभावकोअंगत्रा
सरूपीभावकोउदयहै सहेंसबरषबीतेजुत्रपणीहेसहि
नहिसकतनासुतपजाल ओरसेलतनयाकीबाननिप
रमरसिकपगिमएरसाल बेनकपटबपुमेघत्रिपुरहरदृ
ष्किरततिहिबरदमुवाल लरासिथिलतातुरुहिनिगुमंतु
हिहेतुप्रमोदबालबिधुमाल १८ इहांमहारदबिषयरति
भावकोअंगआवेगधेयदुहुंभावनकीसंधिहै कहूदेषत
कोऊअरेअतिचचलकेनलरहमआहिकुमारी हायस
हारोऊदेहहहायदकोनअनेकहिजातितुम्हारी ऐसेमहा
बलीरामनरिदतिहारेबिपक्षकीप्रानदुलारी काननवा
रीफलदलफलनिमारलियेकहेकाहूसोमारी १९ इहांशं
काअसूयाधतिस्मतिश्रमदैन्यबिबोधजडुकताइनभाव
नकीशावलतारजरतिभावकोअंगहै कंचनमगतष्णाम
तिछाइयजनस्थानअमिअमिअकुलाइय दरदरदरबे
देहिबचनमुखश्वासधारनिसहितबुलाइय कपिनसंग
पहिचानिकरियअनुचितदसमुखतनदृष्टिदुलाइय।
इहिंबिधिरामनयोहांजगमैंकुसलबसुतातअनघरला
इय २० इहांशान्तिमलरामसोउपमानोपमेयभावबा
च्यकोअंगहै यथावा पंकजपरागसनिमएहोसरागतन
चंपककेबागअनुरागबीजबयेहो मालतीनिमेलिमनके
लिकरीकेलिबनजापबेलिबनमएनएनरहे सेवतीके
सेवनसदाहीरहेसादरगुलाबकीगलीहूगुनगाहकसे
गयेहो तपतीकेतिरपरिरेबाजबेनीरतारलीनेभोरजो

अ०क० रयोंसमीरछबिछायोहै। २१ इहांनाइकवृत्तांतशब्दशक्तिमू
५८ लसमासोक्तिरूपपवनवृत्तांतपरआरोपितवाहीकोंअं
58 गहै सगरीरजनीहिबिताइकहूअतिसीतलअंगउदोत
भयो बकुनांतिबियोगबिसरतिसीनलिनीकहूंआइदि
षाउदयो मुखखोलिइहींदिननाइकसोंअलिनारनिंदति
उराहनयो सुहैरैंहीहैरैंअपनेकरसोतनुरंजततासुबिला
सछयो २२ इहांनाइकानाइकवृत्तांतअर्थशक्तिमूलवस्तु
रूपसमासोक्तिरबिपद्मिनीवृत्तांतपरआरोपिताहीको
अंगहै बाच्यसिद्धिकोअंगजथा अमितउपजावतअरति
बढावतआरसकेबसहियहिरहावत प्रलयउपावतध
रतमरछुहितमहिकरततनदुषहिसहावत पुरवाईकुं
कारतडितदृगजलदभुवंगमबिषहिबतावत तिहिंबिष
धारबियोगिनीनकैंमरनचेतनहिचेतलहावत २३ इहां
बिषजलकोनाउहैताकोव्यंग्यहालाहलसोजलदभुजं
गयाबाच्यकीसिद्धिकरतहै। पर्यायोक्तगोरीगवारि
गुबालिनिचेकतरूपमेरदधिदानी मोहिकहांउनकोव
हसंगमकाहूहियैंभ्रमहीभ्रममानी येंगुरुलोगसुनाइ
कहैतियआलिनहूअपनेउरआनी लोकलकपोलभरी
पुलकावलिताहिकुठावनकोदरसानी २४ इहांपुलकाव
लिकोव्यंग्यप्रेमसुताहिकुठावनपावाच्यकोसीद्धिकरतहै
पर्यायो मुखमहताबदिपैरुनीदुतीअबानुइवंपापटओ
हैजालधरबारलाईहै भषनसमाजसाजीकेएकआत
सबाजीदीपकजेंवाहरकीजोतिछबिछाईहै जितजित

58A

देषियततिततितपेषियतपूरनप्रकासमअाकासमासना
ईहै कामकीसीसालाएचीरघुबरभूपतहांदेषीदीपमा
लानवबालाबनिआईहै ३५ इहांतीनितुकनकोव्यंग्यन
वबालायावाच्यकीसिद्धिकरतहै कष्टगम्ययथा नमि
लेंलालचवरसकोमिलैंबिरहकीभीति मिलेनामिलें
हूनहीसुखतुमसोंइहिरीति ३६ इहांज्योंमिलेंरहोअह
बिरहकोभयनहोइसोकसोचहियेयहव्यंग्यअस्फुटहै
संदिग्धप्राधान्ययथा चोकाचमकदमकमडुमुसकनि
रमकरूमककलकावलिमोचन ऐपनआंडलिलारलस
तजहरंजनकरतरुचिरुरुचिरोचन बिंबीफलसुंदरम
धुराधरनिरषिवंदकजनिचितसोचन राधिकमुखपर
करतमावरैंलालबसरिलालनकेलोचन ३७ इहांचुंबन
कीइंछाव्यंग्यअरुनैननिमावरैंसरिबोवाच्यइनदूनोनको
संदेहहै यथावा इतेबिरहाकुलव्याकुलबालबिलावति
बासरनीठिबिहाल इतेपरतबदरानितमोहिडरावततेल
बिजुरीकरबाल उतैनवआनंदकेनिधिआपुबदेहुतितें
तुममोदबिसाल उहींरिपजाकुचलेनितहीजितविपिय
गोबिंदलालरसाल ३८ इहांतुमेंदेषिअबधिकीसुधिहोइ
व्यंग्यअरुवाच्यइनदूनोनकोप्राधान्यसंदिग्धहै तुल्यप्रा
धान्ययथा होइरहेरतिसंगरअंतमेंमोहतेलटिलईसषि
काई सोंअतिलोलककाछुरहे यकिनेननकीनिरषीयि
रताई मानोमनोजजतारिधलोनिजचापजबेलषीजाति
लहाई छाडिदईनलकीबहुसाधिकेबाकीबचीसुनिषंग

अ०क० दुराई २९ इहांउतप्रेक्षाबाच्यउप्रमाव्यंग्यपैदुहूसमप्रधा
५९ नैहै काहूगम्ययथा काह्नकेमुखचंदसुधामधुरीमुरली
59 धुनिकाननआनिहौं नैननिमांझनरीगुरुलाजसमेतव
है कुलकानिनमांनिहौं चित्तचुभैईमनोमवबानओवापि
पनेहकीआननमांनिहौं कोकछूकहौकिनरीतुमदे
तिसीषवैहेहितजानिहौं ३० इहांकाननिआनिहौंईइस
दिव्यंग्यकाहूसौंपाइये अमनोज्ञयथा वाजमुनातटमा
धुरीकुंजलतानितेंएकहीसाथउडाने मत्तबिहंगनिकी
नोकुलाहलसोसुनिकैतियअंगजुडोने रीझतमीजत
औरपसीजतआरसमारखरेईखुडाने कीयानजातक
छूगृहकाजमहामहरेरसओघबुडाने ३१ यथावा कूल
कलिंदीकेकुंजकदंबकेबैठोमुरवाबिनपावसकूके कौ
हूउठेपियपीयपुकारिगहीघांसमहूंपपीहनहूके बाधु
निकोंसुनिकैमनमोहबटोगहूकाजसबैचित्तचूके हाय
नैंमहरातनभाजनटोलनएअंगगोपबधूके ३२ इहांद
त्तसंकेतपियकुंजमैंप्रबिष्टभयोयाव्यंग्यतेंबाच्यहीको
चमत्कारहै यथावा जानतिसयानआलीमानमनआन
तिहौंमांनतिहौंसीषजेसिषाईतुमआजहैं धीरजधरति
औअरतिमनमथहूसौंकरतिहौंआयैनरीतेहकैंसमाज
हैं तौलौंसिगरीयैसुधिबुधिहियराषति हौंआवतनजौ
लौंनंदलालरतिराजहै देषतहीउनकेंपैलागिजातिनैना
अनुरागिजातमनमेरोभोगिजातिलाजहै ३३ इहांप्रियके
रूपकौआधिक्यव्यंग्यतातेंबाच्यहीकौचमत्कारहै ध्वनि

59A

इनआठनिसौंगुनौंभेदकुसेचालीस औरतिरासीसहेस
हैंदेषिलेकुकबिई ३४ नगरिगाजजुतपछअहरचिहय
रितुरजनीस गुनीमतेकअंककोंदेषिलेकुकबिईस ३५
इतिश्रीमहाराजजयसिंहबचनात्मश्रीछलकबिकृते
१०४५५ अलंकारकलानिधौगुणीमतअंगनिरूपणंनामसप्त
१६७२८० मीकला ७ चौपई सबदचित्रअरुअरथचित्रजोप्रथ
८३६४० मदोइबिधिकाव्यबतायो गुनप्रधानकविताकीबरत
निचित्रअरथसबदनिकबिगायो १ तातेलछनलषिजि
निजानोयहबुधसुकबिसमर्थ अर्थचित्रमेसबदअचि
त्रहसबदचित्रमेंअर्थ २ औरठौरहूकहेंहे रूपकादिअ
लंकारसबदकोऔरनिबहुबिधजान्यो सुंदरहूजेसेंबिन
मंडनबिनितामुखनबषान्यो ३ रूपकादिअलंकारबाहि
रोऔरनिपुनिमनमान्यो आंछेसुपनिउअलंकारपुनि
सबदनकोजुबषान्यो ४ सोयहसबदरचनचतुराईअर्थन
योउरआन्यो सबदअरथअलंकारभेदतेउभयरहकरि
मान्यो ५ शब्दचित्रयथा काननकुरंगपरसरजतुरंगप
रंजगपरहोतजबखेंचिपततगबर कोरिककुलंगपरअं
बुदसुरगपररजनेरेंगपरहनकीकुलंगहर रीझिगुन
गानपरदेयेहयथानपरजयसिंहमोजनकेराजेकबिया
नघर नटकीकलानपरचारुचपलानपरबेगनेरवानप
रतीनतानपवमानपर ६ इहांवृत्तिअनुप्रासहेलछना
आगेकहेंगे यथावा नृपबिसनेसनुवजयसिंहनृपरीने
ऐसेतुरीतिनकीबतावेंतुलाकोनसो सरजकेसातहूनद

अ०क० छिदरसातसरसातहयबासकें एकेंगरूटगोनसों जकरे
६० ढुबागनिसोंअकरेकरीनिमालपकरेनजातकरछूटेन
रसोंनसों मनदूनसंगलेतसंगरमेंरंगलेतनेंकुहीकेंत
60 गलेतजंगलेतपोंनसों ७ पथ्यावा कोटिखलखंडेजिन
बिघनबिहंडेमोहतिमिरउदंडेहरैंदेतआनबरकोंम
धिब्रह्मंडेजसजोतिखंडखंडेब्रसंतमसोंप्रचंडेजीते
लेतदिनकरकों घनज्योंघुमंडेरहैंआनंदअखंडेजोग
ध्यानकोनछंडेसुषदातासुरनरकों मुनिकुलमंडेजिन
मुनीमारकंडे देहुमंगलउमंडेदसरथ्थकेकुंवरकों ८ प
थ्यावा सघननिकुंजनमेंलतानतकुंजनिमेंपछपसकुं
जनिमेंसांकरीदरीनमें बनमेंअवासनमेंमोहरानिवा
सनमेंआनंदबिलासनमेंमेहकीझरीनमें अंधियारधा
मनिमेंछलपछजामनिमें ग्रीषमकीधामनिमेंगरबारेग
रीनमें चेतचंदचांदिनीकेचाहिबेकीचाहजनरामचंद्र
कीरतिपटैसुनधरीनमे ९ पथ्यावा आजुदसदेहकेउछा
हकबिलोकतुम्हेंदेतहैंअसीससुनिबेकोंसावधानहोहु उ
मरिदराजमारकंडेमुनिमानहोहु कीरतिप्रतापससिसूर
जरवोंनहोहु पारथज्योंबीरजगजानहोहु जयसाहचित्त
केप्रमाननित्तबित्तकेषजानदोहु बाजतेसादानहोहुदेस
अवादानहोहुरंगभरेबानहोहुसाहिमनमानहोहु १० अ
र्थचित्रंपथ्या बालमृणाललताकमनीयभुजाउरआनद
गेहअरोहति सारदसारसुधाकरमंडलआननकीछबि
सोजगकोहति सेतसरोरुहकाननलोचनीजेंन्हमईम ९

60A

दुहासनिमोहिते जयसिंहसुवालमनोहरकीरतिकामिनि
सोंअतिसोहति ११ यथावा इहांरूपकालंकारहै यथावा
सोहतसदाईबिधिआननकमलबनगंगाकेतरंगनिकसं
गबिहरतहैं बैठेजाइऊंचेहिमगिरिसिखरनिपरहेमणि
रिउपरबिहारनिकरतहैं नित्तअरिकिंत्तिमुकताहलचु
गतपियेमानसरपानीहीयेंआनदभरतहैं रामचंद्रभूमि
पतिरावरेसुजसहंसराजेतिहुंलोकअरूपछहिधरतहैं
१२ इहांरूपकश्लेषसंकीर्णहै यथावा मानसरछांहिरा
जहंसनकेबसदोरेंदेषिदेषिमुहदुहसाहरकीहनकों॥
चेतचंदचांदिनीहिचाहिचाहिचाचरहिंऔंचरहिनोचहि
चकोरचित्तचेनकों राममूपगावेगिरारावरेसुजसताहिदे
हदेहमागतनेसमषलैनकों गेहगेहमुकताअंबएहफ
लीलपिलेहलेहललनाअलीनकहैंबैनकों १३ इहांभ्रां
तिमानअलंकारहै यथावा जंबूदीपछांडदीपदीपनि
मेंजाइमोहिगहिबेहेगेलछीरसिंधुपैलेपाजकी लोका॥
लोकधाइकुलसैलधरिपाइदिगदंतिनदबाइजेहोपुरी
सुरराजकी तातेंकहीजातिनातेरोकीनरहेंगीवत्तपसार
तनुजापरिरंननइलाजकी सुरसरितोरेंजिनिमेलैरतना
करतकीरतिहोअछरामचंद्रमहाराजकी १४ इहांभ्रांतिमा
नअलंकारहैं यथावा मंजुलबिमलमुकतानिमेंकरति
रुचिकीयेंसुचिमानसनिबाससमरसाईहैं दोनोंपछऊजरे
धरतिकलनादकीयेंद्विजनिकेहीयेबहुआनदबढाईहैं
हंसजनधोषेंकतसरसुतिमातमोपेचढ्याईचहतिसबकें

परसुहाईहै रामचंद्रनृपतिकीकित्तिमुहिजानिबिधिलो
कनककआईबिधिचालेंमुखगाईहै १५ इहांऊआंतिमा
नअलंकारहै यथावा गंगाकोप्रबाहजानिसीसपेंआना
वैपांनिकंकनबनावैजानिभोगभुजगसकेंा सीतभान
जानिभालऊपरदिपावैअंगअंगनिलगावैजानिचंदन
सुदेसकौ बिसदबिसालदिगबारनकीपांतिजानिसोह
तदिगंबरकौअंबरहमेसकौ दसरथनंदबलीरामचंद
नृपबरराबरोसुजसकेंाधौंमंडनमहेसकौ १६ यथावा
कब्यं प्रगटमहीतलमेरितुरगसिरहीरकिरनभर ग्रहप
तिग्रहताराकिसवैअनुकूलबसहिंघर दौलतिजेबजरा
इजगहिंजगमगहिंजेवाहर दीपदानदीपतिबिधानदीप
निलोंजाहर कबिलालकहियकोबिदसुनहुसीजयसिं
हनुवालभव तुवसत्तदीपततआजुपुनिएकतकित्ति
प्रतापकुच १७ चौपई जदपिबिभावादिकबर्णनकरिस
केकाबिरसहीकोंचाहत तदपिप्रगटरसरहितमेंदेक
हिअव्यंगधर्मअवगाहत १८ सबदअर्थलंकारमेंहते
तेपुनिभेदबहुतपहिचानें अलंकारनिर्णयमेंतिनकों
सबस्वरूपकहिहोंपहजानें १९ इतिश्रीमहाराजज
यसिंहबचनाह्लसश्रीहृसलकबिहतेअलंकारकलानि
धौशब्दार्थचित्रकाओद्देशोनामअष्टमीकला ८ ॥
अबगुणनकोस्वरूपकहतहैं दोहा ज्यांआतमकेअं
हिगुनबीरतारिबहुमान त्यांरसअंगीकेधरमजेलखे
निदान १ अचलस्थितितेहोंहिगुनअरजेअंगदुवार

6IA

हारादिकज्यों करतहैं अंगीकौउपकार २ अनुप्रासउपमा
दिसबअलंकारतेजानि इत्तनेहीमैंपरसपरभेदइन्हेंपहिं
चानि ३ बाचकद्वाराअलंकाररसकौउपकारीयथा ये
हेप्रानआनंदनिदाननंदलालपियमंदमुसकानिबनिता
निसुखदानिरी कोटिमैनमाधुरीबिलोकतहीनैनचैनरो
कतहीअंचलसोंहेलहितहानिरी कबकीमनावतिनमा
नतिमनीकेमनमानिहैमनोजकेरघोजुबानतानिरीमा
नहूसोंमानकरिजानतिसुजानपनोमानिनिअनोषाइन
कीतौआनमानिरी ४ यथावा याइनेरप्यारेमुखचाहिन
सकतचषहोतिजहांरातेदुहूंनैननिकाककी जोंहूनिकेल
गसंगअजहूंभ्रमतमलेबरुनीबिहफिपलकनिकेंधकाध
की केसरिकेंषोरिआइलीनिअतिछाइछाइछबिकीछटा
निछिनछिननिछकाछकी कुंडलझलकप्रतिछलककं
पोलतलअलकचिलकचकचौंधनिचकाचकी ५ बाच्य
द्वाराअलंकाररसकौउपकारीयथा संततसुहागसलील
होब्रजईससीसचंद्रिकातिलकरुचिरंगनिरंगीरहैं चंद
नगुलाबघनसारअंगरागतहीअंगअंगपातसकेप्रीति
सोंपगीरहैं तहींबनमालपटपीटतविसालतनबंसिका
रसालतहीमुखसैंलगीरहैं तोबिनबनैनबनमालीके
बिलासउननैननिमैंतहीदिनजामिनिजगीरहै ६ यथा
या कोरिकजैवाहरकीजोतिइकठाहरह्वैजालिनकेबाह
रनमाहरसीहोनहैं सोरनकैंफैलनरे नोरगलीगैलछिा
तिछाईछबिछैलउपमाकैंमनमोंनहैं कधौंकामआर

62

सवैफलाफलसारसकैंसारदसुधाकरकेसुषमाकोसों
नहैं पखोजिपधोषैंपिअपैंमपूरपोषैंइहिंकंचनफेरोषैं
लषिलीजियहकोंनहैं ७ कहूंनीरसमेंअलंकारउक्ति
वैचित्र्यहीहैंरसकेपोषनहीं यथा मकरेंदआरिरासि
संक्रमकरतहिमकरकोंमहिमकरमैंटतपिकरई करक
रकैरैसबसंपतिसुकरकरकरषैरेआपसोदिबारिचिक
रई करारे २ कलिकलुषआकरतमकारेकाकलोकनपै
करतसिकरई सुमनकोंआकरकमलाकरबिकासकर
दिनकरनिकेनिकरनिकरई ८ दिनकरकिरनबुहारिनि
बुहारियतऊंचोननधोरहरबिसदबिसालाहैं तहांबिधि
चतुरफरासचहुंओरचारुचांदिनीबिछाइकरीदोलति
कीसालाहैं तापरनिहारेअतितेजमेरेतारेतईबैठेमत
वारेनहिंऐसोकहूंप्यालाहैं सुधासुरापूरितजैवाहर
कीसीसीससीतापैंअंकइंद्रनीलमानिककोप्यालाहै
९ काहूंछतहूंरसकोंउपकारीनहींयथा कुंडलकेठा
टमोरमुकुटकैंघाटअतिलपटलिलाटतटलुकुटीनि
हटिगो नैननकेंनाटनटिपलककपाटउटिपीतपटया
टपटिकटिसोंलपटिगो उरकेंउघाटगरमालनिकेडा
टपलोकीयकोटिकाटछबिजालनिसोंजटिगो मोमन
अटकिनटूअटिगोनिराटवैहींबंसीबटबाटबटपारस
गबटिगो १० यथावा मेोहकीचटावनिमेंचोपकीबटाव
निआननकटावनिमेंघूंघटकेपटकी फपटिउठावनि
मैंबातकीगुठावनिमेंहूतीकीहठावनिमेंकोठिककपट

62A

कीप्यारेपाइपारनिमैंमाधुरीअपारनिमैंसोभासिंधुपा
रनिमैंमलिनलिमटकी लटकीअटनिलपटावतहीछ
येभ्रानअटकीअनोंटवांकेंचंद्रिकामुकटकी ११ कहूं
वाच्यालंकाररसोपकारीनहीयथा मित्तकहूंगयेमजा
नकौंबनऔंननबांधिजोआधिमलीनो मोरेपुकारन
लागेचहूंदिससारसीधाइकेप्याटिगकीनो तिहिबारबि
योगनसोंचकवासुमुराललतातजिदीनोनलीनो मनों
मुषराषीहैआगरद्वैनिकैसेजिनिप्रानकहूंदुषछीनो
१२ पहलेटकारछरकोंअनुप्रासअनुप्रासछतहूंश्रंगा
रकोंउपकारीनहीफेरिमुराललताकोंआगरकीउत्प्रेक्षा
प्रस्तुतश्रंगाररसकोंउपकारीनही जातेंमुराललताजीव
रोकिबेकोंसमर्थनही समर्थहोयतोजीवकोंरोकिबोबि
प्रलंभकोअपकर्षकहीहै जातेंबिरहमेंमरणहूसहिबे
है दुहूंठौरबाचकअरबाच्यताहीकौंउपकारीहैअलं
कार दोहागुनालंकारविभागकों जेसमवायसंबंधसों
रहहिंसूरतादि तेईगुनाकरिजानियौकहतबिबुध
उदारि १३ जेसंजोगसंबंधसौंरहहिंहारेदेंआदि अलं
कारतेजानियोंयहैबिभागअनादि १४ ओजप्रभृतिअनु
प्रासआदिदुहुरहतएकसमवायसंबंध यहजुकहो
काहूइकनरनैसोनहिजानतकछुमतिअंध १५ काविसा
मकारीजुधर्मगुनतिहिअधिकईहैतुअलंकार यहनही
जातेंसबगुननिकिकितनिकरिकेविनाव्यवहार १६ सब
निकहतअसमस्तगुनातवगाडीअरुपंचालीरीति काबि

63

नसहोइविवेनिकहतपुनिआवतऔरचित्तमेंनीति १७
यथा नहदहलिगअहअहजहदहलिगहद नहजह
डुंडहलषिफहदरहिसुनह १८ ओजगुनछतेयहो॰
काव्यहोइजाई अरुगुणविनाहीअलंकारकाव्यव्यवहा
रकेप्रवर्त्तकहे यथा लोचनचकोरदुषमोचनकरनका
जकोरिद्धिजराजसमराजतबदनहे परमबिरहजुरह
रनप्रवीनतरअधरमधुरसुधारसकोसदनहे तीछन
पैवरछीसतिरछेकटाछनिसोचित्तकतलानकरिकीज
तकदनहे रंगसोरंगीलीकीछबीलीछबिनिरषतनेंन
वकोमारककसोव्यावतमदनहे १९ रूपकउपमागुणनि
रपेछकाव्यव्यवहारकेप्रवर्त्तकहें अबगुणनिकोभेदक
हतहे दोहा माधुरीओजप्रसादइमितगुनतीनिप्रकार
नपुनिऔरग्रंथनिकहेइसप्रकारनिरधार कोऊअंत
र्गतइननिकोऊदोषाभाव अन्यदोषरूपेकह्यातेंनरस
गनाव २१ इनकेक्रमसौंलछनकहतहैं आनंदकतामा
धुरीद्रुतिकारनसंजोग द्रुतिसुअमीज्यौंगलिततताकहत
सकलकबिलोग २२ विप्रलंभअरुकरुनमेंऔरशांत
समांहि उत्तरउत्तरअधिकई द्रुतिमाधुर्यलखांहि चित्त
बिसताररवरूपगुनदीपनिकारनओज रहतबीरबीभछ
अरुरोद्रअधिकवितचोज २४ बरतविधमकुतासजौं
धरतस्वछताबानि व्यापिरहतहेचित्तकोसोप्रसादगुन॰
जानि २५ सबरससबरचनानिमैंयहगुनवर्हियतआहि
गुनरसकेसबदरूअरथरहतलछनापाइ २६ द्रुतिसिंगा

63A

रस्रहकरुनशांतमैंबीरबीभछरौद्रबिसतार हास्यरुअ॰
द्भुतअरुभयानकहिचितबिकातीनोगुनसार २७ गुनअ
र्थनिकेधर्मनहिसब्दधर्मनहिआहि बर्णसमासरुरचन
पेब्यंजककेहैंतिनमांहिं २८ कोनगुनकेब्यंजककोनपहक
हतहैं टठडढबर्जितबर्गपांचहूंसिरङञणनमसमेतकी
जिये लघुअंतरेफणकारमध्यवृत्तिमधुररचममाधुर्य॰
कीजिय २९ यथा अपयअनंगकीनिषंगमोहअंगभरी
अंगअंगजोबनउमंगरंगभीनेहैं चगकेसमोरंगाउमंग
भरेसंगसंगभंगमोररजनिचकोररंगकीनेहैं कंचुकीसु
रंगकसेतंगनितुरंगऐसेउरजउतंगनिमतंगकुंभहीने
हैं करतिकुरंगनैंनीताकेसंगरंगगगजमुनप्रसंगजिहिं
अंगतपछीनेहैं ३० यथावा अतिहीसुरंगलसैकंचुकी
अतरसनीकेसरिसोरंजितदुकूलगुनगोरीको कपोल
निलालरंगललितगुलालरंगअधरतेंबोररंगमालरंग
होरीको रंगहीसोंछूटेबारबिथुरेबदनपरअंचलचुचा
तरंगरंगभकझोरीको पीतमकेसंगमेंअनंगरंगसरसोपा
राजतहैआजुअंगअंगरंगहोरीको ३१ पुनः रतिहैनसम
ताकौंअतिहैअनंपरूपअंगलसीसारीजरकसीकोसुरंग
है खंजनकेरूपअलिगंजनचतुरनैंननंजनसोलहैमीन
षंजनकुरंगहैं जोबनकेजोरजगीजगमगीजोतिलसैंसग
बगीसोंधेकौंधैंबाजुसीगुरंगहै कंचुकीकेबंरकसैंउरज
उतंगलसैतंगकसैमानुअनंगकेतुरंगहैं ३२ पुनर्यथा॰
अतिहीअधारकीनेकोकपिककीरबाजैंमजुलमैंजीरछठैं

र॰क॰ हंसकुलधाइकें अमीके तरंगनिचलतिमदुपोंन आतुर
६४ कीनीरोंनकतेंकुंजभोंन आइकें पतंगप्रदीपचाइचंचला
चमकचाइचातकचकितरहेंचुहलमचाइकें कंचनचं
64 वेलीचाइचचरीकचाचरहिं आचरहिनाचहिंचकोरचं
दचाइकें ३३ अथ ओज-गुनलछन प्रथमलतीयनि
रेफअलसंतहूंजे चौथेसाथमिलावौ टादिशाकारषका
रदीहवात्तिबिकटगुफगुन ओजहिलावौ ३४ यथा छ
प्पै दिपदपहिषंगदहिंरुंद्दसिजसीसनिकहिय तासु
धरध्धरहधिरधारधाइपधरपहिय धोइधोइहरचरन
लहियभिष्यामहत्तगुव केलासहैं उल्लासिदप्प अप्पर
हिंअमप्पहुव जियजंनहरनमदर्दनहरबीसबिफल
गुजथंनने लंकाहिआइसंकाधरहिंजगहंजनतापसर
पपे ३५ चंडकरचक्रकुंडलीसनोगपासदिग्धदंतदिग
दंतिनकेकुंतकरलीनेंहों पऊयप्रचंडबज्रबिज्जुलरू
पानिघोरघाहतनआन अत्रगुछजथकीनेंहों दुरदुर
जोधनबिहंडनउदंडबाहुदंडमाहिमंडलमेंभीमभावभी
नेंहों पूरनप्रकोपप्रलेपावककरालज्वालजालजियर
जोंनहिकाहूकेअधीनेंहो ३६ जुछजपगछतुरंगटा
पटकटिघाटबाटगिरितटबरबटकटिगे धाईधरधूरि
धारधाराधरघोरनीनिअंधकारनारमेरुमेलेतटअटिगे
फेरिमदमोकलमतंगनिकेपाइधरैंधसिकेंधराकेपु
टसातोंपुहिपुटिगे राजारामचंद्रतबेउमगिफनिंदफन
मनिगनजोतिनकेंजालजगजटिगे ३७ वकिरहेलछन

64A

बिषथकिरहेताराषतिथकिरहेअंगदश्रचकिरहेहनमा
न बकिरहेबीरबाकसाकिरहेसक्रादिकताकिरहेतीनि
लोकजकिरहेजातुधान आजुकुम्भरसाननेहेरयसमा
जिलनआयोलषिमारिनयभीतमएबंदमान बिपुलपुल
कपूरिपूरितकपोलरामआनंदनअलसरगदेषतधनुष
बान ३८ छप्पै अतिगरज्जिघनगजितडित्तजिमिरवंमतड
छिय प्रगटयबपुबिकरालअसुरघरकालकडछिय स
टकताबिकटजटोनिअटकिघनघटाझटछिय बिजु
छटालपटातझटकिगिरितटानिपटछिय बडुडुबहि
चहियनमहिमहियरबिडहियससिय मुषरोससासन
रसिधकेसत्तलोकऊरधत्रसिय ३९ कटकटरवअतिबि
कटअटतब्रहमंडकटाहे जटाकोटिघनघटाफटतिकु
टिछटतिछटाहे अमरनटीकुचटतानिझटकिअंचलपट
झटकत तिष्यतिष्यकरनपरकंटकनिरषिरषअटकत
उगिलंतबरनजालाबलीहगफुलिंगबंदनिबमत नमपु
हमिपहिनरकेहरिपप्रकटपिष्यिसुरगननमत ४० उजा
लबिजुलबरनजटाटिकतटनिसटछिप मेघघटाझप
टातछटालपटातपटछिप लोचनपुटबिकरालअनल
हलजालउगिल्लिय लहलहंतरसनादषग्गिअसुरनिग्र
सुगिल्लिय अतितीहडाढनपबज्रघरघरघरातब्रहमंडउ
र घंमहिबिदारिकटकटकरतझटकिप्रकटियबिकटतर
४१ धकधकपावकधषतलालललालनैनतडितछटासीउ
ड्जटाकोटिसटकैं दुहैं घनघटामारफुहैं गिरिलोहसार

घुरैंब्रह्मंडछारकिरीटकैंअटकैं टौकीसीलपटलहला-
हतकरालजीनिझांटैंकोहकाटैंडाटैंसत्रुप्रानगटकैं तीष
नषरनकीषरीपैंपरषराहरकंठघोरमारीनरकेहारमक
टकें ५२ कीजैंछत्रकाटिकाटिकानमत्तकुंभिनकेटारेघा
हचौंरहयपुछसेतस्याहके पंडितप्रचंडमुंडमंडलकीमा
लारचौसाजोगजजंघनिकेमंडपउमाहके दीहसुंडभेरि
नबजावौदुंदुटोलघुरोहौंनकुंडभरौरंगछिरकौउछाहके
बूटीप्रेतनारिनिकैंकोलाहलपूरियत्तसंभ्रमकपालीगह
कालीसुतब्याहके ५३ अथप्रसादगुणनिरूपणम् जा
करिशब्दनिसुनतहींप्रकटअर्थदरसाइ साधारनसब
रसरचनसोंप्रसादगुनआइ ५४ परेसमरसमसमसि-
रोरुहसुंदरीकेसघनघटाकीस्यामताईसरसातिहै तामैं
दुहूओरकरकसिकैंसवारीपाटीपियमनपारिबेकीघा
टीदरसातिहै गुंफितगुननिगजमोतिनसंवारीमांगता
कीउपमाकौंमतिएकेअकुलातिहै चमकितमकितमपु
जकीचमकौंचीरिमानौंचारुचंद्रमाकीचौकीचलीजाति
है ५५ तरलतरौंननितरनिचोरतारापतितेजभरीताए
तरैंहीरनकीभासपै पाटीनीलरूपनभअभाभासोंमिलि
ततहांबैंदीमुकतारीब्योमगंगाकेबिलासपैं काननिके
ऊपरकनकपुटिलाकीजोतिबरनीनजातिबुधिबलके
बिकासपै भासतप्रकासमानभासमानभासबीचमान
दुअकासदीपकामकेअकासपैं ५६ पीनउरोरुहजंघ
निकोसंगपाइदुहूदिसतेंकुंभिलाई मध्यकेंसंगमिलीन

65A

मलीगई ताते हरीतिहिं ढोरलषाई ऐंत्रनरीटिलरीबहि-
पानिकें डारतरेंतिसबैंउरसाई प्रातयहैंनलिनीदलसे-
जबतावतितोतनमापतचाई ४७ यहप्रसादगुनसर्व
रसवर्णरचनाम्रितहे फूलेमधिपंकजत्रमंदमकरंद्र
रैबीचीबीचतिनकेपरागनिपगतिहे मातेकलहंसकु-
लकरतकुनितकलतिनकीनिकुजनिमेंकोईसीजगति
हे कंचनकीपरीफूलमोतीमनिमानिककेछाटीतियतोपे
मुनिमनहूठगतिहे व्यासपासपांतितरवरकीबिराजमा
नकेसीनीकीसोमासरवरकीलगतिहे ४८ दोहा जद्यपि
गुनपरतंत्रहेरचनाटिकबकुमाइ वक्तावाच्यप्रबंधकी
तदपिउचितताग्राइ ४९ तासोरचनाद्दत्तिवर्णाकहुंग्रो
रभांतिहे नाही तातेंउचितबिचारिकीजियेरचनादिकस
बठोहीं ५० कहूंवाच्यअरुप्रबंधकीअपेक्षाबिनावक्ता
हीकेउचितवर्णरचनाहे यथा मंदरहलायोउद्ध उद्धत
समुद्रपूरपूरतदरीज्योंघोषहोतइकसारहें देतरीहडं
कनिकेगाजतप्रलयघनघटनिकेसंघटज्योंघोरघोरवा
रहे हूलाक्रोधअग्रहतकुरुकुलनीसहेतबज्रघातबात
घहरातबिकबिकरारहे मेरसिंघनादज्योंगनीरधीरधर
नीमेंकीनीकिनधमाधमीधोसाकीधुकारहे ५१ इहांवा-
क्ताभीमसेनहे तातेवर्णचरचनाग्रोजकेउचितहे ग्रर्थग्रो
जकोव्यंजकनाही कहूंवक्ताप्रबंधकीअपेक्षाबिनवाच्य
हीकेउचितवर्णरचनासेयथा बज्रसमसाइककेघाइके
प्रमानउछउछलितबेगनरिपूलोरसमासमेंदेषतअरु

नरबिरचहितिरीछोकरिआयोरीङ्गआसकोजैकोंयाइही
आससों कंधराकुहरक्रूरमारुतनेंमातनरिनेरीजोंमन
तरामबिक्रमङ्गलाससों मीमकुंभकर्णकोउतगउत्तमं
गयहमारीडीठिफरेंनोठिपसोहेप्रकाससों ५२ कहूंब
लाबाच्यकीअपेछ्याबिनप्रबंधहीकेउचितवर्णरचना
दिकहे आख्यायिकामांझसिंगारहूमधुरचीकनेवर्णन
करियें कथाप्रसंगरोद्ररसहूमेंअतिहीउद्धतवर्णनधरि
यें अरुनाटकादिरोद्ररसहूमेंदीहसमासनकबहूनरियें
एसेंऔरोउचितजानिकेसबहीठौररीतिअनुसरियें ५३
दोहा इहिंबिधिमम्मटमतकहेंपेगुनतीनिप्रधान रसअ
अंगीकेधरमतिनब्यंजकबर्णप्रमान ५४ काहूमतदस
गुनकहेंसबदअर्थकेमांहि तिनकेलछनभाषिहोंइन
तेंजुदेसुनांहि ५५ कबित्त आशीर्वाद कहतकहानीर
घुजसुमतिरानीकाङ्क्षागतनिसानामुखहूंहूंधुनिठ
नीहैं औधिराजधानीमेंपरामचक्रपानीपियातासुसि
यानीमतिपासिपसोंतुलानीहैं पितुआनमानीतिनघोर
बनआनीहरीरावनअमानीयहबातजगजनीहैं लछ
नधनुषहांहाधनुषनुषहमिबानीरिससानीजयनपसु
नदानीहैं ५६ इतिश्रीमन्महाराजश्रीजयसिंहनृपाल
वचनाज्ञमकविकेविदचूडामणिश्रीलछमनदेवअषि
विरचितेअलंकारकलानिधौगुणनिरूपणंनाममनवमी
कला ९ अबप्राचीनमतकेअनुसारगुणनिरूपणक
रतेहैं श्लेषप्रणदऔरसमताअरुमाधुर्यहसुकुमारतारि

मनि अर्थव्यक्ति पुनि उदारता सुनि ओजहू कांति समाधि
बहुरि जानि १ दोहा ये बेदर्भी रीति के दस गुन प्रान समान
जुदे जुदे लछ्छन कहत जानहु सुकबि सुजान २ अथ श्ले
ष लछ्छनं जहां बहुत हू पद धरे संधि चतुरई हेत इकसे
भासत आंहि सो श्लेष कैसो सुषदेत ३ यथा छंद भ्रमत
ध्वनि तरलित होत भुजग बर परत गंग उतरत्त जटाजू
ट छूटत जब हिन्न तत्तत हरानत्त १ तबहि दु चित्तत्ति तुव
न धित्तत्त तधुनि तित्तत जहिं न मित्तत्त सुगन किन्नत
गुन गित्त त्रिदस पवित्तत्त रनित जित्तत पससि मित्तत्तक
लिं चकित्तत्त रलित १ जय २ सुरनर उच्चरत गनपति कर
तग रज्ज बज्जत बज्जन बिबुध सज्जत सुमकज्ज २ ज्ज
ग गल गज्जत गन तज्जत अति लज्ज गगवरि सुरज्ज
ज्जत मन धज्ज ज्जि मि सिर छज्ज ज्जल निनि मज्ज ज्जन चय
न ज्जज्जत ज्जुत रज्ज ज्जत अरि बज्जज्जय २ बरसत बरसत
सुरन रनि असुर निजित्तत जंग जय संकर संकट हरन
गंग धर उत्तमंग ३ फुरत अनंग छय कर सगगान अ
रधंग गावरि उत्तगगुन धर अंग प्पर ममतंग ग्वरमसु
रंग हरसत अंग भ्भय सुमट गदूरि २ रंग बरसत ३ बि
तरत नितरति मन कचित अति अतुर रत्त जु नाम जयजय
गिरिस गिरीस जा बाम तन अभिराम ४ गिरिजनिमा
म बिलसत नाम प्पर मल लाम त्रिभुवन काम बरसत धा
म बपु हिम धाम चुलित सुधाम गिरिपर कामदहन नि
काम प्पुरवह काम बर भेर साम गान चहुं नाम भनत उद

अ०क० मज्जैहिं जसयामगुननिअराम करत प्रणाम हिं सदसम्या
६७ मगरलसुठामग्गरअहिंदामग्गनघर छामधिधुसिखा
67- मद्दुरितबिरामकरपर कालभयहरहालगजपतिखा
लप्परमबिसालबसन दुसालधरबिकरालतरबपु
लालनरसिरजालबिरचितमालधवलकपालधर
दिकपालप्रणतहुपालत्रिभुवनपालबिलसितबाल
बिधुजुतभालभलकतकालबिलुलितब्यालधरत
तकालधुतिकलिकालकलुषकुचालदलनबिताल
गानकरतालहियाजिहिंकालप्रकटजटालतटतपता
लभुवनभवालप्परतबिहालनरनिनिहालकरतर
सालजुसरसतालबरनिअतालबितरत ४ भुवपतिसी
जयसिहकहमंगलदेहुअपार जयजयजगकरताह
रमारदबनबिहार ५ भुवनअधारजुगपदसारगबरि
पहारबसतिअहारधनुअरः हारभुजगसचारकरत
उदाररतनअति सारत्रिजगतुषातुषारबिसदपहारभुव
पति ६ येपांचअमतध्वनि छंदहैं ८ अपप्रसारलछ
नं नहं ओजगुनसोंमिलीसबरसिपिलताआइ मोप्र
सारगुन कहतहैं सकलकबिनकेराइ ९ मानसरछाडि
राजहंसनकेबंसदोरदेषिदेषिमरुदुहसाइरकीफैनं
कैंचेंत चदे चांदिनीहिवाहिवाहियाचरहिंआवरहिनं
चहियकोरचितचैंनकों रामनपगावैगिरारावरेसुज
सताहिदेहिदेहिमांगतगनेसनषलैंनकों गेहगेहसुक
ताअवेहएहफैलीलषिलेहलेहललनाअलीनकेहैबे

67A

नकौ १० अथसमतालछनं आरंभतजिहिंरीतिसोंता
हीसोंजहंअंत आदिअंतमगभेदनहिसमतातासिमनं
त ११ यथा सोरनकेजानेअलिकुंजनेलुभानेकलगुंज
निवितानेबकुआनदबिधानके सारदकेगानेरसपारद
समानेमुनिनारदहूमानेमनधर्मचरचानिके सुखदसु
हानेसुधाहूतेअधिकानेबसुधामेंबरसानेदरसानेदा
नमानके लालमनमानेभांतिभांतिकेबषानेजसपुंज
सरसानेरघुनाथमहाजानके १२ यहकहूंदोषहूहै य
था काटेकोटिराकसनिपाटेनारघार सोनआटेघाटबा
टछाछाटेघोरघानके केलीकोंकरतकिलकतकरतारी
देतकूदतकपीसबेनकहतगुमानके नपरसुमेरपरपुरं
दरहूकेघरलोगवतीपुरघोरघहरेनिसानके रवनेके
मेतकियेलंकागटफतेकियेरामपूरोकामजयसिंहमहा
जानके १३ इहांरौद्रवीभछमेंजुकोमलबर्णमार्गसाग
हैसुगुणहीहै अथमाधुर्यलछनं जुदेजुदेपदसकल
जहांनहिसमाससरसाइ सोमाधुर्यबषानहीसहृदय
सरससुभाइ १४ यथा लोकलीकलाजलोपिलीगीने
हलालनकेवेतेसबबालनकेनैननकेतारेहैं तिनसों
रिसहैंतनमनदुषसहें ऐसेसारीनिसरेहैंहैंहेधीरजको
धारेहैं रसिकरसालअंगमाधुरीबिसालमनावतनंद
लालपियतेहूतेबिसारेहैं कोंनतियआनतिअनोषीपद
मानगतिवेतोपियप्रानपतिप्रानहूतेंप्यारेहैं १५ यथावा
बालिकानवीनसुकुमारफूलमालिकासीसोहैसुषसा

68

लिकासीदीनीआजुआनिमैं लालहीकैंलाइकललाम
लोललीकलंकलतासीलहलहैंललितललनानिमैं ॥
नासानयसोहैमनमयमनमोहैलषिकोनबिकिजाइ
बिनमोलकीबिकानिमैं आनदकीकंदछबिछाजतिअ
नेकछंदचंदहूसकानिकैंमंदमुसकानिमैं १६ अथ
सुकुमारतालछन दोषकष्टताआइसोकठिनवर्णताजा
नि तिहिंअभावजोहोयसोसुकुमारताबषानि १७यथा
अंगुलिअंधरदलहलतसकलकलअलिकुलकलित
कलपतरुकलिका कैधौंमहामोहनीकेंमंत्रकीनिधान
मुनिदेवनरनारिनिकोचितनकीछलिका ब्रजतियप्रा
ननिकरततकितानतिअनेकसुरताननिकेबाननिकी
नकिलो कुंजकुंजगुंजतगहरगुनपुंजनरीराजतिरसा
लीबनमालीकीमुरलिका १८ यथावा साहिबसुनरा
मचंद्रनपकितिनदीचलीतिहुंलोकओकनंचनउताव
ली मोदतिकुमोदनैंनीमंजुलमणालनुजालपूरनमयं
कमुखीमितचितचावली ॥ औटैंचैत चांदिनीबसत
नबारलाईमदाकिनामंगपूरितारामुकतावली पाव
नधरतजासुबाजतहैहरैहहरैनपुरमधुरराजहंसन
कीआवली १९ अथअर्थव्यक्तिलछन जोप्रसादक
तुरतहीअर्थप्रतीतिहिहेतु अर्थव्यक्तितासोंकहतकबि
तासागरसेतु २० यथा दसरथनंदबलीरामचंद्रनृपा
तिकीकीरतिकपूरपयपूरनसोंतलीहै नारीबिसतारी
त्रिभुवनउजियारीअतिचंचलचकोरनिकेंकुलअनु ६८

68A

कूलीहै जाहिलहिपारिजातसोरभबिसारिजाततुरग
नकाजैसुधारसनिकीभलीहै धावतचहूंदिससगुंज
पुंजभौंरनकेदेषियतकुंजकुंजमालतीसीफूलीहै २१
यथावा सुधाकेपयोधिमकरंदमयमंदिरमैंपूरनमयं
ककरिआसनप्रभावको तहांकबिलालरसनाकीम
सनदपरबैभोगुनभूपधरैंबानिकबनावको ताकी-
आसलागेचिरजीवोकहिआगेंभयोमोसोंअनुरागे
कसोंबैनउनचावको ऊंचेकहिटेरोचिरजीवोप्रनुभ
रोमाहिचेरोकरिहेरोरामचंद्रमहाभावको २२ अथउ
दारतालछन दूटिटूटिपदनसपेसकरतचलतजिहिं
ठौर सोबिदईउदारताबर्णतकबिसिरमौर २३यथा
साजेताजेतुरीजिनकीनदुतिदुरीचरिसीसनिपेखुरी
कियेंखेलनिजमाहकी साजेतुंगकुंजरजेगुंजरतम
दभरेजिन्हैअभिलाषपरदलअवगाहकी साजेजग-
जीतजोधसिपहसिलाहधरैदीपतिदुचनदलदलनउ
छाहकी बीरछत्रबंससिरमौरमैंरामनृपघरजगमग
जाहरजलसरसराहकी २४ यथावा जयसिंहनृपसु
तजनमसुखदसारीकीनीमजलिसिकीजलसमन
मानिकें नाचेतहांबानिकसोंमाचेतेंहतानानिकेमान
हुभरतिवंतरावरागआनिकें बाजेपगघूंघुरूनिसाजैं
सुषभांतिभांतिराजेजीलगावतमधुरमुसकानिकें नैं-
ननिनचावेंअोलचावेंकटिमदकेकेछबिभरेछरहरे
छोकरेनटानिके २५ अोजप्रागेंकहिआयसुबीरमैंय

ग्रं०कं० पावा इंद्रपुरीधरकीसीधरनीऔपरकीसीभोगवती
६९ नरकीसीअंगंनिप्रतापुकी सरहेरंसरकीसीसेल॰
69 हरीहरकीसीदुर्गभूमिकरकीसीकरीबिनदापुकी॰
कोंनधरैधरहरिआपोपरहारिसिंधुउठ्ठाथरहरिगति
देषिहयधापुकी तीनौलोकलटपटआठोदिसअटप
टकटपटचढैचमराजारामआपुकी २६ अथकौतिल
छनं ग्रामीननिसाधारनजुवेपरधूरियतनांहि सोउ
ज्वलताकांतिकरिबर्णतकबितनिमांहि २७ ग्रामीन॰
साधारनपरयथा चाहनरिनोंचतनटानकेनयनस
रसरसनिपंचसरहकीजिनसारीकी बीनअलिमा॰
लधुनिकूजैंकबिकोकिलसेफलनिसमाजरितुराजहू
तेजारीकी मंडलीलैबैठेकित्तिबापकताबितानतानि
ताहिसमतानहिजराजजोङ्रूखारीकी सारीराघवेस॰
घरसारीरसराहेकीमैगारीजीतिलीनीकामबारीर
सबारकी २८ अथसमाधिलछनं जहांशष्दउतराव
टीक्रमहीसौंदरसाइ सोसमाधिगुनकहतहैंकबिता
मैंसरसाइ २९ पूरैतुंगतुंडनभकुंडलतेंसुंडनरितार
नवेतुंडनमैंझलककतदंतहैं जंगनिकरेरेदोरदीरघ
दरेरेदेषिपैयतनहेरे डुरेदिगजदिगंतहैं मारतडमड
लसामीडतकपोलततलोलअलिआवलिकलोल
बिलसंतहै राघवेसभूमिपालरावरेउछाहमनमदित
मनोहरमतगमयमंतहैं ३० यथावा दानकरदलितर
लिफ्रगलअंधकारआनभूपउदंगनआनाहरजोरहै

रसरथजोरजलनिधितेंउदितनितराजारामचंद्रत्रिभुव
नचित्तचोरहैं लोकलोकगाईत्रिभुवनसुखदाईजाकीप
दनप्रभाईमनभाईचहूंओरहैं जाकीकित्तिचंद्रिकाकोंपि
यतरहममोतवृंजतदिसानिकलसुकबिचकोरहैं ३१ ये
शब्दगुनकहेअबअर्थगुनकहतहैं एकपदारथकहत
बहुतपदबहुतपदारथकहतएकपद वहैपदारथबा॰
कारचनकरिदुबिधप्रौढिकहिओजकबितहद ३२ एक
पदारथबहुतपदकरिकहोसुयथा अनसमापतिनय
नतेंउदितजोतितसुखंउव भालतिलकजाकेंलसतसो
सुभदेहुउदंउ ३२ बहुतपदारथएकपदकरिकहिपेसुय
था बाअतिघोरघनेघमसानमईघनपावसकीअंधिया
री तामेंचमकतिबिज्जुछटानिबरछिनमसरधारनिहारी
राघववीरभुवप्पतिकेभुजदंडलषेंतिहिंबारसिधारी कं
पतिबैरिनकीपसंपतिब्याकुलह्वैअभिसारिकानारी ३३
चौपई इकबाक्यारथबाकअनेकनिकहियततातेंब्यास
कहतहैं अरुअनेकबाक्यारथइककरिकहियततासों
समासलहतहैं ३४ यहपुनिप्रौढिबतावईसोऊओजअ
नंत बामनादिपंडितमतेंयहजानहुमतिवंत ३५ एकबा
क्यारथकोंअनेकबाक्यकरिकहनोयथा चंदकहेंतोंअ
कासकेचंदतेंकोनबियोसुखदेतचकोरनि चंदनहीमो
केहैयहेचंदकीचांदिनीकोबगरीचहुंओरनि चंदहूतें
अरुचंदतेंन्यारोबिराजेकहैंकिहिंबुधकेजोरनि चंदनें
चंदतेंन्यारोललायहहैमुखचंदअटारीकीछोरनि ३६

अ०क० इहांचंदसोमुखहैयहएकहीबाक्यर्थअनेकवाक्यकरिप्र
७० पंचेअनेकवाक्यार्थकोएकवाक्यकरिकहनोयथा गुं
जहरापहराइकुबीलिहिकानलगीकहिनेहकीऐडैं आं
70 षिनहीमुसकाइबिदाकरीआइनरीसुरगांवकेषेडैं ध्या
नधरैंमनमोहनकोंलषिआयोजताइमनोरथमेंडैं लो
तिनकेभुवभंगसैंदेसोगईसुसकेतनिकेतकेपैडैं ३७
यहबिचित्रताईलषोनपुनिकहूंगुनहोइ कहतकाबि
अवहारकेंतिनबिनहूकबिलोइ ३८ दोषअपुष्टारथ
तज्योताहीकोजुअभाव सोईसानिप्रापतोआजकहत
कबिराव ३९ घनस्यामकरीरसकीबरषामनमोहनो
मोहिलियोमनहे मुरलीधरमोलनलईमधुरेमुखचंदसु
धारसकेंधनहैं बनमेंबनमालीकरीबनमालाबनाइ
प्रसंनकेगनहैं हरिजहरवाइहसोबिरहावकुबासर
तेजुनसोतनहें ४० अथप्रसादलछन दोषबषान्यो
अधिकपदतिहिंअभावजोहोइ अर्थबिमलताईवहे
हेप्रसादगुनसोइ ४१ अधिकपदयथा अधरबंधुब
धूकदुतिससिरुचिमुखसमआइ तुबदगजुगलप्र
मानिरषिखंजनफिरतखिस्याइ ४२ ताकोअभावक
हें अथजितनोतितनोईपदयथा साहिबसीरघुबीर
महीपकीकित्तिमईमुकताजगजानी ताहिगहैंबिजया
हिगआनीसुएकहीकानकोंभषनठांनी आजहलोंनल
हीबिषैकानकोंहेरतहीतिहुंलोकहिरानी याहींतेंईस
केंअगप्रवेसकेआधेंहीअंगरहीहैभवानी ४३ अथमा

धुर्यलछनं अनवीकृतदूषनकसो तिहिंअभावजियजा
नि सोई उक्तिविचित्रताहै माधुर्यबषानि ४४ अनवीकृ
तयथा तातेतुरगनयेतौकहा नयेजीनजराउजरीनि
सँवारे ऊंचेमतंगनएतौकहा नयेफूलबडीजरबाफि
नबारे धौरेअवासनएतौकहानयेचंदमुखीमुखचं
दउज्यारे लच्छिविलासनयेतौकहानयेनरिमेरप्रभुता
गुनमारे ४५ इहांजौहियजानकीनाथबिसारेयोंकहि
येतौदोषनहोइ असौकमार्यलछनं दोषअमंगलरू
पसोहै अश्लीलप्रमान सोकठोरसुकुमारतातिहिंअ
भावजियजान ४६ अमंगलअश्लीलयथा मीचुबियो
गदुहूबदलअन्पनेरुआई मीचुहिजीतिबियोगखलमो
तन अलिठहराइ ४७ ताकोअभावयथा सुहिबिदेसकी
आनकोंबेनगरेलगुआई तिहिंठांप्राननिकोंकिपिसोहि
पहीरसोसमाइ ४८ अथऔदार्यलछनं ग्राम्यगनायो
दूषननितिहिंअभावजोहोइ सोईआइउदारताकहतबडे
कबिलोइ ४९ ग्राम्ययथा आलिमदनचंडालमुहिबान
निमारतनित्त ताहिबचावनकबलषोपियमनमोहनमि
त ५० तिहिंअभावयथा बेब्रजपतिनिजबिरदईनिपट
निरदईकाम दईदईकरिजीजियत अबयागोकुलग्राम
५१ अथअर्थव्यक्तिलछनं बालबधूयेहेंआदिकोंप्रग
टतबस्तुस्वभाव अर्थव्यक्तितासोंकहतबडेकबिनकेरा
व ५२ यथा ललितलपटावारेबादलाईछोगावारेलांबी
जुलफनिवारेरूपउजियारेहैं काननिझूमकवारेलोचन

ग्रं०क०

७१

71

चटकवारे आननमटकवारेमुसकिनिहारे हैं पल्लवचर
नवारे पंकजकरनवारे लालअधरनवारे गालगरकारे
हैं कारीकंचुकवारेकंचनसेतनवारेनचैनटवारेघुघु
रुनिघारवारे हैं ५३ सीपिहराजुकसोहे अरोजनियाछे
बिपरत्तिकोटिकवारी अंगनिमें इत्तरानिअरीमुसका
निकेंबानिमपंकजुप्यारी ओटनीलालरुसालरुंगाअ
तिगोरेडंडानिचुरीचटकारी कान्हनईइकगोपकुमारि
नेदेषिसुमारकियेबनमारी ५४ अथकांतिलछनं जा
मेरससीपतिधरेदिपत्तचंदकीजोति सोईकांतिबषानि
येबरकबित्तमधिहोति ५५ यथा कोरिकुतासनकी
कोरिभानुभासनकीदामिनीप्रकासनकीदोहदुतिमंद
की नगरनगरपथबगरगरबनजरारसगरजोतिआ
नदकेकंदकी सेतछबिधारीफूलअंगरागसीरीसाज
साजतहीहारीकंतप्यारीनंदनंदकी बारिधिमेंबूदज्यों
नजानिपतप्यारीमुखचंदकीउज्यारीमिलीचंदकीप६
अथश्लेषलछनं बहुतक्रियाअरुचतुरईगरटताहुबहु
जुक्ति अर्थमेलघटनामई श्लेषकबितकीउक्ति ५७ सो
सबयथा एकहीसेजबसीदुहुंदेषिकेपाछेतेआयेपि
यारसभीनेएककेनैनदुहुंकरमूंदिकेंकेलिकलाहछके
छलकीने रंचकग्रीवफिराइरुमंचिवेंप्रेमदुसासतिया
हियदीने अंतरहासप्रकासहुआसकपोलनिदूजीकोचुं
बनलीने ५८ अथसमतालछिनं दोहा जिहिंक्रमसोंआ
रंभहेतिहिंक्रमसौंजहंअंत होतनप्रक्रमभेदहैतिहिंसम

71A

नाहिनमंत प९० यथा दोहा ऊगतसबितालालहै अस्तला
लहीहोत संपतिबिपतिबडेनकैं एकेरूपउदोत ६० अथ
समाधिलछनं दुपदी अर्थअहेतुअनकीछायाहेतुकजि
हिंठाकीजे अर्थदृष्टिभाषतसमाधिसोजिनमतिग्रंथनि
मीजे ६१ वाहीकौंप्रतिभासोअन्यकबिकोंनहीसोअर्थ
अहेतुयथा कवित्तं सोहेकामधामसोआरामअभिराम
यहकूजतसकामजहांसारंगहसारंगी कुहकतिकोकि
लाकरतसुकसारोधुनिगुंजैंअलिमालमनुबाजेंकलसा
रंगी सोरभसमहनेरेफूलेफूलकेयोसांजिनकेसिंगार
धरैं अंगललनारंगी तेहीछिनमडेमत्तमुगलकोपुंचिबु
कनिकरतघकाघकीसीपकीलालनारंगी ६२ अन्यथै
छायाहेतुअर्थयथा पियसिंगोपयामधिमानसरोवरके
लिकरैकरबारिउछारै फलेसरोरुहकेबनमेकमलासी
लसैतिनअंगसिंगारै आपनेमैनिकेप्रतिबिंबनिपंक
जकेभ्रमहाथपसारैकेमुकबारठगीतबसांचेसरोजहूपे
धरीएकबिचारै ६३ दोहा इहिबिधियहप्राचीनमतमैंगु
नलछनकीन मम्मटमतकरिकीजियतयहलैमेंयलीन
६४ छप्पे प्रोढिओजगुननाहिआइकछुबिचित्रताई के
तेदोषअभावदोषबरजतकिनआई स्वभावोक्तिहीअर्थ
व्यक्तिकांतिसुरसदीपतिश्लेषसुअर्थबिचित्रदोषबिनस
मताकीगति अरुअर्थदृष्टिनितहोयहीयातेगुननसमा
धिपुनि तातेनअर्थगुनहोंहिकछुयहमम्मटमतकहत
सुनि ६५ यहनबीनप्राचीनसबमेंकियगुननिबिबेकअं

अ०क० लंकारअब नाषिहों सबदअरथ्यरसेसेक ६६ कबित्तआ
७२ शीर्वादप्रभुको ष्यन गष्यन सपक्षअरिदय्यनकेक्ष
72 य्यनकरोजिाशेकय्यनकलेसज चय्यनप्रतापतेजतय्य
नकेजासुजसजय्यनओअय्यनसमय्यनहमेसज होत
बकसीसबिसेबीसबीसतीससुरईसकेसीसपेछिजरी
ननिकेयेसज जयसिंहरानीतुम्है होकुसुखदानीहार
काके राजधानीरजैराजाहारकेसज ६७ इतिश्रीम
हाराजाधिराजश्रीरामचंद्रकृतकविकोविदकं
लानिधिकृते लंकारकलानिधोदशमीकला १० ॥
अबशब्दालंकारकहतहें औरभांतिकबुबचनकहो
किउं औरभांतिकाहूंसोजोसो श्लेषकाकुकरिसोबक्रो
क्तिअलंकारसुकबिनचितचोहो १ एकहोइपदभंग
करिएकअभंगबषानु इहिंबिधिहोइप्रकारसोश्लेषक
हतयहजानु २ पदभंगश्लेषकरिबक्रोक्तियथा बात
तोसुनहुकैसेंपैंनसुनियतकरियाइहीनकहिबेकोकं
नउमहतिरे सुन्योईसुभंदहोतोकहतिअमंदबेनबा
जतहीजानियतअहेरोचहतिहे बाटीनदीदेषीकहें
ननदीकोबासहमदेनहांईकहें आइपरतिडहतिहे ना
हतिसुबेगिसुनिलीजेमांदबाइदतीकुलकीतियासोंपे
रिबातनिकहतिहे ३ यथावा बातनबिलोकोकतपो
नकोंबिलोकियतपीतमनिहारोतुमपीवोअधियारको
आपेनदलालहमगाहकहूसोदाकीनदेषावनमालतो
लिओबोयोहिहारको बोलेबलबीरतोबिदारोकंसके

72A

सीजिमिऐंठीकतजातकियोठीककिहिंबारकें ऐसेंबकु
भंतिबतराइसतराईठगीहूतिकानपावैवाकैबैननकेपा
रकें ४ यथावा लेकुकरबालकहैभोजेंकरबालगहिले
कुरैसरनकैहेंताकतसरनेकें औरनसोंरहैंकहैंरहतसं
ग्रामहींसोंकाननकोंगहोकहैंलेतबनबनकें पीरेजेला
होकुकहैंपीरेहोइजातनिजमालकेंअनागबूकैंओरसब
चनकें राजारामचंद्रऐसेंरावरेडरानिहितबातनहूसांल
यरेबैरिनकेमनकें ५ अनंगश्लेषयथा कांटेजाइरंज
नकेगातनकेंचीरिचीरिकाटैंअरिबंसनिकेअंकुरउ
कासीके हरिपरसनकुलकंदनाषिलेकुमनैलेंमहिनकेंतो
रिकरोटेरानिकुलासीके लाइसुखपंषिनकेफलनिसेंघार
करोऐसेंसुनिबनबनबैनबनबासीकी भागेंहीसुकामबि
नजागेंहीबिहातरैनिआगेंहीतरासेबीरतेरेअसिऋासी
के ६ यथावा पीनकठोरलषाइपरेजियजानकुबालउ
रोजतिहारे हेतुमचंचलओअतितीछेनईछुनकामिनि
ऐसेंनिहारे स्यामहाकुटिलाईकेआकरयेतुवकेसअ
लीनिसेंबारे गरुकसोंतुवमध्यलसोइमिमानवतीहिम
नावततप्यारे ७ काकुवक्रोक्तियथा उग्यउमानतोकग
नरेअरबिंदनमेंअलिहूसचुपैहैं कुंजगुलाबनकेचटकें
चकवाचकईचितमोरनमैंहैं लेकुमलैंसुखबासरकेरज
नीसुखतेसजनीअधिकैहैं पैब्रजचंदसबैब्रजकेहितआ
जुगएफिरिकाल्हिनऐहैं ८ अथअनुप्रासलछनं होतिब
र्णसमतावहैअनुप्रासपरकास इकछेकानुप्रासहैबियो

अ०कं०
७३
73

वृत्तिअनुप्रास ८ दुहूंनके लछन कीजतबर्णअनेककी
समताजहँइकबार सोछेकानुप्रासहै कहितशब्दालंकार ९
१० बर्णजुएकअनेककीसमताहैबहुबार ताहिवृत्तिअ
नुप्रासकहि भाषतसुकबिउदार ११ छेकानुप्रासयथा ।
देख्योदीपमालिकाकेऔसरउजासकीनोरामनृपमौन
दीपदानमनभायोहै भूमिनभआठहूदिसादिपतदीप
तिसौंजगमगजोतिजगजाहिरजगायोहै छूटतहवाईह
यफूलनुहरचंपाचंद्रजोतिनआतसबाजीख्यालबनिआ
योहै सुरससिहैममनिमानिकलरैयनिसौंमानौंबिधि
इंदिराकोमंदिरबनायोहै १२ वृत्तिअनुप्रासएकबर्णकी
बहुबारसमतासौंयथा गनपतिगवरिगिरीसगिरागिरा
पतिगिरिवरधारीदेहुआपुषउदारकौं अश्वत्थामाब
लिब्यासहनुमानबिभीषनकृपनगुरामदेहुबिजैकेबि
हारकौं इनसौंसमेतचिरजीविकियेलेतमारकंडेमुनि
देतब्रह्मवर्चसअपारकौं नृपतिसवाईजयसिंघधरदेहु
सुनदेहुसुखताकेकाममूरतिकुमारकौं १३ यथा मांडव
मोरंगमक्रमलैंमुलतानमारवारमालवाहूमहामोलनि
मुलानेहैं मथुरामेवारमछमगहमडोवरहूमेकलमला
इमरहूकभोजनमानेहैं गजनीगुगोहरगुजरातयागरोनि
गटगटागटपहराहूगाटेगुननगानेहैं तिरहुततिपुरात्रिग
र्तत्तिलंगानेजयसिंघनपदानकेतुरंगमनमानेहैं १४ केर
लकंबोजकनवजअकहलहरकुल्लूकामरूपकामत्ताकुमा
ऊंकासमीरकेकामनेरकोलदेसकालापुरकसापथकासी

73A

करनाटकरहाटकरवीरके कालेजरकोसलकालिंगक
लानरकरनालकुरुदेसकजलीवनकरीरके केकयक
जलवासकाविलकेकेकीलसैंकविघरकीनजयसिंघ
दानवीरके १५ अनेकवर्णकीअनेकवारसमतायथा
नृपतिसवाईजयसिंघमहादानवीरतेरंदेतदानघनछ्
केंघनसरिगो पांचोतरुआसमानचौंकिपरेआसमान
आसमानमानधमघवानहूकेहरिगो मेरुगिरिनैंननि
मेंकामधैनएंननिमेंगंगापूरयैननिमेंनरिपयपूरिगो सं
सनकछूवेअंसअंसनगमायोवंसदारिदकोदोलतिचप
टनहीचूरिगो १६ यथावा तेरैंदेतदाननिसवाईजयसिं
घनपदुनिधिवीचीनीचीनीची होतनंचिकें लाम्पामें
नमोरलैंनवाढ्योएंनकामधेंनहीनभयोचोहैवनआनन
विरंचिकेंमानकीमरोरनिसोंमेरुगिरिमोहोमनरहोचि
तचिंतामनिचितचितसंचिके घाईरवेंअंचतननताम्पो
अपरंअहचिराचीहैनरचतरुपंचरहेवंचिके १७ यथावा
सुरतरुपंचनालैरहेपरपंचमधिकामधेनुपसुतलैपवि
यतरहेहै पाहनपरसमनेकोसनुभचितामनिकौंनपेप
ठाकंवपुचिंतासोंजरदहै मेरामतोमानिपियजाउजयसिं
घजेपैंवांचतहीछिनमेरीओरकीफरदहै वानीकोवरद
कलिकालकौंकरदकविदारिददरदमरदनकोंमरदहै।
१८ यथावा देषियतषासेमालमहंगेनखासमधिमनके
सखासैनैंनजीतेहुरकीनके गतिहिमपंचतसेनरजिमि
नंचतसेवंचतसेनांचनटीसुरपुरकीनके ककसेतवेला

अ०क० प्रतुदानअलवेलाऐसेऐराकीरुताजीतेजीतुंगतुरकीनके
७४ धावतमैंमुखेतकरतफेरिआवतमैंपीछिपरलेततईफेन
फुरकीनके १९ अथलाटानुप्रासलछनं सबदअरथइक
74 रूपतउनातपरिजाकोभेद कहिलाटानुप्रासकरिइअधि
कउभेद २० पाकेभेदकहतहैं बहुपदइकपदकौंबरनिए
कहत्तिप्रसमास अहसमासअसमासमधिहोतनामही-
पास २१ इहिविधिपांचप्रकारकोहैलाटानुप्रास उदाहर
नअबकहतहो जिनतेंहोतहुलास २२ बहुपदकोलाटा
नुप्रासयथा जासुसमीपतराजतिवामदवानलहेहि
मदीधितिताकैं जासुसमीपनराजतिवामदवानलहैंम
दीधितिताकैं कोरिकआनदकारीकहातिहिचंदुवियो
गतपेवपुजाके कोरिकआनदकारीकहातिहचंदुविये
गतपेवपुजाके २३ यथावा छूटियतएसेहीअकेलेसु
खरासिप्यारीवारीवनवारीपियरंगरसमसेहे उनकेसन
हलहीएकरूपताईतातेनषनबसनउनहीकेअंगलसे
हे उनपरिरंभनकीचाइनलईहोकसिवेउपरिरंभनकी
चाहनसोंकसेहैं उनमेबस्योहे तनतनमेंबसेहेवेईउ-
नहीमैंबस्योमनवेईमनबसेहै २४ यथावा चंदनआगु
लपेटिमहासुखचंदनअंगुलपेटिकेजीजे मालतीफ-
लनिसेजबिछाइविलोकतमालतीयासुखलीजे पीवा-
तचाहचकोरसुधारससोवसुधारसनैननिपीजे चांदि
नीपेसुखचांदिनीकेसंगआजुकीचांदिनीदेषिवोकीजे
२५ एकपदकोलाटानुप्रास यथा दोहा बदनउहीब्रजवा

74A

लकोसांचुसुधाकरत्र्याइ कहोंसुधाकरकोनपुनिजि-
हिकलकरसाइ २६ यथावा गुनगनज्ञानदेतत्र्यानरवि
तानदेतरीझिकवितानदेतबेसगजबाजीहै प्रीतिकरि
पानदेतकेतोबहुमानदेतलोकसनमानदेतसंपतिसमा
जीहैं रसरथनंदमहादानबलीरामचंद्रद्वारतकित्र्यायो
कबिराजीयोंनिवाजीहैं तेरेदानत्र्यागेकबिहोइहोइरि-
नीयातेदीबेकहकीरतिरसालनवसाजीहैं २७ यथावा
कीरतिबिमलकुलबनिताज्योंसंग्रहतहियनहितेतपर
बनिताज्योंबित्तके पंडितकेदासमउमातिसोंउदासरहैं
खेलेदिलखिलबतीसाधुजनचित्तके कबिपेजपालनं
दलालसेनपालकलिकालमेंनत्र्यानंमानदाताउनमित्त
केहहकीखुराकजिनमहंगेकबित्तकीयेहिम्मतीत्र्योकि
म्मतीजेगाहककबित्तके २८ एकसमासमेंयथा चंडमरी
चिमरीचिप्रचंडप्रतापप्रभाचहुत्र्योरबिराजेहैहिमदीधि
तिदीधितिसीतलकीरतित्र्यानदत्र्योघसमाजे भूतलमेंक
मलपतितुल्यमहाकमलासुखबेभवसाजे रामनुपालम
हीपतिपालमहीपतिमौलिगुनीनिनिवाजे २९ भिन्नसमा
समेंयथा तिष्मप्रभाकरकीसीप्रभात्र्यारिदायत्र्यमापनिसा
तमखंडै ज्वालभरीसुरचानलज्वालसीसत्रुमहीरुहखंड
बिहंडै चंडसदागतिसीगतिचंडबिपक्षबितंडघटानहि
मंडै राघवबीरमहीपतिकेकरतेजरनरीअसितेजनछंडै
३० समासत्र्यसमासमेंयथा रामनुवालछपालतुवभवन
भरीचहुंकोद पौरूषकमलाकरबसीकमलाकरतिबिनोद ३१

जो रूपं कमलं यस्याः सा पौरुष कमला रहां दाप्र प्रसव को प्रकृति भाग अह
कमलाकरे कमलवती मत्वर्थीय अच् प्रत्यय को प्रकृति भाग जो कमलाइ
नको प्रकृति भाग कमला शब्द नकैं आश्रय प्राप्त है =

अ०क० अथजमकलछनं भिन्नअरथकेपदजहांसुनिपतवाहीरी
७५ ति ताहिबषानतजमककरिकबिकोबिरकरिप्रीति ३२
चरनजमकअरुचरनकेंभागजमकंपुनिजानि दूजेतीजि
75 चउथसोंप्रथमहोइक्रममानि ३३ दूजोतीजेचउथसोंती
जोचोथेसाथ प्रथमतीनिहूसाथयोंसातभेदकबिनाथ
३४ प्रथमदूसरेसंगअरुतीजोचोथेसंग प्रथमउथ्थेसं
गअरुदूजोतीजेरंग ३५ इहिंबिधिचरनजुजमककेयनव
भेदप्रमान अर्द्धबृत्तिबषानियोंसकलाबृत्तिसुजान ३६
प्रथमचरनआदिहिलैआवेदुइतियचोथेआदिमिला
वो दूजआदितियचोथेपावोतीजआदिचोथेमुखलावो
३७ प्रथमआदिचउआदिनिमेलोप्रथमअंतसबअंत
निमेलो इहिंबिधिबीसभेददरसावेमिलतपरस्परबहु
तसुहावें ३८ तहांकछुकउदाहरनहीजतहै हैसरसेस
रसीकहसेरसभावरसेबरसेबरसाऊ हैसरसेसरसीह
हसेरसभावरसेबरसेबरसाऊ जेबसुधारतलालच
कोरनिनंदतनैनखरेदरसाऊ जेब सुधा रत लालच
कोरनि नंदत नैन खरे दरसाऊ ३९ जोग राजा हरषायें
हरा हर भोगिनको बर सो कर हैये जो भव पारद सोम
हिमालय भासित भा लहे काम दगये जो गर आहर षा
पे हराहर भोगिनको बर सोक रहेंये जोभवपार द सोम
हिमालय भा सित भालहे कामदगेये ४० तेजतपेतपनो
पमतीछनकीरतिचंद्रप्रकासलहीहे जाचक राव करे त
खारि धिरजु रमामहि मापु रहीहे छत्रधुरंधररामभुवाल

75A

छुहेंरितुदानदलेलसहीहै जा चकराच करे तर बारि
धि रज्ञ रमा महिमा पुर हीहै ४१ सोम लही बनि तान
बताइ कहै रुचि ली नगु मान सुछाई जोवनजोतिसेज
बजागरीनागरीनारिनकिमनभाई सोमलही बनिता
नव नाइकहै रुचिलीन गुमानसु छाई चंचलासीअति
चंचलअंगनिचंदमुखीचितचैनरचाई ४२ अर्द्धवृत्ति
कही श्लोकावृत्तियथा बसई कई लास बिलासन नषि
त चंदकला रुचि भासित भा ले नासु सदा सिव दीन जगें
सिरी कंठ बि राजे सुजान रसाले केलिकरी ब्रज म तनके
घन स्याम हरा गर मानिक पाले कामद है गिरि जाकर है
चहि गोकुलकी तिय नैन बिसाले ४३ बसई कईलास बि
लासनमंषित चंदकला रुचि भासित भाले नाम सदासि
व दीनजगे सिरीकंठ बिराजे सुजान रसाऽले केलि करी
ब्रज मतनके घन रूपहरागर मानि कपाले काम दहे गि
रिजाकरहे चहि गोकुल की तिय नैन बिसाले ४४ पादा
दियमकयथा सवैया जोरत जे कन काच लसे तनु नारि
नके तिनतोकबिआगेंजर तजे कनकाचसे तनुसंपतिजो
तिकीजेबनिलागें बाजी सचोजसी बातनिहूपर लाइरखो
मनरीझिसोंजागें बाजी सचोजसी बातनिहू पर रामगुपा
लदियोअनुरागें ४५ चतुःपादादियमक यथा सवैया
आली सुबास रसा बनकी बहुफूलेकदंबनिराजतिहै आ
लीसुवासर सांवनकी रितु मेघसमूहनिसाजतिहै आ
ली सु वा सरसावनकी मनचारिकुआरसमाजतिहै आ

अ०क० ली सुवा सर साव नकी पपीहानकेकंपतिगाजतिहै ४६
७६ चतुःपादांतयमकयथा सवैया मानसरोवरतेबिछुराइ
कैंलेतिहैं हंसिनकेबरजेहरि वाधुनिकेधुनिकेमुनिकेम
76 नकीमतिहोतकितीबरजेहरि कान्हीहीतिवेतुलाबकी
सेजनिलेटफिरैंबहुमैंबरजेहरि तूकहूकुंजगलीनिभ
लीबिधिज्यौंमनकाइचलीबरजेहरि ४७ दोहा इहिबि
धिबिबिधबिचित्रताकरिकैंरहतुबनाइ जमककाबि
ठडूरूपहैकसोनअतिअधिकाइ ४८ अथश्लेषलछि
नं दोहा बाक्यभेदकरिभिन्नजबननियतएकउचार हैं
जतुकाष्टन्याय लेबैं सेसबदसोश्लेषजुआठप्रकार ४९ कहतबर्ण
पदलिंगअरुभाषाप्रकृतिबषानि प्रत्ययअरिबिभक्तिपु
एकवृंतगतफलद्वयन्याय निबचनअष्टबिधजानि ५० वर्णश्लेषयथा सोर तिस
मुलतान वारी रुचिरंगधरैंउतरतचढतनिहारीकेऊबर
है ऊंकरतिझीनी०सुरुच रन जेहगदीठई परति अ राति
नमैंजी अहितकरहै काननिसमीपडीठिबाकीमाउमं
डलसीदेत मोल लीजियतिमलकारीगरहै करतसमर
रसकेलि सो मरैं निसंगसरसौंहैं गुन धनु वेलिजाकेक
रहै ५१ धनतिय धनुकहिधनुषदुहुंकहियतएकउचार
यहैअकारउकारदुहुवर्णश्लेषप्रकार ५२ पदश्लेषयथा
सवैया सरसावतमी मकरीनकेजालनिधूमसु धारनि
को दल मारो बसकरेनु बिला सके देषत कोरिनि छाप
की संपैनिहारो घूंसि भरी इकओर हजारनि मसे कल
कन संग्रहवारो भषनहूभरदेइबहैं अबएकसोगेह हमा

76A

रौ तुम्हारो ५३ लिंगश्लेषयथा नक्तिविलोचनकोंअनुरंजि
नीलंबुजसो मरसारूकोरें ध्यानअलंबनजानिय ईहि
तसाधनजोगिनप्रानअकोंरें जेब रसाल ततछिन लछि
पके मन मानमैंधीरजतौरे स्यामलसी कुबैलैसुखदा त
नुनैनकटाछकरैसुनकैपैं ५४ तिहूंलिंगकेशब्दयेहैंतनु
नैनकटाष तिनसोंलगेबिसेषनसुतैसीहीबिधिनाष ५५
लषियेबचनश्लेषपुनियहैसुमतिगहिचित्त इकदुइबा
हुबचननिमुंहीलगाहिबिसेषनमित ५६ भाषाश्लेषयथा
मोहित अहि मति मंदतामथा नरेहे ललित निजपदबिछे
दन मंतरजे तरसा॰अनजा नत बहुतमदोद मधोषजखे
दन भव जब भय जउतापहारको बिनतो दयासिंधुरहि
मेदन भातु मदीपमानसे बार समासु भाव नजरो बहु
बेदन ५७ यथावा सातरिनाकरलीनमहागिरिजापरमो
हकुतहलधारी कंठहराहरकीलकुटीतनुनीलमसीहर
चिरंजनकारी कामदयारहितोवरगोपतियाजउदारक
लानिधिमारी भावनिजाचितसर्वसुराधिकएतुमनेनि
तरामहिहारी ५८ एकओरभाषासबरसुरबानीइकओ
र दुहुंमिलिएककबित्तमैंचमतकारचितचोर ५९ ऐसे
औरभाषाहूंश्लेषजानियो प्रकृतिश्लेषयथा सोनितपू
रतरंगभरीअरिकोरैंकरिंदकरारनिटौंहीं चारिहूंओरख
ढोजससोरकलोलकुलाहलकेलिकरौंहीं रामभुवा
लहूपानितरंगिनिपानिपतीछनताईसरौंहीं धारमहा
बिकरारहेघनतेजबहेरिपुकाननमांहीं ६० नदीव

अ०कं० हैपरवाहसोंअसिजुबहैकरिवार दुहूंअर्थवहधातुही
७७ प्रकृतिश्लेषबिचार ६१ प्रत्ययश्लेषयथा कामतरोवर
हेतुवनामलहै फलजोईकहैसुखबानी मोहियतोचहि
77 येसबहीपुनिकाकहियैतुमहोबउदानी संकरजूपरय
कजपाससजोमतिनंदिताभावहिआनी नरिजराजन
नारिकनीतिमजोमयबंदिनामातमवानी ६२ आनंदि
तमतिनंदिताअहनंदीकोभाव इनहूंनोप्रत्ययनकोश्ले
षकरतदरसाव ६३ बिभक्तिश्लेषयथा करिआरतआ
रतिभारनिवारनहेतुवनामसदातरनी करनाहियमेंनि
कुरावबढावनकोंनवदीपहआचरनी हरिसर्वसुतहम
रोजगमेंधरनीधनसंपतिकाकरनी अपनेपदपंकज
पूरनप्रीतिप्रतीतिनहीकबहूहरनी ६४ सुप्तिङ्रूपबि
भक्तिहैंकरिहरिसबदउचारि दुहूंअर्थकोंकहतहेंआप
नेहियेबिचारि ६५ बचनश्लेषकहिआेय यथादोहा
बंदरदुहूंदसरथकुंवरतिनकटाक्षअवदात नीलकम-
लबनबंधुरुचिसबहीमनसरसात ६६ बिनइनभेदनि
औरइनवोभेददरसात उपमानरुउपमेयकोजहांश्ले
षमनआत ६७ यथा जोबकुबारलषिपरमनमतपछ-
छेरपरबीनपरिंद घनघनघटासेनचतुरंगनिबरसत
सेंगधाराजलबंद धरतकठिनसतकोटिनघटासेनच
तुरंगनिबरसतसंगधाराजलबंद धरतकठिनसत-
कोटिदानकरचटिचटिउन्नतअतुलगइंद हेतुमसुम
तिसहसदृगदेषतपुहमिपुरंदरबिबुधनिइंद ६८ अथ

77A

अथ चित्रलछनं षगानुरजपक्षा
दिकौं जैंहसमानआकार वानपर
हिं आनदकरनचित्रसुलबोउदारह ६७
षड्गबंध हरवर हरवरपरपुरंदरमह
परमरसरवर कविवरसरनद दस
महुहिसनप्रतिकरिवर करि हद
मलदतसरदकरतदधिवररद

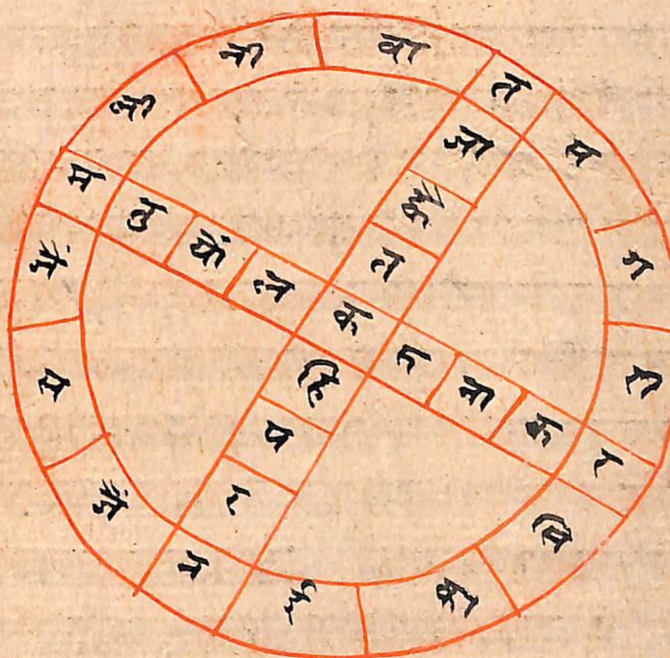
चक्रबंध करुनाकरक
हिपरतकलपोंतुमकत
केजात सगरीरविकाई
तजेंसजें मलीनीवात २

षड्गबंध



६८

चक्रबंध ६९



हलं ७०

तोरणबंध
दरनरहरवरसौरिहैनरवरसरवरबांह
अरवरकरवररौरिहैनरवरसरवरमांह ७१

द	रवर	द	रवर	दो	रिहै	न	रवर	स	रवर	बां	ह

अ	क	रो	त	स	मां

78

का	त्रि	ह्रा	स	गि	रा	धा	रा		७२
हा	सि	का	नु	त	वा	मा	नो		

घु
धरा
त्मा
मुत
धिना
नैरे
डिना
महा
वपा
तुचा
तुर
कक
लजा
नवा
लवा
रमा

							रा							
							म							
							स.							
						हो	ना	स						
					हो	न	र	ती	अ					
				प	रा	ध	ह	ई	य	ह				
			पा	प	ध	रा	जा	न	की	ना	थ			
		अ	ना	थ	न	के	र	ष	वा	ढे	सु	ने		
	नि	ह	चिं	त	प	रा	न	खि	अ	ने	क	र	सो	
ह	रि	हा	रि	त्र	बे	द	ई	ढी	ल	वि	लो	कि	उ	रा
							स							

७३

							रा							
							म							
							अ							
						डा	रो	क						
					हा	र	क	ही	न					
				न	है	ज	उ	से	अ	प				
			रा	ध	प	रा	दा	न	व	मा	न			
		व	पा	त	क	चो	र	ध	रै	प	सु	वं		
	ढी	उ	धा	रे	ध	रा	व	छ	ल	ही	न	नि	के	
र	ह	ल	छ	न	गो	वि	दे	गो	कु	ल	दु	ख	ह	रा
							तु							

७५

78A

एकाक्षरसवैया ससुरेससमसी सरसीसरसीससरीसेसरासरिसारे ररि
सरोससरासरीसोरसोंसारसरासमोंसोसरसारे सरसुरोसन्नसेससुरा
सुरसररसेसारससोंसरसारे सेरसोंरारिरिसेसरसेसिरीसीरीसेसार
रसासरसारे ७६

बहु	जाम्भन	नाइक	सरतैं	सोहियें	नैंनके	रोचक	धाम	जगीले
सहु	दानन	दाइक	दूरतैं	दोहियैं	चैनके	लोचक	बाम	लगीले
गुन	गानन	गाइक	मरतैं	मोहियैं	मैंनके	मोचक	नाम	पगीले
उन	आनन	लाइक	परतैं	रोहियैं	गेनकें	मोचक	राम	रंगीले

७७

पर	पीरनि	हारक	चितहि	ध्याइये	ध्यानके	नागर	आस	बिकासे
बर	धीरनि	धारक	नितहि	गाइयै	मानके	नागर	बास	सुबासैं
पर	बीरनि	दारक	कितहि	छाइये	आनके	आगर	दास	हुलासैं
नर	भीरनि	तारक	बितहि	पाइये	ग्यानके	सागर	भास	बिलासैं

७८

कामधेनुबंधो

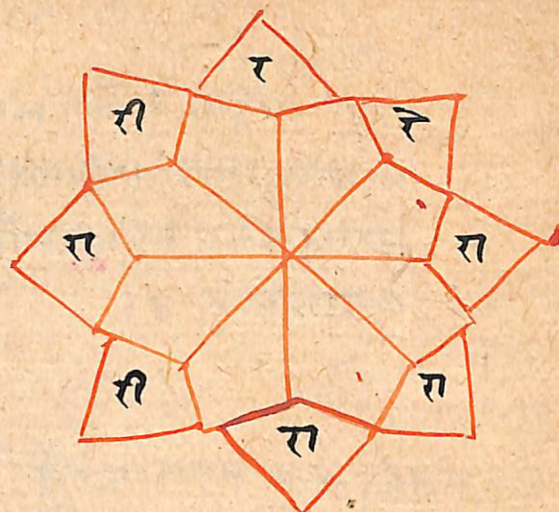
79

अष्टदल



नमातुलोधर्मकाम
श्छद्ममात्रंकृतारि
ता नकलफलम्
सम्पद्विद्दामवतिलो
नराः१

कमलबंधद्वयं





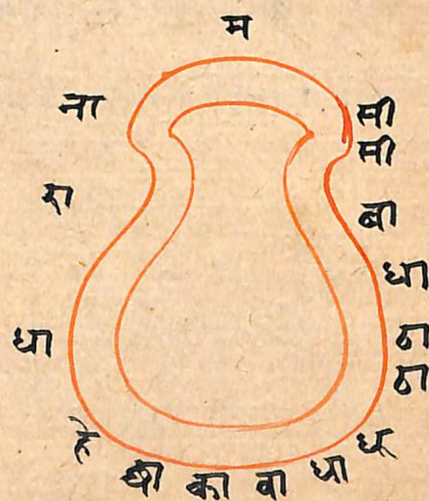


श्रीरामोजयतिजग
त्रयेकबंधुः

कपाटबंध

वा	म	मी
का	म	मी
बा	म	बा
छी	म	धा
हे	म	ठ
धा	म	ठ
रा	म	ध
ना	म	धा
ना		

घटीबंध



অলং০

৮০

80

৮০

81A

परिभाषियै सामान्यरु विसेषरु तकुनउ तदुनह्व्याघातेरो संकरसंसृष्टि उ रषियै एतअर्थअलंकारममटकैमतक हिरोषको बिप्रकासमैकबिजनसाषियै ४ द्वैलछ्यलछन केबरननकै हैं जहांरघुबरकित्तिकहिबेकोंअभिलाषियै ५ अथउपमालंकारलछनं दोहा उपमेयहि उपमानसों कीजैं जहांसमान इकसाधारनधर्मकरि तहां उपमाकबि जान ६ बरणनीयउपमेयहै अवर्ण्यसो उपमानु समसमा नअरुसरिसेयउपमावाचकजानु ७ साधारनधर्मजुउ दुनिरहै धर्मइकमाउ पूर्णलुप्ताभेदकरिउपमाद्वैबिध गाउ ८ उपमानरु उपमेयअरु उपमावाचकआनु पुनि साधारनधर्मजहं पूर्णोपमासुमानु ९ एकदोइअरुतीनि कोजहांकीजियैलोप तहांहोइलुप्तोपमारैतसुकबितनि ओप १० अबलुप्तोपमाकेभेदगनावतहै बाचकलुप्ताप्र थमबषानुरु फेरिधर्मलुप्ताजियजानुरु होइधर्मवाचक लुप्तापुनि वाचकोपमेयकलुप्तासुनि ११ अरुउपमान लुप्तइकताकरु धर्मोपमानलुप्तासाषरु अरुवाचकोप मानलुप्ता धर्मोपमानवाचकलुप्ता १२ दोहा लुप्ताआठ प्रकारयेसुकबिनिबरनीजानु उपमामालारूपजोमालो पमासुमान १३ प्रथमप्रथमउपमेयजहं परपरप्रतिउ पमान रसनोपमाबषानुतहं रसनादानसमान १४ अथ पूर्णोपमायाउदाहरणं सवैया द्वारषरेमदकुंजरऊ मतनीचैऐरावतीरुआवबीकछी भीतरभौनजंवाहरजो तिजरातजरेपिंजरानिमैंपछी श्रीरघुबीरनुवालनुसैं



अ०क० सपनैंहुनछांडतिहैजयलछ्छी आपुप्रभावबसीहतकं
८२ तहिस्वाधीननाइकाज्यौंहरिनछी १५ यथावा सीतलबि
82 मलमधुराईकौनिधानसुद्धसुधाकेसमानजाहिकौंनन
पियतहै हारिददरदकोहरनसुनबितरनयाहीतेलला
मतिहुलोकलपियतहै कोरिचंडकरसेप्रचंडतापतेहम
रेबिरहतिहारैंजबजबतपियतहै तबतबसुमिरनकरि
जयसाहनृपनारायनकोसोतेरोनामजपियतहै १६ यथा
वा ठाटेरामचंद्रनृपद्वारगजगाटेजिनअंगमहजलछल
छलकतहैं देषियतभारेदंतबलयउज्यारेननतारनकेउं
डझलझलझलकतहैं सुंडकेप्रचंडपौनञ्जोरेबिधुमंडल
तैंसुधाझोतेकैयोपलपलपलकतहैं जैसैंराजपाटअभि
षेककेसहसधारकलससैंवारिबलबलबलकतहैं
१७ यथावा दीनेरामचंद्रनृपरैसदमस्तीनेगजपाइकैं
घरतजिनभूतलहलतहैं मेघजिमिगाजैंसुनिदिग्गज
हूलाजैंनयसाजैंपुरहूतहूकोहियहहलतहैं ठाटेमेसम
दरबिलंदवपुबाटेअतिगाटेरनकाजैंअरिचक्रउकलत
हैं सुंडनारिछाडैंनभकुंडजलधारतापैबादीकोसोबटा
रबिबिंबउछलतहैं १८ यथावा ऐसेरामचंद्रनृपद्वारग
जखासे२परमप्रकासेएजाहसिकीरमासेहैं छितितल
छुहैंरितुछहरतदानजलछलभरेछाहभरेछाडतछैमा
सेहैं मेचकअमासकालजामकीजमासेदेषिदिग्गजरि
सानत्रासेद्वैमुहगवासेहैं सरससिमंडलहूसुंडजलधार
परगिरहकबूतरज्यौंकरततमासेहैं १९ अथलुप्ताके

82A

दाहरन सवैया दामिनिगोरीमनोंहरहोरीकीबैसमैंसोंमो
रीसुधासमबैनी होतिसपूरकपूरसलाकदियोगतची
अैंपियांगजगैनी हावनिभावनिहासविलासनिहारी
गईरतिआनंददैनी नंदकुमाररँगीगुनरावरैंआनिहैं
आजुवहैंमगनैनी २० याकेबिबमेंदामिनिगोरीयह
वाचोकलुप्तासुधासमबैनीयहधर्मलुप्ता २ हौतिसपू स
रकपूरसलाकयहधर्मवाचकलुप्ता ३ त्रतीयचरणमें
वाचकोपमेयलुप्ता ४ मगनैनीयामेंधर्मोपमानवाचक
लुप्ता ५ जानियो उपमानलुप्तायथा दोहा तनमनसु
खबिसरामकरलछिबिलासनिदान सरसकाबिसम
असहूकहूनसुनियतआन २१ धर्मोपमानलुप्तायथा
कंटककलिकेतकीकेंबनकोंलगकलकूजितआयेकेहो
कुंदकलीनिकेलिकरिकबहूवहमंकरंदपाननहिंकेहो
कंचनजुहीकानननिकबकेफिरतलेसमधुकोनगयेहो
ललितमालतीफूलतलकूलिन्नमतमतकतहूनहिंपे
हो २२ बाचकोपमानलुसायथा नवलामदगजमंदगति
जगमंगजोवनजोति नाहनेहसगबगिरहीदिनदिनदी
पतिहोति २३ अभिन्नसाधारनधर्ममेंमालोपमायथा रा
जासरीजिमिहोतिअनेकरिदीनतासोंजिमिपंडितबानी
ज्योंनलिनीहिमदाहकेमांहकुमोदिनिज्योंरबिआतपा
आनी अैंधनघोरघटानसोंचांदिनीज्योंनिससांवरपछ
प्रमानी सोंपियनंदकुवारतिहारेबियोगमेंबालबिथा
हिबितानी २४ भिन्नसाधारनधर्ममेंमालोपमायथा चां

अ०क० दिनिज्यों दृगआनदहेतुसुरीज्यों हियेंमदकारनसोई है
८३ प्रभुताज्योंबसीछतलोकलसैरतिज्योंबहुभावनिसोई
चंपकदामसी अंगललामगुलाबसीकोमलरूपसोंधो
83 ई चंचलासी अतिचंचलबालबिलोकिधरैंनहिधीरज
कोई २५ यथावा हीरासीहरासीहरदेहसीहलायुधसी
हंसीसीहंसीसीकरकासीघनसारसी सारदसनारदसी
पारदसीपयसिपियूषसीहिमाचलसीरूपेकेपहारसी
मोतीसीकुमोदिनिसीकेतकसीचंदनसीमालतीसीमु
निनकेमनसीमुरारसी रामचंद्रनृपतिकीपुन्यमईकीर
त्तिसीफैलीहैजुन्हैयाआजुगंगजलधारसी २६ रसनो
पमायथा कीजतकंचनदाननिरंतरतासोंतरंगितजाच
जैपुरि
ककीतति राजतसीरघुबीरमहीपतिदीपतिपतिदीपत
दीपति भारतीसीमतिहैंमतिसीकरतूतिकरीकरतूति
सीकीरति कीरतिसीतनउज्जलहै तनसीथिरईसउपा
सनकीरत्ति २७ यथावा रुचिरहीरत्विसीमतिहैमतिसी
मधुरीअतिमूरतिराजैं मूरतिसीनवभूरिप्रभावनिभूषि
तजासुसभासुषसाजैं भासीसंभासीसराजयरतिजीति
सबैंपरकोजिहंकाजैं सीरघुबीरमहीपतिकेंजयसं
पत्तिसीबपुदीपतिभ्राजैं २८ अथअनन्वयालंकारलछं
नं जोउपमेयबषानियेसोईजहंउपमान अनन्वयालं
कारसोंभाषतसुकविसुजान २९ यथा दानिपहिम्मति
हदमहिम्मतिपानिपपूरजहांननिहाम्मनिहै कीरतिको
सुदितप्रभोरप्रतापप्रभानिहरयोतमजालहैं सोहैसु

83A

रद्रुमतुल्यसुरद्रुमराजतसिंधुज्यौंसिंधुबिसालहैं चंद
सौंचंदद्दिनेसदिनेससौरामजुवालसोरामजुवालहै ३०
यथावा ईगुरकीआडलालललसतिबिसालमालमकुटी
अरालचापधरतमदनहै गोलगुनगोरेलोललसितक
पोलचारुचौकाकीचमकछाईरदनछदनहै आरससम
ततऊआरसदलितरुचिसारससौंसरसनिसारससद
नहै चंदनसमानसीरौचंदनसमानतोतराधेकेबदनस
मराधेकोबदनहै ३१ यथावा मीननकेमीतमैनबौननके
बंधुषंजरीटनकेसषानीलकंजनकेनेरेहैं मौरनकेसैया
मृगछौननकेनवारकेहैंरंगसागरतरंगनकेचेरेहैं घात
कनहूकेकुलनाइकचकोरनकेआचारजअचिरजरूप
केबसेरेहैं नंदलालप्रीतमकीप्रीतिकेप्रतीतिकरतेरेनै
नऐसेआलीदेषेतेरेनैनहैं ३२ यथावा उमगसरितासर
मेहलगैंजिमिनेहलगैंउमड्योचितुहै निसबासरऐसे
सिसरदबेतियलाजरहीदबिधौंकितुहै द्रुमगुल्मलता
उमगेअतिज्यौंउमग्योनरनारिनकोहितुहै पियनंदकि
सोरमिलावनकोबरषारितुसीबरषारितुहै ३३ अथउ
पमेयोपमालछणं दोहा उपमेयरुउपमानजहैउलटि
बरनियेफेरि ताकोंउपमेयोपमाभाषोकबितनिहेरि १
३४ यथा गेयतमित्रसबैजगमैंकमलाकरआनंददान
समाजैं जासुउदैअतिदीहतमोहरहैद्विजचक्रनिमंगल
साजैं जीवनहेतुसुपंथिनकौंसुषमुक्तहिदेतुकुमोदनिका
जै रामजुवालसेराजैंदिनेसदिनेससेरामजुवालबिराजैं

अ०कं० ३५ अथ उत्प्रेक्षालंकारलछनं दोहा बरनैं प्रकृतिहि।
८४ औरसौं करिसंभावनकोइ मानौजानौंसबदकहिसोउ
84 प्रेछा होइ ३६ सोउतप्रेक्षातीनिबिधिवस्तुहेतुफलरूप
जहँसंभावनलाइकैंउतप्रेछतकबिभूप ३७ वस्तूत्प्रेछा
यथा जोबनफूल्योबसंतलसैतहँअंगलतालपटीअ।
लिसैनी नासीबिलाततिजातिसुधाकौंधकीमुरवाल।
धिनागिनिधैंनी राजतिरोमनिकीतनुराजीवहेरसराजन
दीसुषदैंनी आगैंमहीप्रतिबिंबितपाछैंबिलंबितजोम
गनैंनीकीबैंनी ३८ यथावा दोहा हिमकरकरअंगुरीनि
गहिकचकलापतमसैंन चुंबतरजनीमुषरम्यमुद्रितपं
कजनैंन ३९ हेतूत्प्रेक्षा यथा मघिजामिनिमेरेउरप्रेमस
हेतुहौंदेषतजाहिसदाधरषी तिहिंदुष्टमयंकहिंजीतन
कोंइनकित्तिपियूषझरीबरषी इहिहेतुभुवप्पतिश्रीरघु
नाथसरोरुहलबिहियैंहरषी मनुरावरैंपाइनिलागिर
हीकबिराजनिमागमरीपरषी ४० यथावा पारथकरन
अरुभरथभगीरथदेआदिबडेदानिनितबिधिनाउपा।
योहै तिनकीसुजसमयपयकीतरंगिनीनिआपनोप्रवा
हपयोनिधिसोमिलायोहै ताकेपानकीबकाजआपने
कुलब्रतसोछीरनीरभेदनकौंभेदमलैपायोहै रामचंद्र
भूमिपालरावरोसुजसहसइहीहेतमानोसिंधुतीरतक
धायोहै ४१ यथावा बालपनतेलालनितसंगीइनकोहै
भयोमोहीकरिएतीअतिअतिकोंपायोहै अबयहरा
मचंद्रभूपकबिमुषमोहिसुनतप्रमानकोहजियमैंलजा

84A

योहे कीयह हिंकरनहीहियें अहें काज्जसरूपी निजरूप अवलंबिकेसिधायोहे पारावार पारतीरतयो बनसेवत हीतहां अतिरघुगुनगनबिरमायोहे ४२ यथावा निसवा सरसाजसासमीरनिधे हियेतमनोसरसी अगमा गमहाविरहाग्निकी आंचअहीशिपिदीहदवागरसी तन कंचनदिसीदरसातिदुतीसुहरे २ऊजरीहे दरसी मनु अंतरसंततकंतबसैंतिहिंकेसुषहासप्रभापरसी ४२य थावा आयोयासहंसकरसकलमलीनीदिसचाहोवो रमानोमञ्जीमाजनदुलेगयो सूगतनपथचलिपंथी ओथकितनमअजनसोबरस्यतजमअकुलेगयो लो कनकेलोचनमहृगोकहिबुलावेतिनआपनीहजार गोमिलाइसंगुलेगयो ताहीतिप्रमतपहअंधतामभत लषोनाहीअंधकारओहीजगतमुलगयो फलोसेछा यथा कीनिदीपमालिकाकेंओसरजलसआनुरामचं द्रमपमानमासतसुहायेहे छजाछातिछतुरीबरोठीरं गमहलओअंगननिदीपअधरुधलोछायेहें मेरेजा नसुजसप्रतापछबिरघनकेंसरसासिपाकअनेक रूपआयेहें बादतजेरेनेरेनेरेछेघनेरेजिनघेरिकेअं धेरअरिडेरनिपठायेहें ४४ यथावा छूततहवाईदीह दोरकीदवाईअंतरिछछविछाईतारकासेपरकासेहें छूटेंमुहचंपांचंद्रजोतिकासवाईजोतिछूटेहेतपफ लफलरीरघबिकासेहैं रामचंद्रमपघरदीपमालि काकेंनिसव्यालषेआतसकेमांतिमांतिमासेहें जी

अ०क० तिअरिनैंननकौं आयिआजुआगेंठाढेमीनकुप्रताप
८५ तेजकरततमासेहैं ४५ यथावा अलिआपाबसंतछू
85 टीहिमकीजडतालगिआतपमावनकौं जडहूतनला
गेंमनोमवतापतवैयहबातजतावनकों रबिजानितुर
गनिकीजनिमिलिग्यादिसउत्तरधावनकों रथलागे
तुरंगपुरानेपरेतिनहीकेमनोंबदलावनकों ४६ यथा
वा कंचनकीबरीलागिबिलोकनधारीआछुपलीबन
वारीहियेंआनंदकीक्यारीसी चहूंओरचाहिचहिआ
चरतनाचहियेचावरतचंचलचकोरकरेचारीसी इस
केंसमीरमत्तमोरनकीभीरछतकुंजनतेंदोरिदोरिपोर
पुरपारीसी अंगनकेंभासभूषनननकेंप्रकासमुखचं
दकेंउजासचेंबीआवतिचंध्यारीसी ४७ अथससंदे
हालंकारलछनं होइजुसंशयभेदकीउक्तिअनुक्तिप्र
मान भेदउक्तिनिश्चयगरबननिश्चयंतपुनिजाय
४८ इहिंबिधितानिप्रकारकोंसंदेहालंकार भाषतन
रकबितकुसलजिनकीबुद्धिउदार ४९ भेदोक्तिमें
निश्चयगर्भससंदेहयथा दोहरिनेसकिधौंमहिरूप
रवावेंतोसाततुरीदरसैं कहिकैयहपूरनचंदबिराज
तवाकोंकलंकसदापरसैं हैयहसागरधौंगुनकोंत
हकेपुकधौगुनहूसरसैं उवराघववीरजुबालहिदे
षिकबिंदनिसंसयसोंबरसैं ५० निश्चयांतयथा चंद
यहहोइतौकलंककतखोइगयोकमलजुहोइतोसरोव
रनदेख्योहे रतिरतिनाथहाथआरसीजुहोइतोसनेहल

गेंहूनो हूनो रूपकतपेष्योहै गांकतफरोषेंलषिगोरीकोर
छबीलोमुखनंदलालपियऊरसंसयविसेष्योहै ललि
तबिलासहासकुटिलकटाछलाससोरनसरसपाइसो
ईअवरेष्योहै ५१ भेदानुक्तिमेंससंदेहयथा नंदकुमारकु
म्हेरचिबेकोंबिरंचिकिधोंरूचिरंगीसुधाकर केधोंसिंगा
रहीएकधरेरसआपुमनोजकिधोंकुसुमाकर बेदअभ्या
सहीकेरससोंबिषमारसहीनलियेंजउताकर केसेंपुरा
तनमदमुनीरचेमंजुलकित्तिप्रतापकोआकर ५२ यही
शुद्धसंदेहालंकार यथावा मंजुमनिमानिककेचंदसुकोबि
तानकीकिपूरनप्रतापचंडभानकेप्रभानकी कीरतिकला
निधिकेचारुचंद्रिकानकीकि दामिनीसकामिनीकेमंदमु
सक्यानकी गावतीओनावनिदिषावतीतियानकीकिदंत
दुतिदीधितिसुधानकेनिधानकी रामचंद्रभूपतिकेंओन
दीपमालिकाकिदीपदीपदीपतिदिपतिदीपदानकी ५३
यथावा दीपतिदिवारीसीदिपतिरेहदीपतिसोंदामिनिसी
दमकेनदिनहूदुरतिहै राजतिअनंगतरुनाईकैंतरंगरति
रंगकेउमंगअंगअंगअंकुरतिहै अतरकेसोरनमेंतरहू
रहेहेंअतिसतरउरोजदेषिमनलीगतिमतिहै देषेलाल
रूपधरेरूपहेकिरसहेकिरंगहेकिरनोहेकिरमोहेकिर
तिहै ५४ अथरूपकालंकारलछंनं उपमानरूउपमेय
कोहैनपरस्परभेद अलंकाररूपकवहेहरतकबिनके
खेद ५४ एकजुसांगबषानियेबियोनिरंगबषानितीजो
होयपरंपरितऐसेभेदनिजानि ५५ अथसांगरूपकलछ

छुनं सर्बबस्तुबिषयसुजहांआरोपितसबअर्थ कहियत
अपनेशब्दकरिजानहुसुकबिसमर्थ ५६ कितनेशब्दनि
भाषियतकितनेअर्थगहीत एकदेशबर्तीसुसुनिरूपक
बिबुधनिप्रीत ५७ समस्तबस्तुबिषयसांगरूपकयथा
सुमनसमूहमनबांछितलहतजोतेंतलअबलंबितुरत
तापहरहैं सुषदअनेकसाखावारेद्विजबंदनिकोंसोभित
सुनगसुनसोरमकोमरुहै मिल्योईरहतकबिकोबिरमि
लिंदनिसोंसफलसफूलमलसकरकोबरुहै बालपन
तेरसालधरमकेआलबालसोहियतनंदलालदेवतर
बरहै ५८ यथावा सोहतधरममूलमंजुमतिआलवाल
नीतिथिरथंभयहरीतिसुषदाइहै कीरतिअनेकसाषप
त्रगुनकोरिलाषफूलमलेअमिलानीकेंकेलषाइयेमंग
लसमूहफलफलितललितअतिपेमरसपूरनबिलोकें
सुषपाइये जाकीछांहघरघरसेवतबिबुधबररामचंद्र
नृपतिकलपतरुगाइये ५९ यथावा लोचनबदनकर
चरनकमलफूलेकलअलकावलिअलिनकेनिकरसी
कुचकेकपटकोककोकीकेजुगललसैंहारलताललित
तरंगततिदरसी दारघनितबदुहूतीरनिबिराजिरहीसो
सोंअतिबटीज्योंओंमेहघटाबरसी सारीजरकसीकी
झलकसोंझकोरलेतसुंदरीलसतिसोभासुधासरसी
६० एकदेशवर्त्तीसांगरूपकयथा बलनिधिनरघुबी
रजबेदृगअंजतारिसरसकेभरमें अहिंपहलमिलनरनरं
गमहलपरतापदीपदीपितघरमें तबरमकिझमकिबर

86A

बिजुलतासमेतगबिलासकरतिकरमैं रससनमुखहू॰
परसैनजातफिरिसरमोइलपलकोनरमैं ६१ अथनिरंग
लछनं कहिनिरंगहै भेदकोसुद्धमालारूप होइजुरूपक
अंगबिनकहतकबिनकेभूप ६२ सुद्धनिरंगरूपकयथा
गीतनकीधुनिलेतिकुरंगीओछेथिरचित्रलिषीप्रतिमा
सी नंदकुमारतिहारीकथासुनियेपुनिपूछेजताईबिथा
सी अंतरसोवतनीरबिनाहूजुनाहीतेजानतिहोंरसरा॰
सी बाउरेरोपीजुनेहलतातिहिंसींचनलाग्योमनोजबि
लासी ६३ निरंगमालारूपकयथा सोभाकीलसनिकुल
सनिचितचातुरीकीकलाकीलसनिबिलसनिगूढमतिकी
रसकीतरंगिनीतरुनताकीहरषनिबरषनिरंगनिकीरंग
भूमिरतिकी सकलबिरंचिकीप्रवीनताकीप्रगटनिनट
निलुनाईकारटनिरतिपतिकी बिधाबंकबोलनिकीली॰
जैभरिअंकप्यारेनंदलालमूरतिसुरूपअजमतिकी ६४॰
अथपरंपरितरूपकलछनं एकआरोपउपायजहँहोइ॰
अन्यआरोप भाषतवहै परंपरितचारिभेदहैंआप ६५ श्लि
ष्टऔरअश्लिष्टकहिबाचकदुहूंप्रकार केवलमालाभेद
करिचारिभांतिनिर्धार ६६ श्लिष्टपरंपरितकेवलरूपक
यथा साहिबनंदकुमारसुजानकीकित्तिकाबिंदनियांप
रसंसी आठोंदिगीसनिप्यारहोईसनिओअवनीसनिहू
अवतंसी पूरनचेतहिमंसुकीअंसीतिहूंपुरकीतिमिरा॰
वलिनंसी मुक्तनिबीचधौंरुचिकेसुचिमानसमध्यनि
वासनिहंसी ६७ श्लिष्टपरंपरितमालारूपकयथा साधु

अ०क० जनमानसनिवासराजहंसकमलाकरबिलासकरिबेकों
८७ दिनकरहै कुवलयआनंदनिधानद्विजराजलोकजीव
87 ननिदानबरसातेजलधरहै भाईबिजेप्रथमप्रसिद्धि
रत्नामरतिबिपुलबिनोदकेनिकेतपंचसरहै राजतबिसा
लबंसमुकतारतनउमरामचंद्रऐसेआजुएकेनरवरहै
६८ अश्लिष्टपरंपरितकेवलरूपकयथा सुंदरआगेन
पानलभपरमेंनहैतैसीयेसुंदरताकेपारथआदिमहा
रथकेसमजीवनएकसबेजनताकेसाहिबसीरघुबीर
सुवालहिआजुमेलेंकबिकेबिदताकेसीदसरथकेंन
दमहाबलीकंदहैकीरतिकल्पलताके ६९ अश्लिष्टप
रंपरितमालारूपकयथा बिजयमतंगजकेराजतअला
नसिलासेतुकबिदारिददरदपारावारके चंडकरवारचं
डकरकेउदयगिरिकेलिकेरसीसालछिसीससुकुमा
रके उन्नमतअमंदमंदराचलबिलोकियतसंगरसमु
द्रप्रमथनकेबिहारके बैरिबनिताकेंमंगसेंदुरबिलोप
कराजेकररामवीरनृपतिउदारके ७० नवपल्लवकर
निबल्लरिनिकेकरकमलनिसेंमगनेननिके अरुकमल
मुखनिसेंकमलिनीनकेमुखचंदनिपिकबेंनिनिके ति
मिचंदचंद्रिकारुचिरदुकूलनिआठोदिससुखदेंनिनिके
नितकरतकामबिक्रमकोंधरिबलतेईमालिअतियेंनिनि
के ७१ इत्यादिरसनारूपकहूजानिये मालोपमाजेंपाइहंउ
पूर्वपूर्वकोपरपरप्रतिउपमेयलहै अथश्लेषालंकारल
छनं बहुतभांतिसोबहुतजहंकरतएकउश्लेष एकोकर

87A

तअनेकबिधिजहंउल्लेषसुलेष ७२ अनेककरिअनेकभां
तिउल्लेष यथा पारावारपयकोंअपारजानैंइंद्रिराऔरि
सिगिरिजानैंहरगेहकोगुसांइनी मानसरजानैंराजहंसन
केबसचंदचंद्रिकाचकोरजानैंतिमिरनसांइनी बिधिजा
नैंसीरहमहारहगनेसजानैंपानीजानैंनारदऔपारहर
सांइनी रामनपरावरोसुजसजानैंचंचरीकसुरतरुसुम
नसुबाससुबसांइनी ७३ एककरिअनेकभांतिउल्लेष
यथा चरननिकोमलनितंबनिमेपीननाभिसरमेगंभीर
धीरगजसेगवनकों मध्यदेशसछीनउरजनिमेंउतंगअ
तिदीरघदृगनिदुषदारिददवनकों ओठनिअरुनमुख
हासमेंउजासधरेमरातिबिजयरूपरतिकेरवनकोंकरु
नानिकेतएकआनरंकोंदेतहियभासीभरिभागधेयनव
केनवनकों ७४ यथावा लछिकहैनेहहीनदोषकहेंआ
सौनइंद्रियकहतनितनिग्रहकीबातहे ओजसकहतभी
रुनीरसबिसनकहैंकलिअहैकोनोबिधिसोयोनहिंजात
है कामकहैंकैसेंऊंनलीनीजातिचित्तवृत्तितिन्याजितर
कहैंसरसुतिसरसातहे परतियकहैंपंडुरजनकहैंम
परामचंद्रऔकहूअनेकसोंदिषातहैं ७५ अथपरिणामा
लंकारलछन उपमानजुउपमेयह्वैप्रकृतक्रियाकेंअर्थ
सोपरिनामबषानहींपंडितसुकबिसमर्थ ७६ यथा थिर
ह्वैरहतसुधापानहूंनसंचरतआपेलालेलोचनचकोरह
तदीजियें भाजिकैंचलतकतचरनसरोजनसोंनेकथिर
ताईगहेरवकतकीजियें वाटीइतीहरिकतधरहरकांपि

यतअंककहूनभरीकतखेदजलभीजियें भईलरिकईअब
पुरानीबसिढिनईतहनईआलीउपदेसदेतिलीजियें ७७
अथअप्रकुतिलछनं जहंउपमेयनिषेधिकेसाधतहेंउ
पमान तहांअप्रकुतिकहतहै पंडितसुकबिसुजान ७८ य
था याविधिभोगिपलालमनावतमानिनिमानतजो इहि
ठांही प्यारीकहातिमानकी हैयह धाइमिलोवलिकैंग
लबांही परनचंदकेमंडलहूआलिदेषहुरेषकलंककी
नांही सोइगईरतिकेस्रमसोंरजनीरमनीलपटीउरमां
ही ७९ यथावा देषहुआलीमनोजकोबैरकितायहआ
जुमयोजगजाहर नंदकुमारबियोगसोंहूबरीदीनष
रीमगनैंनिनमाहर कुंजनिकुंजनिमोररसालनिराज
तहैनअलीइहिठाहर साइक २मध्यरहीअतिघाइकैनै
लपटाघोहराहर ८० यथावा जोरतिनाइककोहमरीह
रनैंनहुतासनज्वालजरायो सोतुवनाभिसुधासरमैंनि
जअंअंगारनिआइबुझायो तामधितेंमगलोचनीमेच
कधूमसमूहगोमननायो सोईरुमावलिकोछलपाइ
उहूकुचकुंभनिकेबिचआयो ८१ अथअर्थश्लेषलछ
नं एकअर्थप्रतिपादकशब्दनिजहंअनेकभासतहैअ
र्थ ताहिअर्थकोश्लेषबषानतपंडितसुकबिसमहूसम
र्थ ८२ दिनधरतउदयअतिदीहप्रभाजुतदिपतदसोंदि
सबिमलकरै जगकरतउजागरजोतिनसोसुभकर्मप्र
वृत्तिनिभुवनभरै चलवोएचारस्वछंदगामिजनदुराचा
रकोंमेटिधरै नितसरसकरनिकमलाकरभोगीआपुप्र

88A

भाकरतमहिहेरे ८३ अथसमासोक्तिलछनं प्रस्तुतअर्थके
कहतवाक्यमेंश्लिष्टबिसेषनहीकेजोर जोअप्रस्तुतअर्थ
कहियतंसोसमासोक्तिसुकबिनिचितचोर ८४ यथा ला
गीसत्रुकंठरसपागीअनुरागीतहांजागीरनरजनिरचिति
मनभायोहे मातंगनिऊपरपरलपरनरदेषीऐसीतेगता
सोंइनचितअटकायोहे हांतोकबिपंडितबिबिधधुनि
मंडितनिभांतिभांतिरीनीनेहनेकनलगायोहे येहेंकहि
बेकोंनृपरामचंद्ररावरोसुजसहूतइंदिरानेंसिधुपेपठा
योहे ८५ यथावा बेधतिहेब्रजबालनकेमनरूपाबिसे
षबिलासनिजागी पानकेंरअधरामृतकेनिसबासर
पानिपरेंरसपागी कामकुतूहलकीमनुधामरहेनितरी
बहुरंगनिरागी कुंजनिकुंजरमावतिहेमनमोहनकेमु
रलीमुहलागी ८६ यथावा एकेमनभाईकेकन्हाईकर
लाईअरूएकेसरसाईमदुबेनिबुलाइके एकेंउहिंगा
ऐमुखचंदसोंउछंदलगिपियतिपिपूषपूरसंततसुहा
इके एकेरसरूपरंगरंगितबिराजेंतातेंतेहीब्रजराधीअ
तिकूहरीमचाइके छबिमदछाकीइतरातिइनरातिनमें
मुरलीअकेलीहरिसंगसुखपाइके ८७ यथावा बिधु
रीबदनपरस्रमजलबिंदुलसेंबारनकोंभारछुटिजातबा
रबारहे बिछीयाछनककिंकिनीगनगनकनेबरनकी
रनकसवननिसुखसारहे दीरघनितंबभरउरजनत
री२ गउरदुहैसीहितितनहांलेउरहारहे पानिकोंप्रहाररियें
झुलसतिहियेंतोकंदुककीकेलिकीयेंहोतिबेसेंमार

अ॰क॰ है ८८ अथनिदर्शनालंकारलछनं जहां बस्तुसंबंधनो
८९ हि बनतसुपुनिउपमाहि परिकल्पकहे निर्बहतनिदर्शि
८९ नाकहिताहि ८९ यथावा किर्त्तिकहंनपसीरघुवीरकी
चित्रपवित्रचरित्रनिपूरि बुद्धिकहापुनिंम्रोमनकीतिहि
नावनकोंउतकंठितहूरी दुस्तरसागरकोंचहिनोपरया
रनयोचहेंलेमगहूरी मेरुमहीधरकोंनरिबाथउठायो
चहेंपुनिधागिगहूरी ९० यथावा एकदिसांतुवतिख्य
प्रतापकुलासतमित्रसरोजसलोना दूजीदिसांतुवकी
रतिरितजुचित्तकुमोदनिआनदगोना साहिबसीरघुबी
रजुवालदुहुं मिलिकेबिसतारतजोना धारतहेजगसर
जचंदसमेतसुमेरकेसंगकीसोना ९१ बाहनसांअति
दीहअथाहतरंगिनीनाहनलेंतस्योचाहे लीयाचहेकर
मेंससिबिंबहितारनकेगनिबेंकोंउछाहे मेरुहिलांध्याच
हेनिहचोकरितोलनकोंधरनीरिउमाहे राघवबीरनु
वालजुतोगुनबंदअसंख्यगिराअवगाहे ९२ अथअ
न्यनिदर्शना आपुरुअपनेहेतुकेअन्वयकीजहंउक्ति हो
तक्रियाहीकरितहांनिदर्शनाइहिजुक्ति ९३ यथा छंदभु
वंगा लघुउन्नतपदपाइपरेअनयासहि इहिंबिधिलो
कनिकहतसिलाकनिकासदी सेलसिषरपरचढीय
देअधतछना मंदपवनदीहालिलषोसुबिचछना ९३
अथअप्रस्तुतप्रशंसालछनं दोहा अप्रस्तुतअर्थहिक
हतलषियतअन्यजुअर्थ अप्रस्तुतपरसंसलोभाषतसु
कबिसमर्थ ९५ कारजिकारनवस्तुप्रसंगरुकहिसामा

89A

न्यविसेषप्रसंग तिहितेअन्यबचनअरुतुल्यहिप्रस्तुत
तुल्यवचनकरिंग ॥९६॥ इहिबिधिपंचप्रकारकीअप्रस्तु
तपरसंस यासोंअन्योकहतकवित्ताकंजनिहंस ॥९७॥ का
रिजकेप्रसंगमेंकारनकोबचन यथा सवैया रंचकधी
रजकोंम्नहियासहियोजियनेकअनंगकीछेडनि कीनी
पयानसमेंबिनतीमेंउलंघिउहीअनुरागकीमेंडनि पूरी
नदीउरनैनकेनीरनिमुंदनकोंपरदेसकेपेंडनि बारहि
रोकि लईबहुबारसुबेलिनसीबहियानकेबेंडनि ॥९८॥
इहांप्रस्थानतेंपीनिवृत्तनेयेयहकारिजप्रश्नकीयेंकार
णकेसो अरुकारनकेप्रसंगमेंकारिजकोबचनयथा
गांनब्रजबालमेंनतामरसतालमेंन कामरसजालमेंन
जोन्हउजियारेमें सरदसमाजमेंनफूलरितुराजमेंनसें
कसुषसाजमेंनसीतलफुलेहारेमें घिरतचपललाल
लोचनकुरंगजुगनिरतफिरतरूपकाननकिनारेमें सु
लफकपोलपरजुलफजंजीरीडारिकुलफकियेतेतुम
तारेनैननतारमें ॥९९॥ इहांनाइकाकोनेहकारणहेताकेप्र
स्तावमेंकारिजकसो यथावा अरससोकछुहेउपज्योक
ल्यारसलेमुखसारसदेषति चोगुनैचोजमनोजकेओ
जउरोजनिकेजकलीअवरेषति लालनयरसकेबसदे
गठिजायअकेलियेगेअनिपेषति जानेहूजोवनकोंना
जसावतिबालहीबेसबिलासबिसेषति १०० इहांज्ञात
जोवनात्वकारणकेप्रसंगकारिजकहेसामान्यपेप्रसं
गमेंविशेषकोवचनयथा पोरुलकेनानलिनीदलपेजि

मिअंबरमैंउडुजोतिलषावै कोऊमहामुकताफलजानि
केंअंगीलीअग्रसोंजोलोंलगावैं तोलोंबिलाइगयोजल
बिंदुबढोतबअंतरसोचनमावैं मेरेंहीनागगयोउडिऐ
सैंबिचारकरैंनिसनीदनआवैं १०१ इहांजडुनकोंमहत्व
हैंयहसामान्यप्रस्तुतमएंबिशेषकह्यो विशेषकेप्रसंग
मैंसामान्यवचनयथा ताकोरूपजोबनसफलकरिजानि
पतदेषनकोंरतिऔरतीसअभिलाषैहैं ताकेंमालनव
नंकेरस्रोधरनीकोमागसारदऔनारदसहैंसमुखमांषै
हैं ताकेजुगलोचनचकोरछबिछाकेअरूपाकेंप्रेमपाइ
सुखसुधासचाषैहैं जिननिजआधेनेनकोरलषिराधेअ
तिसाधेहितबीचहरिबसकरिराषैहै १०२ इहांतूएसीहै
याविशेषकेप्रसंगमैंसामान्यकह्यो चोपई तुल्यप्रसंग
तुल्यअभिधानहितीनिप्रकारलषोबहुजान श्लेषसमा
सोकतिअरुउपमाआनतुल्यआछेपनिदान १०३ श्लेष
यथा फेलावतखुल्लेकमालाकरकेकोसकरपूरतअसे
षआसमासअधिकाउहै मेटंततबिपछतमबटतप्रताप
पुजदीनद्विजचक्रचितआनदकोचाउहै मंडतनछत्रकु
लतेजहिअखंडजाकोमंडलप्रचंडरुचिउदयकोदाउहै
कीरतिसुबासरहीफेलीदीपदीपरुचिसोहतसहजय
हसरकोसुभाउहै १०४ समासोक्तियथा फूलिसुनिकां
ननमैंधावतभ्रमरहैसुकेंनरुचिनीकीउहिकटकनिके
तकी अंगनिबिराईपुनिपेषियतिनिसदिनसंपतिपरा
गतनछाईछबिहेतकीबसमधुमाससमधिसहजबिकास

90A

जासुसंकरहैंजापरउदासमतिचेतकी सुमनअनेकऔरजो
बनप्रकामानसेवैकिहिंकामतौकठिनतनकेतकी १०५ इ
हांकुसितनारकाकेप्रसंगमैंकेतकीकोअभिधानहैतहां
समासोक्तिमलहै उपमाहीयथा मंडलजासुअखंडलसे
कहुंखंडितहूरुचिरीहलहीहै आसअनेकप्रकासकिये
बहुभासविलोकिमहीउमहीहै नैनचकोरसुधारसपूरि
तपूरितहांरसपूरसहीहै जोरैनहीकमलाकरसोकरको
नमयंकनैबानिगहीहै १०६ यहपुनिकाकुबाच्यमेंप्रतीय
मानजो अर्थताकेआरोपबिनाहीहोय यथा सागरयाजग
मैंउजागरबडाई तेरीकहामयोअंजुलीजुलीनोमुनिरोसकै
बासवबिपछकैरोषेतसपछगिरिजिनकोबढाउकोऊ
जानैकहाकोसकै ताऊपरबारिबिसतारहैअथाहरतेरोस
किहूजुजाकुकहूंकाहूएकरोसकै तोहूतुवखाईपैरसातये
पतालताईमानवओदानवउलंघिताहिकोसकै १०७ इहां
प्रस्तुतप्रभुकीदुखगाहताहीमैंतातपर्जिहैसकिबोनाही
बिबछित कोऊअध्यारोपहीकरिहोइयथा कोनहैतसुनि
ऊतरदैउसरोवरहोंमरुदेसकेनेरो पूरनहैतबदीनकोंबो
लतमित्रसुनोदुखमोहिघनेरो सांवनकेउनयेघनतेरि
नजाचिकियाजलमैंबहुतेरो सोसबहीहरिहैकरसोनि
रदैवहजेठकोमानकरैरो १०८ इहांदीनतादिकके आरोपही
करिप्रस्तुतअर्थकोअभिधानहै कोऊअंशहीकेआरोपक
रिहोतिहै यथा याकीसुनीरसनाबिपरीतरुकाननकीअ
धिकीचपलाई ठीठिरहीमरसोबहुमलिसीजानैनआप

नीश्रोरपराई नीतरहैकरसनोमहाईइतेपरबारनकिति
कहाई बातसुनाइकहोंअलिहांबलिसेवनयाहिकहारु
चिपाई १०९ इहांरसनाविपरीततारुशल्पकरताअमर
कोअसेवनकोहेतुनाहीकर्णचापलपुनिअसेवनकोहे
तुहीहै मरजलटीसेवनकोनिमित्तहीहैतातेंअंशकोआ
रोपहै अथअतिशयोक्तिलछनं उपमानजुउपमेयको
गिलिकेंहोतप्रकास प्रस्तुतकीजोअन्यताजबतबअर्थ
बिकास ११० करिजकारनकोजुकछुपूर्वापरबिपरीत
अतिशयउक्तिबषानियेचारिभांतिपरतीत १११ प्रथम
यथा दत्तचंद्रिकायांछंद मोतीदाम करैचपलानैगब्योम
बिहार सुमेरतरैंजमुनाजलधार मिलेंतिनसोंसुरसिंधुत
रंग खिलेअरबिंदसुधाकरसंग १२ कपोलकुलाहलको
मलकंठ सुनैंजुबतैंअतिहीउतकंठ दबेफलबिंबजुकुं
दकलीनी बसैरसगुंजतपुंजअलीन १३ लसैंजुगकंच
नकेलिनवीन चलाचलहोइरहीदलहीन रहीकलहं
सकुलीगहिमोंनलषैसषियांपहओसरकौन १४ यथा
वा चंचलबिराजैलताकंचनकीतापेचंदतहांअतिचारु
सुधारसकेतरंगहै तिनकीछबीलीछबिबिद्रुमकेबीच
बीचबिद्रुमकोंसराउदै सूरजसोंजंगहै चांदनीकेचहू
ओरराजैंअंधकारकुलतिनकोंसदाहीचक्रवाकनिकेसं
गहै लोचनसफलकरिलीजियतलालइहिंमहलकरोष
मैंअनोषरूपरंगहै १५ यथावा चटकनचटकतबोलत
मरालहूनचंचरीकगुंजेकेहरीसोंजटिजटिके अंतरिछउ

घरतउछलतअमीधारकुलकतबाजकुलहीतैंछूटिछूटि
के चक्रचलदेषियतबिहसतबिंबफलफलेअरविंदकौंम
दंदलटिलटिके गिलतमपंकतमउगिलतकोरिकलाउछि
छिलततैरातैंयाछूटिछूटिके १६ द्वितीययथा औरैंबैंन
चातुरीमेंआतुरीबिराजेऔरैं औरैंबिधिबैंननकीरहीबहु
बोरैसी औरैंरंगअंगनकेंसंगरसरंगरुचिदिनदिनमाउन
केदाउनपेदौरैसी औरैंभांतिकुतीअबऔरैंकछूदेषियति
पियकेमनोरथकीबेलिमनमोरैसी रतिकीउमाहमईऔ
रेहियाहमईवाहवाहप्यारीचितचाहमईऔरैसी १७यथा
वा कंचनचंपकदीपकदामिनीदीपतिदावनकीद्युतिदौरे
देहदसारितुराजबिराजतमाधुरीमंजुलमंजरीमौरे हौंहि
नदेवतादानवीमानवीऐसीकहैंतिनकीमतिबौरे औरैर
चीरुचिकीरचनायहऔरैप्रपंचबिरंचिहैऔरै १८ तृतीय
यथा छिगरकाबगुलाबकोंआबअमीकेपयोनिधिन्हकैबो
केहै केसरिकेरससौंकरिमंजनकंजनकेमकरंदनिलेहै
पूरनछैपुनिदंपतिछैकलबालअलीनकीपांतिधरैहै चं
दतबैछुटैकुंतलबालकेलोलकपोलकीसंपतिपैहै १९ च
तुर्थयथा हूतिनहूतपनोदरसायोसखीनिकितीहितरीति
सिखाई मानमनाइबेोमानैंननमानिनीआनकिएचितते
हितिषाई ताछिनहीअलिकाहूंकहेबलिआपहेंअपुसौं
सोंहनीखाई आगेहीधीरजमानहिलेगयेपाछेंतेंदीनी
हैकान्हदिषाई २० अथप्रतिवस्तुपमालछनं दुपई इक
उपमेयवाक्यअहदूजोपुनउपमानवाक्यतहंआनों इकसा

अ०क० धारनधर्मसबदकौभेदसुप्रतिबस्तुपमाजानौं २१ यथा रा
९२ जतिराधिकरूपगुनाधिकजोबनजोतिनकीरजधानी त
बलिबारसराजमईरचनाकहुंलाइकएकबपानी कोग
92 निपैंपरिवारबरबरिंतब्रजइलहकीपटरानी भूषनकौं
तनुभोगिबेजोगिनजोमनिदेवतानवहिआनी २२ जोद
हिबकहहैप्रभुपावकतौकतअंतरअद्भुतआनत जोगुरु
तामरभूषितमधरतौवकहाचित्रबिचित्रकैमानत हेजल
पारोसदईमहोदधिजाहिसुधाससिकोनिधिगानत ता
तेंपरीषहुसंतनकौकछुआइसुभावैअडिगाबषानत २३
इत्यादिमालाप्रतिबस्तूपमाजानियो अथदृष्टांतालंका
रलछनं दोहा साधारनधर्मादिसबजहंप्रतिबिंबितहोय
दृष्टांतालंकारसोंकबिजनचित्तदोत्त २४ यथा एतौमान
कियोतोहिकैसोकरिबनैगोबीरपावैंपियप्रानपीरधीरतास
बैकटै तेरेगुनगानैतिन्हैतनकछूजानैजऊसुनिसुनिरवा
सोरकुंजकुंजमैंपटैं आननिपतोलेंरासमंडलमैंभासैं।
जोलौंतेरेअंगरंगउनमैनननसोंनामटैं अधकारपछअंत
रिछमैंप्रकासमानतारकानजोतिघटैचंदकीकलावढै २५
यहसाधर्म्यकरिजानौं वैधर्म्यकरियथा मातंगइंदनकेह
लकाभिहरंरनकेबहुबदरयते तेगकेपानिपपूरबढाय
तेंकीरतिबालिकेबीजबयेतें आनरजापसिचेत्तनआ
वतरामभुवालकैंभेंटभयेतें लागेसरोवरनीरगनीरबि
नाउहिनीरघितीरगयेतें २६ अथदीपकलछनं प्रकृत
औरअप्रकृतकौधर्मकहौइकबार बकुतक्रियाइककका

92A

रकहिसोदीपकनिर्धार २७ प्रथमयथा दोहा फनिफनम
निधनहरूपनकोकेसरिकेसिरकेस कुलबनितनकेकुच
कलसअपरसरहतहमेस २८ यथावा सवैया जोबनकोम
दनीरमनसोसरफालरियोतरओअनुरागें नीकोदुकूलदि
साबरकोरंगषानिकोमानिकजोतिनजागे फूल्योबसंत
प्रभातकोएंकजपून्योकोंचंदसुधारसपागे सावनकोघन
सांवरोनाहबिलोकतनैंननिनीकोईलागे २९ द्वितीययथा
जोबनजोरजेवाहरजोतिभरीदृगरूपसुधाबरसावे घूंघ
टमोंफलुचैमुलकेकुलकेपुलकेअंगिरेअरसावे बांनिय
रीदिनद्वैकतेबालहिलालतुमैंपरसैंपरसावे मंदहसैं
फुलसैबिलसैररसैसरसैतरसैतरसावे ३०यथावा किं
किनीनपरजुगमंदधुनिबाजनकीलागेंलंकछाजनकी
लीनत्रिबलीनकी मंदफहराने चारुचूनरिकेअंचलकी
चंचलदृगंचलकीकंचनषुभीनकी हालतहमेलनकी
सीरीपोनकेलनकीफूमीअलबेलिनकीलालपटलीनकी
मलतिनओपैअजोबहेछबिफलनकीबिथुरनिफूलन
कीअलकषुलीनकी ३१ अथमालादीपकलछनं दोहा
पहिलेरवस्तुकरिअवरउत्तरजत्य उपकृतकीजतमाष
हीमालादीपकतत्य ३२ यथा संपत्तिसुहागभागआगरी
गरूरनरीसोतिमननागनपेएकेनागदवनी दिनदरस
तिचिततेरैअतिगतिरतिरतितासोंयहमाधुरीबिराजेगजग
वनी माधुरीसोंरूपरूपसंपतिसोंजोबनओजोबनसोंअं
गअंगसों[illegible]बतुवरवनी तुमसोंरसिकरा

सिकाईसौं सकल ब्रजराजि ब्रजमंडलसौं सातद्वीप अव-
नी ३३ यथावा जिय आस्वाद प्रमान लसत रस रसिक कबि-
बिता कबिता करि सरसुती तिहीं करि रसिकनि सबिता र
सिकसम्पसहृदयनि सम्रासंतत छबि छाजे समाज दक
रि सदा लसत तुम सब सिरताजे तुमकरि असेष नरसैल
हि सरसति नित सोभा बहल नपश्रीरघुबीर बिलोकिये
तहिं बैठि कंचनमहल ३४ अथ तुल्ययोगितालंकारलछ-
नं प्रकृत किधौं अप्रकृत तहीं तुल्यधर्मगुन जोग जहां धरे
तुल्यजोगिता ताहि कहत कबिलोग ३५ प्रथमयथा लाल
बिंदु लाल लोल लोचन बिसाल अवलोकनि रसाल उ-
जियारी सुषधाम की दसनबसन सोभ सनत हसनि मु
खलसनि कसनि कुच कंचुकी के दाम की अंगउमगनि
नेहलगनि खगनि जियजोति जगमगनि जाम जा
म की सहज की बानि सो बिराजै तन बाम की यों मानों एन
काम की चटी है फोज काम की ३६ अप्रकृतनिबंधना द्वि
तीय यथा चेत की चंद्र की चद्रिका चंद्रक चंदन चारु चैंबे
ली के चोसर नारद पारद सारद आसारद बारिद सार सु
धारस के सर हीरक हार हरा हर हंसक हास हिमाचलस
गल मो सर एक ही गात उदोतसि होत नीगीलाल के गुन-
गान के औसर ३७ अथ ब्यतिरेकालंकारलछनं उपमेय
सहि उपमानतें ब्यतिरेक सु ब्यतिरेक सो चौबीस प्रकार
कहि कबिता में रससेक ३८ उपमेय हि उत्कर्ष अरु जो नि
कर्ष उपमान सो ब्यतिरेक हि हेतु रतन दुहूं न उक्ति प्रमा

93A

न ३९ अरु इकरु इकरु दुहूनकी अनुकृतितीनिप्रकार इहिं
बिधिबाहोभेदयेजेयेमात्रिबिधआधार ४० सद्ध अर्थआ
छेपबललक्षजुकहीप्रमान इहिंबिधिबारहभेदयेसुछ
सलेषसमान ४१ तातेंकहिचोबीसबिधिव्यतिरेकालंका
र उदाहरनमेंप्रगटहीदरसैंहोंबहुबार ४२ शाद्दीउपमा
मेंअनयोक्तिव्यतिरेकयथा पूरनछेकबहूरकसोअपनी
रुचिसागरपूरबटावे पूरनहैयहसंततहीरुचिसोंसुख
सागरकोंसरसावे रैनिप्रकासतसोदिनरैनिसदायह
दीहप्रकासहिपावे चंदअओसीरघुबीरजुबालहिआषत
हीकबिवेंनलजावे ४३ शाद्दीउपमामैंउपमेयकेआ
धिक्यहीकीउक्तिमेंव्यतिरेकयथा पूरनसदाहीसबहीकों
सुषदाईसत्रुघातकमहाईनहिपातकपरसैहे रैनिदिनजा
ईहिमरीपतिदिपाईजलथानथिरथाईदिनकरसोंसरसै
हे छिजनिसहाईछिजसेबकतापाईकमगंजनसवाईरूप
सुंदरदरसैहे राजरतजाईसर्वऊपरसुहाईजाकीरामचंद
ससिजोकहतकोंनरसैहे ४४ शाद्दीउपमामैंउपमानकी
न्यनतोक्तिमेंव्यतिरेकयथा पानकियोपहलैमुनिनैंपुनि
धारतुहैमरजादकीआगर पारकियोबहुसोकापनैंफिरि
बांधिलियोरघुनाइकनागर फेरिमथ्योसुरकेरिपुनैंबहु
सोषिलियोप्रलयाग्निजागरसो जपसाहिमुवालबलीक
हैंसागरऐसोंकतेतोजससागर ४५ शाद्दीउपमामैंअनुनयो
क्तिव्यतिरेकयथा आलीसीआलीतरैयनिकीनहैकामिनी
सीनहिजामिनीआजे लोचनसेबिकसेनकुमोदरहोचित

अ०कं० सेनचकोरहूछाजैं इनकेनितआनंदऔसरसीनसरहूव
९४ संतदुहूधितुसाजैं पाछविकीनहिंचंद्रकाराजतिश्रीरघु
नाथसोचंद्रनराजे ४६ अबआर्थीउपमामेंउपमेयोक्तिव्य
94 x तिरेकयथा वाकेबीचसरवेउदेकीकमलाकोबासयामेंक
मलाहेअरुयहीकमलाकोमल वाकेनालसंततबिलोकि
यैंअनेकसलयाकेनालहूरिहोतदारिदुसहसल वाके
पानपानपरगुंजरतभौंरभीरयाकेकहेहाथिनकैगुंजरैंक
पोलकूल वाकोंकहैंपंकजातयाकोंकैहैंपंकहररघुवरते
x रेकरकैंपवहैंकंजतल ४७ आर्थीउपमामैंउपमेयकी
आधिक्योक्तिमेंव्यतिरेकयथा पीतमकेमातेनैंनमधुपा
निपीजियतवेपुनिइहांईपगेसवतनआनहैं अनहीको
चारुमुषचंदलषिफूलतजहनीबढैसोमनिसिआवत
x प्रमानहैं नासकबिरहजउताईकोबिलासहासहावभा
वलीलाजसजाहिरजहोनहैं राजतउजासरूपसोरमदु
हूनिकहाराधिकाकेआननकैंपंकजसमानहै ४८ आर्थी
उपमामैंउपमानकीन्यूनतोक्तिमेंव्यतिरेकयथा देवनषि
टासोराहुआननमैंडासोतहांखंडितनिहासोरतघान
दीहदुखसों कलंकहिधासोकलासोरहेंसंगासोनहिंबि
सरबिगासोचंदआननरोषरूपसों कुहूनेंउजासोएकोअं
सनउबासोतियआननसोंहासोवकहूंपूरनकलुषसोंका
x हूनसिंगासोद्विजदीननांउपासोचंदकैसेकेनिहासोतु
ल्यराधिकाकेमुखसों ४९ आर्थीउपमामैंअनुमेयोक्तिव्य
तिरेकयथा पल्लवनिहोइतेरेपाइनकीतुलानहीअंगुलिप्र

94A

वालसमकेसैं कैबषानियें हीरनिसमाननखजातिहून

होतिप्यारीजावककेतुल्यअरुनाईनहीजानियें लालनको

चितच्रोसुहागभागसोतिनकोचंपतचलतिमंदगतिसुख

दानियें तोतुवसमानमनमानिवीनआनकोरिमाधुरीनि

धानरतिंएमासीबिगानियें ५० अबआछिप्तोपमामैंउप

योक्तिव्यतिरेकयथा जातिजबेससिमंडलमैंतबपंकज

केगुनभोगनपावे पंकजमैंजबजातितबेससिमंडलजो

तिनअठाजगावे यातेअलीतुवआननसेवतिलछिदुहूं

गुनभोगनिभावे जोसोससीअरुपंकजहूतुदआननके

छिगमंदलषावे ५१ आछिप्तोपमामैंउपमेयकेआधिका

कीउक्तिमैंव्यतिरेकयथा दानजलचलततरंगिनीप्रवा

हजातेंजिनकरिंडारेजगकेतेदेवतरवर ललित२लाल

मैंगामनिमोतीलालतरलतुरंगजालतिनकोसदाईघ

र कीरतिप्रतापमहताबआफताबहूनोजाहीतेउदित

नितपूरनप्रकासधर दसरथनंदरघुवीरमहाबाहुबा

लीसागरतेआगरबिराजेगुनतेरेकर ५२ आछिप्तोपमा

मैंउपमानकीन्यूनतोक्तिमैंव्यतिरेकयथा खेहलगैंदर

सेदुतिऊजरीनेहलगैंमिटिजातहैंछाही आंनतियाअ

पनोमुषचंदसेंवारिसिंगारिलिषेजिहिमाही पोछैनको

ऊबषानतहेगुनकोजनहाव्यहीहाव्यविकोही कोरिकमो

जिधरेमुखसारसकोरुचिआरसकेमधिनाहि ५३ आछि

प्तोपमामैंअनुभयोक्तिव्यतिरेकयथा रुचिखंजनकीअति

षंजनलैसरसीरुहकीछबिछीनकरी अलिमीनचकोरनि

अ०क०
९५
95

चैंननहीरतिनाइकसाइकसोमहरी परिप्यासपपीहनि
पीरघनीमुकतामनिजोतिहूमंदपरी मगछौंननिजीति
चलीबटिकैं अंखियातुबराजतिमानमरी ५४ ऐसैंहीबा
रहभेदश्लेषहूमैंहोतहैं तहांशा०श्लीउपमामैंउभयोक्तिश्ले
षव्यतिरेक यथा गुननिनिधानयहदेख्योवहदोषाकरय
हदुषहारीवहसोरहकलेसही हैयहसुमोदाकोबिकास
कपरमवहत्रासतकुमोदकैबिकासकहमेसही यहच
तुराईकौनिधानवहसुधाकरयहहैनतारकेसवहतारके
सही याकेउरबसेहरिवाउरहरिनबसेचंदकेसमुनावन
जयसिंहकेसही ५५ शा०श्लीउपमामैंउपमेयकेआधिक्य
कीउक्तिमैंश्लेषव्यतिरेकयथा मंडलअखंडकमलाक
रहुलासकरजाकेकरदारिदकीजडताकोहरैंही दिन
दिनदेषियेअपूरबउदयकीयैंदीनद्विजचक्रहीयेआन
दकोंभरैंही रहतअनेकबुधकबिजाकेसंनिधानमंगल
सहैसजिहिं आगेसोंमकरैंही माजैंतमजाहिलषिराजे
रामचंद्रभूपचंदसोंकहतकबिराजलाजधरैंही ५६ शा
श्लीउपमामैं उपमानकीन्यूनतोक्तिमैंश्लेषव्यतिरेकयथारह
तरसाकोरसधरतप्रचंडकरकरतनउरेरजनीकैंमुखटो
हिय पूरतनऐकोद्विजराजकीरुचिरुचिजावैंचाहमंडल
हगनिदुषदेहिये कुवलयआनंदबिकासकननभोगत
कमलाकरनकौउल्लासतजाहिये दीपतिमछत्रकुलमा
नकीहरनजाकीरघुबीरभूपजिमिसरजकौंसोहिये ५७
शा०श्लीउपमामैंअनुभयोक्तिश्लेषव्यतिरेकयथा धरतप्रता

पतेजचंडकरसेनतुमदोषाकरसेनसुमपोभाकेनिधानहो
ऐतेतुअरूपरूपमनमथसेनकछूहोतुनसमुद्रसेगंभीरगु
नगानहो सुरालयसेनअनितअनतसुनावजुतवामसेनवि
जयसमेतभासमानहो मधुसेनमानिनीमनहिमानमोच
नसोंरामचंद्रपोंनसेंनपूरेबलबानहो ५८ आर्थीउपमामैं
उपमेयोक्तिश्लेषव्यतिरेकयथा मंडलतेरोअषंडलसेंवहखं
डितमंडलहोतसदाई तोकरपाइखुलैकमलाकरवाकरमु
द्रिततारसाई मित्रसमीपप्रकासततगनि मित्रहिदेषिप्र
भाविनसाई तुल्पमयंककेकैसैंकहैंतुहिराघवबीरमहासु
खदाई ५९ अर्थीउपमामैंउपमेयकेअधिकामैंश्लेषव्य
तिरेकयथा पानिपपूरनहेमधुरानहिमंदरहेमणिबेकहं
जाकें कोरिसपक्षबिपक्षरहे गिरिजासरनैंबहुधारेंक्षमा
कें जाकीमनीहरिकोऊनलेसकेदीननिदेतअनेकरमा
कें राघवबीरजुवालहिभाषतकोकविसागरकीउपमा
कें ६० एसैंओरोजानियें आक्षिप्तोपमामैंउपमेयकेआ
धिक्यकीउक्तिश्लेषव्यतिरेकयथा सोहतसदाईदलरोतम
दमातेजाकेंप्रफुल्लितसुमनसमहानितदेषिये कोरिसुम
फलनिफलितजोहमेसलसेघरमैंसुदिगमलप्रकटहो
पषिये रहैमधुमाससोंउदासद्विजवंदपरबिस्तरतचैंन
मैंनसरसुनलेषिये ठोरठोरजाकीछांहजाकेंभ्रमरहैंनहो
अद्भुतरसालनंदलालअवरेषिये ६१ याभांतिओरोंमेउ
जानिये अथआक्षेपालंकारलक्षनं कसोऊचहियततो
सुकोजहंनिषेधदरसाइ कछुबिसेषकेकहनकीचाहहि

पैंसरसाइ ६२ आछेपालंकारसोकहियतकबिनिबषाबि
सापुनिकहिबैबिषयाइकहेबिषयबिपजानि ६३ यथा
पियनंदकुमारउहीललनाहितखेदकरैं ममकोरिगुनैं
महदेसमहाकरुनारसकेमनमोहनजइकबातसुनोअ
होकेअबबारतरहीसबहीनिबहीतुमतेसुखनेहदुनैंअ
बिचारितकाजिधारनहारिवहैफलआपुबपनिलुनैं
६४ द्वितीययथा चंदनचंदकचंद्रऔचंद्रिकासौंकदलीदि
नहेहदहेंगी सोहीमृणालबलैंनालिनीदलदेषतहीतनता
पलहेंगी नंदकिसोररसालतुम्हैंहियराषतजेउपचारबहे
गी हैहैंतेपावककीलपटैंकहैंसोऊकहावककूनकेहेंगी
६५ अथबिभावनालंकारलछनं कारनबिनहूदेषियत
जहैंकाजअवतार कहियताहिबिभवनाअलंकारग
नसार ६६ यथा फूलमरीनवकुंजलतानिहनीनतऊहि
पपारहिपावे रासमेरेमदमत्तअलीनउसीनतऊअति
हीमहरावे कोलिसरोवरकीलहरी नहलाइहूकूमतसी
दरसावे नागरनंदकुमारतिहारैंबियोगअवमोयहीउ
हिआवे ६७ अथविशेषोक्तिलंछनं दोहा कारनजहांअ
खंडहैंअरुकाजिनहिहोइ ताहिविशेषोकतिकहैंकबि
कोबिदसबकोइ ६८ एकअनुक्तनिमित्तहैउक्तनिमित्त
एकदोकअचिंत्यनिमित्तयौंत्रिबिधकरोसबिबेक ६९
कमहीसौंयथा मा०नउदैनएभोरहीजागीसखीजन
कुंजकेवाहरआई हांसीकरैंकरतारीहिदैदैकरोषनिकौं
कतिभेरवगाई सीनंदलालपियाउरहूपरिरंभनकीह

96A

चिमंदलषाई तोहूडुहूगुजबंधनसेंानचलीलखनरीति केसमछाई ७० ज्वालमेरैंहरनैनकुतासनदाहेहूदेहजु देतदरेरो आपतुहेनरनारिनिकेउरजीतनकोंसमरथ्य घनेरो बीरमहाईत्र्यवारितबीरजधीरजधूननबानक रेरो ननतनकिसिप्रतापकेधामसदातुहिकामप्रणामहे मेरो ७१ जीततत्तीनोजगतइकत कुसुमायुधकामदेह हरतहूहरहसोनहितुवबलउद्दाम ७२ अथयथासंख्या लंकारलछनं दोहा क्रमवारेत्र्प्रर्थनिनहोक्रमसोंत्र्प्रन्व यहोतजथासंख्यतितिहिसोकहैजिनकैंबुछिउदोत ७३श्री रघुबीरजुबालननैतुमभासतहोतिहुंभातिनलीयेंबी रबिपछजुवालनकेबुधलोगनिकेबनितानकेहीयेंसु रताईकरिनरिबिनैकरिकामज्योकेलिकलानकोंकीयें तीछनतापहिंत्र्प्रानरदायहिनेहकलापहिसंततदीये७४ अथत्र्प्रर्थातरंन्यासलछनं जेहसामान्यबिसेषकियति हिंत्र्प्रमसेंविकास साधर्म्यहवैधर्म्यकरिसोत्र्प्रर्थांतरन्या स ७५ क्रमहीसायषा तैजुकप्रापियसीनरलालकेंमा लमहावररंगत्र्प्रडीपरो सोयहतोहगकोरंगहेप्रतिबिं बितचंदनखौरिकेनीयरो देषतसुंदरहूंबिपरीतजेबे निजदोषसोदूषितहीयरो आपनेईचषपित्तकेंदोषतसे ससिसोसितसंखहूपीयरो ७६ एकतियासजिभूषनअं बरचोदिनीकेत्र्प्रनिसारकेलाइक जातिहीपीतमपास चलीइतनेमेंकहूंत्र्प्रयपानिसनायक श्रीरघुनाथपटे तबतोजसधारतजेससिकोटितुलाइक सोनिहिचिंत

८३ इहां पंकजताहि जाति दवानलत्व जातिसों विरोध है जाते पंकजत्व जाति है तहां दवानलत्व है नहीं किंतु शीतलत्व
जाति है परंतु विरहीहि पंकजता करि पंकजत्व में दवदहनत्व को उपचार करि विरोध परिहार कियो इहां गिरित्वादि जातिन
कों उच्चत्वाभावरूप गुण चलत्वाभावरूप गुण गंभीरत्वाभावरूप गुण लघुत्व गुण अरु प्रभा को अभावरूप गुण [illegible]
अरु प्रभुता गुण इनसों विरोध है जाते गिरि में उच्चता को अभाव है नहीं सदागति पौन को नाम है पौन में अचलता है नहीं
चलता ही है अरु सागर में गंभीरता को अभाव है नहीं गंभीरता ही है अरु मेदिनी में लघुता है नहीं अरु सूर्य में
प्रभा को अभाव है नहीं अरु इंदु में प्रभुता गुन को अभाव है नहीं यों गिरित्व सदागतित्व सागरत्व मेदिनीत्व शशित्व वा
सवत्व जातिन को उच्चत्वाभावादि गुनन सों विरोध जानिये अरु तहां राजा की बड़ी बड़ाई कहिये है या अर्थ की विवक्षा सों सब
गमें विरोध दूर कीजिये अधिक कहौं तो इंगित सों अपनी बुद्धि सों जानियो १८४

अ०क० गई पिय मौन कौं कौन कौं होन महासुखदाइक ७७ गुन
९७ ही सों गुन ही बहत बहुत भार सिर डारि कंधन बाठापर
हि सुख सोवत बर दगरारि ७८ सो अपराधी आजहीं स
97 हि पिय बिरह अमंद धनि धनि ते जन जे गए बिन देखें दु
खदंद ७९ अथ बिरोधालंकारलक्षनं बस्तु रीति अबि
रोध हू कहिमत बचन बिरुद्ध अलंकार सु बिधि कहिय ए
त है मति सुद्ध ८० जाति जाति अरु गुन क्रिया द्रव्य बिरुद्ध
बषानि गुन तीनी निरुद्ध सों क्रिया द्रव्य द्रव्य सों जानि ८१ द
हिबिधि दसबिध होत है सु बिरोधालंकार उदाहरन तत ह
दीजियें दस हू कबित उदार ८२ क्रम ही सों उदाहरन जा
ति जाति सों बिरुद्ध यथा अतितापन रंग रूप रतोंपे सखी
जन पंकज पत्र नये कुच हार दुहूं कर की बलया पुनि अ
लेम णाल के जाल ठये नलिनी दल सेज निखावति के
त गुलाबन के घट टोरि दये पिय सीन दलाल बियोग स
बै तिहिं आग दवानल ज्वाल भये ८३ जाति गुन सों बिरुद्ध
यथा मेरु मले मयना कहिमाचल मंदर से गिरि ऊंचे नला
गें पौन सदागति हू अचले अरु सागर हू गहराई कौं त्यागें
मेदिनि हू अति हीं लघुता गति सूरसे सी हू प्रभा न हिं जागें
सी रघुबीर सुवाल बिलोकत तौं सब हू प्रभुता गुन भागें ८४
जाति क्रिया सों बिरुद्ध जथा देषियत धार धरती कूं नसरी
रसो ऊ लागि चरि कंठ अनुराग हिग हत है ऽसघन सनेह
सों सनत होत चिक नो ऊ केरे रांत घटे ता के राष्यो अंचरहत
हे तजके निधान पर पछतम छाइ देत पानि पसों पूरे पर

97A

पानिपरहतहै रघुवरभूपकरावैकेरोषमा अंजनसह

पांषिखिनजरीलहतहै ८५ जातिद्रव्यसोंविरुद्धयथा जा

मेंसाततलोकअधऊरधहैं सातसोअकासपरजाकेन

हीऐसेंकहूंख्यालहै सोईपुनिजाकेसीससिरोरुहदेषि

यततिनकीबाढाईकहैं बेदहूबिहालहै दसरथनंदकुमा

लरामचंद्रतेऊहरिहरदेवदोऊनिपटनिहालहैं ताकर

हंमेसरदानसलिलनिदानतुवसुजससरोजमधिमधुप

मरालहैं ८६ गुनगुनसोंबिरुद्धयथा मंजनरंजनमंजन

लेपनआदिघनेघनरंधंधनिघेरे काटतकूटतआटत

ओटतमूसरघातनिदेतदरेरे तेकबिकोबिदबिप्रनकी

घरनीनकेपानिखरेईकरेरे सोरघुबीरतुवालकेराजत

ईकमलदलकोमलहेरे ८७ गुनक्रियासोंविरुद्धजथा ख

लकोमलहूबचनउचारहिंछेकसुजनचित्तनिमेंपारहिं

सुजनकठिनहूबोलनिधारहिंचंदनसोअतिसुखबिस

तारहिं खलअरुसुजनदुहूनिबीचइतनोईअंतरजेअ

वधारहिं तेपुनिसज्जनराजहंससमछीरनीरनेदतनहि

हारहिं ८८ गुनद्रव्यसौंबिरुद्धयथा अतरअनंतकेसक

लत्रिलोकीयहसोऊकहूसागरकेएकदेसप्यानहैं वेहो

मुनिकुंभजनेचुलुकितकीनोसोऊजिंगनप्रमानवासमा

नआसमानहे दसरथनंदननरिंदबलीरामचंद्रहीहैंबि

धिबडोबडीमहिमाबषानहैं सोऊतुवचंद्रिकासीकीरति

हीकामिनीकेस्रवनबिराजेइंदीवरकेसमानहे ८९ लघु

तागुनआकाशद्रव्यसौंबिरुद्धहै क्रियाक्रियासौंविरुद्धयथा

अ०क० इकऔरबहैहिमसीतलतापुलकावलिबेपथुसंगनैरेइ
१९८ कओरकृतासज्यौंनीतरबाहरजाहरज्वालनिजोरजैरेपि
पनंदकुमारतिहारैबियोगयहैबहुकौतिगजानियैरेसु
98 बियोगिनिकेअंगअंगपरीजउताहिकरैअहतापधरै९०
इपाइअसौविरहउयथा पानिपकेनिधिलोकलैसमति
मोतिनकेइकआकरहीहै जानियहैचितवाहनैरहमसा
गरकीसरनाईलहीहै कोयहजानतुहैबिधिकीगतिकुं
मजअंगुलीएकमैलीहै व्याकुलमीनमहामकरावलि
संजुतहीछिनएकमैपीहै ९१ इत्यइत्यसौविरहउयथारघु
बंसपयोनिधिचंदकीकीरतिफैलतहीलगीचंदहिबिंदी
हीरकहंसहंसीमुकताहलहारहिमाचलकीरुचिनिंदीचं
दकचंदनकुंदनपरदरूपकीजोतिकरीसरमिंदी विंध्य
कस्याकपलासमहीधरदेवतरंगिनिकीनीकलिंदी९२
अथस्वभावोक्तिलछनं होतजुबालकआदिकेक्रियारूप
बरनाउ ताहिस्वभावोकुतिकहतसकलकबिनकेराउ९३
पाछेतेपसारिदुहूंपाइननवाइपीठिबंसहिलचाइदीहअंग
बिततायकेग्रीवहिउठाईबंकमुखहिलगाइउरकंधधूधि
सरीसटनिकोधुजाइकेभारीघासयासअभिलाषनसैंनिरं
तरतुंडहिचलायहयअतिहीसुहाईकेसपनंतेउठ्योमंद
धुनिकोधरतधराखुरसोलिषतरसोध्यानमनुलाइके९४
साझसमैपउअंचलमैअतिचंचलदीपकजोतिदुरायैता
केप्रकासउठोहैउरोजनिकंचुकीकैरुचिचित्तचुरायैहरि
हैरहरैपाईधरैभवकंजऊलाबनिबीकपुरायैजातिचली

पियमंदिरकोमहरेदीपमेंमगुहैंसुदुरायें ॥५॥ अथव्याजस्तुति
लछनं पहलैनिंदास्तुतिजहांस्तुतिनिंदापरिनाम व्याजस्तु
तितासोकहैंकबिकुलमुकुटलनाम ॥६॥ यथा भवको
लुटेरोकोऊईसयानगरकौसुमायाहरिलैहै आपुमायाहीको
नाहरे कंठबिषदेहै घोरधतराषवैहै देहसुधिबिसरैदेहैता
कीपहेराहरे छाडिहै दिगंबरकेराषिहै मसानमांझभूतनके
संगऐसीकाहिचितचाहरे जोपैकहूंजातहैतोओरमगजा
हपंथीघरनीकुटमवारैकासीजिनिजाहरे ॥७॥ यथावाब्र
ह्महासुरापीहैमहाराभूनपापीसाधुमारगउपापीपरदार
गोनचाउरे ओरब्रह्मजापीचारिवेदकेअध्यापीहरिनाम
केअलापीनरप्रेमनैनमबाउरे दुहूनकेकाजेहैंतऐकैगति
साजेभवछाडिछाडिभाजेमोषपदकोंउवरे ऐसेविश्वना
थजकीनीतिकेनिसाउअरुऐसेविश्वनाथपुरीराववैऐसेना
वरे ॥८॥ यथावा परीहा॰ रिचरनसरोजनतेंवेगनरीधरील
उछातउमायत्तिसीसधरीहै तीनिपंथपटरीतीनिलोकपा
रिचरिअतितरलतरंगनदीनाथअंकभरीहै ब्रह्मओब
हानुपरीओरैभवपारकरीसरस्तुतिहरीतीरऐसेसोनर
रीहै बरसनिबरपरीअचिरजरसकरीएतेपरगंगाकीबडा
ईबेदकरीहै ॥९॥ यथावा आनदअमितहेतअमृतकोंजा
नितेरेअमृतकेंापीवेंतेतोकंठविषदाईहै कालव्यालहीतेड
रपततोहिध्यावैंतैंतोकालव्यालहीकीमालअंगमेंबनाईहै
अतिहीत्रिविधतापतापितपुकारेंतोहितेंनोभालपावककी
ज्वालपरसाईहै भवतओचाहेहमतपुनिकरतिभवगंगाय

अ०क०
८८
९५

हतोमेंअरलुमगतपाईहै २०० यथावा साहिबराघववीर
गुवालक हू तुमसेंनबियोनिरमोही लछितहनीनहींनि
रलज्जतिहू पुरमेंललनाकहुंटोहीं जोतुमसागकरोवहूमां
तिनआवतलछिकीप्रीतिनजोही त्यागनेरेअपमानहूकों
सहिकेंतुमहीमेरहेजुअरोहीं २०१ स्तुतिनिंदायथा सागरहेल
हीतेंअबहेलितजैनमुहाकरुनारसधारी कोलोंकेहेंहमतें
रीवडाईतुहीजगमैंपरकोहितकारी प्यासमरेंनरपंथीनत
जलप्यावहेयहतापनमारी ओजसहूबहिकेंमरुदेसकोकी
बोसयतुहीअतिखारी २०२ अथसहोक्तिलछनं दुसरेको
वाचकजहांएकसबदकेजाइ पायसहारपकेवलहितहो
कतिआइ २०३ दिनरेनिसमेतनएअतिदिरघदेउसास
नकेनिकेरैं मनिकीवलायातिसमेतमहीतललोचननीर
कीधारपरैं पियनंदकुमारतिहारोबियोगसताहिविहाल
करें अंगअंगसमेतखरीदुबरीभईजीवनआसहरेंहीहरें
२०४ अथविनोक्तिलछनं भलोवुरोनहिदोषयतजहंओर
विनओर ताहिविनोकतिकहतहेंसुकविनकेसिरमोर २०५
यथा रजनीबिन चारुनहीरजनीपतितविन चारुनहींरजनी
तिनदोनोंबिनानहिकामिनकेमनकामबिलासकलासज
नी तिहिंमांतिलख्योतुवचैननहींपियनंदकुमारबिनासज
नी तुम्हरेबिनचैननहीअनहूबिचहीकनमानरसाभजनी
२०६ यथावा रसरितिसोबंकनेमोबिनहूनिकैसेमुखतेंम
धुरीबतिया अरुउरजैउरोजभयेबिनहूछतियाहेलगाव
नेकोछतिया तिमितहतिपाईभएबिनहूअखियाउरअंतर

सोदतियां पियनंदकुमारलषे बिन हू तन जोवनचाइकीपिर
तिया २०७ अथपरिवृत्तिअलंकारलछनं अर्पनकौबदलो
जहांसम अरु असमनिहोत अलंकारपरिवृत्तिवह कविके
हियेउदोत २८ यथा फलफूलके भारनई बनबेलिनिरंतरक
नावासिषायजुदेई सोपहपैनमहातिनतैकितौसौरभसंप
त्तिलई देषहुते गियानंदकुमारलतापुनिलैबिरहीनकेनैंन
लगेई। देत्तिहे आधिरुब्याधिहियें अमरोदनेमोहमनोजवि
तेई २०९ यथावा जयभाजंनराधवपीरसुबालकदीकवि
राजनिरीतिनई तुम्हे अरिबीरनसौंतुमसौंअदलाबदली
इकहोतभई तुवहाथरह्यारनिमैरिप्रहारनिअंगबिथाउ
निमोललई अरुजाहिनिरंतरमैरिरिहेबहुभोगभरीवहन
मिदई २१० अथभाविकालंकारलछनं भयेहोनहारनिज
हांकरियतदेपरतछ अलंकारभाविकतहांकहतसुकवि
मतिअछ ११ मजनकैअतिसरधायेसुलोचनस्यामतासोनसु
भाइबिसेष सौतिहुमानकौभंजनअंजनदीनोईआइसदा
ईमिपेष हैनैजहांपटभूषनबीरीबिलेपनसाजसमाजअ
लेष नैकतियाअंगमंडितहीनितनंदकुमारपियाहगदेष
१२ अथकाव्यलिंगालंकारलछनं बाक्यारथजहंहेतुहैकि
धोंपदारथहेतु काव्यलिंगसोजानियैअलंकारसुखदेतु
१३ अनेकपदार्थहेतुयथा नंदकुमारसुजानकहूंपरिहा
समैकंजप्रसूननिडारें औबरसाबैगुलाबनकेदलताहू
सोंजोअतिखिदहिधारैं तातिनअंगनाअंगनिकौंनिजबा
ननिबेधतसांझसवारैं कामसरापतिहैतुहिबामपरोहरसैं

अ०क० नहुतासनमारे १४ एकपदार्थहेतुयथा गंजनकामकेअंज
१०० नबामकेमंजनजेबिरहानलज्वालके तेमहिलोकमनोह
रूपसुजानसिरोमनिश्रीनदलालके देषेनहीबडेइन
नैननिपूरकुभागनआपनेभालके तोबिधिआइबडेअप
100 राधीरचाईकियेरहिरूपरसालके १५ अथपर्यायोक्तलछ
नं बिनावाच्यवाचकबचनपर्यायोकतजांनि कहियतव्यं
ग्यारथजहांऔरभांतिसोंआनि १६ यथा राघवबीरकीकि
त्तिकहेंकबिकीरसनासुखऔघसजोहे जाहिबिलोकीपु
रंदरकेमनमाननिवासकीप्रीतितजीहे मत्तताछाडिऐरा
वतकैसुखजानीनहीकिहिऔरभजीहे हीरामनीमुकता
निसोंपूरनसागरकीलहरीहूलजीहै १७ अथउदात्तालंका
रलछनं संपतिकाहूबस्तुकीबरनैजहांबनाई केधौंदेतबा
डेनकोउपलछनबकुनाइ १८ इहिंबिधिहोइप्रकारकोनाष
तसुकबिउदात्त उदाहरनताकोकहेजहांप्रकटसमुझा
त १८ यथा मकैरतमनिनमटाइरोषअंगननिफैलिरही
आवलीबिमलमुकतानिकी बालकबिलोकितिन्हेंजन
नीकेअंकनतेंदोरतधरतमतिनतनचनानिकी मूठीम
रिलेतलषिसतछाडिदेतगहिलेतफेरिहेरिहोंनिहारित
प्रभानिकी भवन रअवनीकेकबिराजनकेऐसीकेलि
नृपजयसिंघमहाराजनिकी १९ द्वितीयय देषोप्रीतिरि
रितिकेरसिकबरलोचननिचहैयहभूमिब्रजभूमिजाको
नामहै सोहतिसकलभूमितलकीसुहागसीमाजमुनापु
लिनपरअतिअभिरामहै जहांबंदाबनमध्यबसीबटत

100A

रूतरनाचेछैलनवनटमाधुरीकोधामहै पूतञ्रनेकगोपी
जनकेमनोरथनिजाकेरूपमोहिरहेरतिञ्रहकामहे २०यथा
वासोपहविपुनघोरपरमसुंदरजहररसरपबचनपालना
ब्रतघर बाकुसहायबसतसतरोकसदलनिसंघारियरम
इकसर ११ ञ्रथसमुञ्चयलछनं एकहेतुजिहिंसिछिको
तिहिंकारनजहंञ्रोर ताहिसमुञ्चयकेकहतसुकविनिके
सिरमोर १२ यथा श्रीनंदलालपियातिहिंनेहसनीतिहिंसो
सजनीमतिधीरी ञ्रोरजनीरजनीपतिकीरुचिपेलतिपान
बसंतकीसीरी कोकिलकूकञ्रलीगनकीधुनिफूलीबनी
सरितातटनीरी इतीहितमानमनावतमानिनिमोनोनिदा
नदुमानदुगीरी १३ यहमुञ्चपसतञ्रसतसदसतजोगहिया
इ होतत्रिहूपबषांनियेकहतकबिनकेराइ १४ सतजोगमे
यथा उज्वलबंसमनोहरमूरतिबुद्धिबटीपढिग्रंथघनेरप्र
रोगुजाबलसंपतिसोहनी ञ्राहिप्रजुलञ्रखंडितहेरे येय
सुनावहीसुंदरजावकितेरुनहीसोहियेमदघेरे साहिबरा
घवबीरमहीपतितेईमतंगज्योञ्रकुसतेरे १५ ञ्रसतजोगमे
यथा कामकेबाननिवारेनजातबिरसपियाचितचाहन
होई गोटोहेप्रेमनयोबयपानकठोरखरेबिमलोकुलहोई
धारजकोञ्रसहातियजातिबसंतसमोजमसोलिगयोईहे
नसखीपटुएकतेएकपेकोबिरहाबितबेजनकोई १६ सर
सतजोगमेयथा चंदसोसुंदरघोसमेंघूसरकोमिनीजोव
नबंचितहेरे बाजिबरंदबिनासरसीसुमञ्राहत्तिकेनहि
ञ्रछरेनेहे हेप्रभुञ्रोधनएकपदारनसज्जनञ्रोनितदारि

अ०क० देषैं दुहुरवैरोनपअंगगनसंगतसातहूसालरहैंमनमैं १७
१०१ अथअन्यसमुच्चयलछनं काहूकीजहंगुनक्रियाबरनतता
केबार सोपुनिअन्यबषानियेसमुच्चयालंकार १८ यथा
101 गावतकोकिकबिंदनकेमुखफैलतअछरआनददाईरा
घवबीरसुवालतिहूँपुरछावतरावरीकित्तिजुन्हाई सोहह
त्तिसतनईबसुधामनुपारदपूरपियूषअन्हाई बैरिनकी
पुनिमंडलीमेंचकमानोमहातमसोंलपटाई १९ साहिब
नंदकुमारसुजानसरोरुहमानकेमोचनवारे कोरनिरो
चनकीरुचिरोचइतैबियरावैरलोचनधारे तेंहीघरीउ
नमाननरीअौनिमानीपरीतरुनीनपभोरे अापनेवापपे
चोगुनेऐंचिकेकामनेपांचहूबानबिष्पारे २० साहिबराघ
ववीरसुवालकेसतसरोजसहोदरभाये लोचनरोचनरं
गनिलूटतअोसमरंगनमैंअरुनाये सोउतमानिकमोति
नमंडितमंजुलमोजसौंसोधनिलाये ऐसहूअछबिपछ
केअंगप्रतछअलछिकटाछनिछाये २१ अथपर्यायाल
कारलछनं क्रमसोंएकअनेकमेंहोइकिकरियेअर्थ पर्या
यालंकारसोंबर्णतसुकबिसमर्थ २२ पुनिअनेकजहँएक
मेंक्रमहीसोंतिहिंभांति वहैअन्यपर्यायकहिकहतकबिन
कीपांति २३ यथा बिततानितंबतजीतनुतामधिअगम
जीवहभांतिनली गतिचंचलपाइनछांडिचलीतिनधाइ
गहीजुगमैनथली उरसाथउरोजदुहूनिनेपासुखचंद
अकेलीभाहदली पियनंदकुमार लषैतियअंगनिजो
वनकीअरलाचदली २४ यथावा सुनियेपियनंदकुमा

101A

रसुजानकस्योजुककछुबिनतीहिकरैं उनिचंदमुखीजिय
लाजहिखोलिखरीचितचैागुनीचाहधरैं पहिलेविसुसा
गरमध्यहुतोपुनिबीसबिसेबस्याईसगरैं अबतेबहदेषि
येतोबिरहामधिरैनिदिनाजिहिंठारजरैं २५ यथावाहीपेह
लेरतनाकरकेंउरपेफिरिसुरेसकेगेहलषीहैं पाछेंसुधाकर
मेंनिरषीचहुंओरचकोरकुलीजुचषीहैं जोईपियारीकेबो
ठनिकबिचकामप्रवीनमेंआनिरषीहै सोईसुधाबसुधात
लमैंरघुवीरकीकीरतिह्वैनिरषीहै २६ यथावा पाइनजाव
ककेरंगसेमहदीरंगसेकरजागिरहेहैं वोठनिविद्रुमकेरंग
सेजुपियूषकेपूरनिपागिरहेहैं तेबहिंयेंतुवरागलषवरि
केंअंषियेनिहूंरागिरहेहैं नंदकुमारपियाकेजिहीछनतौ
छनरागिरहेहै २७ अनेकएकमैंहोइसोयथा दोहा दरसत
खलकेबचनमेंप्रथमसुधारसधार बरसतपुनिपरिनाममें
सरसहराहरडार २८ अनेकएकमेंकरियेयथा कतबहगेह
नीचीभित्तिटूटीछानिनकोभासतअकासलोंप्रकासकेंबीअ
टाहैं कतवहबेठीकुतीबूटीधेनतेहींठारगरजतमातगजेम
घकेसीघटाहे कतवहतुछधुनिमसलकीहोतीतहांगावेम
गलोचनीछबीलीबिज्जुछटाहे छारिकेसजसोमिलिआपो
छिजदीनमलेपांकुनेनिदीजियतहाटककेपटाहैं २९ अथ
अनुमानालंकारलछनं जहंसाधनकरिहोतहैसाध्यबस्तु
कोज्ञान तहांसुकबिबर्णनकेरअलंकारअनुमान ३० यथा
देषतहैापियनंदकुमारजुयेललनाअतिहीअनुरागैं मोहनि
कोजिहिंओरनचावतिबाननकीबरषातहंलागैं ताहीसेजा

नतितहबटापैंचटापेंहींचांपहियोरिसपागैं सासनधारत
आपुमनोजरहैदिनरोरतहीदनआगैं ३१ अथ परिकरालंका
रलछनं साभिप्रायबिसेषननिउक्ति सुपरिकर जानि साभि
प्रायबिसेष्यपरिकरांकुरहि पहिचानि ३२ यथा माननिके
मनमानकेभंजनमुग्धबधूअनुरंजनवारे अंगअनूपमरू
पमनोहर प्रानपतीपियप्रानतेप्यारे रंगभरेनवजोवनभू
षितचंदहुतेअतिचारुनिहारे मानकहातुमसोंनदनंदन
कोंधोकरैंगुनगानतिहारे ३३ परिकरांकुरयथा लछिअब
उकरौकमलापतितछिनहीहरिदारिदजालको वेघनस्या
मसदाश्रमिरामनिवारहुतीनिहुतापबिसालको दानव
मर्दनहूरिकरौनितदुष्टनिसंतनकेप्रतिपालको देहुचतु
र्भुजदेवचहूंपुरिषारथसीजयसिंहभुवालकों ३४ अथ
ब्याजोक्तिलछनं प्रगटैबस्तुसुरूपजहंकाहूनांतिनिगूढता
हिदुरैयेकपटसौंसोब्याजोकतिरूढ ३५ यथा दीनोसैल
राजनैसमाजपटिदानमंत्र गिरिजाकोचारुकरकमलरसा
लज आहोसितलाईतुहिनाचलकेकरनकीइहिंबिधिबच
नउचारेतिहिंहालज गिरिराजमहलतियानिहंसेब्याहर
समसेसिवसेवाएजयसिंहनृपालज ३६ अथपरिसंख्या
लंकारलछनं पूछोअनपूछोकछुकहियतसोपुनिहोइ
तासमअन्यनिषेधकोंहैपरिसंख्यासोइ ३७ कहासेइबैजो
गिपुलिननिर्मलसुरसरिकौ कहाध्याइबैजोगिचरनजुग
सुंदरहरिको काकरिबैइकपुन्यकहाचहिबैंअनुकंपा[illegible]का
पुनिगहिबेजोगिबिमलबिघारसरूपा कबिलालकलानि

१०३

108A

102A

धियोंकहतराघववीरनुवालसुनि इहिंभांतिसुकबिबर्णन
करैापरिसंख्यालंकारपुनि ३७ इहांअन्यनिषेधव्यंग्पहै बा
च्यपथ्या भूषनकोंनमहाडिटयाजगकितिनकंचनमानिक
जानो कारिजकोंनभलेजननकोंसुचारअजुधर्मनदूषनमानो
नैनकहाप्रतिघातविनमतिगोलकबासानैनैनवषानों सो
रघुबीरसुजानयहीमतजानततोबिनकोबजानो ३८ अन
पूछोहकहियेतहांदोइजेयहीहोहि यथा वारुघनाघनसे
अतिमेचकयाकचभारबसैकुटिलाई पंकजसेपदपानि
सुधाधरमध्यबसैअनुरागसदाई कंचनकुंनसेउछ्वउरो
जनिबासकरैनुवकीकठिनाई सीनदलालसुजानमनो
हरबालतोंनैनबसैचपलाई ३९ भांतिसदानवकेपदपं
कजसोनकहूनवकेअममांहिहैअनुरक्तिबडीसुतिसास
नचंदमुखीकेबिलासनिनहीं चिं

276

का

१०२